## सुदर गुटका साहिब ग्रबाणी नितनम

www.dekho-ji.com November 2020

मूल मत्र गुरू मत्र जपुजी साहिब जापु साहिब त्व प्रसादि सवय्ये स्वये (दीनन की) चौपयी साहिब अकाल उसतत चउपयो आनंद साहिब आनंद साहिब (भोग) रहरासि साहिब Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com

Index विषय सुची

www.dekho-ji.com 3 Index विषय स्ची

अरदासि

आरती

रक्ख्या दे शबद

<u>सााहला सााहब</u> ख भंजनि साहिब

सुखमनी साहिब

सुखमनी साहिब (सलोकु)

आसा दी वार + छंत

सलीक महला ९

लावां

बारह माहा मांझ

4 www.dekho-ji.com Index विषय सुची बारह माहा तुखारी शब्द हज़ार शब्द हज़ारे पा: १० बावन अखरी आअकार बावन अखरी कबीर सिध गोसटि रामकली की वार बसंत की वार जैतसरी की वार

राग माला

## मूल मंत्र

श्व सितनामु करता पुरखु निरभउ निरवैरु अकाल मूरित अजूनी सैभं गुरप्रसादि॥

## गुरू मंत्र

वाहिगुरू वाहिगुरू ...

वाहिगुरू वाहिगुरू ...

वाहिगुरू वाहिगुरू ...

## जपुजी साहिब

脧 सतिनामु करता पुरखु निरभउ निरवैरु अकाल मूरति अजूनी सैभं गुरप्रसादि॥ ॥ जपु ॥ आदि सचु जुगादि सचु ॥ है भी सचु नानक होसी भी सचु॥ १

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची सोचै सोचि न होवई जे सोची लख वार ॥ चुपै चुप न होवई जे लाइ रहा लिव तार ॥ भुखिआ भुख न उतरी जे बंना पुरीआ भार ॥ सहस सिआणपा लख होहि त इक न चलै नालि॥ किव सचिआरा होईऐ किव कूड़ै तुटै पालि ॥ हुकिम रजाई चलणा नानक लिखिआ नालि॥ १ ॥ हुकमी होवनि आकार हुकमु न कहिआ जाई ॥ हुकमी

www.dekho-ji.com Index विषय सुची होवनि जीअ हुकमि मिलै वडिआई ॥ हुकमी उतमु नीचु हुकमि लिखि दुख सुख पाईअहि ॥ इकना हुकमी बखसीस इकि हुकमी सदा भवाईअहि ॥ हुकमै अंदरि सभु को बाहरि हुकम न कोइ॥ नानक हुकमै जे बुझै त हउमै कहै न कोइ॥ २॥ गावै को ताणु होवै किसै ताणु ॥ गावै को दाति जाणै नीसाणु ॥ गावै को गुण वडिआईआ चार ॥ गावै www.dekho-ji.com Index विषय सुची को विदिआ विखमु वीचारु॥ गावै को साजि करे तन् खेह ॥ गावै को जीअ लै फिरि देह ॥ गावै को जापै दिसै दूरि॥ गावै को वेखै हादरा हदूरि ॥ कथना कथी न आवै तोटि ॥ कथि कथि कथी कोटी कोटि कोटि॥ देदा दे लैदे थिक पाहि॥ जुगा जुगंतरि खाही खाहि ॥ हुकमी हुकमु चलाए राहु ॥ नानक विगसै वेपरवाहु ॥ ३ ॥ साचा

www.dekho-ji.com Index विषय सूची साहिबु साचु नाइ भाखिआ भाउ अपारु ॥ आखहि मंगहि देहि देहि दाति करे दातारु॥ फेरि कि अगै रखीऐ जित् दिसै दरबारु ॥ मुहौ कि बोलणु बोलीऐ जितु सुणि धरे पिआरु ॥ अम्रित वेला सच् नाउ वडिआई वीचारु ॥ करमी आवै कपड़ा नदरी मोखु दुआरु ॥ नानक एवै जाणीऐ सभु आपे

सचिआरु॥४॥ थापिआ न

www.dekho-ji.com Index विषय सूची जाइ कीता न होइ ॥ आपे आपि निरंजनु सोइ॥ जिनि सेविआ तिनि पाइआ मानु ॥ नानक गावीऐ गुणी निधानु ॥ गावीऐ सुणीऐ मनि रखीऐ भाउ ॥ दुखु परहरि सुखु घरि लै जाइ॥ गुरमुखि नादं गुरमुखि वेदं गुरमुखि रहिआ समाई ॥ गुरु ईसरु गुरु गोरखु बरमा गुरु पारबती माई ॥ जे हउ जाणा आखा नाही कहणा कथनु न

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जाई ॥ गुरा इक देहि बुझाई ॥ सभना जीआ का इकु दाता सो मै विसरि न जाई॥ ५॥ तीरथि नावा जे तिसु भावा विणु भाणे कि नाइ करी ॥ जेती सिरठि उपाई वेखा विणु करमा कि मिलै लई ॥ मति विचि रतन जवाहर माणिक जे इक गुर की सिख सुणी ॥ गुरा इक देहि बुझाई ॥ सभना जीआ का

इक् दाता सो मै विसरि न जाई

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ ६ ॥ जे जुग चारे आरजा होर दसूणी होइ॥ नवा खंडा विचि जाणीऐ नालि चलै सभु कोइ॥ चंगा नाउ रखाइ कै जसु कीरति जिंग लेइ॥ जे तिसु नदिर न आवई त वात न पुछै के ॥ कीटा अंदरि कीटु करि दोसी दोसु धरे ॥ नानक निरगुणि गुणु करे गुणवंतिआ गुणु दे ॥ तेहा कोइ न सुझई जि तिसु गुणु कोइ करे ॥ ७ ॥ सुणिऐ सिध पीर सुरि

नाथ ॥ सुणिऐ धरति धवल आकास ॥ सुणिऐ दीप लोअ पाताल ॥ सुणिऐ पोहि न सकै कालु ॥ नानक भगता सदा

पाताल ॥ सुणिए पोहि न सकै कालु ॥ नानक भगता सदा विगासु ॥ सुणिए दूख पाप का नासु ॥ ८ ॥ सुणिए ईसरु बरमा इंदु ॥ सुणिए मुखि सालाहण

नासु॥ ८॥ सुणिए इसरु बरमा इंदु॥ सुणिए मुखि सालाहण मंदु॥ सुणिए जोग जुगति तनि भेद॥ सुणिए सासत सिम्निति वेद॥ नानक भगता सदा विगासु॥ सुणिए दूख पाप का www.dekho-ji.com 16 Index विषय स्ची

नासु॥ ९॥ सुणिऐ सतु संतोखु गिआनु॥ सुणिऐ अठसठि का

ागआनु ॥ सुाणए अठसाठ का इसनानु ॥ सुणिऐ पड़ि पड़ि पावहि मानु ॥ सुणिऐ लागै

सहजि धिआनु ॥ नानक भगता सदा विगासु ॥ सुणिऐ दूख पाप का नासु ॥ १० ॥ सुणिऐ सरा गुणा के गाह ॥ सुणिऐ सेख पीर पातिसाह ॥ सुणिऐ अंधे पावहि

राहु॥ सुणिऐ हाथ होवै असगाहु॥ नानक भगता सदा www.dekho-ji.com Index विषय स्ची विगासु ॥ सुणिऐ दूख पाप का नासु॥ ११॥ मंने की गति कही न जाइ॥ जे को कहै पिछै पछुताइ॥ कागदि कलम न लिखणहारु॥ मंने का बहि करनि वीचारु ॥ ऐसा नाम् निरंजनु होइ॥ जे को मंनि जाणै मनि कोइ॥ १२॥ मंनै सुरति होवै मनि बुधि ॥ मंनै सगल भवण की सुधि॥ मंनै मुहि चोटा ना खाइ॥ मंनै जम

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी कै साथि न जाइ॥ ऐसा नामु निरंजनु होइ॥ जे को मंनि जाणै मनि कोइ॥ १३॥ मंनै मारगि ठाक न पाइ ॥ मंनै पति सिउ परगटु जाइ ॥ मंनै मगु न चलै पंथ्॥ मंनै धरम सेती सनबंध् ॥ ऐसा नाम् निरंजन् होइ॥ जे को मंनि जाणै मनि कोइ॥ १४॥ मंनै पावहि मोखु दुआरु ॥ मंनै परवारै साधारु ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

मंनै तरै तारे गुरु सिख ॥ मंनै

www.dekho-ji.com Index विषय सुची नानक भवहि न भिख ॥ ऐसा नामु निरंजनु होइ ॥ जे को मंनि जाणै मनि कोइ॥ १५॥ पंच परवाण पंच परधानु ॥ पंचे पावहि दरगहि मानु ॥ पंचे सोहहि दरि राजानु ॥ पंचा का गुरु एकु धिआनु ॥ जे को कहै करै वीचारु ॥ करते कै करणै नाही सुमारु ॥ धौलु धरमु दइआ का पूतु ॥ संतोखु थापि रखिआ जिनि सूति ॥ जे को

www.dekho-ji.com Index विषय सुची बुझै होवै सचिआरु॥ धवलै उपरि केता भारु ॥ धरती होरु परै होरु होरु ॥ तिस ते भारु तलै कवण् जोरु ॥ जीअ जाति रंगा के नाव ॥ सभना लिखिआ वुड़ी कलाम ॥ एहु लेखा लिखि जाणै कोइ॥ लेखा लिखिआ केता होइ॥ केता ताणु सुआलिहु रूपु ॥ केती दाति जाणै कौणु कूतु ॥ कीता पसाउ

एको कवाउ॥ तिस ते होए लख

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची दरीआउ ॥ कुदरति कवण कहा वीचारु ॥ वारिआ न जावा एक वार ॥ जो तुधु भावै साई भली कार ॥ तू सदा सलामति निरंकार ॥ १६ ॥ असंख जप असंख भाउ॥ असंख पूजा असंख तप ताउ॥ असंख गरंथ मुखि वेद पाठ॥ असंख जोग मनि रहिह उदास ॥ असंख भगत गुण गिआन वीचार ॥ असंख सती असंख दातार ॥

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी असंख सूर मुह भख सार॥

असंख मोनि लिव लाइ तार॥ कुदरति कवण कहा वीचारु ॥ वारिआ न जावा एक वार ॥ जो

तुध् भावै साई भली कार ॥ तू सदा सलामति निरंकार॥ १७ ॥ असंख मूरख अंध घोर॥

असंख चोर हरामखोर ॥ असंख अमर करि जाहि जोर ॥ असंख गलवढ हतिआ कमाहि ॥ असंख पापी पापु करि जाहि ॥ असंख Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची कूड़िआर कूड़े फिराहि ॥ असंख मलेछ मल् भिख खाहि॥ असंख निंदक सिरि करहि भारु ॥ नानकु नीचु कहै वीचारु ॥ वारिआ न जावा एक वार ॥ जो तुध् भावै साई भली कार ॥ तू

सदा सलामित निरंकार ॥ १८ ॥ असंख नाव असंख थाव॥ अगम अगम असंख लोअ॥ असंख कहिह सिरि भारु होइ॥ अखरी नामु अखरी सालाह॥ www.dekho-ji.com Index विषय स्वी अखरी गिआनु गीत गुण गाह ॥ अखरी लिखणु बोलणु बाणि ॥ अखरा सिरि संजोगु वखाणि ॥ जिनि एहि लिखे तिसु सिरि नाहि ॥ जिव फुरमाए तिव तिव पाहि ॥ जेता कीता तेता नाउ ॥ विण् नावै नाही को थाउ॥ कुदरति कवण कहा वीचारु ॥ वारिआ न जावा एक वार ॥ जो तुधु भावै साई भली कार ॥ तू सदा सलामति निरंकार ॥ १९

www.dekho-ji.com 25 Index विषय स्ची ॥ भरीऐ हथु पैरु तनु देह ॥

पाणी धोतै उतरसु खेह ॥ मूत पलीती कपड़ु होइ ॥ दे साबूणु लईऐ ओहु धोइ॥ भरीऐ मति पापा कै संगि ॥ ओहु धोपै नावै कै रंगि ॥ पुंनी पापी आखणु नाहि ॥ करि करि करणा लिखि लै जाहु॥ आपे बीजि आपे ही खाहु ॥ नानक हुकमी आवहु जाहु ॥ २० ॥ तीरथु तपु दइआ

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

दतु दानु ॥ जे को पावै तिल का

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची मानु ॥ सुणिआ मंनिआ मनि कीता भाउ॥ अंतरगति तीरथि मलि नाउ॥ सभि गुण तेरे मै नाही कोइ॥ विणु गुण कीते भगति न होइ॥ सुअसति आर्थि बाणी बरमाउ ॥ सति सुहाणु सदा मनि चाउ॥ कवणु सु वेला वखतु कवणु कवण थिति कवणु वारु ॥ कवणि सि रुती माहु कवणु जितु होआ आकारु ॥ वेल न पाईआ पंडती जि होवै लेखु

पुराणु ॥ वखतु न पाइओ कादीआ जि लिखनि लेखु कुराणु ॥ थिति वारु ना जोगी जाणै रुति माहु ना कोई॥ जा करता सिरठी कउ साजे आपे जाणै सोई ॥ किव करि आखा किव सालाही किउ वरनी किव जाणा ॥ नानक आखणि सभु को आखै इक दू इकु सिआणा ॥ वडा साहिबु वडी नाई कीता जा का होवै॥ नानक जे को

www.dekho-ji.com Index विषय सूची आपौ जाणै अगै गइआ न सोहै ॥ २१ ॥ पाताला पाताल लख आगासा आगास ॥ ओड़क ओड़क भालि थके वेद कहनि इक वात ॥ सहस अठारह कहनि कतेबा असुलू इकु धातु ॥ लेखा होइ त लिखीऐ लेखै होइ विणासु ॥ नानक वडा आखीऐ आपे जाणै आपु॥ २२॥ सालाही सालाहि एती सुरति न

पाईआ॥ नदीआ अतै वाह

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची पवहि समुंदि न जाणीअहि॥ समुद साह सुलतान गिरहा सेती मालु धनु ॥ कीड़ी तुलि न होवनी जे तिसु मनहु न वीसरहि ॥ २३ ॥ अंतु न सिफती कहणि न अंतु ॥ अंतु न करणै देणि न अंतु ॥ अंतु न वेखणि सुणणि न अंतु ॥ अंतु न जापै किआ मिन मंतु ॥ अंतु न जापै कीता आकारु ॥ अंतु न जापै पारावारु ॥ अंत कारणि

**30** www.dekho-ji.com Index विषय सूची केते बिललाहि॥ ता के अंत न पाए जाहि ॥ एहु अंतु न जाणै कोइ ॥ बहुता कहीऐ बहुता होइ॥ वडा साहिबु ऊचा थाउ ॥ ऊचे उपरि ऊचा नाउ ॥ एवडु ऊचा होवै कोइ ॥ तिसु ऊचे कउ जाणै सोइ॥ जेवड् आपि जाणै आपि आपि॥ नानक नदरी करमी दाति॥ २४॥ बहुता करमु लिखिआ ना जाइ ॥ वडा दाता तिलु न

www.dekho-ji.com 31 Index विषय स्ची

तमाइ॥ केते मंगहि जोध अपार ॥ केतिआ गणत नही वीचारु॥ केते खपि तुटहि वेकार॥ केते लै

कत खाप तुटाह वकार ॥ कत ल लै मुकरु पाहि ॥ केते मूरख खाही खाहि ॥ केतिआ दूख भूख

सद मार ॥ एहि भि दाति तेरी दातार ॥ बंदि खलासी भाणै होइ ॥ होरु आखि न सकै कोइ ॥ जे को खाइकु आखणि पाइ ॥ ओहु जाणै जेतीआ मुहि खाइ ॥ आपे जाणै आपे देइ ॥ आखहि

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **32** Index विषय सुची सि भि केई केइ॥ जिस नो बखसे सिफति सालाह ॥ नानक पातिसाही पातिसाहु ॥ २५ ॥ अमुल गुण अमुल वापार ॥ अमुल वापारीए अमुल भंडार ॥ अमुल आवहि अमुल लै जाहि॥ अमुल भाइ अमुला समाहि॥ अमुलु धरमु अमुलु दीबाणु॥ अमुलु तुलु अमुलु परवाणु ॥ अमुलु बखसीस अमुलु नीसाणु

॥ अमुलु करमु अमुलु फुरमाणु ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची अमुलो अमुलु आखिआ न जाइ ॥ आखि आखि रहे लिव लाइ ॥ आखहि वेद पाठ पुराण ॥ आखहि पड़े करहि विखेआण ॥ आखहि बरमे आखहि इंद ॥ आखहि गोपी तै गोविंद॥ आखहि ईसर आखहि सिध॥ आखहि केते कीते बुध ॥ आखहि दानव आखहि देव ॥ आखहि सुरि नर मुनि जन सेव ॥ केते आखहि आखणि पाहि ॥ केते

www.dekho-ji.com Index विषय सुची कहि कहि उठि उठि जाहि॥ एते कीते होरि करेहि॥ ता आखि न सकहि केई केइ॥ जेवडु भावै तेवडु होइ॥ नानक जाणै साचा सोइ॥ जे को आखै बोल्विगाड़् ॥ ता लिखीऐ सिरि गावारा गावारु ॥ २६ ॥ सो दरु केहा सो घरु केहा जितु बहि सरब समाले ॥ वाजे नाद अनेक असंखा केते वावणहारे ॥ केते राग परी सिउ कहीअनि केते

www.dekho-ji.com Index विषय सुची गावणहारे ॥ गावहि तुहनो पउणु पाणी बैसंतरु गावै राजा धरम् दुआरे ॥ गावहि चितु गुपतु लिखि जाणहि लिखि लिखि धरम् वीचारे ॥ गावहि ईसरु बरमा देवी सोहनि सदा सवारे ॥ गावहि इंद इदासणि बैठे देवतिआ दरि नाले ॥ गावहि सिध समाधी अंदरि गावनि साध विचारे ॥ गावनि जती सती संतोखी गावहि वीर

www.dekho-ji.com **36** Index विषय सुची करारे ॥ गावनि पंडित पड़नि रखीसर जुगु जुगु वेदा नाले ॥ गावहि मोहणीआ मन् मोहनि सुरगा मछ पइआले ॥ गावनि रतन उपाए तेरे अठसठि तीरथ नाले ॥ गावहि जोध महाबल सूरा गावहि खाणी चारे ॥ गावहि खंड मंडल वरभंडा करि करि रखे धारे ॥ सेई तुधुनो गावहि जो तुधु भावनि रते तेरे भगत रसाले ॥ होरि केते

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची गावनि से मै चिति न आवनि नानकु किआ वीचारे ॥ सोई सोई सदा सचु साहिबु साचा साची नाई॥ है भी होसी जाइ न जासी रचना जिनि रचाई॥ रंगी रंगी भाती करि करि जिनसी माइआ जिनि उपाई॥ करि करि वेखै कीता आपणा जिव तिस दी वडिआई॥ जो तिसु भावै सोई करसी हुकमु न करणा जाई ॥ सो पातिसाह

www.dekho-ji.com Index विषय सुची साहा पातिसाहिबु नानक रहणु रजाई॥ २७॥ मुंदा संतोखु सरमु पतु झोली धिआन की करिह बिभूति ॥ खिंथा कालु कुआरी काइआ जुगति डंडा परतीति ॥ आई पंथी सगल जमाती मनि जीतै जगु जीतु॥ आदेसु तिसै आदेसु॥ आदि

अनीलु अनादि अनाहति जुगु जुगु एको वेसु ॥ २८ ॥ भुगति गिआनु दइआ भंडारणि घटि

www.dekho-ji.com Index विषय सूची घटि वाजहि नाद ॥ आपि नाथु नाथी सभ जा की रिधि सिधि अवरा साद ॥ संजोगु विजोगु दुइ कार चलावहि लेखे आवहि भाग ॥ आदेसु तिसै आदेसु ॥ आदि अनीलु अनादि अनाहति जुगु जुगु एको वेसु ॥ २९ ॥ एका माई जुगति विआई तिनि चेले परवाणु ॥ इकु संसारी इकु भंडारी इकु लाए दीबाणु ॥ जिव तिसु भावै तिवै चलावै

www.dekho-ji.com Index विषय सूची जिव होवै फुरमाणु ॥ ओहु वेखैं ओना नदरि न आवै बहुता एहु विडाणु ॥ आदेसु तिसै आदेसु ॥ आदि अनीलु अनादि अनाहति जुगु जुगु एको वेसु ॥ ३० ॥ आसणु लोइ लोइ भंडार ॥ जो किछु पाइआ सु एका वार ॥ करि करि वेखै सिरजणहारु ॥ नानक सचे की साची कार ॥ आदेसु तिसै आदेसु ॥ आदि अनीलु अनादि अनाहति जुगु

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची जुगु एको वेसु ॥ ३१ ॥ इक दू जीभौ लख होहि लख होवहि लख वीस ॥ लखु लखु गेड़ा आखीअहि एकु नामु जगदीस ॥ एत् राहि पति पवड़ीआ चड़ीऐ होइ इकीस ॥ सुणि गला आकास की कीटा आई रीस ॥ नानक नदरी पाईऐ कूड़ी कूड़ै ठीस ॥ ३२ ॥ आखणि जोरु चुपै नह जोरु॥ जोरु न मंगणि देणि न जोरु॥ जोरु न जीवणि

Index विषय सुची www.dekho-ji.com मरणि नह जोरु ॥ जोरु न राजि मालि मनि सोरु॥ जोरुन सुरती गिआनि वीचारि ॥ जोरु न जुगती छुटै संसारु ॥ जिसु हथि जोरु करि वेखै सोइ॥ नानक उतम् नीच् न कोइ॥ ३३ ॥ राती रुती थिती वार ॥ प्वण पाणी अगनी पाताल ॥ तिस् विचि धरती थापि रखी धरम साल ॥ तिस् विचि जीअ ज्गति के रंग ॥ तिन के नाम

www.dekho-ji.com Index विषय सुची अनेक अनंत ॥ करमी करमी होइ वीचारु ॥ सचा आपि सचा दरबारु ॥ तिथै सोहनि पंच परवाण्॥ नदरी करमि पवै नीसाण्॥ कच पकाई ओथै पाइ ॥ नानक गइआ जापै जाइ॥ ३४॥ धरम खंड का एहो धरम् ॥ गिआन खंड का आखहु करमु ॥ केते पवण पाणी वैसंतर केते कान महेस ॥ केते बरमे घाड़ति घड़ीअहि रूप रंग के वेस ॥

भू अपदेस ॥ केते इंद चंद सूर केती केते मंडल देस ॥ केते सिध

केते केते मंडल देस ॥ केते सिध बुध नाथ केते केते देवी वेस ॥ केते देव दानव मुनि केते केते रतन समुंद ॥ केतीआ खाणी

केतीआ बाणी केते पात निरंद॥ केतीआ सुरती सेवक केते नानक अंतु न अंतु॥ ३५॥ गिआन खंड महि गिआनु परचंडु॥ तिथै नाद बिनोद कोड अनंदु॥ सरम www.dekho-ji.com 45 Index विषय स्ची खंड की बाणी रूपु ॥ तिथै

घाड़ित घड़ीऐ बहुतु अनूपु॥ ता कीआ गला कथीआ ना जाहि॥ जे को कहै पिछै पछुताइ॥ तिथै घड़ीऐ सुरति मित मिन बुधि॥

तिथै घड़ीए सुरा सिधा की सुधि॥ ३६॥ करम खंड की बाणी जोरु॥ तिथै होरु न कोई होरु॥ तिथै जोध महाबल सूर॥ तिन महि रामु रहिआ भरपूर॥ तिथै सीतो सीता महिमा

www.dekho-ji.com Index विषय सुची माहि॥ ता के रूप न कथने जाहि॥ ना ओहि मरहि न ठागे जाहि ॥ जिन कै राम् वसै मन माहि॥ तिथै भगत वसहि के लोअ ॥ करहि अनंदु सचा मनि सोइ॥ सच खंडि वसै निरंकारु ॥ करि करि वेखै नदरि निहाल ॥ तिथै खंड मंडल वरभंड ॥ जे को कथै त अंत न अंत ॥ तिथै लोअ लोअ आकार ॥ जिव जिव

हुकम् तिवै तिव कार ॥ वेखै

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

पाहारा धीरजु सुनिआर ॥
अहरणि मति वेदु हथीआर ॥
अस्र खला अगनि तप तार ॥

भउ खला अगनि तप ताउ॥ भांडा भाउ अम्रितु तितु ढालि॥

घड़ीऐ सबदु सची टकसाल ॥ जिन कउ नदरि करमु तिन कार ॥ नानक नदरी नदरि निहाल ॥

३८ ॥ \_\_\_\_ सलोकु ॥

पवणु गुरू पाणी पिता माता धरति महतु ॥ दिवसु राति दुइ दाई दाइआ खेलै सगल जगतु॥ चंगिआईआ बुरिआईआ वाचै धरमु हदूरि ॥ करमी आपो आपणी के नेड़ै के दूरि ॥ जिनी नामु धिआइआ गए मसकति घालि॥ नानक ते मुख उजले केती छुटी नालि ॥ १ ॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## जापु साहिब

स्री वाहिगुरू जी की फ़तह॥ जापु॥

स्री मुखवाक पातिसाही १०॥ छपै छंद॥ त्वप्रसादि॥

च्क्र चिहन अरु बरन जाति अरु पाति नहिन जिह ॥ रूप रंग अरु रेख भेख कोऊ कहि न सकति किह ॥ अचल मूरति

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

अनभउ प्रकास अमितोजि

www.dekho-ji.com 51 Index विषय स्वी कहिजै ॥ कोटि इंद्र इंद्राणि साहु साहाणि गणिजै ॥ त्रिभवण महीप सर नर असर नेति नेति

महीप सुर नर असुर नेति नेति बन त्रिण कहत ॥ त्व सरब नाम कथै कवन करम नाम बरणत सुमति॥१॥ भुजंग प्रयात छंद॥ नमसत्वं अकाले ॥ नमसत्वं क्रिपाले ॥ नमसत्वं अरूपे ॥

नमसत्वं अनूपे ॥ २ ॥ नमसतं

अभेखे॥ नमसतं अलेखे॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची नमसतं अकाए॥ नमसतं अजाए॥ ३॥ नमसतं अगंजे॥ नमसतं अभंजे ॥ नमसतं अनामे ॥ नमसतं अठामे ॥ ४ ॥ नमसतं अकरमं ॥ नमसतं अधरमं ॥ नमसतं अनामं ॥ नमसतं अधामं ॥ ५ ॥ नमसतं अजीते ॥ नमसतं अभीते ॥ नमसतं अबाहे ॥

नमसतं अढाहे ॥ ६ ॥ नमसतं अनीले ॥ नमसतं अनादे ॥ नमसतं अछेदे ॥ नमसतं अगाधे www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ ७ ॥ नमसतं अगंजे ॥ नमसतं अभंजे ॥ नमसतं उदारे ॥ नमसतं अपारे ॥ ८ ॥ नमसतं सु एकै ॥ नमसतं अनेकै ॥ नमसतं अभूते ॥ नमसतं अजूपे ॥ ९ ॥ नमसतं न्रिकरमे ॥ नमसतं न्रिभरमे ॥ नमसतं न्रिदेसे ॥ नमसतं न्रिभेसे ॥ १० ॥ नमसतं न्रिनामे ॥ नमसतं न्रिकामे ॥ नमसतं न्रिधाते ॥ नमसतं न्रिघाते ॥ ११ ॥ नमसतं न्रिधूते

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ नमसतं अभूते ॥ नमसतं अलोके ॥ नमसतं असोके ॥ १२ ॥ नमसतं च्रितापे ॥ नमसतं अथापे ॥ नमसतं त्रिमाने ॥

नमसतं निधाने ॥ १३ ॥ नमसतं अगाहे ॥ नमसतं अबाहे ॥ नमसतं त्रिबरगे ॥ नमसतं असरगे ॥ १४ ॥ नमसतं प्रभोगे ॥ नमसतं सुजोगे ॥ नमसतं

अरंगे ॥ नमसतं अभंगे ॥ १५ ॥

नमसतं अगमे ॥ नमसतसत् रमे

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ नमसतं जलासरे ॥ नमसतं निरासरे॥ १६॥ नमसतं अजाते ॥ नमसतं अपाते ॥ नमसतं अमजबे ॥ नमसतसत् अजबे ॥ १७ ॥ अदेसं अदेसे ॥ नमसतं अभेसे ॥ नम्सतं

न्रिधामे ॥ नमसतं न्रिबामे ॥ १८॥ नमो सरब काले ॥ नमो सरब दिआले ॥ नमो सरब रूपे ॥ नमो सरब भूपे ॥ १९ ॥ नमो सरब खापे ॥ नमो सरब थापे ॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची नमो सरब काले ॥ नमो सरब पाले ॥ २० ॥ नमसतसत् देवै ॥ नमसतं अभेवै॥ नमसतं अजनमे ॥ नमसतं सुबनमे ॥ २१॥ नमो सरब गउने॥ नमो सरब भउने ॥ नमो सरब रंगे ॥ नमो सरब भंगे॥ २२॥ नमो

काल काले ॥ नमसतसतु दिआले ॥ नमसतं अबरने ॥ नमसतं अमरने ॥ २३ ॥ नमसतं जरारं ॥ नमसतं जरारं ॥ नमसतं क्रितारं ॥ नमो

www.dekho-ji.com 57 Index विषय सुची सरब धंधे॥ नमो सत अबंधे॥ २४॥ नमसतं न्रिसाके॥ नमसतं न्रिबाके ॥ नमसतं रहीमे ॥ नमसतं करीमे ॥ २५ ॥ नमसतं अनंते ॥ नमसतं महंते ॥ नमसतसत् रागे ॥ नमसतं सुहागे ॥ २६ ॥ नमो सरब सोखं ॥ नमो सरब पोखं ॥ नमो सरब करता ॥ नमो सरब हरता ॥ २७॥ नमो जोग जोगे॥ नमो

<u>www.dekho-ji.com</u> 58 <u>Index विषय स्</u>ची

भोग भोगे॥ नमो सरब दिआले॥ नमो सरब पाले॥ २८॥

चाचरी छंद ॥ त्वप्रसादि ॥ अरूप हैं ॥ अनूप हैं ॥ अजू हैं ॥

अभू हैं॥ २९॥ अलेख हैं॥ अभेख हैं॥ अनाम हैं॥ अकाम हैं॥ ३०॥ अधे हैं॥ अभे हैं॥

अजीत हैं॥ अभीत हैं॥ ३१॥ त्रिमान हैं॥ निधान हैं॥

त्रिबरग है॥ असरग हैं॥ ३२॥ अनील हैं॥ अनादि हैं॥ अजे हैं www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ अजादि हैं ॥ ३३ ॥ अजनम हैं ॥ अबरन हैं ॥ अभूत हैं ॥ अभरन हैं॥ ३४॥ अगंज हैं॥ अभंज हैं॥ अझूझ हैं॥ अझंझ हैं ॥ ३५ ॥ अमीक हैं ॥ रफ़ीक हैं ॥ अधंध हैं ॥ अबंध हैं ॥ ३६ ॥ निबुझ हैं॥ असूझ हैं॥ अकाल हैं॥ अजाल हैं॥ ३७॥ अलाह हैं॥ अजाह हैं॥ अनंत हैं॥ महंत हैं॥ ३८॥ अलीक हैं॥ न्रिस्रीक हैं॥ न्रिल्मभ हैं॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची अस्मभ हैं॥ ३९॥ अगम हैं॥ अजम हैं॥ अभूत हैं॥ अछूत हैं ॥ ४०॥ अलोक हैं॥ असोक हैं ॥ अकरम हैं ॥ अभरम हैं ॥ ४१ ॥ अजीत हैं ॥ अभीत हैं ॥ अबाह हैं॥ अगाह हैं॥ ४२॥ अमान हैं॥ निधान हैं॥ अनेक हैं ॥ फिरि एक हैं ॥ ४३ ॥ भुजंग प्रयात छंद ॥ नमो सरब माने ॥ समसती निधाने ॥ नमो देव देवे ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची अभेखी अभेवे॥ ४४॥ नमो काल काले ॥ नमो सरब पाले ॥ नमो सरब गउणे ॥ नमो सरब भउणे ॥ ४५ ॥ अनंगी अनाथे ॥ न्रिसंगी प्रमाथे॥ नमो भान भाने ॥ नमो मान माने ॥ ४६ ॥ नमो चंद्र चंद्रे॥ नमो भान भाने ॥ नमो गीत गीते ॥ नमो तान ताने ॥ ४७ ॥ नमो न्रित नि्रते ॥ नमो नाद नादे ॥ नमो पान पाने ॥ नमो बाद बादे ॥ ४८ ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची अनंगी अनामे ॥ समसती सरूपे ॥ प्रभंगी प्रमाथे ॥ समसती बिभूते ॥ ४९ ॥ कलंकं बिना नेकलंकी सरूपे॥ नमो राज राजेस्वरं परम रूपे ॥ ५० ॥ नमो जोग जोगेस्वरं परम सिधे ॥ नमो राज राजेस्वरं परम ब्रिधे ॥ ५१ ॥ नमो ससत्र पाणे ॥ नमो असत्र माणे ॥ नमो परम गिआता ॥ नमो लोक माता ॥ ५२ ॥ अभेखी अभरमी

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची अभोगी अभुगते ॥ नमो जोग जोगेस्वरं परम जुगते ॥ ५३ ॥ नमो नि्त नाराइणे करूर करमे ॥ नमो प्रेत अप्रेत देवे सुधरमे ॥ ५४॥ नमो रोग हरता॥ नमो राग रूपे ॥ नमो साह साहं ॥ नमो भूप भूपे ॥ ५५ ॥ नमो दान दाने ॥ नमो मान माने ॥ नमो रोग रोगे॥ नमसतं सनाने ॥ ५६ ॥ नमो मंत्र मंत्रं ॥ नमो जंत्र जंत्रं ॥ नमो इसट इसटे ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची नमो तंत्र तंत्रं ॥ ५७ ॥ सदा स्चदानंद सरबं प्रणासी ॥ अनूपे अरूपे समसतुल निवासी ॥ ५८ ॥ सदा सिधिदा बुधिदा ब्रिधि करता ॥ अधो उरध अरधं अघं ओघ हरता ॥ ५९ ॥ परं परम परमेस्वरं प्रोछ पालं ॥ सदा सरबदा सिधि दाता दिआलं॥ ६०॥ अछेदी अभेदी अनामं अकामं ॥ समसतो पराजी समसतसत् धामं ॥ ६१ ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची तेरा जोरु॥ चाचरी छंद॥ जले हैं॥ थले हैं॥ अभीत हैं॥

अभे हैं ॥ ६२ ॥ प्रभू हैं ॥ अजू हैं ॥ अदेस हैं ॥ अभेस हैं ॥ ६३ ॥

भ्जंग प्रयात छंद॥ अगाधे अबाधे ॥ अनंदी सरूपे ॥ नमो सरब माने ॥ समसती निधाने ॥ ६४ ॥ नमसत्वं न्निनाथे ॥ नमसत्वं प्रमाथे ॥ नमसत्वं अगंजे ॥ नमसत्वं अभंजे ॥ ६५ ॥ नमसत्वं अकाले

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ नमसत्वं अपाले ॥ नमो सरब देसे ॥ नमो सरब भेसे ॥ ६६ ॥ नमो राज राजे॥ नमो साज साजे ॥ नमो साह साहे ॥ नमो माह माहे॥ ६७॥ नमो गीत गीते ॥ नमो प्रीति प्रीते ॥ नमो रोख रोखे॥ नमो सोख सोखे॥ ६८॥ नमो सरब रोगे॥ नमो सरब भोगे॥ नमो सरब जीतं॥ नमो सरब भीतं॥ ६९॥ नमो

सरब गिआनं ॥ नमो परम तानं

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ नमो सरब मंत्रं ॥ नमो सरब जंत्रं ॥ ७० ॥ नमो सरब द्रिसं ॥ नमो सरब क्रिसं॥ नमो सरब रंगे ॥ त्रिभंगी अनंगे ॥ ७१ ॥ नमो जीव जीवं ॥ नमो बीज बीजे॥ अख्जि अभिजे॥ समसतं प्रसि्जे ॥ ७२ ॥ क्रिपालं

बीजे॥ अख्जि अभिजे॥ समसतं प्रसिजे॥ ७२॥ क्रिपालं सरूपे॥ कुकरमं प्रणासी॥ सदा सरबदा रिधि सिधं निवासी॥ ७३॥ चरपट छंद॥ त्वप्रसादि॥ www.dekho-ji.com Index विषय सुची अम्रित करमे ॥ अमब्रित धरमे ॥ अखिल जोगे॥ अचल भोगे॥ ७४॥ अचल राजे॥ अटल साजे ॥ अखल धरमं ॥ अलख करमं॥ ७५॥ सरबं दाता॥ सरबं गिआता ॥ सरबं भाने ॥ सरबं माने ॥ ७६ ॥ सरबं प्राणं ॥ सरबं त्राणं ॥ सरबं भुगता ॥ सरबं ज्गता ॥ ७७ ॥ सरबं देवं ॥ सरबं भेवं ॥ सरबं काले ॥ सरबं पाले ॥ ७८ ॥

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी रूआल छंद ॥ त्वप्रसादि॥ आदि रूप अनादि मूरति अजोनि पुरख अपार ॥ सरब

मान त्रिमान देव अभेव आदि उदार॥ सरब पालक सरब घालक सरब को पुनि काल ॥ ज्त्र त्त्र बिराजही अवधूत रूप रिसाल ॥ ७९ ॥ नाम ठाम न जाति जाकर रूप रंग न रेख ॥ आदि पुरख उदार मूरति अजोनि आदि असेख ॥ देस

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची अउर न भेस जाकर रूप रेख न राग ॥ जत्र तत्र दिसा विसा हुइ फैलिओ अनुराग ॥ ८० ॥ नाम काम बिहीन पेखत धाम हूं नहि जाहि॥ सरब मान सरब्त्र मान सदैव मानत ताहि॥ एक मूरति अनेक दरसन कीन रूप अनेक॥ खेल खेलि अखेल खेलन अंत को फिरि एक ॥ ८१ ॥ देव भेव न जानही जिह बेद अउर कतेब ॥ रूप रंग न जाति पाति सु

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जानई किह जेब ॥ तात मात न जात जाकर जनम मरन बिहीन ॥ च्क्र ब्क्र फिरै चतुर चकि मान ही पुर तीन ॥ ८२ ॥ लोक चउदह के बिखै जग जाप ही

जिह जापु॥ आदि देव अनादि मूरति थापिओ सबै जिह थापु॥ परम रूप पुनीत मूरति पूरन पुरख अपार ॥ सरब बिस्व रचिओ सुय्मभव गड़न भंजनहार ॥ ८३ ॥ काल हीन

नला संजुगति अकाल पुरख अदेस ॥ धरम धाम सु भरम रहत अभूत अलख अभेस ॥ अंग राग न रंग जा किह जाति पाति न नाम ॥ गरब गंजन दुसट भंजन मकित दाइक काम ॥ ८४

भंजन मुकति दाइक काम ॥ ८४ ॥ आप रूप अमीक अनउसत्ति एक पुरख अवधूत ॥ गरब गंजन सरब भंजन आदि रूप असूत॥ अंह हीन अभंग अनातम एक पुरख अपार ॥ सरब लाइक

सरब घाइक सरब को प्रतिपार ॥ ८५ ॥ सरब गंता सरब हंता सरब ते अनभेख ॥ सरब सासत्र न जानही जिह रूप रंगु अरु रेख ॥ परम बेद पुराण जाकहि नेति भाखत नित ॥ कोटि

नेति भाखत नित ॥ कोटि सिम्रित पुरान सासत्र न आवई वहु चि्त ॥ ८६ ॥ मधुभार छंद ॥ त्वप्रसादि ॥ गुन गन उदार ॥ महिमा अपार ॥ आसन अभंग ॥ उपमा अनंग

गन प्रनाम ॥ निरभै निकाम ॥

<u>www.dekho-ji.com</u> 75 <u>Index विषय स्</u>ची

अति दुति प्रचंड ॥ मित गति अखंड ॥ ९२ ॥ आलिस्य करम ॥ आद्रिस्य धरम ॥ सरबा भरणाढ्य ॥ अनडंड बाढ्य ॥ ९३॥ चाचरी छंद ॥ त्वप्रसादि ॥ गुबिंदे ॥ मुकंदे ॥ उदारे ॥

चाचरा छद॥ त्वप्रसााद॥
गुबिंदे॥ मुकंदे॥ उदारे॥
अपारे॥ ९४॥ हरीअं॥ करीअं॥ विनामे॥ अकामे॥ ९५॥
भुजंग प्रयात छंद॥

www.dekho-ji.com 76 Index विषय स्ची

चत्र चक्र करता॥ चत्र चक्र हरता॥ चत्र चक्र दाने॥ चत्र चक्र जाने

॥ चत्र चक्र दान ॥ चत्र चक्र जान ॥ ९६ ॥ चत्र चक्र वरती ॥ चत्र चक्र भरती ॥ चत्र चक्र पाले ॥

ज्ज भरता॥ ज्य ज्ज्ञ पाल॥ ज्य ज्ज्ञ काले॥ ९७॥ ज्य ज्ज्ञ पासे॥ ज्य ज्ज्ञ वासे॥ ज्य ज्ज्ञ मानयै॥ ज्य ज्ज्ञ दानयै॥ ९८

॥ चाचरी छंद॥

न स्त्रै॥ न मि्त्रै॥ न भरमं॥ न भि्त्रै॥ ९९॥ न करमं॥ न <u>www.dekho-ji.com</u> 77 <u>Index विषय सूची</u>

काए॥ अजनमं॥ अजाए॥ १००॥ न चि्त्रै॥ न मि्त्रै॥ परे हैं ॥ पवि्त्रै ॥ १०१ ॥ प्रिथीसे ॥ अदीसे ॥ अद्रिसे ॥ अक्रिसै॥ १०२॥ भगवती छंद ॥ त्वप्रसादि कथते

कि आछ्रिज देसै ॥ कि आभिज भेसै ॥ कि आगंज करमै ॥ कि आभंज भरमै ॥ १०३॥ कि आभिज लोकै ॥ कि आदित www.dekho-ji.com 78 Index विषय स्ची

सोकै ॥ कि अवधूत बरनै ॥ कि बिभूत करनै ॥ १०४ ॥ कि राजं प्रभा हैं ॥ कि धरमं धुजा हैं ॥ कि आसोक बरनै ॥ कि सरबा

अभरनै ॥ १०५ ॥ कि जगतं क्रिती हैं॥ कि छत्रं छत्री हैं॥ कि ब्रहमं सरूपै ॥ कि अनभउ अनूपै ॥ १०६ कि आदि अदेव हैं॥ कि आपि अभेव हैं॥ कि चि्त्रं बिहीनै ॥ कि एकै अधीनै ॥ १०७॥ कि रोजी रजाकै॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 79 Index विषय स्वी रहीमै रिहाकै ॥ कि पाक बिऐब हैं ॥ कि गैतल गैत हैं ॥ १०८॥

हैं ॥ कि गैबुल ग़ैब हैं ॥ १०८ ॥ कि अफवुल गुनाह हैं ॥ कि शाहान शाह हैं॥ कि कारन कुनिंद हैं॥ कि रोज़ी दिहिंद हैं ॥ १०९॥ कि राज़क रहीम हैं ॥ कि करमं करीम हैं ॥ कि सरबं कली हैं॥ कि सरबं दली

हैं॥ ११०॥ कि सरब्त्र मानियै॥ कि सरब्त्र दानियै॥ कि सरब्त्र दानियै॥ कि सरब्त्र गउनै॥ कि सरब्त्र भउनै

www.dekho-ji.com 80 Index विषय सुची ॥ १११ ॥ कि सरब्त्र देसै ॥ कि सरब्त्र भेसै ॥ कि सरब्त्र राजै ॥ कि सरब्त्र साजै॥ ११२॥ कि सरब्त्र दीनै ॥ कि सरब्त्र लीनै ॥ कि सरब्त्र जाहो ॥ कि सरब्त्र भाहो ॥ ११३ ॥ कि सरब्त्र देसै ॥ कि सरब्त्र भेसै ॥ कि सरब्त्र कालै ॥ कि सरब्त्र पालै ॥ ११४ ॥ कि सरब्त्र हंता ॥ कि सरब्त्र गंता ॥ कि सरब्त्र भेखी ॥ कि सरब्त्र पेखी ॥ ११५ ॥ कि

www.dekho-ji.com 81 Index विषय स्वी सर्वे काजै॥ कि सर्वे राजै

॥ कि सरब्त्र सोखै ॥ कि सरब्त्र पोखै ॥ ११६ ॥ कि सरब्त्र त्राणै ॥ कि सरब्त्र प्राणै ॥ कि सरब्त्र

देसै ॥ कि सरब्त्र भेसै ॥ ११७ ॥ कि सरब्त्र मानियें ॥ सदैवं प्रधानियें ॥ कि सरब्त्र जापियै ॥ कि सरब्त्र थापियै ॥ ११८॥ कि सरब्त्र भाने ॥ कि सरब्त्र मानै ॥ कि सरब्त्र इंद्रै ॥ कि सरब्त्र चंद्रै ॥ ११९ ॥ कि सरबं

www.dekho-ji.com Index विषय सुची कलीमै ॥ कि परमं फ़हीमै ॥ कि आकिल अलामै ॥ कि साहिब कलामै ॥ १२० ॥ कि हुसनल वजू हैं ॥ तमामुल रुजू हैं ॥ हमेसुल सलामै ॥ सलीखत मुदामैं ॥ १२१ ॥ ग्रानीमुल शिकसतै ॥ गरीबुल परसतै ॥ बिलंदुल मकानै ॥ ज़मीनुल ज़मानै ॥ १२२ ॥ तमीज़्ल तमामैं ॥ रुजूअल निधानैं ॥ हरीफ़ुल अजीमैं॥ रज़ाइक

www.dekho-ji.com Index विषय सुची

यकीनै ॥ १२३ ॥ अनेकुल तरंग हैं॥ अभेद हैं अभंग हैं॥

अज़ीज़्ल निवाज़ हैं॥ ग़नीमुल खिराज हैं ॥ १२४ ॥ निरुकत

सरूप हैं॥ त्रिमुकति बिभूत हैं॥ प्रभुगति प्रभा हैं ॥ सुजुगति सुधा हैं ॥ १२५ ॥ सदैवं सरूप हैं॥ अभेदी अनूप हैं॥ समसतो पराज हैं॥ सदा सरब साज हैं॥

१२६॥ समसतुल सलाम हैं॥ सदैवल अकाम हैं ॥ न्रिबाध

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सरूप हैं॥ अगाध हैं अनूप हैं॥ १२७॥ ओअं आदि रूपे॥ अनादि सरूपै ॥ अनंगी अनामे ॥ त्रिभंगी त्रिकामे ॥ १२८ ॥ त्रिबरगं त्रिबाधे ॥ अगंजे अगाधे

॥ सुभं सरब भागे ॥ सु सरबा अनुरागे ॥ १२९ ॥ त्रिभुगत सरूप हैं ॥ अछ्जि हैं अछूत हैं ॥ कि नरकं प्रणास हैं॥ प्रिथीउल प्रवास हैं ॥ १३० ॥ निरुकति प्रभा हैं ॥ सदैवं सदा हैं ॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 85 Index विषय स्ची बिभ्गति सरूप है॥ प्रज्गति

अनूप हैं ॥ १३१ ॥ निरुकति सदा हैं॥ बिभुगति प्रभा हैं॥ अनउकति सरूप हैं॥ प्रजुगति अनूप हैं ॥ १३२॥ चाचरी छंद॥ अभंग हैं॥ अनंग हैं॥ अभेख हैं ॥ अलेख हैं ॥ १३३ ॥ अभरम

जुगादि हैं॥ १३४॥ अजै हैं॥ अबै हैं॥ अभूत हैं॥ अधूत हैं॥

हैं॥ अकरम हैं॥ अनादि हैं॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची

१३५ ॥ अनास हैं ॥ उदास हैं ॥ अधंध हैं॥ अबंध हैं॥ १३६॥ अभगत हैं ॥ बिरकत हैं ॥

अनास हैं॥ प्रकास हैं॥ १३७॥ निचिंत हैं॥ सुनिंत हैं॥ अलिख हैं॥ अद्खि हैं॥ १३८॥ अलेख हैं॥ अभेख हैं॥ अढाह हैं॥

अगाह हैं॥ १३९॥ अस्मभ हैं ॥ अग्मभ हैं ॥ अनील हैं ॥ अनादि हैं॥ १४०॥ अनित हैं www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ सुनित हैं ॥ अजात हैं ॥ अजादि हैं॥ १४१॥ चरपट छंद ॥ त्वप्रसादि ॥ सरबं हंता ॥ सरब गंता ॥ सरबं

खिआता ॥ सरबं गिआता ॥ १४२॥ सरबं हरता॥ सरबं करता ॥ सरबं प्राणं ॥ सरबं त्राणं ॥ १४३ ॥ सरबं करमं ॥ सरबं धरमं ॥ सरबं जुगता ॥ सरबं मुकता ॥ १४४ ॥ रसावल छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची नमो नरक नासे ॥ सदैवं प्रकासे ॥ अनंगं सरूपे ॥ अभंगं बिभूते ॥ १४५ ॥ प्रमाथं प्रमाथे ॥ सदा सरब साथे॥ अगाध सरूपे॥ न्रिबाध बिभूते ॥ १४६॥ अनंगी अनामे ॥ त्रिभंगी त्रिकामे ॥ न्रिभंगी सरूपे ॥ सरबंगी अनूपे॥ १४७॥ न पोत्रै न पुत्रे ॥ न सत्रै न मित्रे ॥ न तातै न मातै ॥ न जातै न पातै ॥ १४८ ॥ न्रिसाकं सरीक

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची हैं॥ अमितो अमीक हैं॥ सदैवं प्रभा हैं॥ अजै हैं अजा हैं॥ १४९॥ भगवती छंद ॥ त्वप्रसादि ॥ कि ज़ाहिर ज़हूर हैं॥ कि हाज़िर हज़ूर हैं॥ हमेसुल सलाम हैं॥ समसत्तल कलाम हैं। ॥ १५०॥ कि साहिब दिमाग हैं ॥ कि हुसनल चराग हैं ॥ कि

॥ कि हुसनल चराग हैं॥ कि कामल करीम हैं॥ कि राज़क रहीम हैं॥ १५१॥ कि रोज़ी

90 www.dekho-ji.com Index विषय स्ची दिहिंद हैं ॥ कि राज़क रहिंद हैं ॥ करीमुल कमाल हैं ॥ कि हुसनल जमाल हैं॥ १५२॥ ग़नीमुल ख़िराज हैं॥ ग़रीबुल निवाज़ हैं॥ हरफ़िल शिकंन हैं ॥ हिरासुल फिकंन हैं ॥ १५३ ॥ कलंकं प्रणास हैं ॥ समसतुल निवास हैं ॥ अगंजुल गनीम हैं ॥ रजाइक रहीम हैं ॥ १५४ ॥ समसतुल जुबां हैं॥ कि साहिब किरां हैं ॥ कि नरकं प्रणास हैं ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची बहिसतुल निवास हैं ॥ १५५ ॥ कि सरबुल गवंन हैं ॥ हमेसुल रवंन हैं ॥ तमामुल तमीज हैं ॥ समसतुल अजीज हैं ॥ १५६॥ परं परम ईस हैं ॥ समसतुल अदीस हैं॥ अदेसुल अलेख हैं॥ हमेसुल अभेख हैं॥ १५७॥ ज़मीनुल ज़मां हैं॥ अमीकुल इमां हैं ॥ करीमुल कमाल हैं ॥ कि जुरअति जमाल हैं ॥ १५८ ॥ कि अचलं प्रकास हैं ॥ कि

www.dekho-ji.com 92 Index विषय सुची अमितो सुबास हैं॥ कि अजब सरूप हैं ॥ कि अमितो बिभूत हैं ॥ १५९ ॥ कि अमितो पसा हैं ॥ कि आतम प्रभा हैं॥ कि अचलं अनंग हैं॥ कि अमितो अभंग हैं ॥ १६०॥ मधुभार छंद ॥ त्वप्रसादि ॥ म्नि मनि प्रनाम ॥ गुनि गन मुदाम ॥ अरि बर अगंज ॥ हरि नर प्रभंज॥ १६१॥ अनगन प्रनाम ॥ मुनि मनि सलाम ॥

www.dekho-ji.com 93 Index विषय सुची हरि नर अखंड ॥ बर नर अमंड ॥ १६२ ॥ अनभव अनास ॥ मुनि मनि प्रकास ॥ गुनि गन प्रनाम॥ जल थल मुदाम॥ १६३॥ अनिछज अंग॥ आसन अभंग ॥ उपमा अपार ॥ गति मिति उदार॥ १६४॥ जल थल अमंड ॥ दिस विस अभंड ॥ जल थल महंत ॥ दिस विस बिअंत ॥ १६५ ॥ अनभव अनास ॥ ध्रित धर ध्रास ॥

१६६ ॥ ओअंकार आदि ॥ कथनी अनादि॥ खल खंड खिआल ॥ गुर बर अकाल ॥ १६७॥ घर घरि प्रनाम॥ चित चरन नाम ॥ अनिछ्ज गात ॥ आजिज न बात ॥ १६८॥ अनझंझ गात ॥ अनरंज बात ॥ अनुटट तंडार ॥ अनुठट अपार ॥ १६९॥ आडीठ धरम॥ अति

www.dekho-ji.com 95 <u>Index विषय स्</u>ची

ढीठ करम ॥ अणब्रण अनंत ॥ दाता महंत ॥ १७० ॥ हरि बोल मना छंद ॥ त्वप्रसादि

हार बाल मना छद ॥ त्वप्रसााद ॥ ——— <del>३</del> ॥ <del>२० ० ० ० ३</del> ॥

करुणालय हैं॥ अरि घालय हैं॥ खल खंडन हैं॥ महि मंडन हैं॥ १५१॥ जगतेस्वर हैं॥

१७१॥ जगतेस्वर हैं॥ परमेस्वर हैं॥ कलि कारण हैं॥

सरब उबारण हैं॥ १७२॥ धित के ध्रण हैं॥ जग के क्रण हैं॥ ॥ मन मानिय हैं॥ जग जानिय 

 www.dekho-ji.com
 96
 Index विषय सूची

 हैं ॥ १७३ ॥ सरबं भर हैं ॥

 सरबं कर हैं ॥ सरब पासिय हैं

॥ सरब नासिय हैं॥ १७४॥ करुणाकर हैं॥ बिस्व्मभर हैं॥ सरबेस्वर हैं॥ जगतेस्वर हैं॥ १७५॥ ब्रहमंडस हैं॥ खल

खंडस हैं॥ पर ते पर हैं॥
करुणाकर हैं॥ १७६॥ अजपा
जप हैं॥ अथपा थप हैं॥
अक्रिताक्रित हैं॥ अम्रिताम्रित हैं

॥ १७७॥ अम्रिताम्रित हैं॥

 www.dekho-ji.com
 97
 Index विषय स्वी

 करुणाकित हैं ॥ अक्रिताक्रत हैं ॥

 ॥ धरणीधित हैं ॥ १७८ ॥

 अम्रितेस्वर हैं ॥ परमेस्वर हैं ॥

आभ्रतस्वर ह ॥ परमस्वर ह ॥ अक्रिताक्रित हैं ॥ अम्रिताम्रित हैं ॥ १७९ ॥ अजबाक्रित हैं ॥ अम्रिताअम्रित हैं ॥ नर नाइक हैं ॥ खल घाइक हैं ॥ १८० ॥

॥ खल घाइक हैं ॥ १८० ॥ बिस्व्मभर हैं ॥ करुणालय हैं ॥ न्रिप नाइक हैं ॥ सरब पाइक हैं ॥ १८१ ॥ भव भंजन हैं ॥ अरि गंजन हैं ॥ रिपु तापन हैं ॥ जपु www.dekho-ji.com 98 Index विषय स्वी

जापन हैं ॥ १८२ ॥ अकलंकित

हैं॥ सरबाक्रित हैं॥ करता कर हैं ॥ हरता हरि हैं ॥ १८३॥ परमातम हैं॥ सरबातम हैं॥ आतम बस हैं॥ जस के जस हैं॥

11828 भ्जंग प्रयात छंद॥ नमो सूरज सुरजे नमो चंद्र चंद्रे ॥ नमो राज राजे नमो इंद्र इंद्रे ॥ नमो अंधकारे नमो तेज तेजे ॥ नमो ब्रिंद ब्रिंदे नमो बीज

www.dekho-ji.com 99 Index विषय सुची बीजे॥ १८५॥ नमो राजसं तामसं सांति रूपे ॥ नमो परम त्तं अततं सरूपे ॥ नमो जोग जोगे नमो गिआन गिआने ॥ नमो मंत्र मंत्रे नमो धिआन धिआने ॥ १८६ ॥ नमो ज्ध ज्धे नमो गिआन गिआने ॥ नमो भोज भोजे नमो पान पाने ॥ नमो कलह करता नमो सांति रूपे ॥ नमो इंद्र इंद्रे अनादं बिभूते ॥ १८७ ॥ कलंकार रूपे

www.dekho-ji.com 100 Index विषय सुची अलंकार अलंके॥ नमो आस आसे नमो बांक बंके ॥ अभंगी सरूपे अनंगी अनामे ॥ त्रिभंगी त्रिकाले अनंगी अकामे ॥ १८८ एक अछरी छंद॥ अजै ॥ अलै ॥ अभै ॥ अबै ॥ १८९॥ अभू॥ अजू॥ अनास॥ अकास ॥ १९० ॥ अगंज ॥ अभंज॥ अलख॥ अभख॥ १९१ ॥ अकाल ॥ दिआल ॥

 www.dekho-ji.com
 101
 Index किय स्वी

 अलेख॥ अभेख॥ १९२॥

 अनाम॥ अकाम॥ अगाह॥

 अढाह॥ १९३॥ अनाथ॥

 प्रमाथ॥ अजोनी॥ अमोनी॥

 १९४॥ न रागे॥ न रंगे॥ न

रूपे ॥ न रेखे ॥ १९५ ॥ अकरमं ॥ अभरमं ॥ अगंजे ॥ अलेखे ॥ १९६ ॥ १९६ ॥ भुजंग प्रयात छंद ॥ नमसतुल प्रणामे समसतुल

प्रणासे ॥ अगंजुल अनामे

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 102 Index विषय स्ची समसतुल निवासे ॥ न्रिकामं बिभूते॥ समसतुल सरूपे॥ कुकरमं प्रणासी सुधरमं बिभूते ॥ १९७ ॥ सदा स्चिदानंद स्त्रं प्रणासी ॥ करीमुल कुर्निदा समसतुल निवासी ॥ अजाइब बिभूते गजाइब गनीमे ॥ हरीअं करीअं करीमुल रहीमे ॥ १९८ ॥ च्त्र च्क्र वरती च्त्र च्क्र भुगते ॥ सुय्मभव सुभं सरबदा सरब जुगते ॥ दुकालं प्रणासी दिआलं

www.dekho-ji.com 103 Index विषय स्वी सरूपे ॥ सदा अंग संगे अभंगं

सरूपे ॥ सदा अंग संगे अभंगे बिभूते ॥ १९९॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## त्व प्रसादि सवय्ये

स्रावग सुध समूह सिधान के देखि फिरिओ घर जोग जती के ॥ सूर सुरारदन सुध सुधादिक संत समूह अनेक मती के ॥ सारे ही देस को देखि रहिओ मत कोऊ न देखीअत प्रानपती के॥ स्री भगवान की भाइ क्रिपा हू ते

॥ २१ ॥

एक रती बिनु एक रती के ॥ १

ण्ण गाते प्रति विषय सूची माते मतंग जरे जर संग अनूप उतंग सुरंग सवारे ॥ कोट तुरंग कुरंग से कूदत पउन के गउन कउ जात निवारे ॥ भारी

कुरग सं कूदत पउन के गउन कउ जात निवारे ॥ भारी भुजान के भूप भली बिधि निआवत सीस न जात बिचारे ॥ एते भए तु कहा भए भूपति अंत कौ नांगे ही पांइ पधारे ॥

२॥ २२॥ जीत फिरै सभ देस दिसान को

बाजत ढोल म्रिदंग नगारे॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची गुंजत गूड़ गजान के सुंदर हिंसत हैं हयराज हजारे ॥ भूत भवि्ख भवान के भूपत कउनु गनै नहीं जात बिचारे ॥ स्री पति स्री भगवान भजे बिन् अंत कउ अंत के धाम सिधारे ॥ ३ ॥ २३ ॥ तीरथ नान दइआ दम दान सु संजम नेम अनेक बिसेखै॥ बेद पुरान कतेब कुरान जमीन जमान सबान के पेखै ॥ पउन अहार जती जत धार सबै सु

बिचार हजारक देखै॥ स्नी भगवान भजे बिनु भूपति एक रती बिनु एक न लेखै॥ ४॥ २४॥

सुध सिपाह दुरंत दुबाह सु साज सनाह दुरजान दलैंगे ॥ भारी गुमान भरे मन मैं कर परबत पंख हले न हलैंगे ॥ तोरि अरीन मरोरि मवासन माते मतंगन मान मलैंगे॥ स्री पति स्री भगवान क्रिपा बिनु तिआगि

 www.dekho-ji.com
 108
 Index विषय स्ची

 जहान निदान चलैंगे॥५॥
 २५॥

 वीर अपार बडे बरिआर

अबिचारहि सार की धार भछ्या॥ तोरत देस मलिंद मवासन माते गजान के मान मल्या ॥ गाड़हे गड़हान को तोड़नहार सु बातन हीं चक चार लव्या ॥ साहिबु स्री सभ को सिरनाइक जाचक अनेक सु एक दिव्या ॥ ६ ॥ २६ ॥

प्रतापन बाद जैत धन पापन के

प्रतापन बाढ जैत धुन पापन के बहु पुंज खपैंगे॥ साध समूह प्रसंन फिरैं जग सत्र सभै अवलोक चपैंगे ॥ ७ ॥ २७ ॥ मानव इंद्र गजिंद्र नराधप जौन त्रिलोक को राज करैंगे॥ कोटि इसनान गजादिक दान अनेक

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 110 Index विषय सुची सुअमबर साज बरैंगे॥ ब्रहम महेसर बिसन सचीपित अंत फसे जम फासि परैंगे॥ जे नर स्री पति के प्रस हैं पग ते नर

फेर न देह धरैंगे ॥ ८ ॥ २८ ॥ कहा भयो जो दोउ लोचन मूंद कै बैठि रहिओ बक धिआन लगाइओ ॥ न्हात फिरिओ लीए सात समुद्रनि लोक गयो परलोक गवाइओ ॥ बास कीओ

बिखिआन सो बैठ कै ऐसे ही

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ऐसे सु बैस बिताइओ ॥ साचु कहों सुन लेहु सभै जिन प्रेम कीओ तिन ही प्रभ पाइओ ॥ ९ ॥२९॥ काहू लै पाहन पूज धरयो सिर काहू लै लिंग गरे लटकाइओ ॥ काहू लखिओ हरि अवाची दिसा महि काहू पछाह को सीसु निवाइओ ॥ कोउ बुतान को पूजत है पसु कोउ म्रितान को पूजन धाइओ ॥ कूर क्रिआ

www.dekho-ji.com 112 Index विषय स्वी उरिझओ सभ ही जग स्त्री भगवान को भेदु न पाइओ॥ १०॥३०॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## चौपयी साहिब

क्ष स्री वाहगुरू जी की फतह। पातिसाही १०॥ कियो बाच बेनती ॥ चौपयी

हमरी करो हाथि दै रच्छा॥

पूरन होइ चित की इच्छा ॥ तव चरनन मन रहै हमारा॥

आपना जान करो प्रतिपारा ॥

१॥ हमरे दुसट सभै तुम घावहु ॥ आपु हाथ दै मोह बचावहु॥

॥ आपु हाथ दै मोह बचावहु ॥ सुखी बसै मोरो परिवारा ॥ सेवक सिक्ख सभै करतारा ॥ २

॥ मो रच्छा निज्ज कर दै करियै ॥ सभ बैरन कौ आज संघरियै॥ पूरन होइ हमारी आसा॥ तोरि भजन की रहै पयासा॥ ३॥ तुमह छाडि कोयी अवर न धियाऊं॥ जो बर चाहौं सु तुम

ते पाऊं॥ सेवक सिक्ख हमारे

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 115 Index विषय सुची तारियह॥ चुनि चुनि सत्र हमारे मारियह ॥ ४ ॥ आपु हाथ दै मुझै उबरियै ॥ मरन काल का त्रास निवरियै ॥ हूजो सदा हमारे पच्छा ॥ स्त्री असिधुज जू करियहु रच्छा ॥ ५ ॥ राखि लेहु मुह राखनहारे ॥ साहब संत सहाय पयारे ॥ दीन बंधु दुसटन के हंता ॥ तुम हो पुरी चतुरदस केता ॥ ६ ॥ काल पाय ब्रहमा बपु धरा ॥ काल

www.dekho-ji.com Index विषय सुची पाय सिवजू अवतरा ॥ काल पाय करि बिसन प्रकासा ॥ सकल काल का किया तमासा॥ ७ ॥ जवन काल जोगी सिव कीयो ॥ बेद राज ब्रहमा जू थीयो॥ जवन काल सभ लोक सवारा॥ नमसकार है ताह हमारा ॥ ८॥ जवन काल सभ जगत बनायो ॥ देव दैत जच्छन उपजायो॥ आदि अंति एकै अवतारा ॥ सोयी गुरू

समझियहु हमारा॥ ९॥
नमसकार तिसही को हमारी॥
सकल प्रजा जिन आप सवारी॥
सिवकन को सवगुन सुख दीयो॥
॥ सत्रन को पल मो बध कीयो

॥ १०॥ घट घट के अंतर की जानत॥ भले बुरे की पीर पछानत॥ चीटी ते कुंचर असथूला॥ सभ पर क्रिपा द्रिसटि कर फूला॥ ११॥ संतन दुख पाए ते दुखी॥ सुख पाए

Index विषय सुची www.dekho-ji.com साधन के सुखी ॥ एक एक की पीर पछानै ॥ घट घट के पट पट की जानै ॥ १२॥ जब उदकरख करा करतारा ॥ प्रजा

धरत तब देह अपारा ॥ जब आकरख करत हो कबहूं ॥ तुम मैं मिलत देह धर सभहूं॥ १३ ॥ जेते बदन स्निसटि सभ धारै॥ आपु आपनी बिझ उचारै ॥ तुम सभ ही ते रहत निरालम ॥ जानत बेद भेद अरु आलम ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची १४॥ निरंकार च्रिबिकार न्रिलंभ ॥ आदि अनील अनादि असंभ ॥ ता का मूड़्ह उचारत भेदा ॥ जा को भेव न पावत बेदा ॥ १५ ॥ ता कौ करि पाहन अनुमानत ॥ महा मूड़्ह कछु भेद न जानत ॥ महांदेव कौ कहत सदा सिव ॥ निरंकार का चीनत नह भिव॥ १६॥ आपु आपुनी बुधि है जेती॥ बरनत भिन्न भिन्न तुह तेती॥

लुमरा लखा न जाय पसारा॥ केह बिधि सजा प्रथम संसारा॥

१७॥ एकै रूप अनूप सरूपा॥ रंक भयो राव कही भूपा॥ अंडज जेरज सेतज कीनी॥ उतभुज खानि बहुरि रचि दीनी

॥ १८॥ कहूं फूलि राजा ह्वै बैठा॥ कहूं सिमटि भयो संकर इकैठा॥ सिगरी स्निसटि दिखाय अचंभव॥ आदि जुगादि सरूप सुयंभव॥ १९॥ अब www.dekho-ji.com Index विषय सुची रच्छा मेरी तुम करो ॥ सिक्ख उबारि असिक्ख संघरो ॥ दुसट जिते उठवत उतपाता ॥ सकल मलेछ करो रण घाता ॥ २०॥ जे असिधुज तव सरनी परे॥ तिन के दुसट दुखित ह्वै मरे ॥ पुरख जवन पग परे तेहारे ॥ तिन के तुम संकट सभ टारे॥ २१॥ जो कलि को इक बार धिऐहै ॥ ता के काल निकटि नह ऐहै ॥ रच्छा होइ ताह सभ

www.dekho-ji.com Index विषय सुची काला ॥ दुसट अरिसट ट्रैं ततकाला ॥ २२ ॥ क्रिपा द्रिसटि तन जाह नेहरेहो ॥ ता के ताप तनक मह हरेहो ॥ रिद्धि सिद्धि घर मो सभ होयी ॥ दुसट छाह छवै सकै न कोयी ॥ २३ ॥ एक बार जिन तुमै संभारा ॥ काल फास ते ताह उबारा ॥ जिन नर नाम तेहारो कहा ॥ दारिद दुसट दोख ते रहा ॥ २४॥ खड़गकेत मै सरनि तेहारी ॥

आपु हाथ दै लेहु उबारी ॥ सरब ठौर मो होहु सहायी ॥ दुसट

दोख ते लेहु बचायी ॥ २५ ॥ क्रिपा करी हम पर जग माता ॥ ग्रंथ करा पूरन सुभ राता ॥ किलबिख सकल देह को हरता ॥ दुसट दोखियन को छै करता ॥ २६ ॥ स्री असिधुज जब भए दयाला ॥ पूरन करा ग्रंथ ततकाला ॥ मन बांछत फल

124 www.dekho-ji.com Index विषय सुची पावै सोयी ॥ दूख न तिसै ब्यापत कोयी॥ अड़िल्ल॥

सुनै गुंग जो याह सु रसना पावयी ॥ सुनै मूड़ चित लाय चतुरता आवयी ॥ दूख दरद भौ निकट न तिन नर के रहै ॥ हो जो याकी एक बार चौपयी को कहै ॥ २८ ॥ चौपयी॥

सुधारा॥ २९॥ स्वैया॥ पांइ गहे जब ते तुमरे तब ते कोऊ आंख तरे नही आनयो॥ राम रहीम पुरान कुरान अनेक कहैं मत एक न मानयो॥ सिंमृति सासत्र बेद सभै बहु भेद

125

सम्बत सत्त्रह सहस भणिजै॥

अरध सहस फुनि तीनि कहज्जै

॥ भाद्रव सुदी असटमी

रविवारा ॥ तीर सतुद्रव ग्रंथ

Index विषय स्ची

www.dekho-ji.com

<u>www.dekho-ji.com</u> 126 <u>Index विषय स्</u>ची

कहैं हम एक न जानयो ॥ स्त्री असिपान क्रिपा तुमरी करि मै न कहयो सभ तोह बखानयो ॥ १॥

दोहरा॥
सगल दुआर कउ छाडि कै
गहयो तुहारो दुआर॥ बांह गहे
की लाज अस गोबिन्ट टास

की लाज अस गोबिन्द दास तुहार ॥ २ ॥

## वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## आनंद साहिब

रामकली महला ३ अनंदु 🕾 सतिगुर प्रसादि ॥ अनंदु भइआ मेरी माए सतिगुरू मै पाइआ॥ सतिगुरु त पाइआ सहज सेती मनि वजीआ वाधाईआ॥ राग रतन परवार परीआ सबद गावण आईआ॥ सबदो त गावहु हरी केरा मनि

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

जिनी वसाइआ ॥ कहै नानकु

www.dekho-ji.com Index विषय सुची अनंदु होआ सतिगुरू मै पाइआ ॥ १ ॥ ए मन मेरिआ तू सदा रहु हरि नाले ॥ हरि नालि रहु तू मंन मेरे दूख सभि विसारणा ॥ अंगीकारु ओहु करे तेरा कारज सभि सवारणा॥ सभना गला समरथु सुआमी सो किउ मनहु विसारे ॥ कहै नानकु मंन मेरे सदा रहु हरि नाले ॥ २ ॥ साचे साहिबा किआ नाही घरि तेरै ॥ घरि त तेरै सभु किछु है

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जिसु देहि सु पावए ॥ सदा सिफति सलाह तेरी नामु मनि वसावए॥ नामु जिन कै मनि वसिआ वाजे सबद घनेरे ॥ कहै नानकु सचे साहिब किआ नाही घरि तेरै ॥ ३ ॥ साचा नाम् मेरा आधारो ॥ साचु नामु अधारु मेरा जिनि भुखा सभि गवाईआ॥ करि सांति सुख मनि आइ वसिआ जिनि इछा सभि पुजाईआ॥ सदा कुरबाणु

www.dekho-ji.com 131 Index विषय स्ची कीता गुरू विटहु जिस दीआ एहि वडिआईआ ॥ कहै नानकु सुणहु संतहु सबदि धरहु पिआरो ॥ साचा नामु मेरा आधारो ॥ ४ ॥ वाजे पंच सबद तितु घरि सभागै ॥ घरि सभागै सबद वाजे कला जितु घरि धारीआ ॥ पंच दूत तुधु वसि कीते कालु कंटकु मारिआ ॥ धुरि करमि पाइआ तुधु जिन कउ सि नामि हरि कै लागे॥

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची कहै नानकु तह सुखु होआ तितु घरि अनहद वाजे ॥ ५ ॥ साची लिवै बिनु देह निमाणी ॥ देह निमाणी लिवै बाझहु किआ करे वेचारीआ॥ तुधु बाझु समरथ कोइ नाही क्रिपा करि बनवारीआ॥ एस नउ होरु थाउ नाही सबदि लागि सवारीआ॥ कहै नानकु लिवै बाझहु किआ करे वेचारीआ ॥

बाझहु किआ करे वेचारीआ॥ ६॥ आनंदु आनंदु सभु को कहै www.dekho-ji.com 133 Index विषय स्ची आनंदु गुरू ते जाणिआ॥

जाणिआ आनंदु सदा गुर ते क्रिपा करे पिआरिआ ॥ करि किरपा किलविख कटे गिआन अंजन् सारिआ ॥ अंदरहु जिन का मोहु तुटा तिन का सबदु सचै सवारिआ ॥ कहै नानकु एहु अनंदु है आनंदु गुर ते जाणिआ ॥ ७ ॥ बाबा जिसु तू देहि सोई

जनु पावै ॥ पावै त सो जनु देहि

जिस नो होरि किआ करहि

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 134 Index विषय सूची वेचारिआ॥ इकि भरमि भूले फिरहि दह दिसि इकि नामि लागि सवारिआ॥ गुर परसादी मनु भइआ निरमलु जिना भाणा भावए॥ कहै नानकु जिसु देहि पिआरे सोई जनु पावए॥ ८॥ आवहु सत पिआरिहो अकथ की करह कहाणी ॥ करह कहाणी अकथ केरी कितु दुआरै पाईऐ ॥ तनु मनु धनु सभु सउपि गुर कउ

www.dekho-ji.com Index विषय सूची हुकमि मनिऐ पाईऐ॥ हुकमु मनिहु गुरू केरा गावहु सची बाणी ॥ कहै नानकु सुणहु संतहु कथिहु अकथ कहाणी ॥ ९॥ ए मन चचला चतुराई किनै न पाइआ॥ चतुराई न पाइआ किनै तू सुणि मंन मेरिआ ॥ एह माइआ मोहणी जिनि एतु भरमि भुलाइआ ॥ माइआ त मोहणी तिनै कीती जिनि ठगउली पाईआ॥ कुरबाणु

www.dekho-ji.com 136 Index विषय सुची कीता तिसै विटहु जिनि मोहु मीठा लाइआ॥ कहै नानकु मन चंचल चतुराई किनै न पाइआ ॥ १० ॥ ए मन पिआरिआ तू सदा सचु समाले ॥ एहु कुट्मबु तू जि देखदा चलै नाही तेरै नाले ॥ साथि तेरै चलै नाही तिसु नालि किउ चितु लाईऐ ॥ ऐसा कमु मूले न कीचै जितु

अंति पछोताईऐ ॥ सतिगुरू का

उपदेसु सुणि तू होवै तेरै नाले ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

कहै नानकु मन पिआरे तू सदा सचु समाले ॥ ११ ॥ अगम अगोचरा तेरा अंतु न पाइआ ॥ अंतो न पाइआ किनै तेरा

अंतो न पाइआ किनै तेरा आपणा आपु तू जाणहे ॥ जीअ जंत सभि खेलु तेरा किआ को आखि वखाणए॥ आखहि त वेखहि सभु तूहै जिनि जगतु उपाइआ॥ कहै नानकु तू सदा अगमु है तेरा अंतु न पाइआ ॥ १२ ॥ सुरि नर मुनि जन अम्रितु

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **138** Index विषय सूची खोजदे सु अम्रितु गुर ते पाइआ ॥ पाइआ अम्रितु गुरि क्रिपा कीनी सचा मनि वसाइआ॥ जीअ जंत सभि तुधु उपाए इकि वेखि परसणि आइआ ॥ लबु लोभु अहंकारु चूका सतिगुरू भला भाइआ॥ कहै नानकु जिस नो आपि तुठा तिनि अम्रितु गुर ते पाइआ ॥ १३ ॥ भगता की चाल निराली॥ चाला निराली भगताह केरी

www.dekho-ji.com 139 Index विषय स्ची बिखम मारगि चलणा ॥ लबु लोभु अहंकारु तजि त्रिसना बहुतु नाही बोलणा ॥ खंनिअहु तिखी वालहु निकी एतु मारगि जाणा॥ गुर परसादी जिनी आपु तजिआ हरि वासना समाणी॥ कहै नानकु चाल भगता जुगहु जुगु निराली॥ १४॥ जिउ तू चलाइहि तिव चलह सुआमी होरु किआ जाणा गुण तेरे ॥ जिव तू चलाइहि

www.dekho-ji.com **140** Index विषय स्ची तिवै चलह जिना मारगि पावहे ॥ करि किरपा जिन नामि लाइहि सि हरि हरि सदा धिआवहे ॥ जिस नो कथा सुणाइहि आपणी सि गुरदुआरै सुखु पावहे ॥ कहै नानकु सचे साहिब जिउ भावै तिवै चलावहे ॥ १५ ॥ एहु सोहिला सबदु सुहावा ॥ सबदो सुहावा सदा सोहिला सतिगुरू सुणाइआ॥ एहु तिन कै मंनि

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 141 Index विषय सूची वसिआ जिन धुरहु लिखिआ आइआ ॥ इकि फिरहि घनेरे करहि गला गली किनै न पाइआ॥ कहै नानकु सबदु सोहिला सतिगुरू सुणाइआ ॥ १६॥ पवितु होए से जना जिनी हरि धिआइआ॥ हरि धिआइआ पवितु होए गुरमुखि

जिनी धिआइआ॥ पर्वितु माता पिता कुट्मब सहित सिउ पवितु संगति सबाईआ॥ कहदे पवितु सुणदे पवितु से पवितु जिनी मंनि वसाइआ॥ कहै नानकु से पवितु जिनी गुरमुखि हरि हरि धिआइआ॥ १७॥ करमी सहजु न ऊपजै विणु सहजै सहसा न

जाइ॥ नह जाइ सहसा किते संजमि रहे करम कमाए॥ सहसै जीउ मलीणु है कितु संजमि धोता जाए ॥ मनु धोवहु सबदि लागहु हरि सिंउ रहहु चितु लाइ ॥ कहै नानकु गुर

www.dekho-ji.com 143 Index विषय सुची परसादी सहजु उपजै इहु सहसा इव जाइ॥ १८॥ जीअहु मैले बाहरहु निरमल ॥ बाहरहु निरमल जीअहु त मैले तिनी जनमु जूऐ हारिआ ॥ एह तिसना वडा रोगु लगा मरणु मनहु विसारिआ ॥ वेदा महि नामु उतमु सो सुणहि नाही फिरहि जिउ बेतालिआ ॥ कहै नानकु जिन सचु तजिआ कूड़े लागे तिनी जनमु जूऐ हारिआ

 www.dekho-ji.com
 144
 Index विषय सूची

 ॥ १९॥ जीअहु निरमल
 बाहरहु निरमल॥ बाहरहु त

निरमल जीअहु निरमल सतिगुर ते करणी कमाणी॥ कूड़ की सोइ पहुचै नाही मनसा सचि समाणी ॥ जनमु रतनु जिनी खटिआ भले से वणजारे ॥ कहै नानकु जिन मंनु निरमलु सदा रहिह गुर नाले ॥ २० ॥ जे

को सिखु गुरू सेती सनमुखु होवै

॥ होवै त सनमुखु सिखु कोई

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जीअहु रहै गुर नाले ॥ गुर के चरन हिरदै धिआए अंतर आतमै समाले ॥ आपु छडि सदा रहै परणै गुर बिनु अवरु न जाणै कोए॥ कहै नानकु सुणहु संतहु सो सिखु सनमुखु होए॥ २१ ॥ जे को गुर ते वेमुखु होवै बिनु सतिगुर मुकति न पावै ॥ पावै मुकति न होर थै कोई पुछहु बिबेकीआ जाए॥ अनेक जूनी भरमि आवै विणु सतिगुर

www.dekho-ji.com 147 Index विषय स्ची रंगि जपिहु सारिगपाणी ॥ कहै नानकु सदा गावहु एह सची बाणी ॥ २३ ॥ सतिगुरू बिना होर कची है बाणी ॥ बाणी त कची सतिगुरू बाझहु होर कची बाणी ॥ कहदे कचे सुणदे कचे कचीाआखि वखाणी ॥ हरि हरि नित करहि रसना कहिआ कछू न जाणी ॥ चितु जिन का हिरि लइआ माइआ बोलनि पए रवाणी ॥ कहै नानकु सतिगुरू Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 148 Index विषय स्ची बाझहु होर कची बाणी ॥ २४ ॥ गुर का सबदु रतंनु है हीरे जितु जड़ाउ ॥ सबदु रतनु जितु मंनु लागा एहु होआ समाउ॥ सबद सेती मनु मिलिआ सचै लाइआ भाउ॥ आपे हीरा रतनु आपे जिस नो देइ बुझाइ॥ कहै नानकु सबदु रतनु है हीरा जितु जड़ाउँ॥ २५ ॥ सिव सकति आपि उपाइ कै करता आपे हुकमु वरताए ॥ हुकमु वरताए

www.dekho-ji.com 149 Index विषय सुची आपि वेखै गुरमुखि किसै बुझाए ॥ तोड़े बंधन होवै मुकतु सबदु मंनि वसाए ॥ गुरमुखि जिस नो आपि करे सु होवै एकस सिउ लिव लाए॥ कहै नानकु आपि करता आपे हुकमु बुझाए॥ २६ ॥ सिम्रिति सासत्र पुन पाप बीचारदे ततै सार न जाणी॥ ततै सार न जाणी गुरू बाझहु ततै सार न जाणी ॥ तिही गुणी संसारु भ्रमि सुता सुतिआ रैणि

**150** www.dekho-ji.com Index विषय सूची विहाणी ॥ गुर किरपा ते से जन जागे जिना हरि मनि वसिआ बोलहि अम्रित बाणी ॥ कहै नानकु सो ततु पाए जिस नो अनदिनु हरि लिव लागै जागत रैणि विहाणी ॥ २७ ॥ माता के उदर महि प्रतिपाल करे सो किउ मनहु विसारीऐ ॥ मनहु किउ विसारीऐ एवडु दाता जि अगनि महि आहारु पहुचावए ॥ ओस नो किंहु पोहि न सकी

www.dekho-ji.com 151 Index विषय सुची जिस नउ आपणी लिव लावए॥ आपणी लिव आपे लाए गुरमुखि सदा समालीऐ ॥ कहै नानकु एवडु दाता सो किउ मनह विसारीऐ ॥ २८ ॥ जैसी अगनि उदर महि तैसी बाहरि माइआ ॥ माइआ अगनि सभ इको जेही करतै खेलु रचाइआ ॥ जा तिसु भाणा ता जमिआ परवारि भला भाइआ॥ लिव छुड़की लगी त्रिसना माइआ अमरु वरताइआ www.dekho-ji.com 152 Index विषय सूची ॥ एह माइआ जितु हरि विसरै मोहु उपजै भाउ दूजा लाइआ॥ कहैं नानकु गुर परसादी जिना लिव लागी तिनी विचे माइआ पाइआ॥ २९॥ हरि आपि अमुलकु है मुलि न पाइआ जाइ ॥ मुलि न पाइआ जाइ किसै विटहु रहे लोक विललाइ ॥ ऐसा सतिगुरु जे मिलै तिस नो सिरु सउपीऐ विचहु आपु जाइ ॥ जिस दा जीउ तिसु मिलि रहै

**153** www.dekho-ji.com Index विषय सूची हरि वसै मनि आइ ॥ हरि आपि अमुलकु है भाग तिना के नानका जिन हरि पलै पाइ॥ ३०॥ हरि रासि मेरी मनु वणजारा ॥ हरि रासि मेरी मन् वणजारा सतिगुर ते रासि जाणी ॥ हरि हरि नित जपिहु जीअहु लाहा खटिहु दिहाड़ी ॥ एहु धनु तिना मिलिआ जिन हरि आपे भाणा ॥ कहै नानकु हरि रासि मेरी मनु होआ

www.dekho-ji.com 154 Index विषय सुची वणजारा॥ ३१॥ ए रसना तू अन रसि राचि रही तेरी पिआस न जाइ ॥ पिआस न जाइ होरतु कितै जिचरु हरि रसु पलै न पाइ ॥ हरि रसु पाइ पलै पीऐ हरि रसु बहुड़ि न त्रिसना लागै आइ ॥ एहु हरि रसु करमी पाईऐ सतिगुरु मिलै जिसु आइ ॥ कहै नानकु होरि

अन रस सभि वीसरे जा हरि

वसै मनि आइ॥ ३२॥ ए

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सरीरा मेरिआ हरि तुम महि जोति रखी ता तू जग महि आइआ॥ हरि जोति रखी तुधु विचि ता तू जग महि आइआ ॥ हरि आपे माता आपे पिता जिनि जीउ उपाइ जगतु दिखाइआ॥ गुर परसादी बुझिआ ता चलतु होआ चलतु नदरी आइआ ॥ कहै नानकु स्निसटि का मूलु रचिआ जोति राखी ता तू जग महि आइआ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सूची ३३॥ मनि चाउ भइआ प्रभ आगमु सुणिआ ॥ हरि मंगलु गाउ सखी ग्रिहु मंदरु बणिआ॥ हरि गाउ मंगलु नित सखीए सोगु दूखु न विआपए ॥ गुर चरन लागे दिन सभागे आपणा पिरु जापए ॥ अनहत बाणी गुर सबदि जाणी हरि नामु हरि रसु भोगो ॥ कहै नानकु प्रभु आपि मिलिआ करण कारण जोगो ॥ ३४॥ ए सरीरा मेरिआ इसु

www.dekho-ji.com 157 Index विषय सुची जग महि आइ कै किआ तुधु करम कमाइआ ॥ कि करम कमाइआ तुधु सरीरा जा तू जग महि आइआ॥ जिनि हरि तेरा रचनु रचिआ सो हरि मनि न वसाइआ॥ गुर परसादी हरि मंनि वसिआ पूरिब लिखिआ पाइआ॥ कहै नानकु एहु सरीरु परवाणु होआ जिनि सतिगुर सिउ चितु लाइआ ॥ ३५ ॥ ए नेत्रहु मेरिहो हरि तुम महि

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जोति धरी हरि बिनु अवरु न देखहु कोई ॥ हरि बिनु अवरु न देखहु कोई नदरी हरि निहालिआ ॥ एहु विसु संसारु

तुम देखदे एहु हरि का रूपु है हरि रूपु नदरी आइआ ॥ गुर परसादी बुझिआ जा वेखा हरि इकु है हरि बिनु अवरु न कोई ॥ कहैं नानकु एहि नेत्र अंध से सतिगुरि मिलिऐ दिब द्रिसटि होई ॥ ३६ ॥ ए स्रवणहु मेरिहो साचै सुनणै नो पठाए॥ साचै सुनणै नो पठाए ॥ साचै सुनणै नो पठाए सरीरि लाए सुणहु सित बाणी॥ जितु सुणी मनु तनु हरिआ होआ रसना

रसि समाणी ॥ सचु अलख विडाणी ता की गति कही न जाए॥ कहै नानकु अम्रित नामु सुणहु पवित्र होवहु साचै सुनणै नो पठाए॥ ३७॥ हरि जीउ गुफा अंदरि रखि कै वाजा पवणु

वजाइआ॥ वजाइआ वाजा

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 160 Index विषय सुची पउण नउ दुआरे परगटु कीए दसवा गुपतु रखाइआ ॥ गुरदुआरै लाइ भावनी इकना दसवा दुआरु दिखाइआ॥ तह अनेक रूप नाउ नव निधि तिस दा अंतु न जाई पाइआ ॥ कहै नानकु हरि पिआरै जीउ गुफा अंदरि रखि कै वाजा पवणु वजाइआ॥ ३८॥ एहु साचा सोहिला साचै घरि गावहु॥

गावहु त सोहिला घरि साचै

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जिथै सदा सचु धिआवहे ॥ सचो धिआवहि जा तुधु भावहि गुरमुखि जिना बुझावहे ॥ इहु सचु सभना का खसमु है जिसु बखसे सो जनु पावहे ॥ कहै नानकु सचु सोहिला सचै घरि गावहे ॥ ३९ ॥ अनदु सुणहु वडभागीहो सगल मनोरथ पूरे ॥ पारब्रहमु प्रभु पाइआ उतर सगल विसूरे ॥ दूख रोग संताप उतरे सुणी सची बाणी ॥ संत

साजन भए सरसे पूरे गुर ते जाणी ॥ सुणते पुनीत कहते पवितु सतिगुरु रहिआ भरपूरे ॥

पवितु सतिगुरु रहिआ भरपूरे॥ बिनवंति नानकु गुर चरण लागे वाजे अनहद तूरे॥ ४०॥१॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## रहरासि साहिब

हरि जुगु जुगु भगत उपायआ पैज रखदा आया राम राजे॥ हरणाखसु दुसदु हरि मार्या प्रहलादु तरायआ ॥ अहंकारिया निन्दका पिठि देइ नामदेउ मुखि लायआ ॥ जन नानक ऐसा हरि सेव्या अंति लए छडायआ॥ ४ ॥ १३ ॥ २० ॥

www.dekho-ji.com 164 Index विषय स्ची श सतिगुर प्रसादि॥ सलोकु म दुखु दारू सुखु रोगु भया जा सुखु तामि न होयी ॥ तूं करता करना मै नाही जा हउ करी न होयी ॥ १ ॥ बलेहारी कुदरति

वस्या॥ तेरा अंतु न जायी लख्या॥१॥ रहाउ॥ जाति मह जोति जोति मह जाता अकल कला भरपूरि रहआ ॥ तूं सचा साहबु सिफति सुआल्िउ

www.dekho-ji.com **165** Index विषय सुची जिनि कीती सो पारि पया॥ कहु नानक करते किया बाता जो किछु करना सु करि रहआ ॥ सोदर रागु आसा महला १ 🕾 सतिगुर प्रसादि ॥ सो दरु तेरा केहा सो घरु केहा जितु बह सरब समाले ॥ वाजे तेरे नाद अनेक असंखा केते तेरे वावणहारे ॥ केते तेरे राग परी

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

स्यु कहियह केते तेरे गावणहारे

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ गावनि तुधनो पवनु पानी बैसंतरु गावै राजाधरमु दुआरे ॥ गावनि तुधनो चितु गुपतु लिखि जाणनि लिखि लिखि धरमु बीचारे ॥ गावनि तुधनो ईसरु ब्रहमा देवी सोहनि तेरे सदा सवारे ॥ गावनि तुधनो इन्द्र इन्द्रासनि बैठे देवत्या दरि नाले ॥ गावनि तुधनो सिध समाधी अन्दरि गावनि तुधनो साध बीचारे ॥ गावनि तुधनो जती

www.dekho-ji.com **167** Index विषय सुची सती संतोखी गावनि तुधनो वीर करारे ॥ गावनि तुधनो पंडित पड़नि रखीसुर जुगु जुगु वेदा नाले ॥ गावनि तुधनो मोहणिया मनु मोहनि सुरगु मछु पयाले ॥ गावनि तुधनो रतन उपाए तेरे अठसठि तीरथ नाले ॥ गावनि तुधनो जोध महाबल सूरा गावनि तुधनो खानी चारे ॥ गावनि तुधनो खंड मंडल ब्रहमंडा करि करि

www.dekho-ji.com 168 Index विषय सुची रखे तेरे धारे ॥ सेयी तुधनो गावनि जो तुधु भावनि रते तेरे भगत रसाले ॥ होरि केते तुधनो गावनि से मै चिति न आवनि नानकु क्या बीचारे ॥ सोयी सोयी सदा सचु साहबु साचा

सोयी सदा सचु साहबु साचा साची नायी ॥ है भी होसी जाय न जासी रचना जिनि रचायी ॥ रंगी रंगी भाती करि करि जिनसी मायआ जिनि उपायी ॥ करि करि देखै कीता आपना ज्यु लिस दी वड्यायी ॥ जो तिसु भावै सोयी करसी फिरि हुकमु

न करना जायी ॥ सो पातिसाहु साहा पतिसाहबु नानक रहनु रजायी ॥ १ ॥ आसा महला १ ॥

सुनि वडा आखै सभु कोइ॥ केवडु वडा डीठा होइ॥ कीमति पाय न कहआ जाय॥ कहनै वाले तेरे रहे समाय॥ १॥ वडे मेरे साहबा गहर गंभीरा गुनी www.dekho-ji.com Index विषय सुची गहीरा॥ कोइ न जानै तेरा केता केवडु चीरा ॥ १ ॥ रहाउ ॥ सभि सुरती मिलि सुरति कमायी॥ सभ कीमति मिलि कीमति पायी॥ ग्यानी ध्यानी गुर गुरहायी ॥ कहनु न जायी तेरी तिल् वड्यायी ॥ २ ॥ सभि सत सभि तप सभि चंग्याईआ ॥ सिधा पुरखा किया वड्याईआ॥ तुधु विनु सिधी किनै न पाईआ॥ करमि मिलै

 www.dekho-ji.com
 171
 Index विषय स्वी

 नाही ठाकि रहाईआ॥३॥
 अखन वाला क्या वेचारा॥

सिफती भरे तेरे भंडारा॥ जिसु तू देह तिसै क्या चारा॥ नानक सचु सवारणहारा॥ ४॥ २॥ आसा महला १॥ आखा जीवा विसरै मरि जाउ॥ आखनि अउखा साचा नाउ॥

भूखै खाय चिलयह दूख॥ १ सो क्यु विसरै मेरी माय॥

साचे नाम की लागै भूख ॥ उत्

www.dekho-ji.com Index विषय सुची साचा साहबु साचै नाय॥ १॥ रहाउ॥ साचे नाम की तिल् वड्यायी॥ आखि थके कीमति नही पायी ॥ जे सभि मिलि कै आखन पाह ॥ वडा न होवै घाटिन जाय॥२॥नाओह मरै न होवै सोगु ॥ देदा रहै न चूकै भोगु ॥ गुनु एहो होरु नाही कोइ॥ ना को होआ ना को होइ ॥ ३ ॥ जेवडु आपि तेवड तेरी दाति॥ जिनि दिन् करि कै

173 www.dekho-ji.com Index विषय स्ची कीती राति ॥ खसमु विसारह ते कमजाति नानक नावै बाझु सनाति॥४॥३॥ रागु गूजरी महला ४ ॥ हरि के जन सतिगुर सत पुरखा बिनउ करउ गुर पासि ॥ हम कीरे किरम सतिगुर सरणायी करि दया नामु परगासि ॥ १ ॥ मेरे मीत गुरदेव मोकउ राम नामु परगासि ॥ गुरमति नामु मेरा प्रान सखायी हरि कीरति

www.dekho-ji.com 174 Index विषय सुची हमरी रहरासि॥ १ ॥ रहाउ॥ हरिजन के वडभाग वडेरे जिन हरि हरि सरधा हरि प्यास ॥ हरि हरि नामु मिलै त्रिपतासह मिलि संगति गुन परगासि॥ २ ॥ जिन हरि हरि हरि रसु नामु न पायआ ते भागहीन जम पासि ॥ जो सतिगुर सरनि संगति नही आए ध्रिगु जीवे ध्रिग् जीवासि ॥ ३ ॥ जिन हरिजन सतिगुर संगित पायी

www.dekho-ji.com 175 Index विषय सूची तिन धुरि मसतिक लिख्या लिखासि ॥ धनु धन्नु सतसंगित जितु हरि रसु पायआ मिलि जन नानक नामु परगासि ॥ ४ ॥ ४ ॥ रागु गूजरी महला ५ ॥ काहे रे मन चितवह उदमु जा आहरि हरि जीउ पर्या ॥ सैल पथर मह जंत उपाए ता का रिजकु आगै करि धर्या॥ १ मेरे माधउ जी सतसंगति मिले

www.dekho-ji.com 176 Index विषय सुची सु तर्या ॥ गुरपरसादि परमपदु पायआ सूके कासट हर्या ॥ १ रहाउ ॥ जननि पिता लोक सुत बनिता कोइ न किस की धर्या ॥ सिरि सिरि रिजकु सम्बाहे ठाक्र काहे मन भउ कर्या॥ २ ॥ ऊडे ऊडि आवै सै कोसा तिसु पाछै बचरे छर्या ॥ तिन कवनु खलावै कवनु चुगावै मन मह सिमरनु कर्या॥ ३ ॥ सभि निधान दस असट सिधान

ण्ण गिर्वे प्राप्त विषय सूची या जिल्ला क्षेत्र कर तल धर्या ॥ जन नानक बलि बलि सद बलि जाईऐ तेरा अंतु न पारावर्या॥ ४॥ ५॥

४॥५॥ रागु आसा महला ४ सो पुरखु

彼 सतिगुर प्रसादि ॥ सो पुरखु निरंजनु हरि पुरखु निरंजनु हरि अगमा अगम अपारा ॥ सभि ध्यावह सभि ध्यावह तुधु जी हरि सचे सिरजणहारा ॥ सभि जिय

www.dekho-ji.com 178 Index विषय सूची तुमारे जी तूं जिया का दातारा ॥ हरि ध्यावहु संतहु जी सभि दूख विसारणहारा ॥ हरि आपे ठाकुरु हरि आपे सेवकु जी क्या नानक जंत विचारा ॥ १ ॥ तू घट घट अंतरि सरब निरंतरि जी हरि एको पुरखु समाना ॥ इकि दाते इकि भेखारी जी सभि तेरे चोज विडाना ॥ तूं आपे दाता आपे भुगता जी हउ तुधु बिनु अवरु न जाना ॥ तूं

www.dekho-ji.com 179 Index विषय स्ची पारब्रहमु बेअंतु बेअंतु जी तेरे क्या गुन आखि वखाना॥ जो सेवह जो सेवह तुधु जी जनु नानकु तिन कुरबाना ॥ २ ॥ हरि ध्यावह हरि ध्यावह तुधु जी से जन जुग मह सुखवासी॥ से मुकतु से मुकतु भए जिन हरि ध्याया जी तिन तूटी जम की फासी ॥ जिन निरभउ जिन हरि निरभउ ध्याया जी तिन का भउ सभु गवासी॥ जिन

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सेव्या जिन सेव्या मेरा हरि जी ते हरि हरि रूपि समासी॥ से धन्नु से धन्नु जिन हरि ध्याया जी जन् नानक् तिन बलि जासी ॥ ३ ॥ तेरी भगति तेरी भगति भंडार जी भरे बिअंत बेअंता ॥ तेरे भगत तेरे भगत सलाहनि तुधु जी हरि अनिक अनेक अनंता ॥ तेरी अनिक तेरी अनिक करह हरि पूजा जी तपु तापह जपह बेअंता ॥ तेरे अनेक

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची तेरे अनेक पड़ह बहु सिमृति सासत जी करि किर्या खटु करम करंता॥ से भगत से भगत भले जन नानक जी जो भावह मेरे हरि भगवंता ॥ ४ ॥ तूं आदि पुरखु अपरम्परु करता जी तुधु जेवडु अवरु न कोयी ॥ तूं जुगु जुगु एको सदा सदा तूं एको जी तूं नेहचलु करता सोयी ॥ तुधु आपे भावै सोयी वरतै जी तूं आपे करह सु होयी ॥ तुधु आपे

www.dekho-ji.com 182 Index विषय सुची स्रिसटि सभ उपायी जी तुधु आपे सिरजि सभ गोयी ॥ जनु नानकु गुन गावै करते के जी जो सभसै का जाणोयी ॥ ५ ॥ १ आसा महला ४ ॥ तूं करता सच्यारु मैडा सांयी ॥ जो तउ भावै सोयी थीसी जो तू देह सोयी हउ पायी ॥ १ ॥ रहाउ॥ सभ तेरी तूं सभनी ध्याया॥ जिसनो क्रिपा करह

www.dekho-ji.com 183 Index विषय सूची तिनि नाम रतनु पायआ॥ गुरमुखि लाधा मनमुखि गवायआ॥ तुधु आपि विछोड़्या आपि मिलायआ ॥ १ ॥ तूं दरियाउ सभ तुझ ही माह ॥ तुझ बिनु दूजा कोयी नाह ॥ जिय जंत सभि तेरा खेलु॥ विजोगि मिलि विछुड़्या संजोगी मेलु॥ २ ॥ जिसनो तूं जाणायह सोयी जनु जानै ॥ हरि गुन सद ही आखि वखानै ॥

www.dekho-ji.com **184** Index विषय स्ची जिनि हरि सेव्या तिनि सुखु पायआ ॥ सहजे ही हरि नामि समायआ॥३॥ तूं आपे करता तेरा किया सभु होइ ॥ तुधु बिनु दूजा अवरु न कोइ ॥ तू करि करि वेखह जानह सोइ ॥ जन नानक गुरमुखि परगटु होइ ॥ ४

॥ २ ॥ आसा महला १ ॥ तितु सरवरड़ै भईले निवासा पानी पावकु तिनह किया ॥ पंक

185 www.dekho-ji.com Index विषय स्ची जु मोह पगु नही चालै हम देखा तह डूबियले ॥ १ ॥ मन एकु न चेतिसे मूड़ मना ॥ हरि बिसरत तेरे गुन गल्या ॥ १ ॥ रहाउ ॥ ना हउ जती सती नही पड़्या मूरख मुगधा जनमु भया॥ प्रणवति नानक तिन की सरना जिन तूं नाही वीसर्या॥ २ ॥ ३

आसा महला ५ ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 186 Index विषय सुची भयी परापति मानुख देहुरिया ॥ गोबिन्द मिलन की इह तेरी बरिया ॥ अवरि काज तेरै कितै न काम ॥ मिलु साधसंगति भज् केवल नाम ॥ १ ॥ सरंजामि लागु भवजल तरन कै ॥ जनमु ब्रिथा जात रंगि मायआ कै ॥ १ ॥ रहाउ ॥ जपु तपु संजमु धरमु न कमायआ॥ सेवा साध न जान्या हरि रायआ ॥ कहु नानक हम नीच

www.dekho-ji.com 187 Index विषय सूची करंमा॥ सरिन परे की राखहु सरमा॥ २॥ ४॥ श्रि स्री वाहगुरू जी की फतह॥ पातिसाही १०॥ चौपयी॥

पातिसाही १०॥ चौपयी॥ पुनि राछस का काटा सीसा ॥ स्री असिकेत् जगत के ईसा॥ पुहपन ब्रिसटि गगन तें भई॥ सभहन आनि बधायी दई॥ १ ॥ धन्न धन्न लोगन के राजा ॥ दुसटन दाह गरीब निवाजा ॥

अखल भवन के सिरजनहारे॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 188 Index विषय सूची दास जानि मुह लेहु उबारे ॥ २ कबियो बाच बेनती ॥ चौपयी हमरी करो हाथि दै रच्छा ॥ पूरन होइ चित की इच्छा॥ तव

चरनन मन रहै हमारा ॥ अपना जान करो प्रतिपारा ॥ १ हमरे दुसट सभै तुम घावहु॥ आपु हाथ दै मोह बचावहु॥ सुखी बसै मोरो परिवारा ॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सेवक सिक्ख सभै करतारा॥ २ ॥ मो रच्छा निज् कर दै करियै ॥ सभ बैरन कौ आज संघरियै॥ पूरन होइ हमारी आसा॥ तोरि भजन की रहै पयासा॥ ३॥ तुमह छाडि कोयी अवर न धियाऊं ॥ जो बर चाहौं सु तुम ते पाऊं ॥ सेवक सिक्खय हमारे तारियह॥ चुनि चुनि सत्र हमारे मारियह ॥ ४ ॥ आपु हाथ दै मुझै उबरियै॥ मरन

www.dekho-ji.com **190** Index विषय स्ची काल का त्रास निवरियै ॥ हूजो सदा हमारे पच्छा ॥ स्री असिधुज जू करियहु रच्छा ॥ ५ ॥ राखि लेहु मुह राखनहारे ॥ साहब संत सहाय पियारे॥ दीन बंधु दुसटन के हंता ॥ तुम हो पुरी चतुरदस कंता ॥ ६ ॥ काल पाय ब्रहमा बपु धरा ॥ काल पाय सिवजू अवतरा ॥ काल पाय करि बिसन प्रकासा ॥ सकल काल का किया तमासा www.dekho-ji.com **191** Index विषय सुची ॥ ७ ॥ जवन काल जोगी सिव कीयो ॥ बेद राज ब्रहमा जू थीयो॥ जवन काल सभ लोक सवारा॥ नमसकार है ताह हमारा॥ ८॥ जवन काल सभ जगत बनायो॥ देव दैत जच्छन उपजायो ॥ आदि अंति एकै

उपजाया॥ आदि आत एक अवतारा॥ सोयी गुरू समझियहु हमारा॥ ९॥ नमसकार तिसही को हमारी॥ सकल प्रजा जिन आप सवारी॥ www.dekho-ji.com 192 Index विषय सुची सिवकन को सवगुन सुख दीयो ॥ सत्रन को पल मो बध कीयो ॥ १०॥ घट घट के अंतर की जानत॥ भले बुरे की पीर पछानत ॥ चीटी ते कुंचर असथूला ॥ सभ पर क्रिपा दिसटि कर फूला ॥ ११ ॥ संतन दुख पाए ते दुखी ॥ सुख पाए साधन के सुखी ॥ एक एक की पीर पछानै ॥ घट घट के पट पट की जानै ॥ १२ ॥ जब

www.dekho-ji.com Index विषय सूची 193 उदकरख करा करतारा॥ प्रजा धरत तब देह अपारा ॥ जब आकरख करत हो कबहूं ॥ तुम मैं मिलत देह धर सभहूं॥ १३ ॥ जेते बदन स्रिसटि सभ धारै ॥ आपु आपनी बूझि उचारै ॥ तुम सभ ही ते रहत निरालम ॥ जानत बेद भेद अरु आलम ॥

जानत बेद भेद अरु आलम ॥ १४॥ निरंकार न्निबिकार न्निलंभ॥ आदि अनील अनादि असंभ॥ ता का मूड़ह उचारत भेदा ॥ जा को भेव न पावत बेदा ॥ १५ ॥ ता कौ करि पाहन अनुमानत ॥ महा मूड़ह

कछु भेद न जानत॥ महांदेव कौ कहत सदा सिव ॥ निरंकार का चीनत नह भिव॥ १६॥ आपु आपुनी बुधि है जेती॥ बरनत भिन्न भिन्न तुह तेती॥

तुमरा लखा न जाय पसारा॥ केह बिधि सजा प्रथम संसारा॥ १७॥ एकै रूप अनूप सरूपा॥ रंक भयो राव कही भूपा॥ अंडज जेरज सेतज कीनी॥ उतभुज खानि बहुरि रचि दीनी॥ १८॥ कहूं फूलि राजा हवै बैठा॥ कहूं सिमटि भयो संकर

इकैठा ॥ सिगरी स्निसटि दिखाय अचंभव ॥ आदि जुगादि सरूप सुर्यभव ॥ १९॥ अब रच्छा मेरी तुम करो ॥ सिक्ख उबारि असिक्ख संघरो ॥ दुसट जिते उठवत उतपाता ॥ सकल

भलेख करो रण घाता॥ २०॥ जे असिधुज तव सरनी परे॥

तिन के दुसट दुखित ह्वै मरे॥ पुरख जवन पग परे तेहारे॥ तिन के तुम संकट सभ टारे॥

२१॥ जो किल को इक बार धिऐहै॥ ता के काल निकटि नह ऐहै॥ रच्छा होइ ताह सभ काला॥ दुसट अरिसट ट्रैं ततकाला॥ २२॥ क्रिपा द्रिसटि

तन जाह नेहरेहो ॥ ता के ताप

www.dekho-ji.com Index विषय सुची तनक मह हरेहो ॥ रिद्धि सिद्धि घर मो सभ होयी ॥ दुसट छाह छवै सकै न कोयी ॥ २३ ॥ एक बार जिन तुमै संभारा ॥ काल फास ते ताह उबारा ॥ जिन नर नाम तेहारो कहा ॥ दारिद दुसट दोख ते रहा ॥ २४ ॥ खड़गकेत मै सरनि तेहारी ॥ आपु हाथ दै लेहु उबारी ॥ सरब ठौर मो होहु सहायी ॥ दुसट दोख ते लेहु बचायी ॥ २५ ॥

क्रिपा करी हम पर जग माता ॥ ग्रंथ करा पूरन सुभ राता ॥ किलबिख सकल देह को हरता ॥ दुसट दोखियन को छै करता ॥ २६ ॥ स्री असिध्ज जब भए दयाला॥ पूरन करा ग्रंथ ततकाला॥ मन बांछत फल पावै सोयी ॥ दूख न तिसै ब्यापत कोयी ॥ २७ ॥ अङ्गिल्ल ॥

निकट न तिन नर के रहै ॥ हो

जो याकी एक बार चौपयी को

कहै ॥ २८ ॥ चौपयी ॥ सम्बत सत्त्रह सहस भणिज्ञै ॥ अरध सहस फुनि तीनि कहज्जै ॥ भाद्रव सुदी असटमी www.dekho-ji.com 200 Index विषय स्वी रविवारा ॥ तीर सतुद्भव ग्रंथ

सुधारा॥ २९॥ दोहरा॥

दास जान करि दास परि कीजै क्रिपा अपार ॥ आप हाथ दै राखु मुह मन क्रम बचन बिचार ॥ १ ॥

चौपयी॥ मै न गनेसह प्रिथम मनाऊं॥

किसन बिसन कबहूं नह ध्याऊं ॥ कान सुने पहचान न तिन सो www.dekho-ji.com 201 Index विषय सुची ॥ लिव लागी मोरी पग इन सो ॥ २ ॥ महा काल रखवारि हमारो ॥ महां लोह मै किंकर थारो ॥ अपना जान करो रखवार ॥ बांह गहे की लाज बिचार॥३॥ अपना जान मुझै प्रतिपरीऐ॥ चुन चुन सत्र हमारे मरीऐ॥ देग तेग जग मै दोऊ चलै॥ राख आप मुह अउर न दलै॥ ४ ॥ तुम मम करहु सदा प्रतिपारा ॥ तुम Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 202 Index विषय सूची साहब मै दास तेहारा॥ जान आपना मुझै निवाज ॥ आप करो हमरे सभ काज ॥ ५ ॥ तुम हो सभ राजन के राजा॥ आपे आपु गरीब निवाजा ॥ दास जान कर क्रिपा करहु मुह ॥ हार परा मै आनि दुआर तुह ॥ ६ ॥ अपना जान करो प्रतिपारा ॥ तुम साहबु मैं किंकरु थारा ॥ दास जान दै हाथ उबारो ॥ हमरे सभ

www.dekho-ji.com 203 Index विषय सूची वैरियन संघारो॥ ७॥ प्रिथम

धरों भगवत को ध्याना॥ बहुर करों कबिता बिधि नाना॥ किसन जथा मति चरित्र उचारो

क्रिसन जथा मित चरित्र उचारो ॥ चूक होइ किब लेहु सुधारो ॥ ८॥ कब्यु बाच॥ दोहरा॥

जो निज प्रभ मो सो कहा सो कहहौं जग माह॥ जो तेह प्रभ को ध्याइ हैं अंत सुरग को जाहं ॥ १॥ www.dekho-ji.com 204 Index विषय स्ची दोहरा॥

हरि हरिजनि दुयी एक है बिब बिचार कछु नाह॥ जल ते उपज तरंग ज्यु जल ही बिखै

समाह॥२॥ दोहरा॥

जब आइसु प्रभ को भयो जनमु धरा जग आइ॥ अब मै कथा संछेप ते सभहूं कहत सुनाय॥ १॥ किब बाच॥ दोहरा॥ 

 www.dekho-ji.com
 205
 Index विषय स्ची

 ठाढ भयो मै जोरि करि बचन

ठाढ भयों में जीरि करि बचन कहा सिर न्याइ॥ पंथ चलै तब जगत मै जब तुम करहु सहाय॥

दोहरा॥ चे <del>को को कि</del>

जे जे तुमरे ध्यान को नित उठि धिऐहैं संत ॥ अंत लहैंगे मुकत फलु पावहगे भगवंत ॥ १ ॥ दोहरा॥

काल पुरख की देह मो कोटिक बिसन महेस॥ कोटि इन्द्र www.dekho-ji.com 206 Index विषय सूची ब्रहमा किते रवि ससि क्रोर

ब्रहमा कित राव सास कार जलेस ॥ १ ॥

दोहरा॥

राम कथा जुग जुग अटल सभ कोयी भाखत नेत ॥ सुरग बास रघुबर करा सगरी पुरी समेत ॥ १ ॥

चौपयी॥ जो इह कथा सुनै अरु गावै॥

दूख पाप तेह निकट न आवै॥ बिसन भगत की ए फल होयी www.dekho-ji.com 207 Index विषय स्ची ॥ आधि बयाधि छवै सकै न कोयी॥ १॥ संमत सत्त्रह सहस पचावन ॥ हाड़ वदी प्रिथम सुख दावन ॥ त्वप्रसादि करि ग्रंथ सुधारा ॥ भूल परी लहु लेहु सुधारा॥ २ ॥

दोहरा॥

नेत्र तुंग के चरन तर सतुद्रव तीर तरंग ॥ स्री भगवत पूरन क्यो रघुबर कथा प्रसंग ॥ ३ ॥ दोहरा॥

www.dekho-ji.com 208 Index विषय स्ची

साध असाध जानो नही बाद सुबाद बिबादि ॥ ग्रंथ सकल पूरन क्यो भगवत क्रिपा प्रसादि

> ॥ ४ ॥ स्वैया ॥

पांइ गहे जब ते तुमरे तब ते

कोऊ आंख तरे नही आनयो॥ राम रहीम पुरान कुरान अनेक

कहैं मत एक न मानयो॥ सिंमृति सासत्र बेद सभै बहु भेद कहैं हम एक न जानयो॥ स्री 

 www.dekho-ji.com
 209
 Index विषय स्वी

 असिपान क्रिपा तुमरी करि मै

 न कहयो सभ तोह बखानयो ॥

 १ ॥

दोहरा॥ सगल दुआर कउ छाडि कै गहयो तुहारो दुआर॥ बांह गहे की लाज अस गोबिन्द दास

तुहार॥२॥ रामकली महला३ अनन्दु श्रु सतिगुर प्रसादि॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

अनन्दु भया मेरी माए सतिगुरू मै पायआ॥ सतिगुरु त पायआ सहज सेती मनि वजिया वाधाईआ॥ राग रतन परवार

परिया सबद गावन आईआ॥ सबदो त गावहु हरी केरा मनि जिनी वसायआ॥ कहै नानकु अनन्दु होआ सतिगुरू मै पायआ॥ १॥ ए मन मेर्या तू सदा रह

हरि नाले ॥ हरि नालि रहु तू

मन्न मेरे दूख सभि विसारना॥

www.dekho-ji.com 211 Index विषय सुची अंगीकारु ओहु करे तेरा कारज सभि सवारना ॥ सभना गला समरथु सुआमी सो क्यु मनह विसारे ॥ कहै नानकु मन्न मेरे सदा रहु हरि नाले ॥ २ ॥ साचे

साहबा क्या नाही घरि तेरै ॥ घरित तेरै सभु किछु है जिसु देह सु पावए॥ सदा सिफति सलाह तेरी नामु मनि वसावए ॥ नामु जिन कै मनि वस्या वाजे सबद घनेरे ॥ कहै नानकु

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी सचे साहब क्या नाही घरि तेरै ॥ ३ ॥ साचा नामु मेरा आधारो॥ साचु नामु अधार मेरा जिनि भुखा सभि गवाईआ ॥ करि सांति सुख मनि आइ वस्या जिनि इछा सभि पुजाईआ ॥ सदा कुरबानु कीता गुरू विटहु जिस दिया एह वड्याईआ॥ कहै नानकु सुणहु संतह सबदि धरह प्यारो॥ साचा नामु मेरा आधारो ॥ ४

www.dekho-ji.com 213 Index विषय सुची ॥ वाजे पंच सबद तितु घरि सभागै ॥ घरि सभागै सबद वाजे कला जितु घरि धारिया ॥ पंच दूत तुधु वसि कीते कालु कंटकु मार्या ॥ धुरि करमि पायआ तुधु जिन कउ सि नामि हरि कै लागे ॥ कहै नानकु तह सुखु होआ तितु घरि अनहद वाजे॥ ५ ॥ अनदु सुणहु वडभागीहो सगल मनोरथ पूरे ॥ पारब्रहमु प्रभु पायआ उतरे

www.dekho-ji.com 214 Index विषय सुची सगल विसूरे ॥ दूख रोग संताप उतरे सुनी सची बानी ॥ संत साजन भए सरसे पूरे गुर ते जानी ॥ सुणते पुनीत कहते पवितु सतिगुरु रहआ भरपूरे ॥ बिनवंति नानकु गुर चरन लागे वाजे अनहद तूरे ॥ ४० ॥ १ ॥ मुन्दावनी महला ५ ॥ थाल विचि तिन्नि वसतू पईयो सतु संतोखु वीचारो ॥ अंमृत नामु ठाकुर का पइयो जिस का

www.dekho-ji.com 215 Index विषय स्ची सभसु अधारो ॥ जे को खावै जे को भुंचै तिस का होइ उधारो ॥ एह वसतु तजी नह जायी नित नित रखु उरि धारो॥ तम संसारु चरन लगि तरीऐ सभु नानक ब्रहम पसारो ॥ १ सलोक महला ५ ॥ तेरा कीता जातो नाही मैनो जोगु कीतोयी ॥ मै निरगुण्यारे को गुनु नाही आपे तरसु पइयोयी ॥ तरसु पया

भेहरामति होयी सतिगुरु सजनु मिल्या॥ नानक नामु मिलै तां जीवां तनु मनु थीवै हर्या॥ १

पउड़ी ॥

तिथै तू समरथु जिथै कोइ नाह ॥ ओथै तेरी रख अगनी उदर माह ॥ सुनि कै जम के दूत नाय तेरै छडि जाह ॥ भउजलु बिखमु असगाहु गुरसबदी पारि

पाह ॥ जिन कउ लगी प्यास

www.dekho-ji.com 217 Index विषय सूची अंमृतु सेइ खाह ॥ कलि मह

एहो पुन्न गोविन्द गाह ॥ सभसै नो किरपाल सम्ाले

साह साह॥ बिरथा कोइ न जाय जि आवै तुधु आह॥ ९॥ सलोक म ५॥

अंतरि गुरु आराधना जेहवा जपि गुर नाउ ॥ नेत्री सतिगुरु पेखना स्रवनी सुनना गुर नाउ ॥

सतिगुर सेती रत्या दरगह

पाईऐ ठाउ॥ कहु नानक
Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 218 Index विषय सूची

किरपा करे जिसनो एह वथु देइ ॥ जग मह उतम काढियह विरले केयी केइ॥१॥म५

॥ रखे रखणहारि आपि उबारिअनु॥ गुर की पैरी पाय

काज सवारिअनु ॥ होआ आपि दयालु मनहु न विसारिअनु ॥ साध जना कै संगि भवजलु तारिअनु ॥ साकत निन्दक दुसट खिन माह बिदारिअनु ॥ तिसु

साहब की टेक नानक मनै माह

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

॥ जिसु सिमरत सुखु होइ सगले दूख जाह ॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

### अरदासि

तू ठाकुरु तुम पह अरदासि॥ जीउ पिंडु सभु तेरी रासि ॥ तुम मात पिता हम बारिक तेरे ॥ तुमरी क्रिपा मह सूख घनेरे ॥ कोइ न जानै तुमरा अंतु ॥ ऊचे ते ऊचा भगवंत ॥ सगल समग्री तुमरै सूत्रि धारी ॥ तुम ते होइ सु आग्याकारी ॥ तुमरी गति

www.dekho-ji.com Index विषय सुची मिति तुम ही जानी ॥ नानक दास सदा कुरबानी ॥ ८ ॥ ४ ॥ **क्ष स्री वाहगुरू जी की फतह**॥ स्री भगउती जी सहाय॥ वार स्री भगउती जी की॥ पातिसाही १०॥ प्रिथम भगौती सिमरि कै गुर नानक लईं ध्याइ॥ फिर अंगद गुर ते अमरदासु रामदासै होईं सहाय ॥ अरजन हरगोबिन्द नो सिमरौ स्री हरिराय ॥ स्री

www.dekho-ji.com 222 Index विषय सूची

हरिक्रिसन ध्याईऐ जिसु डिठै सभि दुखि जाय॥ तेग बहादर सिमरिऐ घरि नउ निधि आवै धाय॥ सभ थाईं होइ सहाय॥ १॥

दसवें पातिशाह स्री गुरू गोबिन्द सिंघ साहब जी सभ थाईं होइ सहाय॥ दसां पातिशाहियां दी जोति स्री गुरू ग्रंथ साहब जी दे पाठ दीदार दा ध्यान धर के, बोलो जी वाहगुरू॥ पंजां प्यार्यां, चौहां

223

Index विषय सुची

www.dekho-ji.com

साहबज़ाद्यां, चाल्हियां मुकत्यां, हठियां, जपियां, तपियां, जिन्हां नाम जप्या, वंड

देख के अणडिट्ठ कीता, तिन्हां प्यार्यां, सच्यार्यां दी कमायी दा

छक्या, देग चलाई, तेग वाही,

www.dekho-ji.com 224 <u>Index विषय स्</u>ची ध्यान धर के, खालसा जी !

बोलो जी वाहगुरू॥ जिन्हां सिंघां सिंघणियां ने धरम हेत सीस दिते, बन्द बन्द कटाए, खोपरियां लुहाईआं,

चरखड़ियां ते चड़हे, आर्यां नाल चिराए गए, गुरदुआर्यां दी सेवा लई कुरबानियां कीतियां, धरम नहीं हार्या, सिक्खी केसां www.dekho-ji.com 225 <u>Index विषय स्</u>ची

सुआसां नाल निबाही, तिन्हां दी कमायी दा ध्यान धर के,

दा कमाया दा ध्यान घर क, बोलो जी वाहगुरू॥

पंजां तखतां, सरबत्त गुरदुआर्यां दा ध्यान धर के, बोलो जी

वाहगुरू॥

प्रिथमे सरबत्त खालसा जी की अरदास है जी, सरबत्त खालसा

जी को वाहगुरू, वाहगुरू,

वाहगुरू चित्त आवे, चित्त आवन का सदका, सरब सुख होवे॥ जहां जहां खालसा जी साहब, तहां तहां रच्छ्या

र्याइत, देग तेग फतह, बिरद की पैज, पंथ की जीत, स्री साहब जी सहाय, खालसे जी के बोल बाले, बोलो जी वाहगुरू॥

www.dekho-ji.com 227 <u>Index विषय सूची</u>

सिक्खां नूं सिक्खी दान, केस दान, रहत दान, बिबेक दान,

विसाह दान, भरोसा दान,

दानां सिर दान नाम दान, स्री अंमृतसर जी दे दरशन इशनान,

चौंकियां, झंडे, बुंगे जुगो जुग अटल्ल, धरम का जैकार, बोलो

जटल्ल, बरन पर्ग जपग जी वाहगुरू ॥ www.dekho-ji.com 228 Index विषय स्ची

सिक्खां दा मन नीवां, मत

उच्ची, मत पत दा राखा आपि वाहगुरू॥ हे अकाल पुरख! आपने पंथ दे सदा सहायी

दातार जीयो! समूह गुरदुआर्यां गुरधामां दे खुल्हे दरशन दीदार ते सेवा संभाल करन दा दान खालसा जी नूं बख़शो॥ हे निमाण्यां दे मान, निताण्यां दे

तान, न्योट्यां दी ओट, सच्चे

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

पिता वाहगुरू! आप जी दे हज़ूर

..... दी अरदास है जी,

अक्खर वाधा घाटा भुल चुक्क माफ़ करनी, सरबत्त दे कारज

रास करने ॥ सेयी प्यारे मेल. जिन्हां मिल्यां तेरा नाम चित्त आवे॥ नानक नाम चड़्हदी कला॥ तेरे

भाने सरबत्त दा भला॥

www.dekho-ji.com 230 Index विषय सूची वाहगुरू जी का खालसा॥

वाहगुरू जी की फतह ॥ दोहरा ॥

आग्या भई अकाल की, तबी चलायो पंथ ॥ सभ सिक्खनि

को हुकम है, गुरू मान्यो ग्रंथ ॥ गुरू गंरथ जी मान्यो, प्रगट गुरां

की देह ॥ जो प्रभ को मिलबो चहै, खोज शबद मैं लेह ॥ राज करेगा खालसा, आकी रहै न

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 231 Index विषय स्ची

कोइ॥ ख्वार होइ सभि मिलैंगे, बचै शरन जो होइ॥ वाहगुरू नाम जहाज़ है, चड़हे सु उतरै

नाम जहाज़ ह, चड़्ह सु उतर पार ॥ जो सरधा कर सेंवदे, गुर

पारि उतारनहार॥ बोलेसोनेहाल॥ सतिस्रीअकाल॥

वाहगुरू जी का खालसा॥

# वाहगुरू जी की फतह ॥

## आरती

राग् धनासरी महला १॥ गगन मै थालु रवि चंदु दीपक बने तारिका मंडल जनक मोती ॥ धूपु मलआनलो पवणु चवरो करे सगल बनराइ फूलंत जोती ॥ १ ॥ कैसी आरती होइ ॥ भव खंडना तेरी आरती ॥ अनहता सबद वाजंत भेरी ॥ १ ॥ रहाउ

॥ सहस तव नैन नन नैन हहि

www.dekho-ji.com Index विषय सुची तोहि कउ सहस मूरति नना एक तोही॥ सहस पद बिमल नन एक पद गंध बिनु सहस तव गंध इव चलत मोही ॥ २ ॥ सभ महि जोति जोति है सोइ॥ तिस दै चानणि सभ महि

चानणु होइ॥ गुर साखी जोति परगटु होइ ॥ जो तिसु भावै सु आरती होइ॥३॥हरि चरण कवल मकरंद लोभित मनो अनदिनो मोहि आही पिआसा॥ www.dekho-ji.com Index विषय स्वी क्रिपा जलु देहि नानक सारिंग कउ होइ जा ते तेरै नाइ वासा || ४ || ३ || नामु तेरो आरती मजनु मुरारे॥ हरि के नाम बिन् झूठे सगल पासारे ॥ १ ॥ रहाउ ॥ नाम् तेरो आसनो नामु तेरो उरसा

नाम् तेरा केसरो ले छिटकारे॥

नामु तेरा अ्मभुला नामु तेरो

चंदनो घसि जपे नामु ले तुझहि

कउ चारे ॥ १ ॥ नामु तेरा

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

दीवा नामु तेरो बाती नामु तेरो तेलु ले माहि पसारे ॥ नाम तेरे की जोति लगाई भइओ उजिआरो भवन सगलारे ॥ २ ॥ नामु तेरो तागा नामु फूल माला भार अठारह सगल जूठारे ॥ तेरो कीआ तुझहि किआ अरपउ नाम् तेरा तुही चवर ढोलारे॥ ३॥ दस अठा अठसठे चारे खाणी इहै वरतणि है सगल संसारे ॥ कहै रविदासु नामु तेरो Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

Index विषय सुची

www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 237 Index विषय स्ची आरती सति नामु है हरि भोग तुहारे ॥ ४ ॥ ३ ॥ स्री सैण्॥ धूप दीप घ्रित साजि आरती ॥ वारने जाउ कमला पती ॥ १ ॥ मंगला हरि मंगला ॥ नित मंगलु राजा राम राइ को ॥ १ ॥ रहाउ ॥ ऊतमु दीअरा

ा रहाउ॥ ऊतमु दाअरा निरमल बाती॥ तुहीं निरंजनु कमला पाती॥ २॥ रामा भगति रामानंदु जानै॥ पूरन www.dekho-ji.com 238 Index विषय स्ची परमानंदु बखाने ॥ ३॥ मदन मूरति भै तारि गोबिंदे ॥ सैनु भणै भजु परमानंदे ॥ ४ ॥ २ ॥ सुंन संधिआ तेरी देव देवाकर अधपति आदि समाई ॥ सिध समाधि अंतु नही पाइआ लागि रहे सरनाई॥ १॥ लेहु आरती हो पुरख निरंजन सतिगुर पूजहु भाई ॥ ठाढा ब्रहमा निगम बीचारै अलखु न लखिआ जाई

॥ १ ॥ रहाउ ॥ ततु तेलु नामु

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची कीआ बाती दीपकु देह उज्यारा ॥ जोति लाइ जगदीस जगाइआ बूझै बूझनहारा॥ २॥ पंचे सबद अनाहद बाजे संगे सारिंगपानी ॥ कबीर दास तेरी आरती कीनी निरंकार निरबानी ॥ ३ ॥ ५ ॥ गोपाल तेरा आरता ॥ जो जन तुमरी भगति करंते तिन के काज सवारता ॥ १ ॥ रहाउ ॥ दालि सीधा मागउ घीउ॥

www.dekho-ji.com 240 Index विषय स्ची हमरा खुसी करै नित जीउ॥ पन्हीआ छादन् नीका॥ अनाज्

मगउ सत सी का ॥ १ ॥ गऊ भैस मगउ लावेरी ॥ इक ताजनि तुरी चंगेरी ॥ घर की गीहिन चंगी ॥ जनु धंना लेवै मंगी॥२॥४॥ सवैया॥ याते प्रसंनि भए है महां मुनि

याते प्रसंनि भए है महां मुनि देवन के तप मै सुख पावैं॥ जग करै इक बेद ररै भवताप हरै www.dekho-ji.com 241 Index विषय सुची मिलि धिआनहि लावैं ॥ झालर ताल म्रिदंग उपंग रबाब लीए सुर साज मिलावैं ॥ किंनर गंध्रब गान करै गनि ज'छ अप'छर निरत दिखावैं ॥ ५४ ॥ संखन की धुन घंटनि की करि फूलन की बरखा बरखावें॥ आरती कोट करै सुर सुंदर पेख पुरंदर के बलि जावैं ॥ दानव

द'छन दै कै प्रद'छन भाल मै

www.dekho-ji.com 242 Index विषय स्ची कुंकम अंछत लावें ॥ होत

कुलाहल देवपुरी मिलि देवन के कुलि मंगलि गावै ॥ ५५ ॥ लै बरदान सभै गुपीआ अति आनंद कै मन डेरन आई ॥ गावत गीत

सभै मिल कै इक ह्वैकै प्रसंनय सु देत बधाई॥ सवैया

पाइ गहे जब ते तुमरे तब ते कोऊ आंख तरे नही आनयो॥ राम रहीम पुरान कुरान अनेक <u>www.dekho-ji.com</u> 243 <u>Index विषय स्</u>ची कहें मत एक न मानयो॥

सिम्रिति सासत्र बेस सबै बहु

भेद कहै हम एक न जानयो॥

स्री असपान क्रिपा तुमरी करि मै न कहयो सभ तोहि बखानयो ॥ दोहिरा॥

सगल दुआर को छाडि कै

गहिओ तुहारो दुआर ॥ बांहि

गहै की लाज अस गोबिंद दास तुहार ॥ ऐसे चंड प्रताप ते देवन बढिओ प्रताप ॥ तीन लोक जै जै करै ररै नाम सति जापि ॥ च त्र चक्र वरती चत्र चक्र भुगते ॥ सुयंभव सुभं सरब दा सरब जुगते ॥ दुकालं प्रणासी दइआलं

सरूपे ॥ सदा अंग संगे अभंगं बिभूते ॥ ॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

#### रक्ख्या दे शबद

सिर मसतक रखया पारब्रहम हसत काया रखया परमेस्वरह ॥ आतम रखया गोपाल सुआमी धन चरन रखया जगदीस्वरह ॥ सरब रखया गुर दयालह भै दूख बिनासनह ॥ भगति वछल अनाथ नाथे सरनि नानक पुरख अचुतह ॥ ५२ ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सूची घोर दुखयं अनिक हतयं जनम दारिद्रं महा बिखयादं ॥ मिटंत सगल सिमरंत हरि नाम नानक जैसे पावक कासट भसमं करोति ॥ १८॥ सोरिंठ महला ५॥

सीरिठि महला ५॥
गुर का सबदु रखवारे॥ चउकी
चउगिरद हमारे॥ राम नामि
मनु लागा॥ जमु लजाय करि

भागा॥१॥प्रभ जी तू मेरो सुखदाता॥ बंधन काटि करे मनु

निरमलु पूरन पुरखु बिधाता ॥ रहाउ ॥ नानक प्रभु अबिनासी ॥ ता की सेव न बिरथी जासी ॥ अनद करह तेरे दासा ॥ जपि पूरन होयी आसा ॥ २ ॥ ४ ॥ ६८॥ बिलावलु महला ५ ॥ ताती वाउ न लगयी पारब्रहम

247

Index विषय स्ची

www.dekho-ji.com

सरणाई॥ चंडगिरदं हमारै राम कार दुखु लगै न भाई॥१॥ सतिगुरु पूरा भेट्या जिनि बनत www.dekho-ji.com 248 Index विषय स्ची बणाई ॥ राम नाम अत्स्वध

बणाई॥ राम नामु अउखधु दिया एका लिव लाई॥ १॥

रहाउ॥ राखि लीए तिनि रखनहारि सभ ब्याधि मिटाई॥ कहु नानक किरपा भई प्रभ भए सहाई॥ २॥ १५॥ ७९॥

सलोकु॥ जह साधू गोबिद भजनु कीरतनु नानक नीत॥ णा हउ णा तूं णह छुटह निकटि न जाईअहु

दूत॥१॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

सलोक म ५॥
मन मह चितवउ चितवनी
उदमु करउ उठि नीत॥ हरि
कीरतन का आहरो हरि देहु
नानक के मीत॥१॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## सोहिला साहिब

सोहिला रागु गउड़ी दीपकी महला १

脧 सतिगुर प्रसादि ॥ जै घरि कीरति आखीऐ करते का होइ बीचारो ॥ तित् घरि गावहु सोहिला सिवरिहु

सिरजणहारो ॥ १ ॥ तुम गावहु मेरे निरभउ का सोहिला ॥ हउ

वारी जित् सोहिलै सदा सुखु Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

होइ॥१॥ रहाउ॥ नित नित जीअड़े समालीअनि देखैगा देवणहारु ॥ तेरे दानै कीमति ना पवै तिसु दाते कवणु सुमारु ॥ २ ॥ स्मबति साहा लिखिआ मिलि करि पावह तेलु ॥ देह सजण असीसड़ीआ जिउ होवै साहिब सिउ मेलु ॥ ३ ॥ घरि घरि एहो पाहुचा सदड़े नित पवंनि ॥ सदणहारा सिमरीऐ

www.dekho-ji.com Index विषय सुची

नानक से दिह आवंनि ॥ ४ ॥ १

रागु आसा महला १॥ छिअ घर छिअ गुर छिअ उपदेस ॥ गुरु गुरु एको वेस अनेक ॥ १ ॥ बाबा जै घरि करते कीरति होइ॥ सो घरु राखु वडाई तोइ॥१॥ रहाउ ॥ विसुए चसिआ घड़ीआ पहरा

थिती वारी माहु होआ॥ सूरजु

www.dekho-ji.com 253 Index विषय सुची एको रुति अनेक ॥ नानक करते

के केते वेस ॥ २ ॥ २ ॥ रागु धनासरी महला १॥

गगन मै थालु रवि चंदु दीपक बने तारिका मंडल जनक मोती ॥ धूप् मलआनलो पवणु चवरो

करे सगल बनराइ फूलंत जोती ॥ १ ॥ कैसी आरती होइ ॥ भव खंडना तेरी आरती ॥ अनहता सबद वाजंत भेरी ॥ १ ॥ रहाउ ॥ सहस तव नैन नन नैन हहि Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

प्रक तोही ॥ सहस प्रति नना एक तोही ॥ सहस पद बिमल नन एक पद गंध बिनु सहस तव गंध इव चलत मोही ॥ २॥

नन एक पद गंध बिनु सहस तव गंध इव चलत मोही ॥ २॥ सभ महि जोति जोति है सोइ॥ तिस दै चानणि सभ महि

तिस दै चानणि सभ महि चानणु होइ॥ गुर साखी जोति परगटु होइ॥ जो तिसु भावै सु आरती होइ॥ ३॥ हरि चरण कवल मकरंद लोभित मनो अनदिनो मोहि आही पिआसा॥ www.dekho-ji.com Index विषय सूची

क्रिपा जलु देहि नानक सारिंग कउ होइ जा ते तेरै नाइ वासा ॥ ४॥ ३॥

रागु गउड़ी पूरबी महला ४॥ कामि करोधि नगरु बहु भरिआ मिलि साधू खंडल खंडा हे॥ पूरिब लिखत लिखे गुरु पाइआ

मिन हरि लिव मंडल मंडा हे॥ १ ॥ करि साधू अंजुली पुनु वडा हे ॥ करि डंडउत पुनु वडा हे ॥ १ ॥ रहाउ ॥ साकत हरि रस Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com

Index विषय सूची सादु न जाणिआ तिन अंतरि हउमै कंडा हे ॥ जिउ जिउ चलहि चुभै दुखु पावहि

जमकालु सहहि सिरि डंडा हे ॥ २॥ हरि जन हरि हरि नामि समाणे दुखु जनम मरण भव खंडा हे ॥ अबिनासी पुरखु पाइआ परमेसरु बहु सोभ खंड

ब्रहमंडा हे ॥ ३ ॥ हम गरीब मसकीन प्रभ तेरे हरि राखु राखु वड वडा हे॥ जन नानक नामु

अधारु टेक है हिर नामे ही सुखु मंडा हे॥ ४॥ ४॥ रागु गउड़ी पूरबी महला ५॥ करउ बेनंती सुणहु मेरे मीता

संत टहल की बेला ॥ ईहा खाटि चलहु हरि लाहा आगै बसनु सुहेला ॥ १ ॥ अउध घटै दिनसु रैणारे ॥ मन गुर मिलि काज सवारे ॥ १ ॥ रहाउ ॥ इहु

संसारु बिकारु संसे महि तरिओ

ब्रहम गिआनी ॥ जिसहि जगाइ

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 258 Index विषय सूची

पीआवै इहु रसु अकथ कथा तिनि जानी ॥ २ ॥ जा कउ आए सोई बिहाझह हरि गुर ते मनहि बसेरा॥ निज घरि महलु पावहु सुख सहजे बहुरि न होइगो फेरा ॥ ३ ॥ अंतरजामी पुरख बिधाते सरधा मन की पूरे ॥ नानक दासु इहै सुखु मागै मो कउ करि संतन की धूरे ॥ ४ ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

## वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## आनंद साहिब (भोग)

रामकली महला ३ अनंदु

🕾 सतिगुर प्रसादि ॥ अनंदु भइआ मेरी माए सतिगुरू मै पाइआ॥ सतिगुरु त पाइआ सहज सेती मनि वजीआ वाधाईआ॥ राग रतन परवार

परीआ सबद गावण आईआ॥

सबदो त गावहु हरी केरा मनि जिनी वसाइआ ॥ कहै नानक्

www.dekho-ji.com Index विषय सुची अनंदु होआ सतिगुरू मै पाइआ ॥ १ ॥ ए मन मेरिआ तू सदा रहु हरि नाले ॥ हरि नालि रहु तू मंन मेरे दूख सभि विसारणा ॥ अंगीकारु ओहु करे तेरा कारज सभि सवारणा॥ सभना

गला समरथु सुआमी सो किउ मनहु विसारे ॥ कहै नानकु मंन मेरे सदा रहु हरि नाले ॥ २ ॥ साचे साहिबा किआ नाही घरि तेरै ॥ घरि त तेरै सभु किछु है

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जिसु देहि सु पावए ॥ सदा सिफति सलाह तेरी नामु मनि वसावए॥ नाम् जिन कै मनि वसिआ वाजे सबद घनेरे ॥ कहै नानकु सचे साहिब किआ नाही घरि तेरै ॥ ३ ॥ साचा नामु मेरा आधारो ॥ साचु नामु अधारु मेरा जिनि भुखा सभि गवाईआ॥ करि सांति सुख

मनि आइ वसिआ जिनि इछा

सभि पुजाईआ॥ सदा कुरबाणु

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

263 www.dekho-ji.com Index विषय सूची कीता गुरू विटहु जिस दीआ एहि वडिआईआ ॥ कहै नानकु सुणहु संतहु सबदि धरहु पिआरो ॥ साचा नामु मेरा आधारो ॥ ४ ॥ वाजे पंच सबद तितु घरि सभागै ॥ घरि सभागै सबद वाजे कला जितु घरि धारीआ ॥ पंच दूत तुधु वसि कीते कालु कंटकु मारिआ॥ धुरि करमि पाइआ तुधु जिन कउ सि नामि हरि कै लागे॥

www.dekho-ji.com 264 <u>Index विषय सूची</u>

कहें नानकु तह सुखु होआ तितु घरि अनहद वाजे ॥ ५ ॥ अनदु सुणहु वडभागीहो सगल मनोरथ पूरे ॥ पारब्रहमु प्रभु पाइआ उतरे सगल विसूरे॥ दूख रोग संताप उतरे सुणी सची बाणी॥ संत साजन भए सरसे पूरे गुर ते जाणी ॥ सुणते पुनीत कहते पवितु सतिगुरु रहिआ भरपूरे ॥ बिनवंति

<u>www.dekho-ji.com</u> 265 <u>Index विषय स्</u>ची

नानकु गुर चरण लागे वाजे अनहद तूरे ॥ ४० ॥ १ ॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## दुख भंजनि साहिब

गउड़ी महला ५ मांझ ॥ दुख भंजनु तेरा नामु जी दुख भंजनु तेरा नामु ॥ आठ पहर आराधीऐ पूरन सतिगुर गिआनु ॥ १ ॥ रहाउ ॥ जितु घटि वसै पारब्रहमु सोई सुहावा थाउ॥ जम कंकरु नेड़ि न आवई रसना हरि गुण गाउ॥ १॥ सेवा स्रति न जाणीआ ना जापै

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 267 Index विषय सुची आराधि ॥ ओट तेरी जगजीवना मेरे ठाकुर अगम अगाधि ॥ २ ॥ भए क्रिपाल गुसाईआ नठे सोग संताप ॥ तती वाउ न लगई सतिगुरि रखे आपि ॥ ३ ॥ गुरु नाराइणु दयु गुरु गुरु सचा सिरजणहारु ॥ गुरि तुठै सभ किछु पाइआ जन नानक सद

बलिहार॥४॥२॥१७०॥

गउड़ी महला ५॥

www.dekho-ji.com 268 Index विषय स्ची

सूके हरे कीए खिन माहे॥
अम्रित द्रिसटि संचि जीवाए॥
१॥ काटे कसट पूरे गुरदेव॥
सेवक कउ दीनी अपुनी सेव॥
१॥ रहाउ॥ मिटि गई चिंत

पुनी मन आसा ॥ करी दइआ सतिगुरि गुणतासा ॥ २ ॥ दुख नाठे सुख आइ समाए॥ ढील न परी जा गुरि फुरमाए॥३॥ इछ पुनी पूरे गुर मिले ॥ नानक www.dekho-ji.com 269 Index विषय सुची ते जन सुफल फले ॥ ४ ॥ ५८ ॥ १२७॥ गउड़ी महला ५॥ ताप गए पाई प्रभि सांति॥ सीतल भए कीनी प्रभ दाति॥ १ ॥ प्रभ किरपा ते भए सुहेले ॥

जनम जनम के बिछुरे मेले ॥ १ ॥ रहाउ ॥ सिमरत सिमरत प्रभ का नाउ॥ सगल रोग का बिनसिआ थाउ॥ २॥ सहजि सुभाइ बोलै हरि बाणी ॥ आठ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 270 Index विषय सूची पहर प्रभ सिमरहु प्राणी ॥ ३ ॥ दूखु दरदु जमु नेड़ि न आवै॥ कहु नानक जो हरि गुन गावै ॥ ४ ॥ ५९ ॥ १२८ ॥ गउड़ी महला ५॥ कोटि बिघन हिरे खिन माहि॥ हरि हरि कथा साधसंगि सुनाहि ॥ १ ॥ पीवत राम रसु अम्रित गुण जासु॥ जिपे हिरे चरण मिटी खुधि तासु॥ १॥ रहाउ ॥ सरब कलिआण सुख सहज

www.dekho-ji.com 271 Index विषय सुची निधान ॥ जा कै रिदै वसहि भगवान ॥ २ ॥ अउखध मंत्र तंत सभि छारु ॥ करणैहारु रिदे महिधारु॥३॥तजिसभि भरम भजिओ पारब्रहमु॥ कहु नानक अटल इहु धरमु ॥ ४ ॥

सांति भई गुर गोबिदि पाई॥ ताप पाप बिनसे मेरे भाई॥ १ ॥ रहाउ॥ राम नामु नित रसन

८०॥१४९॥

गउड़ी महला ५॥

www.dekho-ji.com 272 Index विषय सुची बखान ॥ बिनसे रोग भए कलिआन ॥ १ ॥ पारब्रहम गुण अगम बीचार ॥ साधू संगमि है निसतार॥२॥निरमल गुण गावहु नित नीत ॥ गई बिआधि उबरे जन मीत ॥ ३ ॥ मन बच क्रम प्रभ् अपना धिआई॥ नानक दास तेरी सरणाई॥ ४ ॥ १०२ ॥ १७१ ॥

गउड़ी महला ५॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 273 Index विषय स्वी नेत्र प्रगासु कीआ गुरदेव ॥ भरम गए पूरन भई सेव ॥ १ ॥ रहाउ॥ सीतला ते रिखेआ बिहारी ॥ पारब्रहम प्रभ किरपा धारी ॥ १ ॥ नानक नामु जपै सो जीवै ॥ साधसंगि हरि अम्रित् पीवै ॥ २ ॥ १०३ ॥

१७२॥ गउड़ी महला ५॥ थिरु घरि बैसहु हरि जन पिआरे

॥ सतिगुरि तुमरे काज सवारे ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 274 Index विषय सुची १ ॥ रहाउ ॥ दुसट दूत परमेसरि मारे ॥ जन की पैज रखी करतारे ॥ १ ॥ बादिसाह साह सभ वसि करि दीने॥ अम्रित नाम महा रस पीने ॥ २ ॥ निरभउ होइ भजहु भगवान ॥ साधसंगति मिलि कीनो दान् ॥ ३ ॥ सरणि परे प्रभ अंतरजामी ॥ नानक ओट पकरी प्रभ सुआमी ॥ ४ ॥ १०८ ॥ गउड़ी महला ५॥

www.dekho-ji.com 275 Index विषय सूची राख् पिता प्रभ मेरे ॥ मोहि निरगुनु सभ गुन तेरे ॥ १ ॥ रहाउ॥ पंच बिखादी एकु गरीबा राखहु राखनहारे ॥ खेदु करोहे अरु बहुतु संतावहि आइओ सरिन तुहारे ॥ १ ॥ करि करि हारिओ अनिक बहु भाती छोडहि कतहूं नाही ॥ एक बात सुनि ताकी ओटा साधसंगि मिटि जाही ॥ २ ॥ करि किरपा संत मिले मोहि

www.dekho-ji.com Index विषय सूची तिन ते धीरजु पाइआ ॥ सती मंतु दीओ मोहि निरभउ गुर का सबदु कमाइआ॥ ३॥ जीति लए ओइ महा बिखादी सहज सुहेली बाणी॥ कहु नानक मनि भइआ परगासा पाइआ पदु निरबाणी ॥ ४ ॥ ४ ॥ १२५ ॥ बिलावलु महला ५ ॥ सरब कलिआण कीए गुरदेव ॥ सेवकु अपनी लाइओ सेव॥ बिघनु न लागै जपि अलख

www.dekho-ji.com 277 Index विषय सूची अभेव ॥ १ ॥ धरति पुनीत भई गुन गाए ॥ दुरतु गइआ हरि नामु धिआए ॥ १ ॥ रहाउ ॥ सभनी थांई रविआ आपि॥ आदि जुगादि जा का वड परतापु ॥ गुर परसादि न होइ संतापु॥ २॥ गुर के चरन लगे मनि मीठे॥ निरबिघन होइ सभ थांई वूठे ॥ सभि सुख पाए सतिगुर तूठे ॥ ३ ॥ पारब्रहम प्रभ भए रखवाले ॥ जिथै किथै

www.dekho-ji.com **278** Index विषय सूची दीसहि नाले ॥ नानक दास खसमि प्रतिपाले ॥ ४ ॥ २ ॥ बिलावलु महला ५ ॥ चरन कमल प्रभ हिरदै धिआए ॥ रोग गए सगले सुख पाए ॥ १ ॥ गुरि दुखु काटिआ दीनो दानु ॥ सफल जनम् जीवन परवानु ॥ १ ॥ रहाउ ॥ अकथ कथा अम्रित प्रभ बानी ॥ कहु नानक जपि जीवे गिआनी ॥ २ ॥ २ ॥

२०॥

सांति पाई गुरि सतिगुरि पूरे ॥ सुख उपजे बाजे अनहद तूरे॥ १ ॥ रहाउ ॥ ताप पाप संताप बिनासे ॥ हरि सिमरत किलविख सभि नासे ॥ १ ॥ अनदु करहु मिलि सुंदर नारी ॥ गुरि नानकि मेरी पैज सवारी॥

२॥३॥२१॥ बिलावलु महला ५॥

Index विषय सुची www.dekho-ji.com सगल अनंदु कीआ परमेसरि अपणा बिरदु सम्हारिआ॥ साध जना होए किरपाला बिगसे सभि परवारिआ ॥ १ ॥ कारजु सतिगुरि आपि सवारिआ ॥ वडी आरजा हरि गोबिंद की

सूख मंगल कलिआण बीचारिआ ॥ १ ॥ रहाउ ॥ वण त्रिण त्रिभवण हरिआ होए सगले जीअ साधारिआ ॥ मन इछे

www.dekho-ji.com 281 Index विषय स्ची
नानक फल पाए पूरन इछ

पुजारिआ॥२॥५॥२३॥ बिलावलु महला ५॥

रोगु गइआ प्रिभ आपि गवाइआ ॥ नीद पई सुख सहज घर आइआ॥१॥ रहाउ॥ रजि रजि भोजनु खावहु मेरे भाई॥ अमित नाम रिट माहि धिआई

अम्रित नामु रिद माहि धिआई ॥ १ ॥ नानक गुर पूरे सरनाई ॥ जिनि अपने नाम की पैज रखाई ॥ २ ॥ ८ ॥ २६ ॥ www.dekho-ji.com Index विषय स्वी बिलावलु महला ५ ॥ ताप संताप सगले गए बिनसे ते रोग ॥ पारब्रहमि तू बखसिआ संतन रस भोग ॥ रहाउ ॥ सरब सुखा तेरी मंडली तेरा मनु तनु आरोग ॥ गुन गावहु नित राम के इह अवखद जोग ॥ १ ॥ आइ बसह घर देस महि इह भले संजोग ॥ नानक प्रभ सुप्रसंन भए लहि गए बिओग ॥ २ ॥ १०॥२८॥

www.dekho-ji.com 283 Index विषय स्ची बिलावलु महला ५॥

बंधन काटे आपि प्रभि होआ किरपाल ॥ दीन दइआल प्रभ पारब्रहम ता की नदिर निहाल ॥ १ ॥ गुरि पूरै किरपा करी काटिआ दुखु रोगु ॥ मनु तनु सीतलु सुखी भइआ प्रभ

सीतलु सुखी भइआ प्रभ धिआवन जोगु॥ १॥ रहाउ॥ अउखधु हरि का नामु है जितु रोगु न विआपै॥ साधसंगि मनि तनि हितै फिरि दूखु न जापै॥ www.dekho-ji.com 284 Index विषय सुची २॥ हरि हरि हरि हरि जापीऐ अंतरि लिव लाई ॥ किलविख उतरहि सुधु होइ साधू सरणाई ॥ ३ ॥ सुनत जपत हरि नाम जसु ता की दूरि बलाई ॥ महा मंत्रु नानकु कथै हरि के गुण गाई॥४॥२३॥५३॥ बिलावलु महला ५ ॥ हरि हरि हरि आराधीऐ होईऐ आरोग ॥ रामचंद की लसटिका जिनि मारिआ रोगु॥ १॥ रहाउ॥

www.dekho-ji.com 285 Index विषय सुची गुरु पूरा हरि जापीऐ नित कीचै भोगु ॥ साधसंगति कै वारणै मिलिआ संजोगु॥ १॥ जिसु सिमरत सुखु पाईऐ बिनसै बिओगु ॥ नानक प्रभ सरणागती करण कारण जोगु॥ २ ॥ ३४ ॥ ६४ ॥ रागु बिलावलु महला ५ दुपदे घरु ५

脧 सतिगुर प्रसादि ॥

www.dekho-ji.com 286 Index विषय स्ची अवरि उपाव सभि तिआगिआ दारू नामु लइआ ॥ ताप पाप सभि मिटे रोग सीतल मनु भइआ॥१॥गुरु पूरा आराधिआ सगला दुख् गइआ॥ राखनहारै राखिआ अपनी करि मइआ॥१॥रहाउ॥बाह पकड़ि प्रभि काढिआ कीना अपनइआ ॥ सिमरि सिमरि मन तन सुखी नानक निरभइआ॥ २॥१॥६५॥

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी बिलावलु महला ५ ॥ रोगु मिटाइआ आपि प्रभि उपजिआ सुखु सांति ॥ वड परतापु अचरज रूपु हरि कीन्ही दाति ॥ १ ॥ गुरि गोविंदि क्रिपा करी राखिआ मेरा भाई ॥ हम तिस की सरणागती जो सदा सहाई॥१॥रहाउ॥बिरथी कदे न होवई जन की अरदासि ॥ नानक जोरु गोविंद का पूरन गुणतासि॥२॥१३॥७७॥

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी बिलावलु महला ५ ॥ ताती वाउ न लगई पारब्रहम सरणाई ॥ चउगिरद हमारै राम

कार दुखु लगै न भाई॥ १॥ सतिगुरु पूरा भेटिआ जिनि बणत बणाई ॥ राम नामु अउखधु दीआ एका लिव लाई ॥ १ ॥ रहाउ ॥ राखि लीए तिनि

रखनहारि सभ बिआधि मिटाई ॥ कहु नानक किरपा भई प्रभ भए सहाई ॥ २ ॥ १५ ॥ ७९ ॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

बिलावलु महला ५ ॥ अपणे बालक आपि रखिअनु पारब्रहम गुरदेव ॥ सुख सांति सहज आनद भए पूरन भई सेव ॥ १ ॥ रहाउ ॥ भगत जना की बेनती सुणी प्रिभ आपि ॥ रोग मिटाइ जीवालिअनु जा का वड परतापु॥१॥दोख हमारे बखसिअनु अपणी कल धारी ॥ मन बांछत फल दितिअन्

ण्ण प्राचित्र विषय सूची नानक बलिहारी॥२॥१६॥ ८०॥ विलावलु महला ५॥ तापु लाहिआ गुर सिरजनहारि

तापु लाहिआ गुर सिरजनहारि ॥ सतिगुर अपने कउ बलि जाई जिनि पैज रखी सारै संसारि॥ १॥ रहाउ॥ करु मसतिक धारि बालिकु रखि लीनो॥ प्रभि अम्रित नामु महा रसु

प्रिभे अम्रित नामु महा रसु दीनो ॥ १ ॥ दास की लाज रखै मिहरवानु ॥ गुरु नानकु बोलै www.dekho-ji.com Index विषय सूची दरगह परवानु ॥ २ ॥ ६ ॥ ८६ बिलावलु महला ५ ॥ ताप पाप ते राखे आप ॥ सीतल भए गुर चरनी लागे राम नाम हिरदे महि जाप॥१॥ रहाउ॥

करि किरपा हसत प्रभि दीने जगत उधार नव खंड प्रताप ॥ दुख बिनसे सुख अनद प्रवेसा त्रिसन बुझी मन तन सचु ध्राप ॥ १ ॥ अनाथ को नाथु सरणि

www.dekho-ji.com **292** Index विषय स्ची समरथा सगल स्निसटि को माई बापु ॥ भगति वछल भै भंजन सुआमी गुण गावत नानक आलाप॥२॥२०॥१०६॥ सोरिं महला ५॥ करि इसनानु सिमरि प्रभु अपना मन तन भए अरोगा ॥ कोटि बिघन लाथे प्रभ सरणा प्रगटे भले संजोगा॥ १॥ प्रभ बाणी सबदु सुभाखिआ॥ गावहु सुणहु पड़हु नित भाई गुर पूरै तू www.dekho-ji.com Index विषय सुची राखिआ॥ रहाउ॥ साचा साहिबु अमिति वडाई भगति वछल दइआला ॥ संता की पैज रखदा आइआ आदि बिरद् प्रतिपाला ॥ २ ॥ हरि अम्रित नामु भोजनु नित भुंचहु सरब वेला मुखि पावहु ॥ जरा मरा तापु सभु नाठा गुण गोबिंद नित गावहु ॥ ३ ॥ सुणी अरदासि सुआमी मेरै सरब

कला बणि आई॥ प्रगट भई

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 294 Index विषय स्ची सगले जुग अंतरि गुर नानक की वडिआई॥४॥११॥ सोरिंठ महला ५॥ सूख मंगल कलिआण सहज धुनि प्रभ के चरण निहारिआ ॥ राखनहारै राखिओ बारिकु सतिगुरि तापु उतारिआ ॥ १ ॥ उबरे सतिगुर की सरणाई॥ जा की सेव न बिरथी जाई ॥ रहाउ ॥ घर महि सूख बाहरि फुनि सूखा प्रभ अपुने भए दइआला॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची नानक बिघनु न लागै कोऊ मेरा प्रभु होआ किरपाला ॥ २ ॥ १२ || 80 || सोरठि मः ५॥ गए कलेस रोग सभि नासे प्रभि अपुनै किरपा धारी ॥ आठ पहर आराधहु सुआमी पूरन घाल हमारी ॥ १ ॥ हरि जीउ तू सुख स्मपति रासि॥ राखि लैहु भाई मेरे कउ प्रभ आगै अरदासि॥ रहाउ॥ जो मागउ सोई सोई

www.dekho-ji.com **296** Index विषय स्वी पावउ अपने खसम भरोसा॥ कहु नानक गुरु पूरा भेटिओ मिटिओ सगल अंदेसा ॥ २ ॥ १४॥ ४२॥ सोरिंठ महला ५॥ सिमरि सिमरि गुरु सतिगुरु अपना सगला दूखु मिटाइआ॥ ताप रोग गए गुर बचनी मन इछ फल पाइआ॥ १॥ मेरा गुरु पूरा सुखदाता ॥ करण कारण समरथ सुआमी पूरन

www.dekho-ji.com 297 Index विषय स्ची पुरखु बिधाता ॥ रहाउ ॥ अनद बिनोद मंगल गुण गावहु गुर नानक भए दइआला ॥ जै जै कार भए जग भीतरि होआ पारब्रहमु रखवाला ॥ २ ॥ १५ ॥ ४३ ॥ सोरिं महला ५॥

॥ ४३॥
सोरिठ महला ५॥
दुरतु गवाइआ हिर प्रिभ आपे
सभु संसारु उबारिआ॥
पारब्रहमि प्रिभ किरपा धारी
अपणा बिरदु समारिआ॥ १॥

होई राजे राम की रखवाली ॥
सूख सहज आनद गुण गावहु
मनु तनु देह सुखाली ॥ रहाउ ॥
पतित उधारणु सतिगुरु मेरा
मोटि तिस का भरवासा ॥

मोहि तिस का भरवासा॥ बखिस लए सिभ सचै साहिबि सुणि नानक की अरदासा॥ २ ॥ १७॥ ४५॥

सोरिंठ महला ५॥ बखसिआ पारब्रहम परमेसरि सगले रोग बिदारे॥ गुर पूरे की www.dekho-ji.com Index विषय सुची सरणी उबरे कारज सगल सवारे ॥ १ ॥ हरि जनि सिमरिआ नाम अधारि॥ तापु उतारिआ सतिग्रि पूरै अपणी किरपा धारि ॥ रहाउ ॥ सदा अनंद करह मेरे पिआरे हरि गोविद् गुरि राखिआ ॥ वडी वडिआई नानक करते की साचु सबदु सति भाखिआ॥ २॥१८॥ ४६॥ सोरिंठ मः ५॥

www.dekho-ji.com **300** Index विषय सुची भए क्रिपाल गुरू गोविंदा सगल मनोरथ पाए ॥ असथिर भए लागि हरि चरणी गोविंद के गुण गाए॥१॥भलो समूरतु पूरा ॥ सांति सहज आनंद नामु जपि वाजे अनहद तूरा ॥ १ ॥ रहाउ॥ मिले सुआमी प्रीतम अपुने घर मंदर सुखदाई ॥ हरि नामु निधानु नानक जन पाइआ सगली इछ पुजाई ॥ २ ॥ ८ ॥ ३६॥

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी सोरठि महला ५॥ संतहु हरि हरि नामु धिआई॥ सुख सागर प्रभु विसरउ नाही मन चिंदिअड़ा फलु पाई ॥ १ ॥

रहाउ ॥ सतिगुरि पूरै तापु

गवाइआ अपणी किरपा धारी ॥ पारब्रहम प्रभ भए दइआला दुखु मिटिआ सभ परवारी ॥ १ ॥ सरब निधान मंगल रस रूपा हरि का नामु अधारो ॥ नानक पति राखी परमेसरि उधरिआ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सूची सभु संसारो ॥ २ ॥ २० ॥ ४८ सोरिं महला ५॥ जीअ जंत्र सभि तिस के कीए सोई संत सहाई ॥ अपुने सेवक की आपे राखै पूरन भई बडाई ॥ १ ॥ पारब्रहमु पूरा मेरै नालि ॥ गुरि पूरै पूरी सभ राखी होए सरब दइआल ॥ १ ॥ रहाउ ॥ अनदिनु नानकु नामु धिआए जीअ प्रान का दाता ॥ अपुने

www.dekho-ji.com Index विषय सूची दास कउ कंठि लाइ राखै जिउ बारिक पित माता॥ २॥ २२ 11 40 11

सोरिं महला ५॥ ठाढि पाई करतारे ॥ तापु छोडि

गइआ परवारे ॥ गुरि पूरै है राखी ॥ सरणि सचे की ताकी ॥ १ ॥ परमेसरु आपि होआ

रखवाला॥ सांति सहज सुख खिन महि उपजे मनु होआ सदा सुखाला ॥ रहाउ ॥ हरि हरि Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

**304** www.dekho-ji.com Index विषय सुची नामु दीओ दारू ॥ तिनि सगला रोगु बिदारू ॥ अपणी किरपा धारी ॥ तिनि सगली बात सवारी॥ २॥ प्रभि अपना बिरदु समारिआ ॥ हमरा गुणु अवगुणु न बीचारिआ ॥ गुर का सबदु भइओ साखी ॥ तिनि सगली लाज राखी॥३॥ बोलाइआ बोली तेरा॥ तू साहिबु गुणी गहेरा ॥ जपि नानक नामु सचु साखी ॥ अपुने

 www.dekho-ji.com
 305
 Index विषय स्ची

 दास की पैज राखी ॥ ४ ॥ ६ ॥

 ५६ ॥

बिलावलु महला ५॥ आगै पाछै कुसलु भइआ॥ गुरि पूरै पूरी सभ राखी पारब्रहमि

प्रिभ कीनी मइआ॥ १॥ रहाउ ॥ मिन तिन रिव रिहेआ हरि प्रीतमु दूख दरद सगला मिटि गइआ॥ सांति सहज आनद गुण गाए दूत दुसट सिभ होए खइआ

॥ १ ॥ गुनु अवगुनु प्रभि कछु न

बीचारिओ करि किरपा अपुना करि लइआ॥ अतुल बडाई अचुत अबिनासी नानकु उचरै हरि की जइआ॥ २॥ ८॥ १२४॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## सुखमनी साहिब

गउड़ी सुखमनी मः ५॥ सलाकु॥

彼 सतिगुर प्रसादि ॥

आदि गुरए नमह ॥ जुगादि

गुरए नमह ॥ सतिगुरए नमह ॥

स्री गुरदेवए नमह ॥ १ ॥

असटपदी ॥ सिमरउ सिमरि सिमरि सुखु पावउ ॥ कलि कलेस तन माहि www.dekho-ji.com **308** Index विषय सुची मिटावउ ॥ सिमरउ जासु बिस्मभर एकै ॥ नाम् जपत अगनत अनेकै ॥ बेद पुरान सिम्रिति सुधाख्यर ॥ कीने राम नाम इक आख्यर ॥ किनका एक

जिसु जीअ बसावै ॥ ता की महिमा गनी न आवै ॥ कांखी एकै दरस तुहारो ॥ नानक उन संगि मोहि उधारो ॥ १ ॥ सुखमनी सुख अम्रित प्रभ नाम् ॥ भगत जना कै मनि बिस्राम ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

309 www.dekho-ji.com Index विषय सुची रहाउ॥ प्रभ कै सिमरनि गरभि न बसै ॥ प्रभ कै सिमरनि दूखु जम् नसै ॥ प्रभ कै सिमरनि काल् परहरै ॥ प्रभ कै सिमरनि दुसमन् टरै॥ प्रभ सिमरत कछ बिघनु न लागै॥ प्रभ कै सिमरनि अनदिन् जागै ॥ प्रभ कै सिमरनि भउ न बिआपै॥

प्रभ कै सिमरिन दुखु न संतापै ॥ प्रभ का सिमरनु साध कै संगि ॥ सरब निधान नानक हरि रंगि www.dekho-ji.com **310** Index विषय सुची

॥ २ ॥ प्रभ कै सिमरनि रिधि सिधि नउ निधि॥ प्रभ कै

सिमरनि गिआन् धिआन् तत् बुधि ॥ प्रभ कै सिमरनि जप तप पूजा ॥ प्रभ कै सिमरनि बिनसै दूजा॥ प्रभ कै सिमरनि तीरथ इसनानी ॥ प्रभ कै सिमरनि दरगह मानी ॥ प्रभ कै सिमरनि

होइ सु भला ॥ प्रभ कै सिमरनि सुफल फला ॥ से सिमरहि जिन आपि सिमराए॥ नानक ता कै

www.dekho-ji.com Index विषय सुची लागउ पाए॥ ३॥ प्रभ का सिमरनु सभ ते ऊचा ॥ प्रभ कै सिमरनि उधरे मूचा ॥ प्रभ कै सिमरिन त्रिसना बुझै ॥ प्रभ कै सिमरनि सभु किछु सुझै ॥ प्रभ कै सिमरिन नाही जम त्रासा॥ प्रभ कै सिमरिन पूरन आसा॥ प्रभ कै सिमरिन मन की मल् जाइ॥ अम्रित नामु रिद माहि समाइ॥ प्रभ जी बसहि साध की रसना ॥ नानक जन का

www.dekho-ji.com Index विषय सुची दासनि दसना ॥ ४ ॥ प्रभ कउ सिमरहि से धनवंते ॥ प्रभ कउ सिमरहि से पतिवंते ॥ प्रभ कउ सिमरहि से जन परवान ॥ प्रभ कउ सिमरहि से पुरख प्रधान ॥ प्रभ कउ सिमरहि सि बेमुहताजे ॥ प्रभ कउ सिमरहि सि सरब के राजे ॥ प्रभ कउ सिमरहि से सुखवासी ॥ प्रभ कउ सिमरहि सदा अबिनासी ॥ सिमरन ते लागे जिन आपि दइआला॥

Index विषय सुची www.dekho-ji.com नानक जन की मंगै रवाला ॥ ५ ॥ प्रभ कउ सिमरहि से परउपकारी ॥ प्रभ कउ सिमरहि तिन सद बलिहारी॥ प्रभ कउ सिमरहि से मुख सुहावे ॥ प्रभ कउ सिमरहि तिन सूखि

बिहावै॥ प्रभ कउ सिमरहि तिन आतम् जीता ॥ प्रभ कउ सिमरहि तिन निरमल रीता ॥ प्रभ कउ सिमरहि तिन अनद घनेरे ॥ प्रभ कउ सिमरहि Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

314 www.dekho-ji.com Index विषय सुची बसहि हरि नेरे ॥ संत क्रिपा ते अनदिनु जागि ॥ नानक सिमरनु पूरै भागि ॥ ६ ॥ प्रभ कै सिमरनि कारज पूरे ॥ प्रभ कै सिमरनि कबहु न झूरे ॥ प्रभ कै सिमरनि हरि गुन बानी ॥ प्रभ

कै सिमरनि सहजि समानी॥ प्रभ कै सिमरिन निहचल आसन् ॥ प्रभ कै सिमरनि कमल बिगासनु ॥ प्रभ कै सिमरनि अनहद झुनकार ॥ सुखु प्रभ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 315 Index विषय सुची सिमरन का अंतु न पार ॥ सिमरहि से जन जिन कउ प्रभ मइआ ॥ नानक तिन जन सरनी पइआ॥ ७॥ हरि सिमरनु करि भगत प्रगटाए॥ हरि सिमरनि लगि बेद उपाए ॥ हरि सिमरनि भए सिध जती दाते॥ हरि सिमरनि नीच चहु कुंट जाते ॥ हरि सिमरनि धारी सभ धरना ॥ सिमरि सिमरि हरि कारन करना ॥ हरि सिमरनि कीओ

सगल अकारा॥ हिर सिमरन महि आपि निरंकारा॥ किर किरपा जिसु आपि बुझाइआ॥ नानक गुरमुखि हिर सिमरन तिनि पाइआ॥ ८॥१॥

दीन दरद दुख भंजना घटि घटि नाथ अनाथ ॥ सरणि तुम्हारी आइओ नानक के प्रभ साथ ॥ १ ॥

असटपदी ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 317 Index विषय सूची जह मात पिता सुत मीत न भाई॥ मन ऊहा नामु तेरै संगि सदाई॥ जद मदा भद्यान दत

सहाई॥ जह महा भइआन दूत जम दलै॥ तह केवल नामु संगि तेरै चलै॥ जह मुसकल होवै अति भारी॥ हरि को नामु

खिन माहि उधारी ॥ अनिक पुनहचरन करत नही तरै ॥ हरि को नामु कोटि पाप परहरै ॥ गुरमुखि नामु जपहु मन मेरे ॥ नानक पावहु सूख घनेरे ॥ १ ॥ www.dekho-ji.com 318 Index विषय सुची सगल स्निसटि को राजा दुखीआ ॥ हरि का नामु जपत होइ सुखीआ ॥ लाख करोरी बंधु न परै ॥ हरि का नामु जपत निसतरै ॥ अनिक माइआ रंग तिख न बुझावै ॥ हरि का नामु जपत आघावै ॥ जिह मारगि इहु जात इकेला ॥ तह हरि नामु संगि होत सुहेला ॥ ऐसा नामु मन सदा धिआईऐ॥ नानक गुरमुखि परम गति

319 www.dekho-ji.com Index विषय सुची पाईऐ॥ २॥ छूटत नही कोटि लख बाही॥ नामु जपत तह पारि पराही ॥ अनिक बिघन जह आइ संघारै ॥ हरि का नामु ततकाल उधारै ॥ अनिक जोनि जनमै मरि जाम ॥ नामु जपत पावै बिस्नाम ॥ हउ मैला मलु

कबहु न धोवै ॥ हरि का नामु कोटि पाप खोवै ॥ ऐसा नामु जपहु मन रंगि ॥ नानक पाईऐ साध कै संगि॥३॥जिह मारग Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

के गने जाहि न कोसा॥ हरि का नामु ऊहा संगि तोसा॥ जिह पैडै महा अंध गुबारा॥ हरि का नामु संगि उजीआरा॥ जहा पंथि तेरा को न सिञानू॥

हरिका नामु तह नालि पछानू ॥ जह महा भइआन तपति बहु घाम ॥ तह हरि के नाम की तुम ऊपरि छाम ॥ जहा त्रिखा मन तुझु आकरखै ॥ तह नानक हरि हरि अम्रितु बरखै ॥ ४ ॥ भगत

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जना की बरतनि नामु ॥ संत जना कै मनि बिस्नामु ॥ हरि का नाम् दास की ओट ॥ हरि कै नामि उधरे जन कोटि ॥ हरि जसु करत संत दिनु राति ॥ हरि हरि अउखधु साध कमाति॥

हरि जन कै हरि नामु निधानु ॥ पारब्रहमि जन कीनो दान॥ मन तन रंगि रते रंग एकै॥ नानक जन कै बिरति बिबेकै॥ ५ ॥ हरि का नामु जन कउ

भुकति जुगति ॥ हरि कै नामि जन कउ त्रिपति भुगति ॥ हरि का नामु जन का रूप रंगु ॥ हरि

नामु जपत कब परै न भंगु॥ हिर का नामु जन की विडिआई ॥ हिर कै नामि जन सोभा पाई ॥ हिर का नामु जन कउ भोग जोग॥ हिर नामु जपत कछु नाहि बिओगु॥ जनु राता हिर

नाम की सेवा॥ नानक पूजै हरि

हरि देवा ॥ ६ ॥ हरि हरि जन

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

कै मालु खर्जीना ॥ हरि धनु जन कउ आपि प्रभि दीना ॥ हरि हरि जन कै ओट सताणी ॥ हरि प्रतापि जन अवर न जाणी ॥

ओति पोति जन हरि रसि राते ॥ सुंन समाधि नाम रस माते ॥ आठ पहर जनु हरि हरि जपै ॥ हरि का भगतु प्रगट नही छपै ॥ हरि की भगति मुकति बहु करे ॥ नानक जन संगि केते तरे ॥ ७ ॥ पारजातु इहु हरि को नाम ॥

324 www.dekho-ji.com Index विषय सुची कामधेन हरि हरि गुण गाम ॥ सभ ते ऊतम हरि की कथा॥ नामु सुनत दरद दुख लथा॥ नाम की महिमा संत रिद वसै ॥ संत प्रतापि दुरतु सभु नसै ॥ संत का संगु वडभागी पाईऐ॥ संत की सेवा नामु धिआईऐ॥ नाम तुलि कछु अवरु न होइ ॥ नानक गुरमुखि नामु पावै जनु कोइ॥८॥२॥ सलोकु॥

www.dekho-ji.com 325 Index विषय सुची बहु सासत्र बहु सिम्रिती पेखे सरब ढढोलि॥ पूजिस नाही हरि हरे नानक नाम अमोल॥ असटपदी ॥ जाप ताप गिआन सभि धिआन ॥ खट सासत्र सिम्रिति वखिआन ॥ जोग अभिआस करम ध्रम किरिआ ॥ सगल तिआगि बन मधे फिरिआ ॥ अनिक प्रकार कीए बहु जतना ॥ पुंन दान

www.dekho-ji.com 326 Index विषय स्ची होमे बहु रतना ॥ सरीरु कटाइ होमै करि राती ॥ वरत नेम करै

हमि करि राती ॥ वरत नेम करे बहु भाती ॥ नही तुलि राम नाम बीचार ॥ नानक गुरमुखि नामु जपीऐ इक बार ॥ १ ॥

नउ खंड प्रिथमी फिरै चिरु जीवै ॥ महा उदासु तपीसरु थीवै ॥ अगनि माहि होमत परान ॥ कनिक अस्व हैवर भूमि दान ॥ निउली करम करै बहु आसन ॥

जैन मारग संजम अति साधन ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

जिंदा विश्व विश्व सूची विश्व विश्व सूची विश्व निमख निमख किर सरीरु कटावै॥ तउ भी हउमै मैलु न जावै॥ हिर के नाम समसरि

कछु नाहि॥ नानक गुरमुखि नामु जपत गति पाहि॥ २॥ मन कामना तीरथ देह छुटै॥ गरबु गुमानु न मन ते हुटै॥ सोच करै दिनसु अरु राति॥ मन की मैलु न तन ते जाति॥ इसु देही कउ बहु साधना करै ॥ मन ते कबहू न बिखिआ टरै ॥

www.dekho-ji.com 328 Index विषय सुची जलि धोवै बहु देह अनीति॥ सुध कहा होइ काची भीति ॥ मन हरि के नाम की महिमा ऊच ॥ नानक नामि उधरे पतित बहु मूच ॥ ३ ॥ बहुतु सिआणप जम का भउ बिआपै॥ अनिक जतन करि त्रिसन ना ध्रापै ॥ भेख अनेक अगनि नही बुझै ॥ कोटि उपाव दरगह नही सिझै ॥ छूटसि नाही ऊभ पइआलि॥ मोहि बिआपहि

www.dekho-ji.com 329 Index विषय सूची माइआ जालि॥ अवर करतूति सगली जमु डानै ॥ गोविंद भजन बिनु तिलु नही मानै॥ हरि का नामु जपत दुखु जाइ ॥ नानक बोलै सहजि सुभाइ॥ ४ ॥ चारि पदारथ जे को मागै ॥ साध जना की सेवा लागै ॥ जे को आपुना दूखु मिटावै ॥ हरि हरि नामु रिदै सद गावै ॥ जे को अपुनी सोभा लोरै ॥ साधसंगि इह हउमै छोरै॥ जे को जनम

330 www.dekho-ji.com Index विषय सुची मरण ते डरै॥ साध जना की सरनी परै ॥ जिस् जन कउ प्रभ दरस पिआसा॥ नानक ता कै बलि बलि जासा ॥ ५ ॥ सगल पुरख महि पुरखु प्रधानु ॥ साधसंगि जा का मिटै अभिमान् ॥ आपस कउ जो जाणै नीचा ॥ सोऊ गनीऐ सभ ते ऊचा॥ जा का मनु होइ सगल की रीना ॥ हरि हरि नामु तिनि घटि घटि चीना ॥ मन अपुने ते बुरा

www.dekho-ji.com 331 Index विषय सूची मिटाना ॥ पेखै संगल स्निसटि साजना॥ सूख दूख जन सम द्रिसटेता ॥ नानक पाप पुंन नहीं लेपा ॥ ६ ॥ निरधन कउ धनु तेरो नाउ॥ निथावे कउ नाउ तेरा थाउ॥ निमाने कउ प्रभ तेरो मानु ॥ सगल घटा कउ देवहु दानु ॥ करन करावनहार

प्रभुष्ठ पानु ॥ भारत भारत्यनहार सुआमी ॥ सगल घटा के अंतरजामी ॥ अपनी गति मिति जानहु आपे ॥ आपन संगि आपि www.dekho-ji.com Index विषय सुची प्रभ राते ॥ तुम्हरी उसतति तुम ते होइ॥ नानक अवरु न जानसि कोइ॥७॥ सरब धरम महि स्रेसट धरम् ॥ हरि को नाम् जपि निरमल करम्॥ सगल क्रिआ महि ऊतम किरिआ॥ साधसंगि दुरमति मलु हिरिआ ॥ सगल उदम महि उदमु भला ॥ हरि का नामु जपहु जीअ सदा ॥ सगल बानी महि अम्रित बानी ॥ हरि को

www.dekho-ji.com 333 Index विषय स्वी जसु सुनि रसन बखानी ॥ सगल थान ते ओहु ऊतम थानु ॥

थान ते ओहु ऊतम थानु॥ नानक जिह घटि वसै हरि नामु ॥ ८॥ ३॥

सलोकु ॥

निरगुनीआर इआनिआ सो प्रभु सदा समालि॥ जिनि कीआ तिसु चीति रखु नानक निबही नालि॥१॥ असटपदी॥ www.dekho-ji.com 334 Index विषय स्ची रमईआ के गुन चेति परानी॥

कवन मूल ते कवन द्रिसटानी ॥ जिनि तूं साजि सवारि सीगारिआ॥ गरभ अगनि महि

जिनहि उबारिआ ॥ बार बिवसथा तुझहि पिआरै दूध ॥

भरि जोबन भोजन सुख सूध ॥ बिरधि भइआ ऊपरि साक सैन ॥ मुखि अपिआउ बैठ कउ दैन ॥ इहु निरगुनु गुनु कछू न बूझै ॥ बखसि लेहु तउ नानक सीझै ॥

335 www.dekho-ji.com Index विषय सुची १॥ जिह प्रसादि धर ऊपरि सुखि बसहि॥ सुत भ्रात मीत बनिता संगि हसहि॥ जिह प्रसादि पीवहि सीतल जला ॥ सुखदाई पवनु पावकु अमुला॥ जिह प्रसादि भोगहि सभि रसा

॥ सगल समग्री संगि साथि बसा॥ दीने हसत पाव करन नेत्र रसना ॥ तिसहि तिआगि अवर संगि रचना ॥ ऐसे दोख मूड़ अंध बिआपे ॥ नानक काढि Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 336 Index विषय स्ची लेहु प्रभ आपे ॥ २ ॥ आदि अंति जो राखनहारु ॥ तिस सिउ प्रीति न करै गवारु ॥ जा की सेवा नव निधि पावै ॥ ता सिउ मूड़ा मनु नहीं लावै ॥ जो ठाकुरु सद सदा हजूरे ॥ ता कउ अंधा जानत दूरे ॥ जा की टहल पावै दरगह मानु ॥ तिसहि बिसारै मुगधु अजानु ॥ सदा सदा इहु भूलनहारु ॥ नानक राखनहारु अपारु ॥ ३ ॥ रतनु

तिआगि कउडी संगि रचै॥
साचु छोडि झूठ संगि मचै॥ जो
छडना सु असथिरु करि मानै॥
जो होवनु सो दूरि परानै॥
छोडि जाइ तिस का स्रमु करै॥

संगि सहाई तिसु परहरै ॥ चंदन लेपु उतारै धोइ॥ गरधब प्रीति भसम संगि होइ॥ अंध कूप महि पतित बिकराल ॥ नानक काढि लेहु प्रभ दइआल ॥ ४ ॥ करतूति पसू की मानस जाति ॥

www.dekho-ji.com 338 Index विषय सुची लोक पचारा करै दिनु राति ॥ बाहरि भेख अंतरि मलु माइआ ॥ छपसि नाहि कछु करै छपाइआ ॥ बाहरि गिआन धिआन इसनान ॥ अंतरि बिआपै लोभु सुआनु ॥ अंतरि अगनि बाहरि तनु सुआह ॥ गलि पाथर कैसे तरै अथाह ॥ जा कै अंतरि बसै प्रभु आपि ॥ नानक ते जन सहजि समाति॥ ५ ॥ सुनि अंधा कैसे मारगु पावै

339 www.dekho-ji.com Index विषय स्ची ॥ कर गहि लेहु ओड़ि निबहावै ॥ कहा बुझारति बूझै डोरा ॥ निसि कहीऐ तउ समझै भोरा ॥ कहा बिसनपद गावै गुंग ॥ जतन करै तउ भी सुर भंग ॥ कह पिंगुल परबत पर भवन ॥ नहीं होत ऊहा उसु गवन ॥ करतार करुणा मै दीनु बेनती करै ॥ नानक तुमरी किरपा तरै ॥ ६ ॥ संगि सहाई सु आवै न चीति॥ जो बैराई ता सिउ

340 www.dekho-ji.com Index विषय सुची प्रीति ॥ बलूआ के ग्रिह भीतरि बसै ॥ अनद केल माइआ रंगि रसै ॥ द्रिड़ करि मानै मनहि प्रतीति ॥ कालु न आवै मूड़े चीति ॥ बैर बिरोध काम क्रोध मोह ॥ झूठ बिकार महा लोभ ध्रोह ॥ इआहू जुगति बिहाने कई जनम ॥ नानक राखि लेहु आपन करि करम ॥ ७ ॥ तू ठाकुरु तुम पहि अरदासि ॥ जीउ पिंडु सभु तेरी रासि ॥ तुम www.dekho-ji.com 341 Index विषय सूची
मात पिता हम बारिक तेरे॥
नगरी किया गरि सस्त हानेरे॥

तुमरी क्रिपा महि सूख घनेरे॥ कोइ न जानै तुमरा अंतु॥ ऊचे ते ऊचा भगवंत॥ सगल समग्री

तुमरै सूत्रि धारी ॥ तुम ते होइ सु आगिआकारी ॥ तुमरी गति मिति तुम ही जानी ॥ नानक दास सदा कुरबानी ॥ ८ ॥ ४ ॥

सलोकु॥ देनहारु प्रभ छोडि कै लागहि आन सुआइ॥ नानक कहू न www.dekho-ji.com 342 Index विषय सुची सीझई बिनु नावै पति जाइ॥ १ असटपदी ॥ दस बसतू ले पाछै पावै ॥ एक बसतु कारनि बिखोटि गवावै॥ एक भी न देइ दस भी हिरि लेइ ॥ तउ मूड़ा कहु कहा करेइ ॥ जिसु ठाकुर सिउ नाही चारा ॥ ता कउ कीजै सद नमसकारा॥ जा कै मनि लागा प्रभु मीठा॥ सरब सूख ताहू मनि वूठा ॥

www.dekho-ji.com 343 Index विषय सुची जिसु जन अपना हुकमु मनाइआ ॥ सरब थोक नानक तिनि पाइआ॥१॥अगनत साहु अपनी दे रासि ॥ खात पीत बरतै अनद उलासि ॥ अपुनी अमान कछु बहुरि साहु लेइ॥ अगिआनी मनि रोस् करेइ॥ अपनी परतीति आप ही खोवै ॥ बहुरि उस का बिस्वासु न होवै ॥ जिस की बसतु तिसु आगै

राखै॥ प्रभ की आगिआ मानै

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

माथै॥ उस ते चउगुन करै निहालु॥ नानक साहिबु सदा दइआलु॥ २॥ अनिक भाति माइआ के हेत॥ सरपर होवत जानु अनेत॥ बिरख की छाइआ

सिउ रंगु लावै ॥ ओह बिनसै उहु मनि पछुतावै ॥ जो दीसै सो चालनहारु ॥ लपटि रहिओ तह अंध अंधारु॥ बटाऊ सिउ जो लावै नेह ॥ ता कउ हाथि न आवै केह ॥ मन हरि के नाम की

345 www.dekho-ji.com Index विषय सुची प्रीति सुखदाई ॥ करि किरपा नानक आपि लए लाई॥ ३॥ मिथिआ तनु धनु कुट्मबु सबाइआ॥ मिथिआ हउमै ममता माइआ ॥ मिथिआ राज जोबन धन माल ॥ मिथिआ काम क्रोध बिकराल ॥ मिथिआ रथ हसती अस्व बसत्रा॥ मिथिआ रंग संगि माइआ पेखि हसता ॥ मिथिआ ध्रोह मोह अभिमान्॥ मिथिआ आपस

www.dekho-ji.com 346 Index विषय स्ची ऊपरि करत गुमानु ॥ असर्थिर

भगति साध की सरन ॥ नानक जपि जपि जीवै हरि के चरन॥ ४॥ मिथिआ स्रवन पर निंदा

सुनहि ॥ मिथिआ हसत पर दरब कउ हिरहि ॥ मिथिआ नेत्र

पेखत पर त्रिअ रूपाद ॥ मिथिआ रसना भोजन अन स्वाद॥ मिथिआ चरन पर बिकार कउ धावहि ॥ मिथिआ मन पर लोभ लुभावहि॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

 www.dekho-ji.com
 347
 Index विषय स्वी

 मिथिआ तन नहीं परउपकारा

 ॥ मिथिआ बासु लेत बिकारा ॥

 चिन तसे गिथिआ सु प्राप्त अपा ॥

बिनु बूझे मिथिआ सभ भए॥ सफल देह नानक हिर हिर नाम लए॥५॥ बिरथी साकत की आरजा॥ साच बिना कह होवत सूचा॥ बिरथा नाम बिना तनु अंध॥ मुखि आवत ता कै

दुरगंध ॥ बिनु सिमरन दिनु रैनि ब्रिथा बिहाइ ॥ मेघ बिना जिउ खेती जाइ ॥ गोबिद भजन www.dekho-ji.com 348 Index विषय सुची बिन् ब्रिथे सभ काम ॥ जिउ किरपन के निरारथ दाम ॥ धंनि धंनि ते जन जिह घटि बसिओ हरि नाउ ॥ नानक ता कै बलि बलि जाउ॥ ६॥ रहत अवर कछ अवर कमावत॥ मनि नही प्रीति मुखहु गंढ लावत ॥ जाननहार प्रभू परबीन ॥ बाहरि भेख न काहू भीन ॥ अवर उपदेसै आपि न करै ॥ आवत जावत जनमै मरै

www.dekho-ji.com 349 Index विषय सुची ॥ जिस के अंतरि बसै निरंकारु ॥ तिस की सीख तरै संसारु॥ जो तुम भाने तिन प्रभु जाता॥ नानक उन जन चरन पराता॥ ७॥ करउ बेनती पारब्रहमु सभु जानै ॥ अपना कीआ आपहि मानै ॥ आपहि आप आपि करत

निबेरा॥ किसै दूरि जनावत किसै बुझावत नेरा ॥ उपाव सिआनप सगल ते रहत ॥ सभु कछु जानै आतम की रहत ॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 350 Index विषय सुची जिसु भावै तिसु लए लड़ि लाइ ॥ थान थनंतरि रहिआ समाइ ॥ सो सेवकु जिसु किरपा करी॥ निमख निमख जपि नानक हरी 11 6 11 4 11 सलोकु॥

काम क्रोध अरु लोभ मोह बिनसि जाइ अहमेव ॥ नानक प्रभ सरणागती करि प्रसादु गुरदेव॥१॥

असटपदी ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जिह प्रसादि छतीह अम्रित खाहि ॥ तिसु ठाकुर कउ रखु मन माहि॥ जिह प्रसादि सुगंधत तनि लावहि ॥ तिस कउ सिमरत परम गति पावहि ॥ जिह प्रसादि बसहि सुख मंदरि॥ तिसहि धिआइ सदा मन अंदरि॥ जिह प्रसादि ग्रिह संगि सुख बसना ॥ आठ पहर सिमरह तिसु रसना ॥ जिह प्रसादि रंग रस भोग ॥ नानक

www.dekho-ji.com 352 Index विषय स्ची सदा धिआईऐ धिआवन जोग॥ १ ॥ जिह प्रसादि पाट पट्मबर हढावहि ॥ तिसहि तिआगि कत अवर लुभावहि ॥ जिह प्रसादि सुखि सेज सोईजै॥ मन आठ पहर ता का जसु गावीजै॥ जिह प्रसादि तुझु सभु कोऊ मानै ॥ मुखि ता को जसु रसन बखानै ॥ जिह प्रसादि तेरो रहता धरमु ॥ मन सदा धिआइ केवल पारब्रहमु ॥ प्रभ जी

www.dekho-ji.com 353 Index विषय सूची
जपत दरगह मानु पावहि॥

नानक पति सेती घरि जावहि॥ २॥ जिह प्रसादि आरोग कंचन देही॥ लिव लावहु तिसु राम सनेही॥ जिह प्रसादि तेरा ओला रहत॥ मन सुखु पावहि

हिर हिर जसु कहत ॥ जिह प्रसादि तेरे सगल छिद्र ढाके ॥ मन सरनी परु ठाकुर प्रभ ता कै ॥ जिह प्रसादि तुझु को न पहूचै

॥ मन सासि सासि सिमरहु प्रभ

अभ्खन पहिरीजै॥ मन तिसु सिमरत किउ आलस कीजै॥

सिमरत किउ आलसु कीजै॥ जिह प्रसादि अस्व हसति असवारी॥ मन तिसु प्रभ कउ कबहू न बिसारी॥ जिह प्रसादि बाग मिलख धना॥ राखु परोइ

प्रभु अपुने मना ॥ जिनि तेरी

मन बनत बनाई॥ ऊठत बैठत

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सद तिसहि धिआई॥ तिसहि धिआइ जो एक अलखै ॥ ईहा ऊहा नानक तेरी रखै ॥ ४ ॥

जिह प्रसादि करहि पुंन बहु दान ॥ मन आठ पहर करि तिस

का धिआन ॥ जिह प्रसादि तू आचार बिउहारी ॥ तिसु प्रभ कउ सासि सासि चितारी॥ जिह प्रसादि तेरा सुंदर रूपु॥ सो प्रभु सिमरहु सदा अनूपु॥

जिह प्रसादि तेरी नीकी जाति ॥

www.dekho-ji.com 356 Index विषय सूची सो प्रभु सिमरि सदा दिन राति ॥ जिह प्रसादि तेरी पति रहै॥ गुर प्रसादि नानक जस् कहै॥ ५

गुर प्रसादि नानक जसु कहै ॥ ५ ॥ जिह प्रसादि सुनहि करन नाद ॥ जिह प्रसादि पेखहि

नाद ॥ जिह प्रसादि विसमाद ॥ जिह प्रसादि बोलिह अम्रित रसना ॥ जिह प्रसादि सुखि सहजे बसना ॥ जिह प्रसादि सुखि सहजे बसना ॥ जिह प्रसादि हसत कर चलिह ॥

जिह प्रसादि स्मपूरन फलहि॥ जिह प्रसादि परम गति पावहि www.dekho-ji.com 357 Index विषय सूची
॥ जिह प्रसादि सुखि सहजि

समावहि ॥ ऐसा प्रभु तिआगि अवर कत लागहु ॥ गुर प्रसादि नानक मनि जागहु ॥ ६ ॥ जिह

प्रसादि तूं प्रगटु संसारि ॥ तिसु प्रभ कउ मूलि न मनहु बिसारि ॥ जिह प्रसादि तेरा परतापु ॥ रे मन मूड़ तू ता कउ जापु ॥ जिह प्रसादि तेरे कारज पूरे ॥ तिसहि जानु मन सदा हजूरे ॥ जिह

प्रसादि तूं पावहि साचु ॥ रे मन

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 358 Index विषय स्ची मेरे तूं ता सिउ राचु ॥ जिह

प्रसादि सभ की गति होइ॥
नानक जापु जपै जपु सोइ॥ ७

॥ आपि जपाए जपै सो नाउ॥ आपि गावाए सु हरि गुन गाउ

॥ प्रभ किरपा ते होइ प्रगासु ॥
प्रभू दइआ ते कमल बिगासु ॥
प्रभ सुप्रसंन बसै मनि सोइ॥
प्रभ तद्या ने पनि उत्तम नोट ॥

प्रभ सुप्रसन बसै मिन सोई॥ प्रभ दइआ ते मित ऊतम होई॥ सरब निधान प्रभ तेरी मइआ॥ आपहु कछू न किनहू लइआ॥ www.dekho-ji.com 359 Index विषय स्ची जित जित लावह तित लगहि

जितु जितु लावहु तितु लगहि हरि नाथ॥ नानक इन कै कछू न हाथ॥ ८॥ ६॥

सलोकु ॥ अगम अगाधि पारब्रहमु सोइ ॥

जो जो कहै सु मुकता होइ॥ सुनि मीता नानकु बिनवंता॥ साध जना की अचरज कथा॥

<u> असटपदी ॥</u>

www.dekho-ji.com 360 Index विषय सुची साध कै संगि मुख ऊजल होत ॥ साधसंगि मलु सगली खोत॥ साध कै संगि मिटै अभिमान्॥ साध कै संगि प्रगटै सुगिआन्॥ साध कै संगि बुझै प्रभु नेरा॥ साधसंगि सभु होत निबेरा॥ साध कै संगि पाए नाम रतन्॥ साध के संगि एक ऊपरि जतन् ॥ साध की महिमा बरनै कउन् प्रानी ॥ नानक साध की सोभा प्रभ माहि समानी ॥ १ ॥ साध

www.dekho-ji.com 361 Index विषय सुची कै संगि अगोचरु मिलै॥ साध कै संगि सदा परफुलै ॥ साध कै संगि आवहि बसि पंचा॥ साधसंगि अम्रित रसु भुंचा॥ साधसंगि होइ सभ की रेन॥ साध कै संगि मनोहर बैन॥ साध कै संगि न कतहूं धावै॥ साधसंगि असथिति मन् पावै ॥

साध के संगि न कतहूं धावै ॥ साधसंगि असथिति मनु पावै ॥ साध के संगि माइआ ते भिंन ॥ साधसंगि नानक प्रभ सुप्रसंन ॥ २॥ साधसंगि दुसमन सभि

362 www.dekho-ji.com Index विषय सुची मीत ॥ साधू कै संगि महा पुनीत ॥ साधसंगि किस सिउ नही बैरु॥ साध कै संगि न बीगा पैरु ॥ साध कै संगि नाही को मंदा ॥ साधसंगि जाने परमानंदा॥ साध कै संगि नाही हउ तापु ॥ साध कै संगि तजै सभ् आप्॥ आपे जानै साध बडाई॥ नानक साध प्रभू बनि आई॥३॥ साध कै संगि न कबहू धावै॥ साध कै संगि सदा

363 www.dekho-ji.com Index विषय सुची सुखु पावै॥ साधसंगि बसतु अगोचर लहै ॥ साधू कै संगि अजरु सहै॥ साध कै संगि बसै थानि ऊचै ॥ साधू कै संगि महलि पहुचै ॥ साध कै संगि द्रिड़ै सभि धरम ॥ साध कै संगि

केवल पारब्रहम ॥ साध कै संगि पाए नाम निधान ॥ नानक साधू कै कुरबान ॥ ४ ॥ साध कै संगि सभ कुल उधारै॥ साधसंगि साजन मीत कुट्मब

www.dekho-ji.com Index विषय सुची निसतारै॥ साधू कै संगि सो धनु पावै ॥ जिस् धन ते सभ् को वरसावै ॥ साधसंगि धरम राइ करे सेवा ॥ साध कै संगि सोभा सुरदेवा ॥ साधू कै संगि पाप पलाइन ॥ साधसंगि अम्रित गुन गाइन ॥ साध कै संगि स्रब थान गमि॥ नानक साध कै संगि सफल जनम ॥ ५ ॥ साध कै संगि नही कछु घाल ॥ दरसनु भेटत होत निहाल॥ साध कै Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 365 Index विषय स्ची संगि कलूखत हरे॥ साध कै

संगि नरक परहरै ॥ साध कै संगि ईहा ऊहा सुहेला॥ साधसंगि बिछुरत हरि मेला ॥ जो इछै सोई फल् पावै ॥ साध कै संगि न बिरथा जावै॥ पारब्रहम् साध रिद बसै॥

नानक उधरै साध सुनि रसै ॥ ६ ॥ साध कै संगि सुनउ हरि नाउ ॥ साधसंगि हरि के गुन गाउ॥ साध कै संगि न मन ते बिसरै॥

www.dekho-ji.com 366 Index विषय सुची साधसंगि सरपर निसतरै॥ साध के संगि लगै प्रभ् मीठा॥ साधू कै संगि घटि घटि डीठा॥ साधसंगि भए आगिआकारी॥ साधसंगि गति भई हमारी॥ साध कै संगि मिटे सभि रोग॥ नानक साध भेटे संजोग ॥ ७ ॥ साध की महिमा बेद न जानहि ॥ जेता सुनहि तेता बखिआनहि ॥ साध की उपमा तिहु गुण ते दूरि ॥ साध की उपमा रही

www.dekho-ji.com 367 <u>Index विषय सूची</u>

भरपूरि॥ साध की सोभा का नाही अंत ॥ साध की सोभा सदा बेअंत ॥ साध की सोभा ऊच ते ऊची ॥ साध की सोभा मूच ते मूची ॥ साध की सोभा साध बनि आई॥ नानक साध प्रभ भेदु न भाई ॥ ८ ॥ ७ ॥

सलोकु ॥ मनि साचा मुखि साचा सोइ ॥ अवरु न पेखै एकसु बिनु कोइ ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **368** Index विषय सुची नानक इह लछण ब्रहम गिआनी होइ॥१॥ असटपदी ॥ ब्रहम गिआनी सदा निरलेप ॥ जैसे जल महि कमल अलेप॥ ब्रहम गिआनी सदा निरदोख॥ जैसे सूरु सरब कउ सोख॥ ब्रहम गिआनी कै द्रिसटि समानि ॥ जैसे राज रंक कउ लागै तुलि पवान ॥ ब्रहम गिआनी कै धीरजु एक ॥ जिउ

www.dekho-ji.com 369 Index विषय सूची बसुधा कोऊ खोदै कोऊ चंदन लेप ॥ ब्रहम गिआनी का इहै गुनाउ ॥ नानक जिउ पावक का सहज सुभाउ॥ १॥ ब्रहम गिआनी निरमल ते निरमला ॥ जैसे मैलु न लागै जला ॥ ब्रहम

गिआनी कै मनि होइ प्रगासु॥ जैसे धर ऊपरि आकासु ॥ ब्रहम गिआनी कै मित्र सत्रु समानि॥ ब्रहम गिआनी कै नाही अभिमान ॥ ब्रहम गिआनी ऊच

370 www.dekho-ji.com Index विषय सुची ते ऊचा ॥ मनि अपनै है सभ ते नीचा ॥ ब्रहम गिआनी से जन भए॥ नानक जिन प्रभ् आपि करेइ॥२॥ ब्रहम गिआनी सगल की रीना ॥ आतम रसु ब्रहम गिआनी चीना ॥ ब्रहम गिआनी की सभ ऊपरि मइआ ॥ ब्रहम गिआनी ते कछु बुरा न भइआ ॥ ब्रहम गिआनी सदा समदरसी ॥ ब्रहम गिआनी की द्रिसटि अम्रितु बरसी ॥ ब्रहम

www.dekho-ji.com **371** Index विषय सुची गिआनी बंधन ते मुकता॥ ब्रहम गिआनी की निरमल जुगता ॥ ब्रहम गिआनी का भोजनु गिआन ॥ नानक ब्रहम गिआनी का ब्रहम धिआनु ॥ ३ ॥ ब्रहम गिआनी एक ऊपरि आस॥ ब्रहम गिआनी का नही बिनास ॥ ब्रहम गिआनी कै गरीबी समाहा ॥ ब्रहम गिआनी परउपकार उमाहा ॥ ब्रहम गिआनी कै नाही धंधा ॥ ब्रहम

www.dekho-ji.com 372 Index विषय सुची गिआनी ले धावतु बंधा ॥ ब्रहम गिआनी कै होइ सु भला ॥ ब्रहम गिआनी सुफल फला॥ ब्रहम गिआनी संगि सगल उधारु ॥ नानक ब्रहम गिआनी जपै सगल संसारु ॥ ४ ॥ ब्रहम गिआनी कै एकै रंग ॥ ब्रहम गिआनी कै बसै प्रभु संग ॥ ब्रहम गिआनी कै नामु आधारु॥ ब्रहम गिआनी कै नामु परवारु ॥ ब्रहम गिआनी सदा सद Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 373 Index विषय स्ची जागत॥ ब्रहम गिआनी

अह्मबुधि तिआगत ॥ ब्रहम गिआनी कै मनि परमानंद ॥ ब्रहम गिआनी कै घरि सदा अनंद ॥ ब्रहम गिआनी सुख सहज निवास ॥ नानक ब्रहम गिआनी का नही बिनास ॥ ५ ॥ ब्रहम गिआनी ब्रहम का बेता॥ ब्रहम गिआनी एक संगि हेता ॥

ब्रहम गिआनी कै होइ अचिंत॥ ब्रहम गिआनी का निरमल मंत

www.dekho-ji.com 374 Index विषय सुची ॥ ब्रहम गिआनी जिसु करै प्रभु आपि ॥ ब्रहम गिआनी का बड परताप ॥ ब्रहम गिआनी का दरसु बडभागी पाईऐ॥ ब्रहम गिआनी कउ बलि बलि जाईऐ ॥ ब्रहम गिआनी कउ खोजहि महेसुर ॥ नानक ब्रहम गिआनी आपि परमेसुर ॥ ६ ॥ ब्रहम गिआनी की कीमति नाहि॥ ब्रहम गिआनी कै सगल मन माहि ॥ ब्रहम गिआनी का कउन www.dekho-ji.com 375 Index विषय स्ची जानै भेदु॥ ब्रहम गिआनी कउ सदा अदेसु॥ ब्रहम गिआनी का कथिआ न जाइ अधाख्यरु॥ ब्रहम गिआनी सरब का ठाकुरु ॥ ब्रहम गिआनी की मिति कउनु बखानै ॥ ब्रहम गिआनी की गति ब्रहम गिआनी जानै॥

ब्रहम गिआनी का अंतु न पारु ॥ नानक ब्रहम गिआनी कउ सदा नमसकारु ॥ ७ ॥ ब्रहम गिआनी सभ स्निसटि का करता ॥ ब्रहम Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **376** Index विषय सुची गिआनी सद जीवै नहीं मरता॥ ब्रहम गिआनी मुकति जुगति जीअ का दाता ॥ ब्रहम गिआनी पूरन पुरख् बिधाता ॥ ब्रहम गिआनी अनाथ का नाथु॥ ब्रहम गिआनी का सभ ऊपरि हाथु ॥ ब्रहम गिआनी का सगल अकारु ॥ ब्रहम गिआनी आपि निरंकारु ॥ ब्रहम गिआनी की सोभा ब्रहम गिआनी बनी॥

www.dekho-ji.com 377 Index विषय सुची नानक ब्रहम गिआनी सरब का धनी ॥ ८ ॥ ८ ॥ सलोकु॥ उरि धारै जो अंतरि नाम्॥ सरब मै पेखै भगवान् ॥ निमख निमख ठाकुर नमसकारै॥ नानक ओहु अपरसु सगल निसतारै॥१॥ असटपदी ॥ मिथिआ नाही रसना परस॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

मन महि प्रीति निरंजन दरस॥

378 www.dekho-ji.com Index विषय स्ची पर त्रिअ रूप् न पेखैं नेत्र॥ साध की टहल संतसंगि हेत ॥ करन न सुनै काहू की निंदा ॥ सभ ते जानै आपस कउ मंदा॥ गुर प्रसादि बिखिआ परहरै॥ मन की बासना मन ते टरै॥ इंद्री जित पंच दोख ते रहत॥ नानक कोटि मधे को ऐसा

अपरस ॥ १ ॥ बैसनो सो जिस्

ऊपरि सुप्रसंन ॥ बिसन की

माइआ ते होइ भिंन ॥ करम

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 379 Index विषय स्ची करत होवै निहकरम॥ तिसु

बैसनो का निरमल धरम ॥ काहू फल की इछा नही बाछै॥

केवल भगति कीरतन संगि राचै ॥ मन तन अंतरि सिमरन गोपाल ॥ सभ ऊपरि होवत किरपाल ॥ आपि द्रिड़ै अवरह नामु जपावै ॥ नानक ओहु बैसनो परम गति पावै ॥ २ ॥ भगउती भगवंत भगति का रंगु

॥ सगल तिआगै दुसट का संगु ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **380** Index विषय सुची मन ते बिनसै सगला भरम्॥ करि पूजै सगल पारब्रहमु॥ साधसंगि पापा मलु खोवै॥ तिसु भगउती की मति ऊतम होवै ॥ भगवंत की टहल करै नित नीति॥ मनु तनु अरपै बिसन परीति ॥ हरि के चरन हिरदै बसावै ॥ नानक ऐसा भगउती भगवंत कउ पावै ॥ ३ ॥ सो पंडितु जो मनु परबोधै ॥ राम नामु आतम महि सोधै॥

www.dekho-ji.com 381 Index विषय सूची

राम नाम सारु रसु पीवै ॥ उसु पंडित कै उपदेसि जगु जीवै ॥ हरि की कथा हिरदै बसावै ॥

सो पंडितु फिरि जोनि न आवै॥ बेद पुरान सिम्रिति बूझै मूल॥

सूखम महि जानै असथूलु ॥ चहु वरना कउ दे उपदेसु ॥ नानक उसु पंडित कउ सदा अदेसु ॥ ४ ॥ बीज मंत्रु सरब को गिआनु ॥ चहु वरना महि जपै कोऊ नामु ॥ जो जो जपै तिस की गति

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **382** Index विषय स्ची होइ ॥ साधर्सागे पावै जनु कोइ ॥ करि किरपा अंतरि उर धारै ॥ पसु प्रेत मुघद पाथर कउ तारै ॥ सरब रोग का अउखदु नामु ॥ कलिआण रूप मंगल गुण गाम ॥ काहू जुगति कितै न पाईऐ धरमि ॥ नानक तिसु मिलै जिसु लिखिआ धुरि करिमे ॥ ५ ॥ जिस कै मनि पारब्रहम का निवासु ॥ तिस का नामु सति रामदासु ॥ आतम रामु तिसु

www.dekho-ji.com 383 Index विषय सुची नदरी आइआ॥ दास दसंतण भाइ तिनि पाइआ ॥ सदा निकटि निकटि हरि जानु ॥ सो दास् दरगह परवान् ॥ अपुने दास कउ आपि किरपा करै॥ तिसु दास कउ सभ सोझी परै॥ सगल संगि आतम उदास्॥ ऐसी ज्गति नानक रामदासु॥ ६॥ प्रभ की आगिआ आतम हितावै ॥ जीवन मुकति सोऊ कहावै ॥ तैसा हरखु तैसा उसु

www.dekho-ji.com 384 Index विषय सुची सोगु ॥ सदा अनंदु तह नही बिओगु ॥ तैसा सुवरनु तैसी उसु माटी ॥ तैसा अम्रित् तैसी बिख् खाटी ॥ तैसा मानु तैसा अभिमानु ॥ तैसा रंकु तैसा राजान्॥ जो वरताए साई जुगति ॥ नानक ओहु पुरखु कहीऐ जीवन मुकति ॥ ७ ॥ पारब्रहम के सगले ठाउ ॥ जित् जितु घरि राखै तैसा तिन नाउ <u>॥ आपे</u> करन करावन जोगु ॥

प्रभ भावै सोई फुनि होगु॥ पसरिओ आपि होइ अनत तरंग॥ लखे न जाहि पारब्रहम के रंग॥ जैसी मति देइ तैसा परगास

॥ जैसी मति देइ तैसा परगास ॥ पारब्रहमु करता अबिनास ॥ सदा सदा सदा दइआल॥ सिमरि सिमरि नानक भए निहाल ॥ ८ ॥ ९ ॥ सलोकु॥

उसतति करिह अनेक जन अंतु न पारावार॥ नानक रचना प्रभि रची बहु बिधि अनिक प्रभार ॥ १॥ प्रकार ॥ १॥ असटपदी॥ कई कोटि होए पूजारी॥ कई

कोटि आचार बिउहारी ॥ कई कोटि भए तीरथ वासी ॥ कई कोटि बन भ्रमहि उदासी॥ कई कोटि बेद के स्रोते ॥ कई कोटि तपीसुर होते ॥ कई कोटि आतम धिआनु धारहि ॥ कई कोटि कबि काबि बीचारहि॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची कई कोटि नवतन नाम धिआवहि ॥ नानक करते का अंतु न पावहि ॥ १ ॥ कई कोटि भए अभिमानी ॥ कई कोटि अंध अगिआनी ॥ कई कोटि किरपन कठोर ॥ कई कोटि अभिग आतम निकोर ॥ कई कोटि पर दरब कउ हिरहि॥ कई कोटि पर दूखना करहि॥ कई कोटि माइआ स्नम माहि॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

कई कोटि परदेस भ्रमाहि ॥

www.dekho-ji.com 388 Index विषय सूची
जितु जितु लावहु तितु तितु
लगना॥ नानक करते की जानै

लगना ॥ नानक करते की जानै करता रचना ॥ २ ॥ कई कोटि सिध जती जोगी ॥ कई कोटि

राजे रस भोगी ॥ कई कोटि पंखी सरप उपाए ॥ कई कोटि पाथर बिरख निपजाए ॥ कई कोटि पवण पाणी बैसंतर ॥ कई कोटि देस भू मंडल ॥ कई कोटि ससीअर सूर नख्यत्र ॥ कई कोटि देव दानव इंद्र सिरि छत्र

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ सगल समग्री अपनै सूति धारै ॥ नानक जिसु जिसु भावै तिसु तिस् निसतारै ॥ ३ ॥ कई कोटि राजस तामस सातक॥ कई कोटि बेद पुरान सिम्रिति अरु सासत ॥ कई कोटि कीए रतन समुद ॥ कई कोटि नाना प्रकार जंत ॥ कई कोटि कीए चिर जीवे ॥ कई कोटि गिरी मेर सुवरन थीवे ॥ कई कोटि जख्य किंनर पिसाच ॥ कई कोटि भूत

www.dekho-ji.com Index विषय सुची प्रेत सूकर म्रिगाच ॥ सभ ते नेरै सभहू ते दूरि॥ नानक आपि अलिपत् रहिआ भरपूरि ॥ ४ ॥ कई कोटि पाताल के वासी॥ कई कोटि नरक सुरग निवासी ॥ कई कोटि जनमहि जीवहि मरहि॥ कई कोटि बहु जोनी फिरहि ॥ कई कोटि बैठत ही खाहि ॥ कई कोटि घालहि थकि पाहि ॥ कई कोटि कीए धनवंत ॥ कई कोटि माइआ महि चिंत

www.dekho-ji.com 391 Index विषय सुची ॥ जह जह भाणा तह तह राखे ॥ नानक सभ् किछु प्रभ कै हाथे ॥ ५ ॥ कई कोटि भए बैरागी ॥ राम नाम संगि तिनि लिव लागी ॥ कई कोटि प्रभ कउ खोजंते ॥ आतम महि पारब्रहम् लहंते ॥ कई कोटि दरसन प्रभ पिआस ॥ तिन कउ मिलिओ प्रभु अबिनास ॥ कई कोटि मागहि सतसंगु ॥ पारब्रहम तिन लागा रंगु ॥ जिन कउ होए www.dekho-ji.com 392 Index विषय सुची आपि सुप्रसंन ॥ नानक ते जन सदा धनि धंनि ॥ ६ ॥ कई कोटि खाणी अरु खंड ॥ कई कोटि अकास ब्रहमंड ॥ कई

कोटि होए अवतार ॥ कई ज्गति कीनो बिसथार ॥ कई बार पसरिओ पासार ॥ सदा सदा इक् एकंकार ॥ कई कोटि कीने बहु भाति ॥ प्रभ ते होए प्रभ माहि समाति ॥ ता का अंत् न जानै कोइ॥ आपे आपि

www.dekho-ji.com Index विषय सुची नानक प्रभु सोइ॥ ७॥ कई कोटि पारब्रहम के दास ॥ तिन होवत आतम परगास ॥ कई कोटि तत के बेते॥ सदा निहारहि एको नेत्रे ॥ कई कोटि नाम रसु पीवहि ॥ अमर भए

सद सद ही जीवहि॥ कई कोटि नाम गुन गावहि॥ आतम रसि सुखि सहजि समावहि ॥ अपुने जन कउ सासि सासि समारे॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 394 Index विषय स्ची नानक ओइ परमेसुर के पिआरे

> ॥ ८॥ १०॥ सलोकु॥

करण कारण प्रभु एकु है दूसर नाही कोइ॥ नानक तिसु बलिहारणै जलि थलि महीअलि सोइ॥१॥

असटपदी ॥ करन करावन करनै जोगु ॥ जो तिसु भावै सोई होगु ॥ खिन महि थापि उथापनहारा ॥ अंतु www.dekho-ji.com **395** Index विषय सुची नही किछु पारावारा ॥ हुकमे धारि अधर रहावै ॥ हुकमे उपजै हुकमि समावै ॥ हुकमे ऊच नीच बिउहार ॥ हुकमे अनिक रंग परकार ॥ करि करि देखै अपनी वडिआई॥ नानक सभ महि रहिआ समाई॥ १॥ प्रभ भावै मानुख गति पावै॥ प्रभ भावै ता पाथर तरावै ॥ प्रभ भावै बिनु सास ते राखै॥ प्रभ भावै ता हरि गुण भाखै॥

www.dekho-ji.com 396 Index विषय सूची प्रिस भावे ता पतित उधारे॥

आपि करै आपन बीचारै ॥ दुहा सिरिआ का आपि सुआमी ॥ खेलै बिगसै अंतरजामी ॥ जो भावै सो कार करावै ॥ नानक

द्रिसटी अवरु न आवै॥ २॥ कहु मानुख ते किआ होइ आवै॥ जो तिसु भावै सोई करावै॥

इस कै हाथि होइ ता सभु किछु लेइ॥ जो तिसु भावै सोई करेइ ॥ अनजानत बिखिआ महि रचै

397 www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ जे जानत आपन आप बचै ॥ भरमे भूला दह दिसि धावै॥ निमख माहि चारि कुंट फिरि आवै ॥ करि किरपा जिस् अपनी भगति देइ॥ नानक ते जन नामि मिलेइ ॥ ३ ॥ खिन महि नीच कीट कउ राज॥ पारब्रहम गरीब निवाज ॥ जा का द्रिसटि कछू न आवै ॥ तिसु ततकाल दह दिस प्रगटावै ॥ जा कउ अपुनी करै बखसीस ॥ ता

www.dekho-ji.com **398** Index विषय सुची का लेखा न गनै जगदीस ॥ जीउ पिंडु सभ तिस की रासि ॥ घटि घटि पूरन ब्रहम प्रगास ॥ अपनी बणत आपि बनाई॥ नानक जीवै देखि बडाई ॥ ४ ॥ इस का बलु नाही इसु हाथ ॥ करन करावन सरब को नाथ॥ आगिआकारी बपुरा जीउ॥ जो तिसु भावै सोई फुनि थीउ ॥ कबहू ऊच नीच महि बसै॥

कबहू सोग हरख रंगि हसै॥

www.dekho-ji.com 399 Index विषय सुची कबहू निंद चिंद बिउहार ॥ कबहू ऊभ अकास पइआल ॥ कबहू बेता ब्रहम बीचार ॥ नानक आपि मिलावणहार ॥ ५ ॥ कबहू निरति करै बहु भाति ॥

कबहू सोइ रहै दिनु राति ॥ कबहू महा क्रोध बिकराल ॥ कबहूं सरब की होत रवाल ॥ कबहू होइ बहै बड राजा ॥ कबहु भेखारी नीच का साजा॥

कबहू अपकीरति महि आवै ॥

www.dekho-ji.com 400 Index विषय सुची कबहू भला भला कहावै ॥ जिउ प्रभु राखै तिव ही रहै ॥ गुर प्रसादि नानक सचु कहै ॥ ६ ॥ कबहू होइ पंडितु करे बख्यानु ॥ कबहू मोनिधारी लावै धिआनु ॥ कबहू तट तीरथ इसनान ॥ कबहू सिध साधिक मुखि गिआन ॥ कबहू कीट हसति पतंग होइ जीआ ॥ अनिक जोनि भरमै भरमीआ॥ नाना रूप जिउ स्वागी दिखावै॥

www.dekho-ji.com 401 Index विषय सुची जिउ प्रभ भावै तिवै नचावै॥ जो तिसु भावै सोई होइ॥ नानक दूजा अवरु न कोइ॥ ७ ॥ कबहू साधसंगति इहु पावै ॥ उस् असथान ते बहुरि न आवै ॥ अंतरि होइ गिआन परगासु॥ उसु असथान का नही बिनासु ॥ मन तन नामि रते इक रंगि॥

मन तन नामि रते इक रंगि॥
सदा बसिह पारब्रहम कै संगि॥
जिउ जल मिह जलु आइ
खटाना॥ तिउ जोती संगि

जोति समाना ॥ मिटि गए गवन पाए बिस्नाम ॥ नानक प्रभ कै सद कुरबान ॥ ८॥ ११

> ॥ सलोकु॥

सुखी बसै मसकीनीआ आपु निवारि तले ॥ बडे बडे अहंकारीआ नानक गरबि गले ॥

असटपदी॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जिस कै अंतरि राज अभिमानु ॥ सो नरकपाती होवत सुआनु ॥ जो जानै मै जोबनवंतु॥ सो होवत बिसटा का जंतु ॥ आपस कउ करमवंतु कहावै ॥ जनमि मरै बहु जोनि भ्रमावै ॥ धन भूमि का जो करै गुमानु ॥ सो मूरखु अंधा अगिआनु ॥ करि किरपा जिस कै हिरदै गरीबी बसावै॥ नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै ॥ १ ॥ धनवंता होइ

404 Index विषय सुची www.dekho-ji.com करि गरबावै ॥ त्रिण समानि कछु संगि न जावै ॥ बहु लसकर मानुख ऊपरि करे आस ॥ पल भीतरि ता का होइ बिनास ॥ सभ ते आप जानै बलवंतु॥ खिन महि होइ जाइ भसमंतु॥ किसै न बदै आपि अहंकारी ॥ धरम राइ तिसु करे खुआरी ॥ गुर प्रसादि जा का मिटै अभिमानु ॥ सो जनु नानक दरगह परवानु ॥ २ ॥ कोटि

भूष्ण अनिक विषय सूची करम करे हुउ धारे ॥ स्नमु पावै सगले बिरथारे ॥ अनिक तपसिआ करे अहंकार ॥ नरक

सुरग फिरि फिरि अवतार॥ अनिक जतन करि आतम नही द्रवै॥ हरि दरगह कहु कैसे गवै

॥ आपस कउ जो भला कहावै॥ तिसहि भलाई निकटि न आवै॥ सरब की रेन जा का मनु होइ॥ कहु नानक ता की निरमल सोइ

॥ ३ ॥ जब लगु जानै मुझ ते

www.dekho-ji.com 406 Index विषय स्वी कछु होइ॥ तब इस कउ सुखु नाही कोइ॥ जब इह जानै मै किछु करता ॥ तब लगु गरभ

जोनि महि फिरता॥ जब धारै कोऊ बैरी मीतु ॥ तब लगु निहचलु नाही चीतु ॥ जब लगु

मोह मगन संगि माइ॥ तब लगु धरम राइ देइ सजाइ॥ प्रभ किरपा ते बंधन तूटै ॥ गुर प्रसादि नानक हउ छूटै ॥ ४ ॥

सहस खटे लख कउ उठि धावै ॥

407 www.dekho-ji.com Index विषय सुची त्रिपति न आवै माइआ पाछै पावै ॥ अनिक भोग बिखिआ के करै ॥ नह त्रिपतावै खपि खपि मरै॥ बिना संतोख नही कोऊ राजै ॥ सुपन मनोरथ ब्रिथे सभ

काजै ॥ नाम रंगि सरब सुखु होइ ॥ बडभागी किसै परापति होइ ॥ करन करावन आपे आपि ॥ सदा सदा नानक हरि जापि ॥ ५ ॥ करन करावन करनैहारु ॥ इस कै हाथि कहा बीचारु ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जैसी द्रिसटि करे तैसा होइ॥ आपे आपि आपि प्रभु सोइ॥ जो किछु कीनो सु अपनै रंगि॥ सभ ते दूरि सभह कै संगि॥ बूझै देखै करै बिबेक ॥ आपहि एक आपहि अनेक ॥ मरै न बिनसै आवै न जाइ॥ नानक सद ही रहिआ समाइ॥ ६॥ आपि उपदेसै समझै आपि॥ आपे रचिआ सभ कै साथि॥ आपि कीनो आपन बिसथारु ॥ सभु

www.dekho-ji.com 409 Index विषय सुची कछु उस का ओहु करनैहारु॥ उस ते भिंन कहहु किछु होइ॥ थान थनंतरि एकै सोइ॥ अपने चलित आपि करणैहार॥ कउतक करै रंग आपार ॥ मन महि आपि मन अपुने माहि॥ नानक कीमति कहनु न जाइ॥ ७॥ सति सति सति प्रभु सुआमी ॥ गुर परसादि किनै विखआनी ॥ सचु सचु सचु सभु कीना ॥ कोटि मधे किनै बिरलै

॥ निरमल निरमल निरमल तेरी बाणी ॥ घटि घटि सुनी स्रवन बख्याणी ॥ पवित्र पवित्र पवित्र पुनीत ॥ नामु जपै नानक मनि प्रीति॥ ८॥ १२॥ सलोकु॥

संत सरनि जो जनु परै सो जनु उधरनहार ॥ संत की निंदा

www.dekho-ji.com 411 Index विषय स्ची नानका बहुरि बहुरि अवतार॥

ण गडुार गडुार आगरार ॥ १॥ असटपदी॥

संत कै दूखनि आरजा घटै॥ संत

कै दूखिन जम ते नही छुटै॥ संत कै दूखिन सुखु सभु जाइ॥ संत कै दूखिन नरक महि पाइ॥

संत कै दूखिन मित होई मलीन ॥ संत कै दूखिन सोभा ते हीन ॥ संत के हते कउ रखै न कोई॥ संत कै दूखिन थान भ्रसटु होई॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची संत क्रिपाल क्रिपा जे करै॥ नानक संतसंगि निंदकु भी तरै॥ १ ॥ संत के दूखन ते मुखु भवै ॥ संतन कै दूखनि काग जिउ लवै ॥ संतन कै दूखनि सरप जोनि पाइ॥ संत कै दूखनि त्रिगद

जोनि किरमाइ॥ संतन कै दूखनि त्रिसना महि जलै ॥ संत कै दूखनि सभु को छलै॥ संत कै दूखनि तेजु सभु जाइ॥ संत कै दूखनि नीचु नीचाइ॥ संत Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 413 Index विषय सुची दोखी का थाउ को नाहि॥ नानक संत भावै ता ओइ भी गति पाहि ॥ २ ॥ संत का निंदकु महा अतताई॥ संत का निंदकु खिनु टिकनु न पाई ॥ संत का निंदकु महा हतिआरा ॥ संत का निंदक् परमेस्रि मारा ॥ संत का निंदकु राज ते हीन् ॥ संत का निंदकु दुखीआ अरु दीनु ॥ संत के निंदक कउ सरब रोग ॥ संत के निंदक कउ सदा

www.dekho-ji.com Index विषय सुची बिजोग ॥ संत की निंदा दोख महि दोखु॥ नानक संत भावै ता उस का भी होइ मोखु ॥ ३ ॥ संत का दोखी सदा अपवित् ॥ संत का दोखी किसै का नही

मितु ॥ संत के दोखी कउ डान् लागै ॥ संत के दोखी कउ सभ तिआगै ॥ संत का दोखी महा अहंकारी ॥ संत का दोखी सदा बिकारी ॥ संत का दोखी जनमै मरे ॥ संत की दूखना सुख ते टरै

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ संत के दोखी कउ नाही ठाउ ॥ नानक संत भावै ता लए मिलाइ॥ ४॥ संत का दोखी अध बीच ते टूटै ॥ संत का दोखी कितै काजि न पहुचै॥ संत के दोखी कउ उदिआन

भ्रमाईऐ ॥ संत का दोखी उझड़ि पाईऐ ॥ संत का दोखी अंतर ते थोथा॥ जिउ सास बिना मिरतक की लोथा ॥ संत के दोखी की जड़ किछु नाहि॥

www.dekho-ji.com 416 Index विषय सुची आपन बीजि आपे ही खाहि॥ संत के दोखी कउ अवरु न राखनहारु॥ नानक संत भावै ता लए उबारि ॥ ५ ॥ संत का दोखी इउ बिललाइ॥ जिउ जल बिहून मछुली तड़फड़ाइ॥ संत

का दोखी भूखा नही राजै॥ जिउ पावकु ईधनि नही ध्रापै ॥ संत का दोखी छुटै इकेला॥ जिउ बूआइ तिलु खेत माहि दुहेला ॥ संत का दोखी धरम ते www.dekho-ji.com Index विषय सुची रहत ॥ संत का दोखी सद मिथिआ कहत ॥ किरतु निंदक का धुरि ही पइआ ॥ नानक जो तिस् भावै सोई थिआ॥ ६॥ संत का दोखी बिगड़ रूप होइ जाइ॥ संत के दोखी कउ दरगह मिलै सजाइ॥ संत का दोखी सदा सहकाईऐ ॥ संत का दोखी न मरै न जीवाईऐ॥ संत के दोखी की पुजै न आसा॥ संत का दोखी उठि चलै निरासा॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची संत कै दोखि न त्रिसटै कोइ॥ जैसा भावै तैसा कोई होइ॥ पइआ किरत न मेटै कोइ॥ नानक जानै सचा सोइ॥ ७॥ सभ घट तिस के ओहु करनैहारु ॥ सदा सदा तिस कउ नमसकारु॥ प्रभ की उसतति करह दिनु राति ॥ तिसहि धिआवहु सासि गिरासि ॥ सभु कछु वरतै तिस का कीआ ॥ जैसा करे तैसा को थीआ॥

www.dekho-ji.com 419 Index विषय सुची अपना खेलु आपि करनैहारु ॥ दूसर कउनु कहै बीचारु ॥ जिस नो क्रिपा करै तिसु आपन नामु देइ॥ बडभागी नानक जन सेइ ॥८॥१३॥ सलोकु॥ तजहु सिआनप सुरि जनहु सिमरहु हरि हरि राइ ॥ एक

आस हरि मनि रखहु नानक दूखु भरमु भउ जाइ॥ १॥ असटपदी ॥

मानुख की टेक ब्रिथी सभ जानु ॥ देवन कउ एके भगवानु ॥ जिस के दीऐ रहे अघाइ ॥ बहुरि न त्रिसना लागे आइ ॥ मारै राखै एको आपि ॥ मानुख

मार राख एका आप ॥ मानुख कै किछु नाही हाथि ॥ तिस का हुकमु बूझि सुखु होइ ॥ तिस का नामु रखु कंठि परोइ ॥ सिमरि सिमरि सिमरि प्रभु सोइ ॥ नानक बिघनु न लागै कोइ ॥ १

॥ उसतति मन महि करि

421 www.dekho-ji.com Index विषय सुची निरंकार ॥ करि मन मेरे सति बिउहार ॥ निरमल रसना अम्रितु पीउ ॥ सदा सुहेला करि लेहि जीउ॥ नैनहु पेखु ठाकुर का रंग्॥ साधसंगि बिनसै सभ संगु॥ चरन चलउ मारगि गोबिंद ॥ मिटहि पाप जपीऐ हरि बिंद ॥ कर हरि करम स्रवनि हरि कथा ॥ हरि दरगह नानक ऊजल मथा॥ २॥ बडभागी ते जन जग माहि॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सदा सदा हरि के गुन गाहि॥ राम नाम जो करहि बीचार ॥ से धनवंत गनी संसार ॥ मनि तनि मुखि बोलहि हरि मुखी॥ सदा सदा जानह ते सुखी॥ एको एकु एकु पछानै ॥ इत उत

की ओह सोझी जानै॥ नाम संगि जिस का मनु मानिआ॥ नानक तिनहि निरंजनु जानिआ ॥ ३ ॥ गुर प्रसादि आपन आपु सुझै ॥ तिस की जानहु त्रिसना

www.dekho-ji.com Index विषय सुची बुझै ॥ साधसंगि हरि हरि जसु कहत ॥ सरब रोग ते ओहु हरि जनु रहत ॥ अनदिनु कीरतनु केवल बख्यानु ॥ ग्रिहसत महि सोई निरबानु ॥ एक ऊपरि जिसु जन की आसा॥ तिस की कटीऐ जम की फासा॥ पारब्रहम की जिसु मनि भूख ॥ नानक तिसहि न लागहि दूख ॥ ४॥ जिस कउ हरि प्रभु मनि चिति आवै॥ सो संतु सुहेला

www.dekho-ji.com 424 Index विषय सुची नही डुलावै ॥ जिसु प्रभु अपुना किरपा करै ॥ सो सेवकु कहु किस ते डरै ॥ जैसा सा तैसा द्रिसटाइआ ॥ अपुने कारज महि आपि समाइआ ॥ सोधत सोधत सोधत सीझिआ॥ गुर प्रसादि ततु सभु बूझिआ ॥ जब देखउ तब सभु किछु मूलु ॥ नानक सो सूखमु सोई असथूलु ॥ ५ ॥ नह किछु जनमै नह किछु मरै ॥ आपन चलितु आप ही करै ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची आवनु जावनु द्रिसटि अनद्रिसटि ॥ आगिआकारी धारी सभ स्रिसटि॥ आपे आपि सगल महि आपि ॥ अनिक ज्गति रचि थापि उथापि ॥ अबिनासी नाही किछु खंड ॥ धारण धारि रहिओ ब्रहमंड ॥ अलख अभेव पुरख परताप ॥ आपि जपाए त नानक जाप ॥ ६ ॥ जिन प्रभ् जाता सु सोभावंत ॥ सगल संसारु उधरै तिन मंत ॥ प्रभ के

www.dekho-ji.com 426 Index विषय सुची सेवक सगल उधारन ॥ प्रभ के सेवक दूख बिसारन ॥ आपे मेलि लए किरपाल ॥ गुर का सबदु जपि भए निहाल॥ उन की सेवा सोई लागै॥ जिस नो क्रिपा करहि बडभागै ॥ नामु जपत पावहि बिस्रामु ॥ नानक तिन पुरख कउ ऊतम करि मानु ॥ ७ ॥ जो किछु करै सु प्रभ कै

रंगि ॥ सदा सदा बसै हरि संगि

॥ सहज सुभाइ होवै सो होइ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

 www.dekho-ji.com
 427
 Index विषय सूची

 करणैहारु पछाणै सोइ॥ प्रभ
 का कीआ जन मीठ लगाना॥

 जैसा सा तैसा द्रिसटाना॥ जिस

ते उपजे तिसु माहि समाए॥ ओइ सुख निधान उनहू बनि आए॥ आपस कउ आपि दीनो मान्॥ नानक प्रभ जन् एको जानु ॥ ८ ॥ १४ ॥ सलोकु ॥

सरब कला भरपूर प्रभ बिरथा जाननहार॥ जा कै सिमरनि

www.dekho-ji.com 428 Index विषय सुची उधरीऐ नानक तिसु बलिहार॥ असटपदी ॥ टूटी गाढनहार गोपाल ॥ सरब जीआ आपे प्रतिपाल ॥ सगल की चिंता जिसु मन माहि॥ तिस ते बिरथा कोई नाहि ॥ रे मन मेरे सदा हरि जापि॥ अबिनासी प्रभु आपे आपि॥ आपन कीआ कछू न होइ॥ जे सउ प्रानी लोचै कोइ॥ तिस्

www.dekho-ji.com 429 Index विषय सुची बिनु नाही तेरै किछु काम ॥ गति नानक जपि एक हरि नाम ॥ १ ॥ रूपवंतु होइ नाही मोहै ॥ प्रभ की जोति सगल घट सोहै ॥ धनवंता होइ किआ को गरबै ॥ जा सभु किछु तिस का दीआ दरबै ॥ अति सूरा जे कोऊ कहावै ॥ प्रभ की कला बिना कह धावै॥ जे को होइ बहै दातारु ॥ तिसु देनहारु जानै गावारु ॥ जिसु गुर प्रसादि तूटै

www.dekho-ji.com 430 Index विषय स्ची हउ रोगु ॥ नानक सो जनु सदा अरोगु॥ २॥ जिउ मंदर कउ थामै थमनु ॥ तिउ गुर का सबदु मनहि असथमनु ॥ जिउ पाखाणु नाव चड़ि तरै ॥ प्राणी गुर चरण लगतु निसतरै ॥ जिउ अंधकार दीपक परगासु ॥ गुर दरसनु देखि मनि होइ बिगासु ॥ जिउ महा उदिआन महि मारगु पावै ॥ तिउ साधू संगि मिलि जोति प्रगटावै ॥ तिन

www.dekho-ji.com 431 Index विषय सुची संतन की बाछउ धूरि॥ नानक की हरि लोचा पूरि ॥ ३ ॥ मन मूरख काहे बिललाईऐ ॥ पुरब लिखे का लिखिआ पाईऐ॥ दूख सूख प्रभ देवनहारु ॥ अवर तिआगि तू तिसहि चितारु॥ जो कछु करै सोई सुखु मानु ॥ भूला काहे फिरहि अजान ॥ कउन बसतु आई तेरै संग ॥ लपटि रहिओ रिस लोभी पतंग ॥ राम नाम जिप हिरदे माहि ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची नानक पति सेती घरि जाहि॥ ४ ॥ जिसु वखर कउ लैनि तू आइआ॥ राम नामु संतन घरि पाइआ॥ तजि अभिमानु लेहु मन मोलि॥ राम नामु हिरदे महि तोलि॥ लादि खेप संतह संगि चालु ॥ अवर तिआगि बिखिआ जंजाल ॥ धंनि धंनि कहै सभु कोइ॥ मुख ऊजल हरि दरगह सोइ॥ इहु वापारु विरला वापारै ॥ नानक ता कै

सद बलिहारै ॥ ५॥ चरन साध के धोइ धोइ पीउ॥ अरिप साध कउ अपना जीउ॥ साध की धूरि करहु इसनानु॥ साध

धूरि करहु इसनानु ॥ साध ऊपरि जाईऐ कुरबानु ॥ साध सेवा वडभागी पाईऐ ॥

साधसंगि हरि कीरतनु गाईऐ॥ अनिक बिघन ते साधू राखै॥ हरि गुन गाइ अम्रित रसु चाखै॥ ॥ ओट गही संतह दरि आइआ॥

सरब सूख नानक तिह पाइआ॥

434 www.dekho-ji.com Index विषय सुची ६॥ मिरतक कउ जीवालनहार ॥ भूखे कउ देवत अधार ॥ सरब निधान जा की द्रिसटी माहि॥ पुरब लिखे का लहणा पाहि॥ सभु किछु तिस का ओहु करनै जोग् ॥ तिसु बिनु दूसर होआ न होगु ॥ जपि जन सदा सदा दिनु रैणी ॥ सभ ते ऊच निरमल इह करणी ॥ करि किरपा जिस कउ नाम् दीआ॥ नानक सो जनु निरमलु थीआ॥ ७॥ जा कै

www.dekho-ji.com Index विषय सुची मनि गुर की परतीति ॥ तिसु जन आवै हरि प्रभु चीति ॥ भगतु भगतु सुनीऐ तिहु लोइ॥ जा कै हिरदै एको होइ ॥ सचु करणी सचु ता की रहत ॥ सचु हिरदै सति मुखि कहत ॥ साची द्रिसटि साचा आकारु ॥ सचु वरतै साचा पासारु ॥ पारब्रहमु जिनि सचु करि जाता॥ नानक सो जनु सचि समाता ॥ ८॥ १५॥

www.dekho-ji.com 436 Index विषय सूची

सलोकु ॥ — — — •

रूपु न रेख न रंगु किछु त्रिहु गुण ते प्रभ भिंन ॥ तिसहि बुझाए नानका जिसु होवै सुप्रसंन ॥ १ ॥

असटपदी ॥

अबिनासी प्रभु मन महि राखु॥
मानुख की तू प्रीति तिआगु॥

तिस ते परै नाही किछु कोइ॥ सरब निरंतिर एको सोइ॥ आपे बीना आपे दाना॥ गहिर www.dekho-ji.com 437 Index विषय स्वी ग्मभीरु गहीरु सुजाना॥

पारब्रहम परमेसुर गोबिंद ॥ क्रिपा निधान दइआल बखसंद ॥ साध तेरे की चरनी पाउ ॥ नानक कै मनि इहु अनराउ॥ १ ॥ मनसा पूरन सरना जोग ॥ जो करि पाइआ सोई होग्॥

हरन भरन जा का नेत्र फोरु॥ तिस का मंत्रु न जानै होरु ॥ अनद रूप मंगल सद जा कै॥ सरब थोक सुनीअहि घरि ता कै Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 438 Index विषय स्ची ॥ राज महि राजु जोग महि जोगी ॥ तप महि तपीसरु ग्रिहसत महि भोगी॥ धिआइ धिआइ भगतह सुखु पाइआ ॥ नानक तिसु पुरख का किनै अंतु न पाइआ॥ २॥ जा की लीला की मिति नाहि॥ सगल देव हारे अवगाहि ॥ पिता का जनमु कि जानै पूतु ॥ सगल परोई अपुनै सूति ॥ सुमति गिआनु

धिआन् जिन देइ ॥ जन दास

www.dekho-ji.com Index विषय सुची नामु धिआवहि सेइ ॥ तिहु गुण महि जा कउ भरमाए॥ जनिम मरै फिरि आवै जाए ॥ ऊच नीच तिस के असथान ॥ जैसा जनावै तैसा नानक जान ॥ ३॥ नाना रूप नाना जा के रंग॥ नाना भेख करहि इक रंग॥ नाना बिधि कीनो बिसथारु॥ प्रभु अबिनासी एकंकारु॥ नाना चलित करे खिन माहि॥ पूरि रहिओ पूरनु सभ ठाइ ॥ नाना

www.dekho-ji.com 440 Index विषय सुची बिधि करि बनत बनाई॥ अपनी कीमति आपे पाई ॥ सभ घट तिस के सभ तिस के ठाउ॥ जपि जपि जीवै नानक हरि नाउ॥४॥ नाम के धारे संगले जंत ॥ नाम के धारे खंड ब्रहमंड ॥ नाम के धारे सिम्रिति बेद पुरान ॥ नाम के धारे सुनन गिआन धिआन ॥ नाम के धारे आगास पाताल ॥ नाम के धारे सगल आकार ॥ नाम के धारे

www.dekho-ji.com 441 Index विषय स्ची पुरीआ सभ भवन ॥ नाम कै संगि उधरे सुनि स्रवन ॥ करि

किरपा जिसु आपनै नामि लाए ॥ नानक चउथे पद महि सो जनु गति पाए॥ ५॥ रूपु सति

जा का सति असथानु ॥ पुरखु सति केवल परधानु ॥ करतूति सति सति जा की बाणी ॥ सति पुरख सभ माहि समाणी ॥ सति करमु जा की रचना सति ॥ मूलु सति सति उतपति ॥ सति www.dekho-ji.com Index विषय सुची करणी निरमल निरम<u>ली ॥</u> जिसहि बुझाए तिसहि सभ भली॥ सति नाम् प्रभ का सुखदाई ॥ बिस्वास् सति नानक गुर ते पाई॥ ६॥ सति बचन साध्र उपदेस ॥ सति ते जन जा कै रिदै प्रवेस ॥ सति निरति बूझै जे कोइ॥ नाम् जपत ता की गति होइ॥ आपि सति कीआ सभु सति ॥ आपे जानै अपनी मिति गति ॥ जिस की

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी स्रिसटि सु करणैहारु ॥ अवर न बूझि करत बीचारु॥ करते की मिति न जानै कीआ ॥ नानक जो तिसु भावै सो वरतीआ ॥ ७ ॥ बिसमन बिसम भए बिसमाद ॥ जिनि बूझिआ तिसु आइआ स्वाद ॥ प्रभ कै रंगि राचि जन रहे॥ गुर कै बचनि पदारथ लहे ॥ ओइ दाते दुख काटनहार ॥ जा कै संगि तरै संसार ॥ जन का सेवक् सो वडभागी ॥ जन

कै संगि एक लिव लागी॥ गुन

गोबिद कीरतनु जनु गावै ॥ गुर प्रसादि नानक फलु पावै ॥ ८ ॥ १६॥

सलोकु॥
आदि सचु जुगादि सचु॥ है भि

सचु नानक होसी भि सचु ॥ १ ॥

असटपदी॥ चरन सति सति परसनहार॥ पूजा सति सति सेवदार॥ www.dekho-ji.com Index विषय सुची दरसनु सति सति पेखनहार ॥ नामु सति सति धिआवनहार ॥ आपि सति सति सभ धारी॥ आपे गुण आपे गुणकारी ॥ सबदु सति सति प्रभु बकता ॥ सुरति सति सति जसु सुनता॥ बुझनहार कउ सति सभ होइ॥ नानक सति सति प्रभु सोइ॥ ॥ सति सरूपु रिदै जिनि मानिआ॥ करन करावन तिनि मूल् पछानिआ॥ जा कै रिदै

www.dekho-ji.com 446 Index विषय सूची बिस्वासु प्रभ आइआ ॥ ततु गिआनु तिसु मनि प्रगटाइआ ॥ भै ते निरभउ होइ बसाना ॥ जिस ते उपजिआ तिसु माहि समाना ॥ बसतु माहि ले बसतु गडाई ॥ ता कउ भिंन न कहना जाई ॥ बूझै बूझनहारु बिबेक ॥ नाराइन मिले नानक एक॥ २

॥ ठाकुर का सेवकु आगिआकारी ॥ ठाकुर का सेवकु सदा पूजारी ॥ ठाकुर के सेवक कै मनि Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची परतीति ॥ ठाकुर के सेवक की निरमल रीति ॥ ठाकुर कउ सेवकु जानै संगि॥ प्रभ का सेवक् नाम कै रंगि॥ सेवक कउ प्रभ पालनहारा ॥ सेवक की राखै निरंकारा ॥ सो सेवकु जिसु दइआ प्रभु धारै ॥ नानक सो सेवकु सासि सासि समारै॥ ३॥ अपुने जन का परदा ढाकै ॥ अपने सेवक की सरपर राखै ॥ अपने दास कउ देइ वडाई ॥

448 www.dekho-ji.com Index विषय सुची अपने सेवक कउ नाम् जपाई ॥ अपने सेवक की आपि पति राखै ॥ ता की गति मिति कोइ न लाखै ॥ प्रभ के सेवक कउ को न पहुचै॥ प्रभ के सेवक ऊच ते ऊचे॥ जो प्रभि अपनी सेवा लाइआ ॥ नानक सो सेवक् दह दिसि प्रगटाइआ ॥ ४ ॥ नीकी कीरी महि कल राखै॥ भसम करै लसकर कोटि लाखै ॥ जिस का सासु न काढत आपि ॥ ता Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

449 www.dekho-ji.com Index विषय सुची कउ राखत दे करि हाथ ॥ मानस जतन करत बहु भाति ॥ तिस के करतब बिरथे जाति ॥ मारै न राखै अवरु न कोइ॥ सरब जीआ का राखा सोइ॥ काहे सोच करहि रे प्राणी॥ जपि नानक प्रभ अलख विडाणी ॥ ५ ॥ बारं बार बार प्रभु जपीऐ॥ पी अम्रितु इहु मनु तनु ध्रपीऐ॥ नाम रतनु जिनि गुरमुखि पाइआ ॥ तिसु किछु Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची अवरु नाही द्रिसटाइआ ॥ नामु धनु नामो रूपु रंगु ॥ नामो सुखु हरि नाम का संगु॥ नाम रसि जो जन त्रिपताने ॥ मन तन नामहि नामि समाने ॥ ऊठत

बैठत सोवत नाम ॥ कहु नानक जन कै सद काम ॥ ६ ॥ बोलहु जस् जिहबा दिन् राति ॥ प्रभि अपनै जन कीनी दाति ॥ करहि भगति आतम कै चाइ॥ प्रभ अपने सिउ रहिह समाइ॥ जो Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 451 Index विषय स्ची होआ होवत सो जानै ॥ प्रभ अपने का हुकमु पछानै ॥ तिस की महिमा कउन बखानउ॥ तिस का गुनु कहि एक न जानउ ॥ आठ पहर प्रभ बसहि हजूरे ॥

कह नानक सेई जन पूरे ॥ ७ ॥ मन मेरे तिन की ओट लेहि॥ मनु तनु अपना तिन जन देहि॥ जिनि जनि अपना प्रभू पछाता ॥ सो जनु सरब थोक का दाता ॥ तिस की सरनि सरब सुख

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 452 Index विषय सुची पावहि॥ तिस कै दरसि सभ पाप मिटावहि ॥ अवर

सिआनप सगली छाडु ॥ तिसु जन की तू सेवा लागु ॥ आवनु जानु न होवी तेरा ॥ नानक तिसु जन के पूजहु सद पैरा ॥ ८

॥ १७॥ सलोकु॥ सति पुरखु जिनि जानिआ

सतिगुरु तिस का नाउ॥ तिस

www.dekho-ji.com 453 Index विषय सूची कै संगि सिखु उधरै नानक हरि गुन गाउ॥ १॥ असटपदी ॥ सतिगुरु सिख की करै प्रतिपाल ॥ सेवक कउ गुरु सदा दइआल ॥ सिख की गुरु दुरमति मलु हिरै ॥ गुर बचनी हरि नामु उचरै ॥ सतिगुरु सिख के बंधन काटै ॥ गुर का सिखु बिकार ते हाटै ॥ सतिगुरु सिख कउ नाम धनु देइ॥ गुर का सिखु

454 www.dekho-ji.com Index विषय सुची वडभागी हे॥ सतिगुरु सिख का हलतु पलतु सवारै ॥ नानक सतिगुरु सिख कउ जीअ नालि समारे ॥ १ ॥ गुर के ग्रिहि सेवकु जो रहै ॥ गुर की आगिआ मन महि सहै ॥ आपस कउ करि कछु न जनावै ॥ हरि हरि नामु रिदै सद धिआवै ॥ मन् बेचै सतिगुर कै पासि ॥ तिसु सेवक के कारज रासि ॥ सेवा करत होइ निहकामी ॥ तिस कउ होत

www.dekho-ji.com 455 Index विषय स्ची परापति सुआमी ॥ अपनी क्रिपा जिसु आपि करेइ ॥ नानक सो सेवकु गुर की मित लेइ॥ २॥ बीस बिसवे गुर का मनु मानै ॥ सो सेवकु परमेसुर की गति जानै ॥ सो सतिगुरु जिसु रिदै

हरि नाउ ॥ अनिक बार गुर कउ बलि जाउ॥ सरब निधान जीअ का दाता ॥ आठ पहर पारब्रहम रंगि राता॥ ब्रहम महि जनु जन महि पारब्रहमु ॥ एकहि Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **456** Index विषय सूची आपि नही कछु भरमु ॥ सहस सिआनप लइआ न जाईऐ॥ नानक ऐसा गुरु बडभागी पाईऐ॥३॥सफल दरसनु पेखत पुनीत ॥ परसत चरन गति निरमल रीति ॥ भेटत संगि राम गुन रवे ॥ पारब्रहम की दरगह गवे ॥ सुनि करि बचन करन आघाने॥ मनि संतोखु आतम पतीआने ॥ पूरा गुरु अख्यओ जा का मंत्र ॥

www.dekho-ji.com 457 Index विषय सुची अम्रित द्रिसटि पेखै होइ संत ॥ गुण बिअंत कीमति नही पाइ॥ नानक जिसु भावै तिसु लए मिलाइ॥४॥ जिहबा एक उसतति अनेक ॥ सति पुरख पूरन बिबेक ॥ काहू बोल न पहुचत प्रानी ॥ अगम अगोचर प्रभ निरबानी ॥ निराहार निरवैर सुखदाई ॥ ता की कीमति किनै न पाई ॥ अनिक भगत बंदन नित करहि ॥ चरन

www.dekho-ji.com 458 Index विषय सुची कमल हिरदै सिमरहि ॥ सद बलिहारी सतिगुर अपने॥ नानक जिसु प्रसादि ऐसा प्रभु जपने ॥ ५ ॥ इहु हरि रसु पावै जनु कोइ ॥ अम्रितु पीवै अमरु सो होइ ॥ उसु पुरख का नाही कदे बिनास ॥ जा कै मनि प्रगटे गुनतास ॥ आठ पहर हरि का नामु लेइ ॥ सचु उपदेसु सेवक कउ देइ ॥ मोह माइआ कै संगि न लेपु॥ मन महि राखै हरि

459 www.dekho-ji.com Index विषय सुची हरि एकु ॥ अंधकार दीपक परगासे ॥ नानक भरम मोह दुख तह ते नासे ॥ ६ ॥ तपति माहि ठाढि वरताई॥ अनदु भइआ दुख नाठे भाई॥ जनम मरन के मिटे अंदेसे ॥ साधू के पूरन उपदेसे ॥ भउ चूका निरभउ होइ बसे ॥ सगल बिआधि मन ते खै नसे ॥ जिस का सा तिनि किरपा धारी॥ साधसंगि जपि नामु मुरारी॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची थिति पाई चूके भ्रम गवन ॥ सुनि नानक हरि हरि जसु स्रवन ॥ ७ ॥ निरगुनु आपि सरगुनु भी ओही ॥ कला धारि जिनि सगली मोही ॥ अपने चरित प्रभि आपि बनाए ॥ अपनी कीमति आपे पाए ॥ हरि बिन् दुजा नाही कोइ॥ सरब निरंतरि एको सोइ ॥ ओति पोति रविआ रूप रंग ॥ भए प्रगास साध कै संग ॥ रचि

 www.dekho-ji.com
 461
 Index विषय स्वी

 रचना अपनी कल धारी ॥

 अनिक बार नानक बलिहारी ॥

८॥ १८॥ \_\_\_\_ सलोकु॥

साथि न चालै बिनु भजन बिखिआ सगली छारु ॥ हरि हरि नामु कमावना नानक इहु

असटपदी ॥ संत जना मिलि करहु बीचारु ॥ एकु सिमरि नाम आधारु ॥

धनु सारु ॥ १ ॥

www.dekho-ji.com 462 Index विषय सूची अवरि उपाव सभि मीत बिसारहु॥ चरन कमल रिद महि उरि धारहु ॥ करन कारन सो प्रभु समरथु ॥ द्रिड़ करि गहहु नामु हरि वथु ॥ इहु धनु संचहु होवहु भगवंत ॥ संत जना का निरमल मंत ॥ एक आस राखहु मन माहि ॥ सरब रोग नानक मिटि जाहि ॥ १ ॥ जिसु धन कउ चारि कुंट उठि

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

धावहि ॥ सो धनु हरि सेवा ते

www.dekho-ji.com 463 Index विषय सुची पावहि ॥ जिसु सुख कउ नित बाछहि मीत ॥ सो सुखु साधू संगि परीति ॥ जिसु सोभा कउ करहि भली करनी ॥ सा सोभा भज् हरि की सरनी ॥ अनिक उपावी रोगु न जाइ ॥ रोगु मिटै हरि अवखधु लाइ॥ सरब निधान महि हरि नामु निधानु ॥ जपि नानक दरगहि परवानु ॥ २ ॥ मनु परबोधहु हरि कै नाइ॥ दह दिसि धावत आवै

464 www.dekho-ji.com Index विषय सुची ठाइ॥ ता कउ बिघनु न लागै कोइ॥ जा कै रिदै बसै हरि सोइ॥ कलि ताती ठांढा हरि नाउ॥ सिमरि सिमरि सदा

सुख पाउ॥ भउ बिनसै पूरन होइ आस॥ भगति भाइ आतम

परगास ॥ तितु घरि जाइ बसै अबिनासी ॥ कहु नानक काटी जम फासी ॥ ३ ॥ ततु बीचारु कहै जनु साचा॥ जनमि मरै सो काचो काचा ॥ आवा गवन् मिटै www.dekho-ji.com Index विषय सूची प्रभ सेव ॥ आपु तिआगि सरनि गुरदेव ॥ इउ रतन जनम का होइ उधारु ॥ हरि हरि सिमरि प्रान आधार ॥ अनिक उपाव न छूटनहारे ॥ सिम्रिति सासत बेद बीचारे ॥ हरि की भगति करहु मनु लाइ॥ मनि बंछत नानक फल पाइ॥४॥ संगि न चालसि तेरै धना ॥ तूं किआ लपटावहि मूरख मना ॥ सुत मीत कुट्मब अरु बनिता ॥ इन

www.dekho-ji.com 466 Index विषय सुची

त कहहु तुम कवन सनाथा। राज रंग माइआ बिसथार ॥ इन

ते कहहु कवन छुटकार ॥ असु हसती रथ असवारी ॥ झूठा

द्मफु झूठु पासारी ॥ जिनि दीए तिसु बुझै न बिगाना॥ नामु बिसारि नानक पछुताना ॥ ५ ॥ गुर की मति तूं लेहि इआने ॥ भगति बिना बहु डूबे सिआने ॥ हरि की भगति करहु मन मीत ॥ निरमल होइ तुम्हारो चीत ॥

www.dekho-ji.com 467 Index विषय सुची चरन कमल राखहु मन माहि॥ जनम जनम के किलबिख जाहि ॥ आपि जपहु अवरा नामु जपावहु॥ सुनत कहत रहत गति पावहु ॥ सार भूत सति हरि को नाउ॥ सहजि सुभाइ नानक गुन गाउ॥ ६॥ गुन गावत तेरी उतरसि मैलु॥ बिनसि जाइ हउमै बिखु फैलु॥ होहि अचिंतु बसै सुख नालि॥

सासि ग्रासि हरि नामु समालि

www.dekho-ji.com 468 Index विषय स्ची ॥ छाडि सिआनप सगली मना ॥ साधसंगि पावहि सचु धना ॥ हरि पूंजी संचि करहु बिउहार ॥ ईहा सुखु दरगह जैकारु ॥ सरब निरंतरि एको देखु ॥ कहु नानक जा कै मसतकि लेखु॥ ७ ॥ एको जपि एको सालाहि ॥ एकु सिमरि एको मन आहि ॥ एकस के गुन गाउ अनंत ॥ मनि तिने जापि एक भगवंत ॥ एको एकु एकु हरि आपि ॥ पूरन पूरि Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 469 Index विषय सुची रहिओ प्रभु बिआपि ॥ अनिक बिसथार एक ते भए ॥ एक् अराधि पराछत गए॥ मन तन अंतरि एकु प्रभु राता ॥ गुर प्रसादि नानक इकु जाता ॥ ८ ॥ १९॥

सलोकु॥ फिरत फिरत प्रभ आइआ परिआ तउ सरनाइ॥ नानक की प्रभ बेनती अपनी भगती लाइ॥१॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

 www.dekho-ji.com
 470
 Index विषय सूची

 असटपदी ॥

जाचक जनु जाचै प्रभ दानु॥

करि किरपा देवहु हरि नामु॥ साध जना की मागउ धूरि॥ पारब्रहम मेरी सरधा पूरि॥

सदा सदा प्रभ के गुन गावउ॥ सासि सासि प्रभ तुमहि धिआवउ॥ चरन कमल सिउ

लागै प्रीति ॥ भगति करउ प्रभ की नित नीति ॥ एक ओट एको आधारु ॥ नानकु मागै नामु प्रभ www.dekho-ji.com **471** Index विषय सुची सारु॥ १॥ प्रभ की द्रिसटि महा सुखु होइ ॥ हरि रसु पावै बिरला कोइ॥ जिन चाखिआ से जन त्रिपताने ॥ पूरन पुरख नही डोलाने ॥ सुभर भरे प्रेम रस रंगि ॥ उपजै चाउ साध कै संगि ॥ परे सरनि आन सभ तिआगि ॥ अंतरि प्रगास अनदिन् लिव लागि॥ बडभागी जपिआ प्रभु सोइ॥ नानक नामि रते सुखु होइ॥२॥ सेवक की मनसा

www.dekho-ji.com 472 Index विषय सुची पूरी भई ॥ सतिगुर ते निरमल मति लई॥ जन कउ प्रभ् होइओ दइआलु॥ सेवकु कीनो सदा निहालु ॥ बंधन काटि मुकति जन् भइआ॥ जनम मरन दूखु भ्रम् गइआ॥ इछ पुनी सरधा सभ पूरी ॥ रवि रहिआ सद संगि हजूरी ॥ जिस का सा तिनि लीआ मिलाइ॥ नानक भगती नामि समाइ॥ ३॥ सो किउ बिसरै जि घाल न भानै ॥

www.dekho-ji.com 473 Index विषय सुची सो किउ बिसरै जि कीआ जानै ॥ सो किउ बिसरै जिनि सभ् किछु दीआ॥ सो किउ बिसरै जि जीवन जीआ ॥ सो किउ बिसरै जि अगनि महि राखै ॥ गुर प्रसादि को बिरला लाखै॥ सो किउ बिसरै जि बिखु ते काढै ॥ जनम जनम का टूटा गाढै ॥

गुरि पूरै ततु इहै बुझाइआ॥ प्रभु अपना नानक जन धिआइआ॥४॥ साजन संत www.dekho-ji.com 474 Index विषय सूची करहु इहु कामु ॥ आन तिआगि जपहु हरि नामु ॥ सिमरि सिमरि सिमरि सुख पावहु ॥ आपि जपहु अवरह नामु जपावहु ॥ भगति भाइ तरीऐ संसारु ॥ बिनु भगती तनु होसी छारु॥ सरब कलिआण सूख निधि नामु॥ बूडत जात पाए बिस्रामु ॥ सगल दूख का होवत नासु ॥ नानक नामु जपहु

गुनतासु॥ ५॥ उपजी प्रीति

www.dekho-ji.com 475 Index विषय सूची प्रेम रसु चाउ॥ मन तन अंतरि इही सुआउ॥ नेत्रह पेखि दरसु सुखु होइ॥ मनु बिगसै साध चरन धोइ॥ भगत जना कै मनि तनि रंगु ॥ बिरला कोऊ पावै संगु॥ एक बसतु दीजै करि मइआ ॥ गुर प्रसादि नामु जपि लइआ॥ ता की उपमा कही न जाइ ॥ नानक रहिआ सरब समाइ॥६॥ प्रभ बखसंद दीन दइआल ॥ भगति वछल सदा

www.dekho-ji.com 476 Index विषय सूची किरपाल ॥ अनाथ नाथ गोबिंद गुपाल ॥ सरब घटा करत प्रतिपाल ॥ आदि पुरख कारण करतार ॥ भगत जना के प्रान अधार॥ जो जो जपै सु होइ पुनीत ॥ भगति भाइ लावै मन हीत ॥ हम निरगुनीआर नीच अजान ॥ नानक तुमरी सरनि पुरख भगवान ॥ ७ ॥ सरब बैकुंठ मुकति मोख पाए ॥ एक निमख हरि के गुन गाए॥

477 www.dekho-ji.com Index विषय सुची अनिक राज भोग बडिआई॥ हरि के नाम की कथा मिन भाई ॥ बहु भोजन कापर संगीत ॥ रसना जपती हरि हरि नीत॥ भली सु करनी सोभा धनवंत ॥ हिरदै बसे पूरन गुर मंत ॥ साधसंगि प्रभ देह निवास ॥ सरब सूख नानक परगास ॥ ८ 11 20 11

सलोकु॥

www.dekho-ji.com 478 Index विषय सुची सरगुन निरगुन निरंकार सुंन समाधी आपि ॥ आपन कीआ नानका आपे ही फिरि जापि॥

असटपदी ॥

जब अकारु इहु कछु न द्रिसटेता ॥ पाप पुंन तब कह ते होता ॥

जब धारी आपन सुंन समाधि॥ तब बैर बिरोध किसु संगि

कमाति॥ जब इस का बरनु चिहनु न जापत ॥ तब हरख www.dekho-ji.com Index विषय सुची 479 सोग कहु किसहि बिआपत ॥ जब आपन आप आपि पारब्रहम ॥ तब मोह कहा किसु होवत भरम ॥ आपन खेलु आपि वरतीजा ॥ नानक करनैहारु न दूजा॥ १॥ जब होवत प्रभ केवल धनी ॥ तब बंध मुकति कहु किस कउ गनी ॥ जब एकहि हरि अगम अपार ॥ तब नरक सुरग कहु कउन अउतार ॥ जब निरगुन प्रभ सहज

www.dekho-ji.com 480 Index विषय स्वी सुभाइ ॥ तब सिव सकति कहह कितु ठाइ॥ जब आपहि आपि अपनी जोति धरै ॥ तब कवन निडरु कवन कत डरै ॥ आपन चलित आपि करनैहार ॥ नानक ठाकुर अगम अपार ॥ २ ॥

अबिनासी सुख आपन आसन ॥ तह जनम मरन कहु कहा बिनासन ॥ जब पूरन करता प्रभु सोइ॥ तब जम की त्रास कहहु किसु होइ॥ जब अबिगत Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 481 Index विषय स्ची अगोचर प्रभ एका ॥ तब चित्र गुपत किसु पूछत लेखा॥ जब नाथ निरंजन अगोचर अगाधे ॥ तब कउन छुटे कउन बंधन बार्ध ॥ आपन आप आप ही अचरजा ॥ नानक आपन रूप आप ही उपरजा॥३॥जह निरमल पुरखु पुरख पति होता ॥ तह बिनु मैलु कहहु किआ धोता ॥ जह निरंजन निरंकार निरबान ॥ तह कउन कउ मान कउन

अभिमान ॥ जह सरूप केवल जगदीस ॥ तह छल छिद्र लगत कहु कीस ॥ जह जोति सरूपी

कहु कीस ॥ जह जोति सरूपी जोति संगि समावै ॥ तह किसहि भूख कवनु त्रिपतावै ॥ करन करावन करनैहारु ॥

नानक करते का नाहि सुमारु॥ ४॥ जब अपनी सोभा आपन संगि बनाई॥ तब कवन माइ बाप मित्र सुत भाई॥ जह सरब कला आपहि परबीन॥ तह बेद www.dekho-ji.com Index विषय सुची कतेब कहा कोऊ चीन ॥ जब आपन आपु आपि उरि धारै॥ तउ सगन अपसगन कहा बीचारै॥ जह आपन ऊच आपन आपि नेरा ॥ तह कउन ठाकुरु कउनु कहीऐ चेरा॥ बिसमन बिसम रहे बिसमाद ॥ नानक अपनी गति जानहु आपि ॥ ५ ॥ जह अछल अछेद अभेद समाइआ॥ ऊहा किसहि बिआपत माइआ ॥ आपस कउ

आपहि आदेसु॥ तिहु गुण का नाही परवेसु॥ जह एकहि एक एक भगवंता॥ तह कउनु अचिंतु किसु लागै चिंता॥ जह आपत आप आपि पतीआरा॥

आपन आपु आपि पतीआरा॥ तह कउनु कथै कउनु सुननैहारा॥ बहु बेअंत ऊच ते ऊचा॥ नानक आपस कउ आपहि पहूचा॥ ६॥ जह आपि रचिओ

परपंचु अकारु ॥ तिहु गुण महि

कीनो बिसथारु ॥ पापु पुनु तह

www.dekho-ji.com 485 Index विषय सुची भई कहावत ॥ कोऊ नरक कोऊ सुरग बंछावत ॥ आल जाल माइआ जंजाल ॥ हउमै मोह भरम भै भार ॥ दूख सूख मान अपमान ॥ अनिक प्रकार कीओ बख्यान॥ आपन खेल् आपि करि देखै ॥ खेलु संकोचै तउ नानक एकै ॥ ७ ॥ जह अबिगतु भगतु तह आपि ॥ जह पसरै पासारु संत परतापि ॥ दुहू पाख का आपहि धनी ॥ उन की

सोभा उनह बनी ॥ आपहि कउतक करै अनद चोज ॥ आपहि रस भोगन निरजोग ॥ जिसु भावै तिसु आपन नाइ लावै ॥ जिसु भावै तिसु खेल

लावै॥ जिस् भावै तिसु खेल खिलावै ॥ बेसुमार अथाह अगनत अतोलै ॥ जिउ बुलावह तिउ नानक दास बोलै ॥ ८ ॥ २१॥

सलोकु॥

www.dekho-ji.com 487 Index विषय सूची जी उन्हें के काकरा आपे

जीअ जंत के ठाकुरा आपे वरतणहार ॥ नानक एको पसरिआ दूजा कह द्रिसटार ॥

असंटपदी ॥ आपि कथै आपि सुननैहारु ॥

आपहि एकु आपि बिसथारु॥

जा तिसु भावै ता स्निसटि उपाए ॥ आपनै भाणै लए समाए॥ तुम ते भिंन नही किछु होइ॥ आपन सूति सभु जगतु परोइ॥ www.dekho-ji.com 488 Index विषय सुची जा कउ प्रभ जीउ आपि बुझाए ॥ सचु नामु सोई जन् पाए॥ सो समदरसी तत का बेता॥ नानक सगल स्निसटि का जेता ॥ १॥ जीअ जंत्र सभ ता कै हाथ ॥ दीन दइआल अनाथ को नाथु ॥ जिसु राखै तिसु कोइ न मारै॥ सो मूआ जिसु मनह बिसारै ॥ तिसु तजि अवर कहा

को जाइ॥ सभ सिरि एकु

निरंजन राइ॥ जीअ की ज्गति

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी जा कै सभ हाथि ॥ अंतरि बाहरि जानहु साथि ॥ गुन निधान बेअंत अपार ॥ नानक दास सदा बलिहार ॥ २ ॥ पूरन पूरि रहे दइआल॥ सभ ऊपरि होवत किरपाल ॥ अपने करतब जानै आपि ॥ अंतरजामी रहिओ बिआपि॥ प्रतिपालै जीअन बहु भाति ॥ जो जो रचिओ सु तिसहि धिआति ॥ जिस् भावै तिसुलए मिलाइ॥ भगति

www.dekho-ji.com <u>490</u> Index विषय सूची करहि हरि के गुण गाइ॥ मन अंतरि बिस्वासु करि मानिआ॥ करनहारु नानक इकु जानिआ ॥ ३ ॥ जनु लागा हरि एकै नाइ ॥ तिस की आस न बिरथी जाइ॥ सेवक कउ सेवा बनि आई॥ हुकम् बूझि परम पद् पाई ॥ इस ते ऊपरि नही बीचार ॥ जा कै मनि बसिआ निरंकारु ॥ बंधन तोरि भए निरवैर ॥ अनदिनु पूजिहे गुर के पैर ॥ इह लोक

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सुखीए परलोक सुहेले ॥ नानक हरि प्रभि आपहि मेले ॥ ४ ॥ साधसंगि मिलि करहु अनंद ॥ गुन गावहु प्रभ परमानंद ॥ राम नाम ततु करहु बीचारु ॥ द्रुलभ देह का करहु उधारु ॥ अम्रित बचन हरि के गुन गाउ॥ प्रान तरन का इहै सुआउ॥ आठ पहर प्रभ पेखहु नेरा ॥ मिटै अगिआनु बिनसै अंधेरा ॥ सुनि उपदेसु हिरदै बसावहु ॥ मन

www.dekho-ji.com 492 Index विषय स्ची इछे नानक फल पावहु ॥ ५ ॥ हलतु पलतु दुइ लेहु सवारि ॥ राम नामु अंतरि उरि धारि॥ पूरे गुर की पूरी दीखिआ॥ जिसु मनि बसै तिसु साचु परीखिआ ॥ मनि तनि नामु जपहु लिव लाइ ॥ दूखु दरदु मन ते भउ जाइ॥ सचु वापारु करहु वापारी ॥ दरगह निबहै

करहु वापारी ॥ दरगह निबहै खेप तुमारी ॥ एका टेक रखहु मन माहि ॥ नानक बहुरि न आवहि जाहि॥६॥तिस ते दूरि कहा को जाइ॥ उबरै राखनहारु धिआइ॥ निरभउ जपै सगल भउ मिटै॥ प्रभ

किरपा ते प्राणी छुटै ॥ जिसु प्रभु राखै तिसु नाही दूख ॥ नामु जपत मनि होवत सूख ॥ चिंता जाइ मिटै अहंकारु ॥ तिसु जन कउ कोइ न पहुचनहारु ॥ सिर ऊपरि ठाढा

गुरु सूरा ॥ नानक ता के कारज

www.dekho-ji.com 494 Index विषय सुची पूरा ॥ ७ ॥ मति पूरी अम्रितु जा की द्रिसटि॥ दरसनु पेखत उधरत स्निसटि ॥ चरन कमल जा के अनूप ॥ सफल दरसनु सुंदर हरि रूप ॥ धंनु सेवा सेवकु परवानु ॥ अंतरजामी पुरखु प्रधानु ॥ जिसु मनि बसै सु होत निहालु ॥ ता कै निकटि न आवत कालु ॥ अमर भए अमरा पदु पाइआ ॥ साधसंगि

प्राप्त ने संत भेटिया नानक हिरा स्वास्त क्ष्य स्वीस्त क्ष्य स्वीस्त क्ष्य स्वीस्त स्वीस स्वीस

किरपा ते संत भेटिआ नानक मनि परगासु ॥ १ ॥ असटपदी ॥ संतसंगि अंतरि प्रभ् डीठा ॥ नामु प्रभू का लागा मीठा ॥

सगल समिग्री एकसु घट माहि

Index विषय सुची www.dekho-ji.com 496 ॥ अनिक रंग नाना द्रिसटाहि ॥ नउ निधि अम्रितु प्रभ का नामु ॥ देही महि इस का बिस्नाम् ॥ स्न समाधि अनहत तह नाद॥ कहन् न जाई अचरज बिसमाद ॥ तिनि देखिआ जिस् आपि दिखाए॥ नानक तिसु जन सोझी पाए॥ १॥ सो अंतरि सो बाहरि अनंत ॥ घटि घटि बिआपि रहिआ भगवंत ॥ धरनि माहि आकास पइआल ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सरब लोक पूरन प्रतिपाल ॥ बनि तिनि परबति है पारब्रहमु ॥ जैसी आगिआ तैसा करम् ॥ पउण पाणी बैसंतर माहि॥ चारि कुंट दह दिसे समाहि॥ तिस ते भिंन नहीं को ठाउ॥ गुर प्रसादि नानक सुखु पाउ॥ २॥ बेद पुरान सिम्रिति महि देखु ॥ ससीअर सूर नख्यत्र महि एक् ॥ बाणी प्रभ की सभु को बोलै ॥ आपि अडोल् न कबहू

www.dekho-ji.com 498 Index विषय सुची डोलै ॥ सरब कला करि खेलै खेल॥ मोलि न पाईऐ गुणह अमोल ॥ सरब जोति महि जा की जोति ॥ धारि रहिओ सुआमी ओति पोति ॥ गुर परसादि भरम का नासु॥ नानक तिन महि एहु बिसासु॥ ३॥ संत जना का पेखन् सभ्

ब्रहम ॥ संत जना कै हिरदै सभि धरम ॥ संत जना सुनहि सुभ बचन ॥ सरब बिआपी राम Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 499 Index विषय सुची संगि रचन ॥ जिनि जाता तिस की इह रहत ॥ सति बचन साधू सभि कहत ॥ जो जो होइ सोई सुखु मानै ॥ करन करावनहारु प्रभ् जानै ॥ अंतरि बसे बाहरि भी ओही ॥ नानक दरसन् देखि सभ मोही ॥ ४ ॥ आपि सति कीआ सभ् सति॥ तिस् प्रभ ते सगली उतपति ॥ तिसु भावै ता करे बिसथारु ॥ तिसु भावै ता एकंकारु॥ अनिक कला लखी

**500** www.dekho-ji.com Index विषय सुची नह जाइ॥ जिसु भावै तिसु लए मिलाइ॥ कवन निकटि कवन कहीऐ दूरि॥ आपे आपि आप भरपूरि ॥ अंतरगति जिसु आपि जनाए ॥ नानक तिसु जन आपि बुझाए॥ ५॥ सरब भूत आपि वरतारा॥ सरब नैन आपि पेखनहारा॥ सगल समग्री जा का तना ॥ आपन जसु आप ही सुना ॥ आवन जानु इकु खेलु

बनाइआ॥ आगिआकारी कीनी

**501** www.dekho-ji.com Index विषय सुची माइआ॥ सभ के मधि अलिपतो रहै ॥ जो किछु कहणा सु आपे कहै ॥ आगिआ आवै आगिआ जाइ ॥ नानक जा भावै ता लए समाइ॥६॥ इस ते होइ सु नाही बुरा ॥ ओरै कहह किनै कछु करा ॥ आपि भला करतूति अति नीकी ॥ आपे जानै अपने जी की ॥ आपि साचु धारी सभ साचु ॥ ओति पोति आपन संगि राच् ॥ ता की www.dekho-ji.com **502** Index विषय सुची गति मिति कही न जाइ ॥ दूसर होइ त सोझी पाइ॥ तिस का कीआ सभु परवानु ॥ गुर प्रसादि नानक इहु जानु ॥ ७ ॥ जो जानै तिसु सदा सुखु होई॥ आपि मिलाइ लए प्रभु सोइ॥ ओहु धनवंतु कुलवंतु पतिवंतु ॥ जीवन मुकति जिसु रिदै भगवंतु ॥ धंनु धंनु धंनु जनु आइआ॥ जिसु प्रसादि सभु जगतु तराइआ ॥ जन आवन का इहै

www.dekho-ji.com 503 Index विषय सुची सुआउ॥ जन कै संगि चिति आवै नाउ॥ आपि मुकतु मुकतु करै संसारु॥ नानक तिसु जन

कउ सदा नमसकारु ॥ ८ ॥ २३

सलोकु॥

पूरा प्रभु आराधिआ पूरा जा का नाउ ॥ नानक पूरा पाइआ पूरे के गुन गाउ॥ १॥ असटपदी ॥

504 www.dekho-ji.com Index विषय सुची पूरे गुर का सुनि उपदेसु॥ पारब्रहमु निकटि करि पेखु॥ सासि सासि सिमरहु गोबिंद ॥ मन अंतर की उतरै चिंद ॥ आस अनित तिआगहु तरंग ॥ संत जना की धूरि मन मंग ॥ आपु छोडि बेनती करहु ॥ साधसंगि अगनि सागरु तरहु ॥ हरि धन के भरि लेहु भंडार ॥ नानक गुर पूरे नमसकार ॥ १ ॥ खेम कुसल सहज आनंद ॥ साधसंगि

**505** www.dekho-ji.com Index विषय स्ची भजु परमानंद ॥ नरक निवारि उधारहु जीउ ॥ गुन गोबिंद अम्रित रसु पीउ ॥ चिति चितवहु नाराइण एक ॥ एक रूप जा के रंग अनेक ॥ गोपाल दामोदर दीन दइआल ॥ दुख भंजन पूरन किरपाल ॥ सिमरि सिमरि नामु बारं बार ॥ नानक जीअ का इहै अधार ॥ २ ॥ उतम सलोक साध के बचन॥ अमुलीक लाल एहि रतन ॥

www.dekho-ji.com 506 Index विषय स्ची सुनत कमावत होत उधार॥

आपि तरै लोकह निसतार ॥

सफल जीवनु सफलु ता का संगु ॥ जा कै मनि लागा हरि रंगु ॥ जै जै सबदु अनाहदु वाजै ॥

सुनि सुनि अनद करे प्रभु गाजै

॥ प्रगटे गुपाल महांत कै माथे ॥
नानक उधरे तिन कै साथे ॥ ३
॥ सरिन जोगु सुनि सरिन आए
॥ करि किरपा प्रभ आप मिलाए
॥ मिटि गए बैर भए सभ रेन ॥

अम्रित नामु साधसंगि लैन॥
सप्रसंन भए गुरदेव॥ पूरन होई
सेवक की सेव॥ आल जंजाल
बिकार ते रहते॥ राम नाम
सुनि रसना कहते॥ किर प्रसाद

दइआ प्रिभे धारी॥ नानक निबही खेप हमारी॥ ४॥ प्रभ की उसतित करहु संत मीत॥ सावधान एकागर चीत॥ सुखमनी सहज गोबिंद गुन नाम॥ जिसु मनि बसै सु होत www.dekho-ji.com **508** Index विषय सूची निधान ॥ सरब इछा ता की पूरन होइ ॥ प्रधान पुरखु प्रगटु सभ लोइ॥ सभ ते ऊच पाए असथानु ॥ बहुरि न होवै आवन जान् ॥ हरि धन् खाटि चलै जन् सोइ ॥ नानक जिसहि परापति होइ॥५॥ खेम सांति रिधि नव निधि ॥ बुधि गिआनु सरब तह सिधि ॥ बिदिआ तपु जोगु प्रभ धिआनु ॥ गिआनु स्रेसट

ऊतम इसनानु ॥ चारि पदारथ

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

कमल प्रगास ॥ सभ कै मधि सगल ते उदास ॥ सुंदरु चतुरु तत का बेता ॥ समदरसी एक

द्रिसटेता ॥ इह फल तिसु जन कै मुखि भने ॥ गुर नानक नाम बचन मनि सुने ॥ ६ ॥ इह निधानु जपै मनि कोइ॥ सभ जुग महि ता की गति होइ॥ गुण गोबिंद नाम धुनि बाणी॥ सिम्रिति सासत्र बेद बखाणी ॥ सगल मतांत केवल हरि नाम ॥

**510** www.dekho-ji.com Index विषय सुची गोबिंद भगत कै मनि बिस्राम ॥ कोटि अप्राध साधसंगि मिटै॥ संत क्रिपा ते जम ते छुटै॥ जा कै मसतकि करम प्रभि पाए॥ साध सरणि नानक ते आए॥ ७ ॥ जिस् मनि बसै सुनै लाइ प्रीति ॥ तिसु जन आवै हरि प्रभु चीति ॥ जनम मरन ता का दूख् निवारै ॥ दुलभ देह ततकाल उधारै ॥ निरमल सोभा अम्रित ता की बानी ॥ एकु नामु मन

माहि समानी ॥ दूख रोग बिनसे भै भरम ॥ साध नाम निरमल ता के करम ॥ सभ ते ऊच ता की सोभा बनी ॥ नानक इह गुणि नामु सुखमनी ॥ ८॥ २४

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## सुखमनी साहिब (सलोक्)

गउड़ी सुखमनी मः ५॥ सलाकु॥

彼 सतिगुर प्रसादि॥

आदि गुरए नमह ॥ जुगादि

गुरए नमह ॥ सतिगुरए नमह ॥ स्री गुरदेवए नमह ॥ १ ॥

सलाकु ॥

दीन दरद दुख भंजना घटि घटि नाथ अनाथ ॥ सरणि तुम्हारी

 www.dekho-ji.com
 513
 Index विषय स्वी

 आइओ नानक के प्रभ साथ ॥ १

 ॥

 सलोकु ॥

बहु सासत्र बहु सिम्रिती पेखे सरब ढढोलि॥ पूजिस नाही हरि हरे नानक नाम अमोल॥

सलोकु ॥ निरगुनीआर इआनिआ सो प्रभु सदा समालि ॥ जिनि कीआ www.dekho-ji.com 514 Index विषय सूची

तिसु चीति रखु नानक निबही नालि ॥ १॥

सलोकु॥

देनहारु प्रभ छोडि कै लागहि आन सुआइ॥ नानक कहू न

सीझई बिनु नावै पति जाइ॥ १

सलोकु ॥

काम क्रोध अरु लोभ मोह बिनसि जाइ अहमेव॥ नानक www.dekho-ji.com 515 Index विषय स्ची प्रभ सरणागती करि प्रसादु

गुरदेव ॥ १ ॥ सलोकु ॥

अगम अगाधि पारब्रहमु सोइ॥ जो जो कहै सु मुकता होइ॥

सुनि मीता नानकु बिनवंता॥ साध जना की अचरज कथा॥ १॥

सलोकु ॥

मिन साचा मुखि साचा सोइ॥ अवरु न पेखै एकसु बिनु कोइ॥ www.dekho-ji.com 516 Index विषय स्वी नानक इह लछण ब्रहम गिआनी होइ॥१॥ सलोकु॥ उरि धारै जो अंतरि नाम्॥ सरब मै पेखै भगवानु ॥ निमख

निमख ठाकुर नमसकारै ॥ नानक ओहु अपरसु सगल निसतारै ॥ १ ॥ सलोकु॥ उसतति करहि अनेक जन अंतु न पारावार ॥ नानक रचना

 www.dekho-ji.com
 517
 Index विषय स्वी

 प्रिभ रची बहु बिधि अनिक
 प्रकार ॥ १ ॥

सलोकु॥ करण कारण प्रभु एकु है दूसर नाही कोइ॥ नानक तिसु बलिहारणै जलि थलि महीअलि सोइ॥१॥ सलोकु॥ स्खी बसै मसकीनीआ आपु

निवारि तले ॥ बडे बडे

<u>www.dekho-ji.com</u> 518 <u>Index विषय स्ची</u>

अहंकारीआ नानक गरिब गले॥

१॥

सलोकु ॥ संत सरनि जो जनु परै सो जनु

उधरनहार ॥ संत की निंदा नानका बहुरि बहुरि अवतार ॥

> ्र ॥ — <u>२</u> ॥

सलोकु॥

तजहु सिआनप सुरि जनहु सिमरहु हरि हरि राइ॥ एक www.dekho-ji.com 519 Index विषय सूची

आस हरि मनि रखहु नानक दूखु भरमु भउ जाइ॥१॥

भरमु भउ जाइ ॥ १ ॥ सलोकु ॥

सरब कला भरपूर प्रभ बिरथा जाननहार ॥ जा कै सिमरनि उधरीऐ नानक तिसु बलिहार ॥

१॥ सलोकु॥

रूपु न रेख न रंगु किछु त्रिहु गुण ते प्रभ भिंन ॥ तिसहि www.dekho-ji.com 520 Index विषय स्वी बुझाए नानका जिसु होवै सुप्रसंन ॥ १॥

सुत्रसम्॥ १॥ सलोकु॥

आदि सचु जुगादि सचु ॥ है भि सचु नानक होसी भि सचु ॥ १ ॥

॥
सलोकु॥

सित पुरखु जिनि जानिआ सितगुरु तिस का नाउ॥ तिस कै संगि सिखु उधरै नानक हरि गुन गाउ॥ १॥

**521** www.dekho-ji.com Index विषय सुची सलोकु॥ साथि न चालै बिन् भजन बिखिआ सगली छारु॥ हरि हरि नाम् कमावना नानक इहु धनु सारु ॥ १ ॥ सलोकु॥ फिरत फिरत प्रभ आइआ परिआ तउ सरनाइ॥ नानक की प्रभ बेनती अपनी भगती लाइ॥१॥ सलोकु॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 522 Index विषय स्वी सरगुन निरगुन निरंकार सुंन समाधी आपि ॥ आपन कीआ नानका आपे ही फिरि जापि ॥

१॥

सलोकु ॥ जीअ जंत के ठाकुरा आपे

वरतणहार ॥ नानक एको पसरिआ दूजा कह द्रिसटार ॥

सलोकु ॥

गिआन अंजनु गुरि दीआ अगिआन अंधेर बिनासु॥ हरि किरपा ते संत भेटिआ नानक मनि प्रगास॥ १॥

मनि परगासु ॥ १ ॥ सलोकु ॥

पूरा प्रभु आराधिआ पूरा जा का नाउ ॥ नानक पूरा पाइआ पूरे के गुन गाउ ॥ १ ॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## आसा दी वार + छंत

👸 सतिगुर प्रसादि ॥ आसा महला ४ छंत घर ४॥

हरि अम्रित भिंने लोइणा मन् प्रेमि रतंना राम राजे ॥ मनु रामि कसवटी लाइआ कंचन्

सोविंना ॥ गुरमुखि रंगि चलूलिआ मेरा मनु तनो भिंना ॥ जनु नानकु मुसकि झकोलिआ

सभु जनमु धनु धना ॥ १ ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सूची सतिनामु करता पुरखु निरभउ निरवैरु अकाल मूरति अजूनी सैभं गुरप्रसादि ॥ आसा महला १ ॥ वार सलोका नालि सलोक भी महले पहिले के लिखे टुंडे अस राजै की धुनी ॥ सलोकु मः १ ॥ बलिहारी गुर आपणे दिउहाड़ी सद वार ॥ जिनि माणस ते देवते कीए करत न लागी वार ॥ १ ॥

महला २॥ जे सउ चंदा

www.dekho-ji.com **526** Index विषय सुची उगवहि सूरज चड़हि हजार ॥ एते चानण होदिआं गुर बिनु घोर अंधार ॥ २ ॥ मः १ ॥ नानक गुरू न चेतनी मनि आपणै सुचेत ॥ छुटे तिल बुआड़ जिउ सुंञे अंदरि खेत ॥ खेतै अंदरि छुटिआ कहु नानक सउ नाह ॥ फलीअहि फुलीअहि बपुड़े भी तन विचि सुआह॥ ३ ॥ पउड़ी ॥ आपीन्है आपु साजिओ आपीन्है रचिओ नाउ

ण पुर्वी कुदरित साजीए करि आसणु डिठो चाउ॥ दाता करता आपि तूं तुसि देवहि करहि पसाउ॥ तूं जाणोई

सभसै दे लैसहि जिंदु कवाउ॥ करि आसण् डिठो चाउ ॥ १ ॥ हरि प्रेम बानी मन् मार्या अणियाले अणिया राम राजे॥ जिस् लागी पीर पिरंम की सो जानै जरिया ॥ जीवन मुकति

सो आखीऐ मरि जीवै मरिया॥

www.dekho-ji.com **528** Index विषय सूची जन नानक सतिगुरु मेलि हरि जगु दुतरु तरिया ॥ २ ॥ सलोकु मः १॥ सचे तेरे खंड सचे ब्रहमंड ॥ सचे तेरे लोअ सचे आकार ॥ सचे तेरे करणे सरब बीचार ॥ सचा तेरा अमरु सचा दीबाणु ॥ सचा तेरा हुकमु सचा फुरमाणु ॥ सचा तेरा करम् सचा नीसाण् ॥ सचे तुधु आखहि लख करोड़ि ॥ सचै सभि ताणि सचै सभि जोरि॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सची तेरी सिफति सची सालाह ॥ सची तेरी कुदरति सचे पातिसाह ॥ नानक सचु धिआइनि सच् ॥ जो मरि जमे सु कचु निकचु ॥ १ ॥ मः १ ॥ वडी वडिआई जा वडा नाउ॥ वडी वडिआई जा सचु निआउ ॥ वडी वडिआई जा निहचल थाउ॥ वडी वडिआई जाणै आलाउ॥ वडी वडिआई बुझै सभि भाउ॥ वडी वडिआई जा

www.dekho-ji.com **530** Index विषय स्ची पुछि न दाति ॥ वडी वडिआई जा आपे आपि ॥ नानक कार न कथनी जाइ ॥ कीता करणा सरब रजाइ॥ २॥ महला २॥ इहु जगु सचै की है कोठड़ी सचे का विचि वासु॥ इकन्हा हुकमि समाइ लए इकन्हा हुकमे करे विणासु॥ इकन्हा भाणै कढि लए इकन्हा माइआ विचि निवासु ॥ एव भि आखि न जापई जि किसै आणे रासि ॥

www.dekho-ji.com 531 Index विषय सुची नानक गुरमुखि जाणीऐ जा कउ आपि करे परगासु ॥ ३ ॥ पउड़ी ॥ नानक जीअ उपाइ कै लिखि नावै धरम् बहालिआ ॥ ओथै सचे ही सचि निबड़ै चुणि विख कढे जजमालिआ ॥ थाउ न पाइनि कूड़िआर मुह काल्है दोजिक चालिआ ॥ तेरै नाइ रते से जिणि गए हारि गए सि ठगण वालिआ ॥ लिखि नावै धरम् बहालिआ॥ २॥

www.dekho-ji.com 532 Index विषय सूची हम मूरख मुगध सरणागती मिलु गोविन्द रंगा राम राजे ॥ गुरि पूरै हरि पायआ हरि भगति इक मंगा ॥ मेरा मनु तनु

सबदि विगास्या जपि अनत तरंगा॥ मिलि संत जना हरि पायआ नानक सतसंगा ॥ ३ ॥ सलोक मः १॥ विसमादु नाद विसमादु वेद ॥ विसमादु जीअ विसमादु भेद ॥ विसमादु रूप विसमादु रंग ॥ विसमादु नागे

www.dekho-ji.com 533 Index विषय स्ची फिरहि जंत ॥ विसमाद पउणु विसमाद पाणी ॥ विसमाद

विसमादु पाणी ॥ विसमादु अगनी खेडहि विडाणी ॥

विसमादु धरती विसमादु खाणी ॥ विसमादु सादि लगहि पराणी ॥ विसमादु संजोगु विसमादु

विजोगु॥ विसमादु भुख विसमादु भोगु॥ विसमादु सिफति विसमादु सालाह॥ विसमादु उझड़ विसमादु राह॥ विसमादु नेड़ै विसमादु दूरि॥ www.dekho-ji.com 534 Index विषय सुची विसमादु देखै हाजरा हजूरि ॥ वेखि विडाणु रहिआ विसमादु ॥ नानक बुझणु पूरै भागि ॥ ॥ मः १ ॥ कुदरति दिसै कुदरति सुणीऐ कुदरति भउ सुख सारु॥ कुदरति पाताली आकासी कुदरति सरब आकारु ॥ कुदरति वेद पुराण कर्तबा कुदरति सरब वीचारु ॥ कुदरति खाणा पीणा पैन्हणु कुदरति सरब पिआरु॥ कुदरति जाती जिनसी रंगी

www.dekho-ji.com 535 Index विषय सुची कुदरति जीअ जहान ॥ कुदरति नेकीआ कुदरति बदीआ कुदरति मानु अभिमानु ॥ कुदरति पउणु पाणी बैसंतरु कुदरति धरती खाकु ॥ सभ तेरी कुदरति तूं कादिर करता पाकी नाई पाकु ॥ नानक हुकमै अंदरि वेखै वरतै ताको ताकु ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ आपीन्है भोग भोगि कै होइ भसमड़ि भउरु सिधाइआ॥ वडा होआ दुनीदारु गलि संगलु

www.dekho-ji.com 536 Index विषय स्ची घति चलाइआ॥ अगै करणी

कीरति वाचीऐ बहि लेखा करि समझाइआ॥ थाउ न होवी पउदीई हुणि सुणीऐ किआ रूआइआ॥ मनि अंधै जनम् गवाइआ॥ ३॥ दीन दयाल सुनि बेनती हरि प्रभ हरि रायआ राम राजे॥ हउ मागउ सरनि हरि नाम की

हरि हरि मुखि पायआ॥ भगति

वछलु हरि बिरदु है हरि लाज

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 537 Index विषय सुची रखायआ॥ जन् नानक् सरणागती हरि नामि तरायआ 11 8 11 8 11 8 11 सलोक मः १॥ भै विचि पवण् वहै सदवाउ॥ भै विचि चलहि लख दरीआउ॥ भै विचि अगनि

कढै वेगारि॥ भै विचि धरती दबी भारि॥ भै विचि इंद् फिरै सिर भारि॥ भै विचि राजा धरम दुआरु ॥ भै विचि सूरजु भै विचि चंदु ॥ कोह करोड़ी

538 www.dekho-ji.com Index विषय सुची चलत न अंतु॥ भै विचि सिध बुध सुर नाथ ॥ भै विचि आडाणे आकास ॥ भै विचि जोध महाबल सूर ॥ भै विचि आवहि जावहि पूर ॥ सगलिआ भउ लिखिआ सिरि लेखु॥ नानक निरभउ निरंकारु सच् एक्॥१॥मः१॥नानक निरभउ निरंकारु होरि केते राम रवाल ॥ केतीआ कंन्ह कहाणीआ केते बेद बीचार ॥

www.dekho-ji.com **539** Index विषय सुची केते नचहि मंगते गिड़ि मुड़ि पूरहि ताल ॥ बाजारी बाजार महि आइ कढिहे बाजार॥ गावहि राजे राणीआ बोलहि आल पताल ॥ लख टिकेआ के मुंदड़े लख टिकेआ के हार ॥ जितु तनि पाईअहि नानका से तन होवहि छार ॥ गिआनु न गलीई ढूढीऐ कथना करड़ा सारु ॥ करमि मिलै ता पाईऐ होर हिकमति हुकमु खुआरु॥ २॥

www.dekho-ji.com **540** Index विषय सुची पउड़ी ॥ नदिर करिहे जे आपणी ता नदरी सतिगुरु पाइआ ॥ एहु जीउ बहुते जनम भरमिआ ता सतिगुरि सबदु सुणाइआ ॥ सतिगुर जेवडु दाता को नही सभि सुणिअहु लोक सबाइआ॥ सतिगुरि मिलिऐ सचु पाइआ जिन्ही विचहु आपु गवाइआ॥ जिनि सचो सच् बुझाइआ ॥ ४ ॥ आसा महला ४॥

www.dekho-ji.com 541 Index विषय सुची गुरमुखि ढूंढि ढूढेद्या हरि सजनु लधा राम राजे ॥ कंचन कायआ कोट गड़ विचि हरि हरि सिधा ॥ हरि हरि हीरा रतनु है मेरा

मनु तनु विधा ॥ धुरि भाग वडे हरि पायआ नानक रसि गुधा ॥ सलोक मः १॥ घड़ीआ सभे

गोपीआ पहर कंन्ह गोपाल ॥ गहणे पउणु पाणी बैसंतरु चंदु सूरजु अवतार ॥ सगली धरती Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 542 Index विषय स्ची मालु धनु वरतिण सरब जंजाल ॥ नानक मसै गिआन विद्रणी

॥ नानक मुसै गिआन विहूणी खाइ गइआ जमकालु ॥ १ ॥ मः १ ॥ वाइनि चेले नचनि गुर ॥ पैर हलाइनि फेरन्हि सिर ॥

उडि उडि रावा झाटै पाइ॥ वेखै लोकु हसै घरि जाइ॥ रोटीआ कारणि पूरिह ताल॥ आपु पछाड़िह धरती नालि॥ गाविन गोपीआ गाविन कान्ह॥

गावनि सीता राजे राम ॥

www.dekho-ji.com 543 Index विषय सुची निरभउ निरंकारु सचु नामु ॥ जा का कीआ सगल जहानु ॥ सेवक सेवहि करमि चड़ाउ॥ भिंनी रैणि जिन्हा मनि चाउ॥ सिखी सिखिआ गुर वीचारि ॥ नदरी करमि लघाए पारि॥ कोलू चरखा चकी चकु॥ थल वारोले बहुतु अनंतु ॥ लाटू माधाणीआ अनगाह ॥ पंखी भउदीआ लैनि न साह ॥ सूऐ चाड़ि भवाईअहि जंत ॥ नानक

www.dekho-ji.com Index विषय सुची भउदिआ गणत न अंत ॥ बंधन बंधि भवाए सोइ॥ पइऐ किरति नचै सभ् कोइ ॥ नचि नचि हसहि चलहि से रोइ॥ उडि न जाही सिध न होहि॥ नचणु कुदणु मन का चाउ॥ नानक जिन्ह मनि भउ तिन्हा मनि भाउ॥२॥पउड़ी॥नाउ तेरा निरंकारु है नाइ लइऐ नरिक न जाईऐ॥ जीउ पिंडु

सभ् तिस दा दे खाजै आखि

545 www.dekho-ji.com Index विषय सुची गवाईऐ॥ जे लोड़िह चंगा आपणा करि पुंनहु नीचु सदाईऐ ॥ जे जरवाणा परहरै जरु वेस करेदी आईऐ॥ को रहै न भरीऐ पाईऐ॥५॥ पंथु दसावा नित खड़ी मुंध जोबनि बाली राम राजे ॥ हरि हरि नामु चेताय गुर हरि मारगि चाली ॥ मेरै मनि तनि नामु आधार है हउमै बिखु जाली ॥ जन नानक सतिगुरु

www.dekho-ji.com Index विषय सुची मेलि हरि हरि मिल्या बनवाली  $\parallel$   $\parallel$ सलोक मः १ ॥ मुसलमाना सिफति सरीअति पड़ि पड़ि करहि बीचारु ॥ बंदे से जि पवहि विचि बंदी वेखण कउ दीदारु ॥ हिंदू सालाही सालाहनि दरसनि रूपि अपारु ॥ तीरथि नावहि अरचा पूजा अगर वासु बहकारु ॥ जोगी स्ंनि धिआवन्हि जेते अलख

<u>www.dekho-ji.com</u> 547 <u>Index विषय स्</u>ची

नामु करतारु ॥ सूखम मूरति नामु निरंजन काइआ का आकार ॥ सतीआ मनि संतोख् उपजै देणै कै वीचारि ॥ दे दे मंगहि सहसा गूणा सोभ करे संसारु ॥ चोरा जारा तै कूड़िआरा खाराबा वेकार ॥ इकि होदा खाइ चलहि ऐथाऊ तिना भि काई कार ॥ जलि थलि जीआ पुरीआ लोआ आकारा आकार ॥ ओइ जि

www.dekho-ji.com 548 Index विषय सुची आखिह सु तूंहै जाणिह तिना भि तेरी सार ॥ नानक भगता भुख सालाहणु सचु नामु आधारु ॥ सदा अनंदि रहहि दिनु राती गुणवंतिआ पा छारु ॥ १ ॥ मः १ ॥ मिटी मुसलमान की पेड़ै पई कुम्हिआर ॥ घड़ि भांडे इटा कीआ जलदी करे पुकार ॥ जलि जलि रोवै बपुड़ी झड़ि झड़ि पवहि अंगिआर ॥ नानक जिनि

करतै कारणु कीआ सो जाणै

सतिगुर किनै न पाइओ बिनु सतिगुर किनै न पाइआ ॥ सतिगुर विचि आपु रखिओनु करि परगटु आखि सुणाइआ ॥ सतिगुर मिलिऐ सदा मुकतु है जिनि विचहुं मोहु चुकाइआ ॥ उतमु एहु बीचारु है जिनि सचे सिउ चितु लाइआ ॥ जगजीवनु दाता पाइआ ॥ ६ ॥

www.dekho-ji.com **550** Index विषय सूची गुरमुखि प्यारे आइ मिलु मै चिरी विछुन्ने राम राजे ॥ मेरा मनु तनु बहुतु बैराग्या हरि नैन रसि भिन्ने ॥ मै हरि प्रभु प्यारा दिसे गुरु मिलि हरि मनु मन्ने ॥

हउ मूरखु कारै लाईआ नानक हरि कंमे ॥ ३ ॥ सलोक मः १॥ हउ विचि आइआ हउ विचि गइआ॥ हउ विचि जमिआ हउ विचि मुआ ॥

हउ विचि दिता हउ विचि

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **551** Index विषय सूची लइआ॥ हउ विचि खटिआ हउ विचि गइआ॥ हउ विचि सचिआरु कूड़िआरु ॥ हउ विचि पाप पुंन वीचारु ॥ हउ विचि नरिक सुरगि अवतारु ॥ हउ विचि हसै हउ विचि रोवै ॥ हउ विचि भरीऐ हउ विचि धोवै ॥ हउ विचि जाती जिनसी खोवै ॥ हउ विचि मूरखु हउ विचि सिआणा॥ मोख मुकति की सार न जाणा ॥ हउ विचि

www.dekho-ji.com **552** Index विषय सुची माइआ हउ विचि छाइआ॥ हउमै करि करि जंत उपाइआ॥ हउमै बूझै ता दरु सूझै ॥ गिआन विहूणा कथि कथि लूझै ॥ नानक हुकमी लिखीऐ लेखु ॥ जेहा वेखहि तेहा वेखु॥ १॥

महला २॥ हउमै एहा जाति है हउमै करम कमाहि॥ हउमै एई बंधना फिरि फिरि जोनी पाहि ॥ हउमै किथहु ऊपजै कितु संजमि इह जाइ॥ हउमै एहो

हुकमु है पइऐ किरति फिराहि ॥ हउमै दीरघ रोगु है दारू भी इसु माहि॥ किरपा करे जे आपणी ता गुर का सबदु कमाहि॥ नानकु कहै सुणहु

कमाहि॥ नानकु कह सुणहु जनहु इतु संजिम दुख जाहि॥ २॥ पउड़ी॥ सेव कीती

संतोखीईजिन्ही सचो सचु धिआइआ॥ ओन्ही मंदै पैरु न रखिओ करि सुक्रितु धरमु कमाइआ॥ ओन्ही दुनीआ तोड़े www.dekho-ji.com 554 Index विषय सुची बंधना अंनु पाणी थोड़ा खाइआ ॥ तूं बखसीसी अंगला नित देवहि चड़हि सवाइआ॥ वडिआई वडा पाइआ॥ ७॥ गुर अंमृत भिन्नी देहुरी अंमृतु बुरके राम राजे ॥ जिना गुरबानी मनि भाईआ अमृति छिके छके ॥ गुर तुठै हरि पायआ चूके धक धके ॥ हरि जनु हरि हरि होया नानकु हरि

इके ॥ ४ ॥ २ ॥ ९ ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

*555* www.dekho-ji.com Index विषय सुची सलोक मः १ ॥ पुरखां बिरखां तीरथां तटां मेघां खेतांह ॥ दीपां लोआं मंडलां खंडां वरभंडांह ॥ अंडज जेरज उतभुजां खाणी सेतजांह ॥ सो मिति जाणै नानका सरां मेरां जंताह ॥ नानक जंत उपाइ कै समाले सभनाह ॥ जिनि करतै करणा कीआ चिंता भि करणी ताह ॥ सो करता चिंता करे जिनि उपाइआ जगु॥ तिसु

www.dekho-ji.com 556 Index विषय सूची जोहारी सुअसति तिसु तिसु दीबाणु अभगु ॥ नानक सर्च नाम बिनु किआ टिका किआ तगु ॥ १ ॥ मः १ ॥ लख नेकीआ चंगिआईआ लख पुना परवाणु ॥ लख तप उपरि तीरथां सहज जोग बेबाण ॥ लख सूरतण संगराम रण महि छुटहि पराण ॥ लख सुरती लख गिआन धिआन पड़ीअहि पाठ पुराण ॥ जिनि करतै करणा कीआ

लिखिआ आवण जाणु ॥ नानक मती मिथिआ करमु सचा नीसाणु॥ २॥ पउड़ी॥ सचा साहिबु एकु तूं जिनि सचो सचु वरताइआ ॥ जिसु तूं देहि तिसु मिलै सचु ता तिन्ही सचु कमाइआ॥ सतिगुरि मिलिऐ सचु पाइआ जिन्ह कै हिरदै सचु वसाइआ॥ मूरख सचु न जाणन्ही मनमुखी जनमु

www.dekho-ji.com **558** Index विषय स्ची गवाइआ॥ विचि दुनीआ काहे आइआ॥८॥ आसा महला ४॥ हरि अंमृत भगति भंडार है गुर सतिगुर पासे राम राजे ॥ गुरु सतिगुरु सचा साहु है सिख देइ हरि रासे ॥ धनु धन्नु वणजारा वणजु है गुरु साहु साबासे ॥ जनु नानकु गुरु तिनी पायआ जिन धुरि लिखतु लिलाटि लिखासे ॥ १ ॥

www.dekho-ji.com 559 Index विषय सुची सलोकु मः १॥ पड़ि पड़ि गडी लदीअहि पड़ि पड़ि भरीअहि साथ ॥ पड़ि पड़ि बेड़ी पाईऐ पड़ि पड़ि गडीअहि खात॥ पड़ीअहि जेते बरस बरस पड़ीअहि जेते मास ॥ पड़ीऐ जेती आरजा पड़ीअहि जेते सास ॥ नानक लेखै इक गल होरु हउमै झखणा झाख ॥ १ ॥ मः १ ॥ लिखि लिखि पड़िआ ॥ तेता कड़िआ ॥ बहु तीरथ

www.dekho-ji.com **560** Index विषय सुची भविआ ॥ तेतो लविआ ॥ बहु भेख की आ देही दुखु दी आ॥ सह वे जीआ अपणा कीआ॥ अंनु न खाइआ सादु गवाइआ॥ बहु दुखु पाइआ दूजा भाइआ॥ बसत्र न पहिरै॥ अहिनिसि कहरै ॥ मोनि विगूता ॥ किउ जागै गुर बिनु सूता ॥ पग उपेताणा ॥ अपणा कीआ कमाणा॥ अलु मलु खाई सिरि छाई पाई ॥ मूरखि अंधै पति

561 www.dekho-ji.com Index विषय सुची गवाई ॥ विणु नावै किछु थाइ न पाई ॥ रहै बेबाणी मड़ी मसाणी ॥ अंधु न जाणै फिरि पछुताणी ॥ सतिगुरु भेटे सो सुखु पाए ॥ हरि का नामु मेनि वसाए॥ नानक नदरि करे सो पाए ॥ आस अंदेसे ते निहकेवल् हउमै सबदि जलाए॥ २॥ पउड़ी ॥ भगत तेरै मनि भावदे दरि सोहनि कीरति गावदे॥ नानक करमा बाहरे दरि ढोअ

www.dekho-ji.com **562** Index विषय सुची न लहन्ही धावदे ॥ इकि मूलु न बुझन्हि आपणा अणहोदा आपु गणाइदे ॥ हउ ढाढी का नीच जाति होरि उतम जाति सदाइदे ॥ तिन्ह मंगा जि तुझै धिआइदे 11 9 11

॥ ९॥
सचु साहु हमारा तूं धनी सभु
जगतु वणजारा राम राजे॥
सभ भांडे तुधै साज्या विचि
वसतु हरि थारा॥ जो पावह

भांडे विचि वसतु सा निकलै

www.dekho-ji.com Index विषय सुची

क्या कोयी करे वेचारा ॥ जन नानक कउ हरि बखस्या हरि भगति भंडारा ॥ २ ॥

सलोकु मः १ ॥ कूड़ राजा कूड़ परजा कूड़ सभु संसारु ॥ कूड़ मंडप कूड़ माड़ी कूड़ बैसणहारु

॥ कूड़ सुइना कूड़ रुपा कूड़ पेन्हणहार ॥ कूड़ काइआ कूड़ कपड़ कूड़ रूपु अपारु ॥ कूड़ मीआ कूड़ बीबी खपि होए खारु

॥ कूड़ि कूड़ै नेहु लगा विसरिआ

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 564 Index विषय सूची करतारु ॥ किसु नालि कीचै दोसती सभु जगु चलणहार ॥ कूड़ मिठा कूड़ मार्खिउ कूड़ डोबे पूरु ॥ नानकु वखाणै बेनती तुधु बाझु कूड़ों कूड़ु॥ १॥ मः १॥

सचु ता परु जाणीऐ जा रिदै सचा होइ॥ कूड़ की मलु उतरै तनु करे हछा धोइ ॥ सचु ता परु जाणीऐ जा सचि धरे पिआरु॥ नाउ सुणि मनु

रहसीऐ ता पाए मोख दुआरु॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 565 Index विषय सुची सचु ता परु जाणीऐ जा जुगति जाणै जीउ ॥ धरति काइआ साधि कै विचि देइ करता बीउ ॥ सनु ता परु जाणीऐ जा सिख सची लेइ॥ दइआ जाणै जीअ की किछु पुंनु दानु करेइ ॥ सचु तां परु जाणीऐ जा आतम तीरथि करे निवासु ॥ सतिगुरू नो पुछि कै बहि रहै करे निवासु ॥ सचु सभना होइ दारू पाप कढै धोइ ॥ नानकु वखाणै

॥ कूड़ा लालच् छडीऐ होइ इक मनि अलख् धिआईऐ॥ फल् तेवेहो पाईऐ जेवेही कार कमाईऐ॥ जे होवै पूरिब लिखिआ ता धूड़ि तिन्हा दी पाईऐ॥ मति थोड़ी सेव गवाईऐ॥ १०॥

www.dekho-ji.com 567 Index विश्य स्वी हम क्या गुन तेरे विथरह सुआमी तूं अपर अपारो राम राजे ॥ हरि नामु सालाहह दिनु

राति एहा आस आधारो ॥ हम

मूरख किछूय न जाणहा किव पावह पारो ॥ जनु नानकु हरि का दासु है हरि दास पनेहारो ॥ ३॥ सलोकु मः १॥ सचि कालु कूड़ु वरतिआ कलि कालख बेताल॥

बीउ बीजि पति लै गए अब

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **568** Index विषय सूची किउ उगवै दालि ॥ जे इकु होइ त उगवै रुती हू रुति होइ॥ नानक पाहै बाहरा कोरै रंगु न सोइ॥ भै विचि खुमबि चड़ाईऐ सरमु पाहु तनि होइ ॥ नानक भगती जे रपै कूड़ै सोइ न कोइ ॥ १॥ मः १॥ लबु पापु दुइ राजा महता कूड़ होआ सिकदारु ॥ कामु नेबु सदि पुछीऐ बहि बहि करे बीचारु ॥ अंधी रयति गिआन विहूणी

www.dekho-ji.com Index विषय सुची भाहि भरे मुरदारु ॥ गिआनी नचहि वाजे वावहि रूप करहि सीगारु ॥ ऊचे कूकहि वादा गावहि जोधा का वीचारु॥ मूरख पंडित हिकमति हुजति संजै करहि पिआरु ॥ धरमी धरमु करहि गावावहि मंगहि मोख दुआरु ॥ जती सदावहि जुगति न जाणहि छडि बहहि घर बारु ॥ सभु को पूरा आपे होवै घटि न कोई आखै ॥ पति

570 www.dekho-ji.com Index विषय सुची परवाणा पिछै पाईऐ ता नानक तोलिआ जापै॥ २॥ मः १॥ वदी सु वजिंग नानका सचा वेखै सोइ॥ सभनी छाला मारीआ करता करे सु होइ॥ अगै जाति न जोरु है अगै जीउ नवे ॥ जिन की लेखे पति पवै चंगे सेई केइ ॥ ३ ॥ पउड़ी ॥ ध़रि करम् जिना कउ तुध़ पाइआ ता तिनी खसमु धिआइआ॥ एना जंता कै वसि

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 571 Index विषय सूची

किछु नाही तुधु वेकी जगतु उपाइआ॥ इकना नो तूं मेलि लैहि इकि आपहु तुधु खुआइआ ॥ गुर किरपा ते जाणिआ जिथै

तुधु आपु बुझाइआ ॥ सहजे ही सचि समाइआ ॥ ११ ॥ ज्यु भावै त्यु राखि लै हम सरनि

ज्यु भावै त्यु राखि लै हम सरिन प्रभ आए राम राजे ॥ हम भूलि विगाड़ह दिनसु राति हिर लाज रखाए ॥ हम बारिक तूं गुरु पिता है दे मित समझाए ॥ जनु www.dekho-ji.com **572** Index विषय सुची नानकु दासु हरि कांढ्या हरि पैज रखाए॥ ४॥ ३॥ १०॥ सलोकु मः १॥ दुखु दारू सुखु रोगु भइआ जा सुखु तामि न होई ॥ तूं करता करणा मै नाही जा हउ करी न होई ॥ १ ॥ बलिहारी कुदरति वसिआ॥ तेरा अंतु न जाई लखिआ ॥ १ ॥ रहाउ॥ जाति महि जोति जोति महि जाता अकल कला भरपूरि रहिआ ॥ तूं सचा

साहिबु सिफति सुआल्हिउ जिनि कीती सो पारि पइआ॥ कहु नानक करते कीआ बाता जो किछु करणा सु करि रहिआ

॥ २ ॥ मः २ ॥ जोग सबदं गिआन सबदं बेद सबदं ब्राहमणह ॥ खत्री सबदं सूर सबदं सूद्र सबदं परा क्रितह ॥

सबदं सूद्र सबदं परा क्रितह ॥ सरब सबदं एक सबदं जे को जाणै भेउ ॥ नानकु ता का दासु है सोई निरंजन देउ ॥ ३ ॥ मः www.dekho-ji.com 574 <u>Index विषय स्ची</u>

२॥ एक क्रिसनं सरब देवा देव देवा त आतमा॥ आतमा बासुदेवस्थि जे को जाणै भेउ॥

बासुदेवस्यि जे को जाणै भेउ॥ नानकु ता का दासु है सोई निरंजन देउ॥४॥मः१॥

कुमभे बधा जलु रहै जल बिनु कुमभु न होइ॥ गिआन का बधा मनु रहै गुर बिनु गिआनु न होइ॥ ५॥ पउड़ी॥ पड़िआ

होवै गुनहगारु ता ओमी साधु न मारीऐ॥ जेहा घाले घालणा लेक्स हुन्ने स्था स्था स्था स्था स्था तेवेहो नाउ पचारीए ॥ ऐसी कला न खेडीए जितु दरगह गइआ हारीए ॥ पड़िआ अतै ओमीआ वीचार अगै वीचारीए ॥ महि चलै स्था स्थी मारीए ॥

आमाआ वाचार अग वाचाराए ॥ मुहि चलै सु अगै मारीऐ ॥ १२॥

आसा महला ४॥

जिन मसतिक धुरि हरि लिख्या तिना सतिगुरु मिल्या राम राजे ॥ अग्यानु अंधेरा कट्या गुर ग्यानु घटि बल्या ॥ हरि लधा www.dekho-ji.com 576 Index विषय सुची रतनु पदारथो फिरि बहुड़ि न चल्या॥ जन नानक नामु आराध्या आराधि हरि मिल्या ॥ सलोकु मः १॥ नानक मेरु सरीर का इकु रथु इकु रथवाहु ॥ जुगु जुगु फेरि वटाईअहि गिआनी बुझहि ताहि॥ सतजुगि रथु संतोख का धरमु

अगै रथवाहु ॥ त्रेतै रथु जतै का

जोरु अगै रथवाहु ॥ दुआपुरि

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 577 Index विषय सुची रथु तपै का सतु अगै रथवाहु॥ कलजुगि रथु अगनि का कूड़ अगै रथवाहु ॥ १ ॥ मः १ ॥ साम कहै सेत्मबरु सुआमी सच महि आछै साचि रहे ॥ सभु को सचि समावै ॥ रिगु कहै रहिआ भरपूरि ॥ राम नामु देवा महि सूरु ॥ नाइ लइऐ पराछत जाहि ॥ नानक तउ मोखंतरु पाहि ॥ जुज महि जोरि छली चंद्रावलि कान्ह क्रिसनु जादमु भइआ ॥

www.dekho-ji.com **578** Index विषय सुची पारजातु गोपी लै आइआ बिंद्राबन महि रंगु कीआ ॥ कलि महि बेदु अथरबणु हूआ नाउ खुदाई अलहु भइआ॥ नील बसत्र ले कपड़े पहिरे तुरक पठाणी अमलु कीआ ॥ चारे वेद होए सचिआर ॥ पड़िह गुणहि तिन्ह चार वीचार ॥ भाउ भगति करि नीचु सदाए॥ तउ नानक मोखंतरु पाए॥ २॥ पउड़ी ॥ सतिगुर विटहु वारिआ www.dekho-ji.com 579 Index विषय सूची जित मिलिऐ खसम समालिआ

जितु मिलिए खसमु समालिआ ॥ जिनि करि उपदेसु गिआन अंजनु दीआ इन्ही नेत्री जगतु

निहालिआ॥ खसमु छोडि दूजै लगे डुबे से वणजारिआ॥

सतिगुरू है बोहिथा विरलै किनै वीचारिआ॥ किर किरपा पारि उतारिआ॥ १३॥ जिनी ऐसा हिर नामु न चेत्यो से काहे जिंगे आए राम राजे॥ इहु मानस जनमु दुलंभु है नाम

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 580 Index विषय सूची बिना बिरथा सभु जाए॥ हुनि वतै हरि नामु न बीज्यो अगै

भुखा क्या खाए॥ मनमुखा नी फिरि जनमु है नानक हरि भाए ॥ २॥ सलोकु मः १॥ सिमल रुखु सराइरा अति दीरघ अति मुचु

॥ ओइ जि आवहि आस करि जाहि निरासे कितु ॥ फल फिके फुल बकबके किम न आवहि पत ॥ मिठतु नीवी नानका गुण www.dekho-ji.com Index विषय स्ची चंगिआईआ ततु॥ सभु को निवै आप कउ पर कउ निवै न कोइ ॥ धरि ताराजू तोलीऐ निवै सु गउरा होइ ॥ अपराधी दूणा निवै जो हंता मिरगाहि ॥ सीसि निवाइऐ किआ थीऐ जा रिदै कुसुधे जाहि॥१॥मः१॥ पड़ि पुसतक संधिआ बादं॥ सिल पूजिसे बगुल समाधं॥ मुखि झूठ बिभूखण सारं॥ त्रैपाल तिहाल बिचारं ॥ गलि

www.dekho-ji.com **582** Index विषय सूची माला तिलकु लिलाटं ॥ दुइ धोती बसत्र कपाटं ॥ जे जाणसि ब्रहमं करमं ॥ सभि फोकट निसचउ करमं ॥ कहु नानक निहचउ धिआवै ॥ विण् सतिगुर वाट न पावै ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ कपड़ रूपु सुहावणा छडि दुनीआ अंदरि जावणा ॥ मंदा चंगा आपणा आपे ही कीता पावणा ॥ हुकम कीए मनि भावदे राहि भीड़ै अगै

**583** www.dekho-ji.com Index विषय स्ची जावणा॥ नंगा दोजिक चालिआ ता दिसै खरा डरावणा ॥ करि अउगण पछोतावणा ॥ १४॥ तूं हरि तेरा सभु को सभि तुधु उपाए राम राजे ॥ किछु हाथि किसै दै किछु नाही सभि चलह चलाए॥ जिन तूं मेलह प्यारे से तुधु मिलह जो हरि मनि भाए ॥ जन नानक सतिगुरु भेट्या हरि नामि तराए॥ ३॥

www.dekho-ji.com **584** Index विषय स्ची सलोकु मः १॥ दइआ कपाह सतोखु सूतु जतु गंढी सतु वटु॥ एहु जनेऊ जीअ का हई त पार्ड घतु ॥ ना एहु तुटै न मलु लगै ना एहु जलै न जाइ ॥ धंनु सु माणस नानका जो गलि चले पाइ ॥ चउकड़ि मुलि अणाइआ बहि चउकै पाइआ ॥ सिखा कंनि चड़ाईआ गुरु ब्राहमणु थिआ॥ ओहु मुआ ओहु झड़ि

पइआ वेतगा गइआ ॥ १ ॥ मः

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

१॥ लख चोरीआ लख जारीआ लख कूड़ीआ लख गालि॥ लख ठगीआ पहिनामीआ राति दिनसु जीअ नालि॥ तगु कपाहहु कतीऐ बाम्हणु वटे आइ

॥ कुहि बकरा रिंन्हि खाइआ सभु को आखै पाइ॥ होइ पुराणा सुटीऐ भी फिरि पाईऐ होरु ॥ नानक तगु न तुटई जे तिग होवै जोरु॥ २॥ मः १॥ नाइ मंनिऐ पति ऊपजै सालाही www.dekho-ji.com **586** Index विषय सूची सचु सूतु ॥ दरगह अंदरि पाईऐ तगु न तूटसि पूत ॥ ३ ॥ मः १ ॥ तगु न इंद्री तगु न नारी ॥ भलके थुक पवै नित दाड़ी ॥ तगु न पैरी तगु न हथी ॥ तगु न जिहवा तगु न अखी ॥ वेतगा आपे वतै ॥ वटि धार्ग अवरा घतै ॥ लै भाड़ि करे वीआहु ॥ कढि कागलु दसे राहु ॥ सुणि वेखहु लोका एहु विडाणु ॥ मनि अंधा नाउ सुजाणु ॥ ४ ॥ पउड़ी www.dekho-ji.com Index विषय सूची ॥ साहिबु होइ दइआलु किरपा करे ता साई कार कराइसी॥

सो सेवकु सेवा करे जिस नो हुकमु मनाइसी ॥ हुकमि मंनिऐ होवै परवाणु ता खसमै का महलु पाइसी ॥ खसमै भावै सो करे मनहु चिंदिआ सो फलु पाइसी ॥ ता दरगह पैधा जाइसी ॥ १५॥

कोयी गावै रागी नादी बेदी बहु भांति करि नही हरि हरि भीजै

www.dekho-ji.com 588 Index विषय सुची राम राजे ॥ जिना अंतरि कपटु विकारु है तिना रोइ क्या कीजै ॥ हरि करता सभु किछु जाणदा सिरि रोग हथु दीजै ॥ जिना नानक गुरमुखि हिरदा सुधु है हरि भगति हरि लीजै ॥ ४ ॥ ४

॥ ११॥ सलोक मः १॥ गऊ बिराहमण कउ करु लावहु गोबरि तरणु न

जाई ॥ धोती टिका तै जपमाली

धानु मलेछां खाई ॥ अंतरि पूजा

www.dekho-ji.com **589** Index विषय सुची पड़िह कतेबा संजमु तुरका भाई ॥ छोडीले पाखंडा ॥ नामि लइऐ जाहि तरंदा ॥ १ ॥ मः १ ॥ माणस खाणे करहि निवाज ॥ छुरी वगाइनि तिन गलि ताग ॥ तिन घरि ब्रहमण पूरहि नाद ॥ उन्हा भि आवहि ओई साद॥ कूड़ी रासि कूड़ा वापार ॥ कूड़ बोलि करहि आहारु॥ सरम धरम का डेरा दूरि ॥ नानक कूड़ रहिआ भरपूरि ॥ मथै टिका www.dekho-ji.com **590** Index विषय सूची तेड़ि धोती कखाई ॥ हथि छुरी जगत कासाई ॥ नील वसत्र पहिरि होवहि परवाणु ॥ मलेछ धानु ले पूजहि पुराणु ॥

अभाखिआ का कुठा बकरा

खाणा ॥ चउके उपरि किसै न जाणा॥ दे कै चउका कढी कार ॥ उपरि आइ बैठे कूड़िआर ॥ मतु भिटै वे मतु भिटै ॥ इहु अंनु असाडा फिटै ॥ तनि फिटै फेड़

करेनि ॥ मनि जूठै चुली भरेनि

591 www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ कहु नानक सचु धिआईऐ॥ सुचि होवै ता सचु पाईऐ॥ २॥ पउड़ी ॥ चितै अंदरि सभ् को वेखि नदरी हेठि चलाइदा॥ आपे दे वडिआईआ आपे ही करम कराइदा ॥ वडहु वडा वड मेदनी सिरे सिरि धंधै लाइदा॥ नदरि उपठी जे करे सुलताना घाहु कराइदा ॥ दिर मंगनि भिख न पाइदा ॥ १६ ॥ आसा महला ४॥

www.dekho-ji.com **592** Index विषय स्ची जिन अंतरि हरि हरि प्रीति है ते जन सुघड़ स्याने राम राजे॥ जे बाहरहु भुलि चुकि बोलदे भी खरे हरि भाणे ॥ हरि संता नो होरु थाउ नाही हरि मानु निमाणे॥ जन नानक नामु दीबानु है हरि तानु सताणे ॥ १

सलोकु मः १॥ जे मोहाका घरु मुहै घरु मुहि पितरी देइ॥ अगै वसतु सिञाणीऐ पितरी चोर www.dekho-ji.com **593** Index विषय सुची करेइ॥ वढीअहि हथ दलाल के मुसफी एह करेइ ॥ नानक अगै सो मिलै जि खटे घाले देइ॥ १ ॥ मः १ ॥ जिउ जोरू सिरनावणी आवै वारो वार ॥ जूठे जूठा मुखि वसै नित नित होइ खुआरु॥ सूचे एहि न आखीअहि बहनि जि पिंडा धोइ ॥ सूचे सेई नानका जिन मनि वसिआ सोइ॥२॥पउड़ी॥ तुरे पलाणे पउण वेग हर रंगी

594 www.dekho-ji.com Index विषय सुची हरम सवारिआ ॥ कोठे मंडप माड़ीआ लाइ बैठे करि पासारिआ॥ चीज करनि मनि भावदे हरि बुझनि नाही हारिआ॥ करि फुरमाइसि खाइआ वेखि महलति मरणु विसारिआ ॥ जरु आई जोबनि हारिआ॥ १७॥ जिथै जाय बहै मेरा सतिगुरू सो थानु सुहावा राम राजे॥ गुरसिखी सो थानु भाल्या लै

www.dekho-ji.com 595 Index विषय स्वी धूरि मुखि लावा ॥ गुरसिखा की घाल थाय पई जिन हरि नामु ध्यावा ॥ जिन नानकु सतिगुरु

पूज्या तिन हरि पूज करावा ॥ २॥

सलोकु मः १॥ जे करि सूतकु मंनीऐ सभ तै सूतकु होइ॥ गोहे अतै लकड़ी अंदरि कीड़ा होइ॥ जेते दाणे अंन के जीआ बाझु न कोइ॥ पहिला पाणी जीउ है

जितु हरिआ सभु कोइ ॥ सूतकु

www.dekho-ji.com **596** Index विषय सुची

किउ करि रखीऐ सूतकु पवै रसोइ॥ नानक सूतकु एव न

उतरै गिआनु उतारे धोइ ॥ १ ॥ मः १॥ मन का सूतकु लोभु है जिहवा सूतकु कूड़ु ॥ अखी सूतकु वेखणा पर त्रिअ पर धन

रूपु ॥ कंनी सूतकु कंनि पै लाइतबारी खाहि॥ नानक हंसा आदमी बधे जम पुरि जाहि॥ २ ॥ मः १ ॥ सभो सूतकु भरमु है दूजै लगै जाइ॥ जमणु मरणा

www.dekho-ji.com **597** Index विषय स्ची हुकमु है भाणै आवै जाइ॥ खाणा पीणा पवित्रु है दितोनु रिजकु स्मबाहि ॥ नानक जिन्ही गुरमुखि बुझिआ तिन्हा सूतकु नाहि॥ ३॥ पउड़ी॥ सतिगुरु वडा करि सालाहीऐ जिसु विचि वडीआ वडिआईआ॥ सिह मेले ता नदरी आईआ॥ जा तिसु भाणा ता मनि वसाईआ॥ करि हुकमु मसतिके हथु धरि विचहु मारि कढीआ

598 www.dekho-ji.com Index विषय सुची बुरिआईआ॥ सहि तुठै नउ निधि पाईआ॥ १८॥ गुरसिखा मनि हरि प्रीति है हरि नाम हरि तेरी राम राजे॥

करि सेवह पूरा सतिगुरू भुख जाय लह मेरी ॥ गुरसिखा की भुख सभ गई तिन पिछै होर खाय घनेरी ॥ जन नानक हरि पुन्न बीज्या फिरि तोटि न आवै हरि पुन्न केरी ॥ ३ ॥

www.dekho-ji.com **599** Index विषय सुची सलोकु मः १॥ पहिला सुचा आपि होइ सुचै बैठा आइ॥ सुचे अगै रिखेओनु कोइ न भिटिओ जाइ॥ सुचा होइ कै जेविआ लगा पड़णि सलोकु ॥ कुहथी जाई सटिआ किसु एहु लगा दोखु ॥ अंनु देवता पाणी देवता बैसंतरु देवता लूणु पंजवा पाइआ घिरतु ॥ ता होआ पाकु पवितु ॥ पापी सिउ तनु गडिआ थुका पईआ तितु ॥ जितु मुखि

www.dekho-ji.com 600 Index विषय सुची नामु न ऊचरिह बिनु नावै रस खाहि॥ नानक एवै जाणीऐ तितु मुखि थुका पाहि ॥ १ ॥ मः १॥ भंडि जमीऐ भंडि निमीऐ भंडि मंगणु वीआहु ॥ भंडहु होवै दोसती भंडहु चले राहु ॥ भंडु मुआ भंडु भालीऐ भंडि होवै बंधानु ॥ सो किउ मंदा आखीऐ जितु जमहि राजान ॥ भंडहु ही भंडु ऊपजै भंडै बाझु न कोइ॥ नानक भंडै

601 www.dekho-ji.com Index विषय सुची बाहरा एको सचा सोइ॥ जितु मुखि सदा सालाहीऐ भागा रती चारि ॥ नानक ते मुख ऊजले तितु सचै दरबारि ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ सभ् को आखै आपणा जिसु नाही सो चुणि कढीऐ॥ कीता आपो आपणा आपे ही लेखा संढीऐ॥ जा रहणा नाही ऐतु जगि ता काइतु गारबि हंढीऐ॥ मंदा किसै न आखीऐ

www.dekho-ji.com 602 Index विषय स्ची पड़ि अखरु एही बुझीऐ॥ मूरखै नालि न लुझीऐ ॥ १९ ॥ गुरसिखा मनि वाधाईआ जिन मेरा सतिगुरू डिठा राम राजे ॥ कोयी करि गल सुणावै हरि नाम की सो लगै गुरसिखा मनि मिठा ॥ हरि दरगह गुरसिख पैनाईअह जिना मेरा सतिगुरु तुठा॥ जन नानकु हरि हरि होया हरि हरि मनि वुठा ॥ ४ <u>॥ ५ ॥ १२ ॥</u>

www.dekho-ji.com 603 Index विषय स्वी सलोकु मः १॥ नानक फिकै बोलिऐ तनु मनु फिका होइ॥ फिको फिका सदीऐ फिके फिकी सोइ ॥ फिका दरगह सटीऐ मुहि थुका फिके पाइ ॥ फिका मूरखु आखीऐ पाणा लहै सजाइ ॥ १ ॥ मः १ ॥ अंदरह झूठे पैज बाहरि दुनीआ अंदरि फैलु॥ अठसठि तीरथ जे नावहि उतरै नाही मैलु ॥ जिन्ह पटु अंदरि बाहरि गुदड़ ते भले संसारि॥

604 www.dekho-ji.com Index विषय स्ची तिन्ह नेहु लगा रब सेती देखन्हे वीचारि॥ रंगि हसहि रंगि रोवहि चुप भी करि जाहि॥ परवाह नाही किसै केरी बाझु सर्चे नाह ॥ दरि वाट उपरि खरचु मंगा जबै देइ त खाहि ॥ दीबानु एको कलम एका हमा तुम्हा मेलु ॥ दिर लए लेखा पीड़ि छुटै नानका जिउ तेलु ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ आपे ही करणा कीओ कल आपे ही तै धारीऐ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची देखहि कीता आपणा धरि कची पकी सारीऐ॥ जो आइआ सो चलसी सभ् कोई आई वारीऐ॥ जिस के जीअ पराण हहि किउ साहिबु मनहु विसारीऐ ॥ आपण हथी आपणा आपे ही काज़् सवारीऐ ॥ २० ॥

आसा महला ४॥ जिना भेट्या मेरा पूरा सतिगुरू तिन हरि नामु द्रिड़ावै राम राजे ॥ तिस की त्रिसना भुख सभ www.dekho-ji.com Index विषय सुची उतरै जो हरि नामु ध्यावै ॥ जो हरि हरि नामु ध्याइदे तिन जम् नेड़ि न आवै ॥ जन नानक कउ हरि क्रिपा करि नित जपै हरि नामु हरि नामि तरावै ॥ १ ॥ सलोकु महला २ ॥ एह किनेही आसकी दूजै लगै जाइ ॥ नानक आसक् कांढीऐ सद ही रहै समाइ॥ चंगै चंगा करि मंने मंदै मंदा होइ॥ आसकु एहु न आखीऐ जि लेखै वरतै सोइ ॥ १

॥ महला २ ॥ सलामु जबाबु दोवै करे मुंढहु घुथा जाइ॥ नानक दोवै कूड़ीआ थाइ न काई पाइ ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ जितु सेविऐ सुखु पाईऐ सो साहिबु सदा सम्हालीऐ ॥ जितु कीता पाईऐ आपणा सा घाल बुरी किउ घालीऐ॥ मंदा मूलि न कीचई दे लमी नदिर निहालीऐ ॥ जिउ साहिब नालि न हारीऐ

608 www.dekho-ji.com Index विषय स्वी तेवेहा पासा ढालीऐ ॥ किछु लाहे उपरि घालीऐ॥ २१॥ जिनी गुरमुखि नामु ध्याया तिना फिरि बिघनु न होयी राम राजे ॥ जिनी सतिगुरु पुरखु मनायआ तिन पूजे सभु कोई॥ जिनी सतिगुरु प्यारा सेव्या तिना सुखु सद होई ॥ जिना नानकु सतिगुरु भेट्या तिना

मिल्या हरि सोई ॥ २ ॥

609 www.dekho-ji.com Index विषय स्ची सलोकु महला २ ॥ चाकर लगै चाकरी नाले गारबु वादु ॥ गला करे घणेरीआ खसम न पाए सादु ॥ आपु गवाइ सेवा करे ता किछु पाए मानु ॥ नानक जिस नो लगा तिसु मिलै लगा सो परवानु ॥ १ ॥ महला २ ॥ जो जीइ होइ सु उगवै मुह का कहिआ वाउ॥ बीजे बिखु मंगै अम्रितु वेखहु एहु निआउ ॥ २ ॥ महला २॥ नालि इआणे

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची दोसती कदे न आवै रासि॥ जेहा जाणै तेहो वरतै वेखहु को निरजासि ॥ वसतू अंदरि वसतु समावै दूजी होवै पासि ॥ साहिब सेती हुकमु न चलै कही बणै अरदासि ॥ कूड़ि कमाणै कूड़ो होवै नानक सिफति विगासि ॥ ३ ॥ महला २ ॥ नालि इआणे दोसती वडारू सिउ नेहु ॥ पाणी अंदरि लीक जिउ तिस दा थाउ न थेहु॥ ४

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ महला २ ॥ होइ इआणा करे कमु आणि न सकै रासि॥ जे इक अध चंगी करे दूजी भी वेरासि॥५॥पउड़ी॥ चाकर लगै चाकरी जे चलै खसमै भाइ ॥ हुरमति तिस नो अगली ओहु वजह भि दूणा खाइ॥ खसमै करे बराबरी फिरि गैरति अंदरि पाइ॥ वजहु गवाए अगला मुहे मुहि पाणा खाइ ॥ जिस दा दिता खावणा तिसु कहीऐ

www.dekho-ji.com Index विषय सुची साबासि॥ नानक हुकमु न चलई नालि खसम चलै अरदासि ॥ २२॥ जिना अंतरि गुरमुखि प्रीति है तिन हरि रखणहारा राम राजे ॥ तिन की निन्दा कोयी क्या करे जिन हरि नामु प्यारा ॥

जिन हरि सेती मनु मान्या सभ दुसट झख मारा ॥ जन नानक नामु ध्याया हरि रखणहारा ॥

613 www.dekho-ji.com Index विषय सुची सलोकु महला २ ॥ एह किनेही दाति आपस ते जो पाईऐ॥ नानक सा करमाति साहिब तुठै जो मिलै ॥ १ ॥ महला २ ॥ एह किनेही चाकरी जितु भउ खसम न जाइ॥ नानक सेवकु काढीऐ जि सेती खसम समाइ॥ २॥ पउड़ी ॥ नानक अंत न जापन्ही हरि ता के पारावार ॥ आपि कराए साखती फिरि आपि कराए मार ॥ इकन्हा गली

जंजीरीआ इकि तुरी चड़िह बिसीआर ॥ आपि कराए करे आपि हउ के सिउ करी पुकार ॥

नानक करणा जिनि कीआ फिरि तिस ही करणी सार॥ २३॥

हिर जुगु जुगु भगत उपायआ पैज रखदा आया राम राजे॥ हरणाखसु दुसटु हिर मार्या प्रहलादु तरायआ॥ अहंकारिया निन्दका पिठि देइ नामदेउ मुखि www.dekho-ji.com 615 Index विषय स्ची लायआ॥ जन नानक ऐसा हरि सेव्या अंति लए छडायआ॥ ४ ॥ ६॥ १३॥ २०॥ सलोकु मः १॥ आपे भांडे साजिअन् आपे पूरण् देइ॥ इकन्ही दुध् समाईऐ इकि चुल्है रहन्हि चड़े ॥ इकि निहाली पै सवन्हि इकि उपरि रहनि खड़े ॥ तिन्हा सवारे नानका जिन्ह कउ नदरि करे ॥ १ ॥ महला २ ॥ आपे साजे करे आपि जाई भि

www.dekho-ji.com 616 Index विषय सुची रखै आपि ॥ तिसु विचि जंत उपाइ कै देखै थापि उथापि ॥ किस नो कहीऐ नानका सभु किछु आपे आपि ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ वडे कीआ वडिआईआ किछु कहणा कहणु न जाइ॥ सो करता कादर करीमु दे जीआ रिजकु स्मबाहि॥ साई कार कमावणी धुरि छोडी तिंनै पाइ

॥ नानक एकी बाहरी होर दूजी

www.dekho-ji.com 617 Index विषय सूची नाही जाइ॥ सो करे जि तिसै रजाइ॥ २४॥ १॥ सुधु

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## स्वये (दीनन की)

क्ष सतिगुर प्रसादि॥ पातिसाही १०॥

त्वप्रसादि ॥ स्वये ॥

दीनन की प्रतिपाल करै नित

संत उबार गनीमन गारै॥ पच्छ पसू नग नाग नराधप सरब समै सभ को प्रतिपारै॥ पोखत है

जल मै थल मै पल मै कल के नही करम बिचारै ॥ दीन

www.dekho-ji.com Index विषय सुची दयाल दया निधि दोखन देखत है पर देत न हारै ॥ १ ॥ दाहत है दुख दोखन कौ दल दुज्जन के पल मै दल डारै ॥ खंड

अखंड प्रचंड प्रहारन पूरन प्रेम की प्रीत संभारे॥ पार न पाय सकै पदमापति बेद कतेब अभेद उचारै॥ रोजी ही राज बिलोकत राजक रोख रूहान की रोजी न टारै॥ २॥

www.dekho-ji.com **620** Index विषय स्ची कीट पतंग कुरंग भुजंगम भूत भविक्ख भवान बनाए ॥ देव अदेव खपे अहंमेव न भेव लख्यो भ्रम स्यु भरमाए ॥ बेद पुरान कतेब कुरान हसेब थके कर हाथ

न आए॥ पूरन प्रेम प्रभाउ बिना पति स्यु किन स्री पदमापति पाए॥३॥ आदि अनंत अगाध अद्वैख सु भूत भविक्ख भवान अभै है॥ अंति बेहीन अनातम आप

www.dekho-ji.com Index विषय सुची अदाग अदोख अछिद्र अछै है॥ लोगन के करता हरता जल मै थल मै भरता प्रभ वै है ॥ दीन दयाल दया कर स्री पति सुन्दर स्री पदमापति ए है ॥ ४ ॥ काम न क्रोध न लोभ न मोह न रोग न सोग न भोग न भै है॥ देह बेहीन सनेह सभो तन नेह बिरकत अगेह अछै है ॥ जान को देत अजान को देत जमीन को देत जमान को दै है। काहे Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

पट बीच बचावै ॥ ६ ॥

www.dekho-ji.com 623 Index विषय सुची जच्छ भुजंग सु दानव देव अभेव तुमै सभ ही कर ध्यावै ॥ भूम अकास पताल रसातल जच्छ भुजंग सभै सिर न्यावै ॥ पाय सकै नही पार प्रभा हू को नेत ही नेतह बेद बतावै ॥ खोज थके सभ ही खुजिया सुर हार परे हरि हाथ न आवै ॥ ७ ॥ नारद से चतुरानन से रुमनारिख से सभहूं मिलि गाययो॥ बेद कतेब न भेद

www.dekho-ji.com Index विषय सुची लख्यो सभ हार परे हरि हाथ न आइयो ॥ पाय सकै नही पार उमापति सिद्ध सनाथ सनंतन ध्याइयो॥ ध्यान धरो तेह को मन मै जेह को अमितोज् सभै जगु छाययो ॥ ८ ॥ बेद पुरान कतेब कुरान अभेद न्रिपान सभै पच हारे ॥ भेद न पाय सक्यो अनभेद को खेदत है अनछेद पुकारे ॥ राग न रूप न रेख न रंग न साक न सोग न

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची संगि तेहारे ॥ आदि अनादि अगाध अभेख अद्वैख जप्यो तिन ही कुल तारे ॥ ९ ॥ तीरथ कोटि कीए इसनान दीए बहु दान महा ब्रत धारे ॥ देस फिर्यो करि भेस तपो धन के सधरे न मिले हरि प्यारे॥ आसन कोटि करे असटांग धरे बहु न्यास करे मुख कारे ॥ दीन दयाल अकाल भजे बिनु अंत को 

 www.dekho-ji.com
 626
 Index विषय स्वी

 अंतके धाम सिधारे ॥ १० ॥

 २५२ ॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## लावा

सूही महला ४॥

हरि पहलड़ी लाव परविरती करम द्रिड़ायआ बलि राम जीउ

॥ बानी ब्रहमा वेदु धरमु द्रिड़हु पाप तजायआ बर्लि राम जीउ

॥ धरमु द्रिड़हु हरि नामु ध्यावहु

सिमृति नामु द्रिड़ायआ ॥ सतिगुरु गुरु पूरा आराधहु सभि

किलविख पाप गवायआ॥

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची सहज अनन्दु होआ वडभागी मिने हरि हरि मीठा लायआ॥ जनु कहैं नानकु लाव पहली आरभु काजु रचायआ॥ १॥ हरि दूजड़ी लाव सतिगुरु पुरखु मिलायआ बलि राम जीउ॥ निरभउ भै मनु होइ हउमै मैलु गवायआ बलि राम जीउ॥ निरमलु भउ पायआ हरि गुन गायआ हरि वेखै रामु हदूरे ॥ हरि आतम रामु पसार्या सुआमी

www.dekho-ji.com 629 Index विषय स्ची सरब रहआ भरपूरे ॥ अंतरि बाहरि हरि प्रभु एको मिलि हरिजन मंगल गाए॥ जन नानक दूजी लाव चलायी अनहद सबद वजाए ॥ २ ॥ हरि तीजड़ी लाव मिन चाउ भया बैरागिया बलि राम जीउ ॥ संत जना हरि मेलु हरि पायआ वडभागिया बलि राम जीउ ॥ निरमलु हरि पायआ हरि गुन गायआ मुखि बोली

www.dekho-ji.com **630** Index विषय सुची हरि बाणी ॥ संत जना वडभागी पायआ हरि कथीऐ अकथ कहाणी ॥ हिरदै हरि हरि हरि धुनि उपजी हरि जपीऐ मसतिके भागु जीउ ॥ जनु नानकु बोले तीजी लावै हरि उपजै मनि बैरागु जीउ ॥ ३ ॥ हरि चउथड़ी लाव मनि सहजु भया हरि पायआ बलि राम जीउ ॥ गुरमुखि मिल्या सुभाय हरि मनि तनि मीठा लायआ

www.dekho-ji.com Index विषय सुची बलि राम जीउ॥ हरि मीठा लायआ मेरे प्रभ भायआ अनदिनु हरि लिव लाई॥ मन चिन्द्या फल् पायआ सुआमी हरि नामि वजी वाधाई ॥ हरि प्रभि ठाकुरि काजु रचायआ धन हिरदै नामि विगासी ॥ जन् नानकु बोले चउथी लावै हरि पायआ प्रभु अविनासी ॥ ४ ॥

## वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## बारह माहा मांझ

बारह माहा मांझ महला ५ घर

सतिगुर प्रसादि ॥

किरति करम के वीछुड़े करि

किरपा मेलहु राम ॥ चारि कुंट

दह दिस भ्रमे थिक आए प्रभ की साम ॥ धेनु दुधै ते बाहरी कितै

न आवै काम ॥ जल बिन् साख कुमलावती उपजिह नाही दाम

634 www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥ हरि नाह न मिलीऐ साजनै कत पाईऐ बिसराम ॥ जितु घरि हरि कंतु न प्रगटई भठि नगर से ग्राम ॥ स्रब सीगार त्मबोल रस सण् देही सभ खाम ॥ प्रभ सुआमी कंत विहूणीआ मीत सजण सभि जाम ॥ नानक की बेनंतीआ करि किरपा दीजै नामु ॥ हरि मेलहु सुआमी संगि प्रभ जिस का निहचल धाम ॥

www.dekho-ji.com 635 Index विषय स्ची चेति गोविंदु अराधीऐ होवै

अनंदु घणा॥ संत जना मिलि पाईऐ रसना नामु भणा॥ जिनि पाइआ प्रभु आपणा आए

तिसिह गणा॥ इकु खिनु तिसु बिनु जीवणा बिरथा जनमु जणा॥ जिल थिल महीअलि पूरिआ रविआ विचि वणा॥ सो प्रभु चिति न आवई कितड़ा दुखु गणा॥ जिनी राविआ सो प्रभू

तिंना भागु मणा ॥ हरि दरसन

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची कंउ मनु लोचदा नानक पिआस मना ॥ चेति मिलाए सो प्रभू तिस कै पाइ लगा ॥ २ ॥ वैसाखि धीरनि किउ वाढीआ जिना प्रेम बिछोहु ॥ हरि साजनु पुरखु विसारि कै लगी माइआ धोहु॥ पुत्र कलत्र न

साजनु पुरखु विसारि कै लगी माइआ धोहु॥ पुत्र कलत्र न संगि धना हरि अविनासी ओहु ॥ पलचि पलचि सगली मुई झूठै धंधै मोहु॥ इकसु हरि के नाम बिनु अगै लईअहि खोहि॥ प्रभारि विगुचणा प्रभ बिनु अवरु न कोइ॥ प्रीतम चरणी जो लगे तिन की निरमल सोइ ॥ नानक की प्रभ बेनती प्रभ

जो लगे तिन की निरमल सोइ ॥ नानक की प्रभ बेनती प्रभ मिलहु परापति होइ ॥ वैसाखु सुहावा तां लगे जा संतु भेटै हरि सोइ ॥ ३ ॥ हरि जेठि जुड़ंदा लोड़ीऐ जिसु

हार जाठ जुड़दा लाड़ाए।जसु अगै सभि निवंनि ॥ हरि सजण दावणि लगिआ किसै न देई बंनि ॥ माणक मोती नामु प्रभ

638 www.dekho-ji.com Index विषय सुची उन लगै नाही संनि ॥ रंग सभे नाराइणै जेते मनि भावंनि ॥ जो हरि लोड़े सो करे सोई जीअ करंनि ॥ जो प्रभि कीते आपणे सेई कहीअहि धंनि ॥ आपण लीआ जे मिलै विछुड़ि किउ रोवंनि ॥ साधू संगु परापते नानक रंग माणंनि ॥ हरि जेठ रंगीला तिसु धणी जिस कै भागु

मथंनि ॥ ४ ॥

आसाड़ तपंदा तिसु लगै हरि नाहु न जिंना पासि॥ जगजीवन पुरखु तिआगि कै माणस संदी आस॥ दुयै भाइ

माणस संदी आस ॥ दुयै भाइ विगुचीऐ गलि पईसु जम की फास ॥ जेहा बीजै सो लुणै मथै जो लिखिआसु ॥ रैणि विहाणी पछुताणी उठि चली गई निरास ॥ जिन कौ साधू भेटीऐ सो

दरगह होइ खलासु॥ करि किरपा प्रभ आपणी तेरे दरसन www.dekho-ji.com 640 Index विषय स्ची होइ पिआस ॥ प्रभ तुधु बिनु दूजा को नही नानक की

अरदासि ॥ आसाड़ सुहंदा तिसु लगै जिसु मनि हरि चरण निवास ॥ ५ ॥

सावणि सरसी कामणी चरन

कमल सिउ पिआरु ॥ मनु तनु रता सच रंगि इको नामु अधारु ॥ बिखिआ रंग कूड़ाविआ दिसनि सभे छारु ॥ हरि अम्रित बूंद सुहावणी मिलि साधू www.dekho-ji.com 641 Index विषय स्ची पीवणहारु ॥ वणु तिणु प्रभ संगि मउलिआ सम्रथ पुरख अपारु ॥ हरि मिलणै नो मनु लोचदा करमि मिलावणहारु ॥ जिनी सखीए प्रभु पाइआ हउ तिन कै सद बलिहार ॥ नानक हरि जी मइआ करि सबदि सवारणहारु ॥ सावणु तिना

सवारणहारु ॥ सावणु ।तना सुहागणी जिन राम नामु उरि हारु ॥ ६ ॥

www.dekho-ji.com 642 Index विषय सूची भादुइ भरमि भुलाणीआ दूजै लगा हेतु॥ लख सीगार बणाइआ कारजि नाही केतु॥ जितु दिनि देह बिनससी तितु

वेलै कहसनि प्रेतु ॥ पकड़ि चलाइनि दूत जम किसै न देनी भेतु ॥ छडि खड़ोते खिनै माहि जिन सिउ लगा हेतु ॥ हथ मरोड़ै तनु कपे सिआहहु होआ सेतु ॥ जेहा बीजै सो लुणै करमा संदड़ा खेतु ॥ नानक प्रभ

www.dekho-ji.com 643 Index विषय स्ची

सरणागती चरण बोहिथ प्रभ देतु ॥ से भादुइ नरिक न पाईअहि गुरु रखण वाला हेतु ॥

७ ॥ असुनि प्रेम उमाहड़ा किउ

मिलीऐ हरि जाइ॥ मिन तिन पिआस दरसन घणी कोई आणि मिलावै माइ॥ संत सहाई प्रेम के हउ तिन के लागा पाइ॥ विणु प्रभ किउ सुखु पाईऐ दूजी नाही जाइ॥ जिंन्ही चाखिआ www.dekho-ji.com Index विषय सुची प्रेम रसु से त्रिपति रहे आघाइ ॥ आपु तिआगि बिनती करहि लेहु प्रभू लड़ि लाइ॥ जो हरि कंति मिलाईआ सि विछुड़ि कतिह न जाइ ॥ प्रभ विणु दूजा को नहीं नानक हरि सरणाइ ॥ असू सुखी वसंदीआ जिना मइआ हरि राइ॥८॥

कतिकि करम कमावणे दोसु न काहू जोगु ॥ परमेसर ते भुलिआं विआपनि सभे रोग ॥ वेमुख

645 www.dekho-ji.com Index विषय सुची होए राम ते लगनि जनम विजोग ॥ खिन महि कउड़े होइ गए जितड़े माइआ भोग ॥ विचु न कोई करि सकै किस थै रोवहि रोज ॥ कीता किछू न होवई लिखिआ धुरि संजोग॥ वडभागी मेरा प्रभु मिलै तां उतरहि सभि बिओग ॥ नानक कउ प्रभ राखि लेहि मेरे साहिब बंदी मोच॥ कतिक होवै

लाधसंगु बिनसहि सभे सोच॥ ९॥ प्राथित माहि सोहंदीआ हिर पिर संगि बैठड़ीआह॥ तिन की सोभा किआ गणी जि साहिबि

पिर संगि बैठड़ीआह ॥ तिन की सोभा किआ गणी जि साहिबि मेलड़ीआह ॥ तनु मनु मउलिआ राम सिउ संगि साध सहेलड़ीआह ॥ साध जना ते बाहरी से रहनि इकेलड़ीआह ॥

तिन दुखु न कबहू उतरै से जम कै वसि पड़ीआह ॥ जिनी www.dekho-ji.com 647 Index विषय स्वी राविआ प्रभु आपणा से दिसनि नित खड़ीआह ॥ रतन जवेहर लाल हरि कंठि तिना जड़ीआह ॥ नानक बांछै धूड़ि तिन प्रभ सरणी दरि पड़ीआह ॥ मंघिरि प्रभु आराधणा बहुड़ि न जनमङ्रीआह ॥ १० ॥ पोखि तुखारु न विआपई कंठि मिलिआ हरि नाहु ॥ मनु बेधिआ चरनारबिंद दरसनि लगड़ा साहु ॥ ओट गोविंद

www.dekho-ji.com 648 Index विषय सूची गोपाल राइ सेवा सुआमी लाहु ॥ बिखिआ पोहि न सकई मिलि साधू गुण गाहु॥ जह ते उपजी तह मिली सची प्रीति समाहु॥ करु गहि लीनी पारब्रहमि बहुड़ि न विछुड़ीआहु ॥ बारि जाउ लख बेरीआ हरि सजणु अगम अगाहु ॥ सरम पई नाराइणै नानक दरि पईआहु॥ पोखु सोहंदा सरब सुख जिसु बखसे वेपरवाहु ॥ ११ ॥

www.dekho-ji.com 649 Index विषय सूची माघि मजनु संगि साधूआ धूड़ी करि इसनानु ॥ हरि का नामु धिआइ सुणि सभना नो करि दानु ॥ जनम करम मलु उतरै मन ते जाइ गुमानु ॥ कामि करोधि न मोहीऐ बिनसै लोभु सुआनु ॥ सचै मारगि चलदिआ उसतति करे जहानु ॥ अठसठि तीरथ सगल पुंन जीअ दइआ परवानु ॥ जिस नो देवै दइआ करि सोई पुरखु सुजानु ॥ जिना

www.dekho-ji.com 650 Index विषय सूची मिलिआ प्रभु आपणा नानक तिन कुरबानु ॥ माघि सुचे से कांढीअहि जिन पूरा गुरु मिहरवानु ॥ १२ ॥ फलगुणि अनंद उपारजना हरि सजण प्रगटे आइ॥ संत सहाई

राम के करि किरपा दीआ मिलाइ ॥ सेज सुहावी सरब सुख हुणि दुखा नाही जाइ॥ इछ पुनी वडभागणी वरु पाइआ हरि राइ॥ मिलि

www.dekho-ji.com 651 Index विषय स्ची सहीआ मंगलु गावही गीत गोविंद अलाइ ॥ हरि जेहा अवरु न दिसई कोई दूजा लवै न लाइ ॥ हलतु पलतु सवारिओनु

निहचल दितीअनु जाइ॥ संसार सागर ते रखिअनु बहुड़ि न जनमै धाइ॥ जिहवा एक अनेक गुण तरे नानक चरणी पाइ॥ फलगुणि नित सलाहीऐ जिस नो तिलु न तमाइ॥ १३

652 www.dekho-ji.com Index विषय स्ची जिनि जिनि नामु धिआइआ तिन के काज सरे ॥ हरि गुरु पूरा आराधिआ दरगह सचि खरे॥ सरब सुखा निधि चरण हरि भउजलु बिखमु तरे ॥ प्रेम भगति तिन पाईआ बिखिआ नाहि जरे ॥ कूड़ गए दुबिधा नसी पूरन सचि भरे॥ पारब्रहमु प्रभु सेवदे मन अन्दरि एकु धरे ॥ माह दिवस मूरत भले जिस कउ नदरि करे॥

<u>www.dekho-ji.com</u> 653 <u>Index विषय स्ची</u>

नानकु मंगै दरस दानु किरपा करहु हरे॥ १४॥ १॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## शब्द हज़ारे

माझ महला ५ चउपदे घरु १॥ मेरा मनु लोचै गुर दरसन ताई ॥ बिलप करे चात्रिक की निआई ॥ त्रिखा न उतरै सांति न आवै बिन् दरसन संत पिआरे जीउ॥१॥ हउ घोली जीउ घोलि घुमाई गुर दरसन संत पिआरे जीउ॥ १॥ रहाउ॥ तेरा मुखु सुहावा जीउ सहज

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सूची धुनि बाणी॥ चिरु होआ देखें सारिंगपाणी ॥ धंनु सु देसु जहा तूं वसिआ मेरे सजण मीत मुरारे जीउ ॥ २ ॥ हउ घोली हउ घोलि घुमाई गुर सजण मीत मुरारे जीउ॥ १॥ रहाउ ॥ इक घड़ी न मिलते ता कलिजुगु होता ॥ हुणि कदि मिलीऐ प्रिअ तुधु भगवता ॥ मोहि रैणि न विहावै नीद न आवै बिनु देखे गुर दरबारे जीउ

www.dekho-ji.com 656 Index विषय स्ची ॥ ३॥ हउ घोली जीउ घोलि घुमाई तिसु सचे गुर दरबारे जीउ ॥ १ ॥ रहाउ ॥ भागु होआ गुरि संतु मिलाइआ ॥ प्रभु अबिनासी घर महि पाइआ॥ सेव करी पलु चसा न विछुड़ा जन नानक दास तुमारे जीउ ॥ ४॥ हउ घोली जीउ घोलि घुमाई जन नानक दास तुमारे जीउ ॥ रहाउ ॥ १ ॥ ८ ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची धनासरी महला १ घरु १ चउपदे 🔭 सति नामु करता पुरखु निरभउ निरवैरु अकाल मूरति अजूनी सैभं गुरप्रसादि ॥ जीउ डरतु है आपणा कै सिउ

करी पुकार ॥ दूख विसारणु सेविआ सदा सदा दातारु ॥ १ ॥ साहिबु मेरा नीत नवा सदा सदा दातारु ॥ १ ॥ रहाउ ॥ अनदिनु साहिबु सेवीऐ अंति Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी छडाए सोइ॥ सुणि सुणि मेरी कामणी पारि उतारा होइ॥ २ ॥ दइआल तेरै नामि तरा ॥ सद कुरबाणै जाउ॥ १॥ रहाउ॥ सरबं साचा एकु है दूजा नाही कोइ॥ ता की सेवा सो करे जा कउ नदरि करे ॥ ३ ॥ तुधु बाझु पिआरे केव रहा ॥ सा वडिआई देहि जितु नामि तेरे लागि रहां ॥ दूजा नाही कोइ जिसु आगै पिआरे जाइ कहा ॥ १ ॥ रहाउ

www.dekho-ji.com 659 Index विषय सूची

॥ सेवी साहिबु आपणा अवरु न जाचंउ कोइ॥ नानकु ता का

दासु है बिंद बिंद चुख चुख होइ ॥ ४॥ साहिब तेरे नाम विटहु

॥ ४ ॥ साहिब तेरे नाम विटहु बिंद बिंद चुख चुख होइ ॥ १ ॥ रहाउ ॥ ४ ॥ १ ॥

तिलंग महला १ घरु ३ श्व सतिगुर प्रसादि॥ इहु तनु माइआ पाहिआ पिआरे लीतड़ा लिब रंगाए॥ मेरै कंत

न भावे चोलड़ा पिआरे किउ

 www.dekho-ji.com
 660
 Index विषय स्वी

 धन सेजै जाए॥ १॥ हंउ

कुरबानै जाउ मिहरवाना हंउ कुरबानै जाउ ॥ हंउ कुरबानै जाउ तिना कै लैनि जो तेरा

नाउ॥ लैनि जो तेरा नाउ तिना

कै हंउ सद कुरबानै जाउ॥ १॥ रहाउ॥ काइआ रंङणि जे थीऐ पिआरे पाईऐ नाउ मजीठ॥ रंङण वाला जे रंङै साहिबु ऐसा रंगु न डीठ॥ २॥ जिन के चोले रतड़े पिआरे कंतु तिना कै पासि ण्ण प्राचित्र विश्व विष्य विश्व व

भावै आपे ही रावेइ ॥ ४ ॥ १ ॥ ३ ॥

तिलंग मः १॥ इआनड़ीए मानड़ा काइ करेहि

॥ आपनड़ै घरि हरि रंगो की न माणेहि॥ सहु नेड़ै धन कमलीए बाहरु किआ ढूढेहि॥ भै कीआ www.dekho-ji.com Index विषय सूची देहि सलाईआ नैणी भाव का करि सीगारो ॥ ता सोहागणि जाणीऐ लागी जा सह धरे पिआरो ॥ १ ॥ इआणी बाली किआ करे जा धन कंत न भावे ॥ करण पलाह करे बहुतेरे सा

॥ करण पलाह कर बहुतर सा धन महलु न पावै ॥ विणु करमा किछु पाईऐ नाही जे बहुतेरा धावै ॥ लब लोभ अहंकार की माती माइआ माहि समाणी ॥ इनी बाती सहु पाईऐ नाही भई www.dekho-ji.com Index विषय सूची कामणि इआणी ॥ २ ॥ जाइ पुछहु सोहागणी वाहै किनी बाती सहु पाईऐ॥ जो किछु करे सो भला करि मानीऐ हिकमति हुकमु चुकाईऐ ॥ जा कै प्रेमि पदारथु पाईऐ तउ चरणी चितु लाईऐ ॥ सहु कहै सो कीजै तनु मनो दीजै ऐसा परमलु लाईऐ ॥ एव कहहि सोहागणी भैणे इनी बाती सहु पाईऐ॥ ३॥ आपु गवाईऐ ता

www.dekho-ji.com 664 Index विषय सुची सह पाईऐ अउरु कैसी चतुराई ॥ सहु नदरि करि देखै सो दिन् लेखै कामणि नउ निधि पाई॥ आपणे कंत पिआरी सा सोहागणि नानक सा सभराई ॥ ऐसै रंगि राती सहज की माती

अहिनिसि भाइ समाणी॥ संदरि साइ सरूप बिचखणि कहीऐ सा सिआणी ॥ ४ ॥ २ ॥ 8 11 सूही महला १ ॥

www.dekho-ji.com 665 Index विषय स्ची कउण तराजी कवणु तुला तेरा कवणु सराफु बुलावा ॥ कउणु गुरू कै पहि दीखिआ लेवा कै पहि मुलु करावा ॥ १ ॥ मेरे लाल जीउ तेरा अंतु न जाणा ॥ तूं जलि थलि महीअलि भरिपुरि लीणा तूं आपे सरब समाणा ॥ १ ॥ रहाउ ॥ मनु ताराजी चितु तुला तेरी सेव सराफु कमावा ॥ घट ही भीतरि

सो सहु तोली इन बिधि चितु

www.dekho-ji.com 666 Index विषय सुची रहावा॥ २॥ आपे कंडा तोलु तराजी आपे तोलणहारा ॥ आपे देखै आपे बूझै आपे है वणजारा ॥ ३ ॥ अंधुला नीच जाति परदेसी खिनु आवै तिल् जावै॥ ता की संगति नानकु रहदा किउ करि मूड़ा पावै ॥ ४ ॥ २ ॥ ९ ॥ 🕾 सति नामु करता पुरखु निरभउ निरवैरु अकाल मूरति अजूनी सैभं गुरप्रसादि ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची रागु बिलावलु महला १ चउपदे घर १॥ तू सुलतानु कहा हउ मीआ तेरी कवन वडाई ॥ जो तू देहि सु कहा सुआमी मै मूरख कहणु न जाई॥१॥ तेरे गुण गावा देहि बुझाई॥ जैसे सच महि रहउ रजाई ॥ १ ॥ रहाउ ॥ जो किछु होआ सभु किछु तुझ ते तेरी सभ असनाई ॥ तेरा अंतु न जाणा मेरे साहिब मै अंधुले

668 www.dekho-ji.com Index विषय सुची किआ चतुराई॥ २॥ किआ हउ कथी कथे कथि देखा मै अकथु न कथना जाई॥ जो तुधु भावै सोई आखा तिलु तेरी वडिआई ॥ ३ ॥ एते कूकर हउ बेगाना भउका इसु तन ताई ॥ भगति हीणु नानकु जे होइगा ता खसमै नाउ न जाई॥४॥१॥ बिलावलु महला १ ॥ मनु मंदरु तनु वेस कलंदरु घट ही तीरथि नावा ॥ एकु सबदु Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची मेरै प्रानि बसतु है बाहुड़ि जनमि न आवा ॥ १ ॥ मनु बेधिआ दइआल सेती मेरी माई ॥ कउणु जाणै पीर पराई ॥ हम नाही चिंत पराई ॥ १ ॥ रहाउ ॥ अगम अगोचर अलख अपारा चिंता करहु हमारी ॥ जलि थलि महीअलि भरिपुरि लीणा

घटि घटि जोति तुम्हारी॥ २॥ सिख मति सभ बुधि तुम्हारी मंदिर छावा तेरे ॥ तुझ बिनु Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 670 Index विषय सुची अवरु न जाणा मेरे साहिबा गुण गावा नित तेरे ॥ ३ ॥ जीअ जंत सभि सरणि तुम्हारी सरब चिंत तुधु पासे ॥ जो तुधु भावै सोई चंगा इक नानक की अरदासे॥ ४॥२॥॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## शब्द हज़ारे पा: १० 👸 सतिगुर प्रसादि ॥ रामकली पातसाही १०॥ रे मन ऐसो करि सन्न्यासा॥ बन से सदन सबै करि समझह मन ही माह उदासा॥ १॥ रहाउ ॥ जत की जटा जोग को मज्जन् नेम के नखन बढायो॥

बिभूत लगायो॥ १॥ अलप

ग्यान गुरू आतम उपदेसहु नाम

अहार सुलप सी निन्द्रा दया छिमा तन प्रीति ॥ सील संतोख सदा निरबाहबो हवैबो त्रिगुन अतीति ॥ २ ॥ काम क्रोध हंकार लोश हर मोह न मन स्थ

हंकार लोभ हठ मोह न मन स्यु लयावै ॥ तब ही आतम तत को दरसे परम पुरख कह पावै ॥ ३ ॥ १॥

रामकली पातिसाही १०॥ रे मन इह बिधि जोगु कमायो॥ सिंङी साच अकपट कंठला www.dekho-ji.com 673 Index विषय सूची ध्यान बिभूत चड़हायो॥ १॥ रहाउ॥ ताती गहु आतम बसि कर की भिच्छा नाम अधारं॥ बाजे परम तार ततु हरि को उपजै राग रसारं ॥ १ ॥ उघटै तान तरंग रंगि अति ग्यान गीत बंधानं ॥ चिक चिक रहे देव दानव मुनि छिकि छिकि बयोम बिवानं ॥ २ ॥ आतम उपदेस भेसु संजम को जाप सु अजपा जापे ॥ सदा रहै कंचन सी

www.dekho-ji.com 674 Index विषय स्वी काया काल न कबहूं बयापे॥ ३  $\parallel$   $\mid$   $\mid$ रामकली पातिसाही १०॥ प्रानी परम पुरख पग लागो ॥ सोवत कहा मोह निन्द्रा मै कबहूं सुचित ह्वै जागो॥ १॥ रहाउ॥ औरन कह उपदेसत है पसु तोह परबोध न लागो॥ सिंचत कहा परे बिखियन कह कबहु बिखै रस तयागो ॥ १ ॥ केवल करम भरम से चीनह

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

675 www.dekho-ji.com Index विषय सूची धरम करम अनुरागो ॥ संग्रह करो सदा सिमरन को परम पाप तजि भागो ॥ २ ॥ जां ते

दूख पाप नह भेटै काल जाल ते तागो॥ जौ सुख चाहो सदा सभन कौ तौ हरि के रस पागो || ३ || ३ ||

रागु सोरठि पातिसाही १०॥ प्रभ जू तो कह लाज हमारी॥ नीलकंठ नरहरि नारायन नील बसन बनवारी ॥ १ ॥ रहाउ ॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 676 Index विषय सूची परम पुरख परमेसुर सुआमी पावन पउन अहारी ॥ माधव महा जोति मधु मरदन मान मुकन्द मुरारी ॥ १ ॥ निरबिकार निरजुर निन्द्रा बिनु निरबिख नरक निवारी ॥ क्रिपा

सिंध काल त्रै दरसी कुक्रित प्रनासनकारी ॥ २ ॥ धनुरपान धितमान धराधर अनि बिकार असिधारी ॥ हौ मतिमन्द चरन www.dekho-ji.com 677 Index विषय स्वी सरनागति कर गह लेहु उबारी ॥ ३ ॥ ४ ॥ रागु कल्यान पातिसाही १०॥ बिनु करतार न किरतम मानो ॥ आदि अजोनि अजै अबिनासी तेह परमेसर जानो ॥ १ ॥ रहाउ॥ कहा भयो जो आनि जगत मै दसकु असुर हरि घाए ॥ अधिक परपंच दिखाय सभन कह आपह ब्रहमु कहाए ॥ १ ॥

भजन गड़्हन समरथ सदा प्रभ

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 678 Index विषय सुची सो किम जाति गिनायो ॥ ता ते सरब काल के असि को घाय बचाय न आयो॥ २॥ कैसे तोह तारि है सुनि जड़ आप डुबियो भव सागर ॥ छुटेहो काल फास ते तब ही गहो सरनि जगतागर || ३ || ५ ||

॥ ३॥ ५॥ ख्याल पातिसाही १०॥ मित्र प्यारे नूं हालु मुरीदां दा कहना॥ तुधु बिनु रोगु रजाईआ दा ओढन नाग

www.dekho-ji.com 679 Index विषय स्वी निवासा दे रहना ॥ सूल सुराही खंजरु प्याला बिंग कसाईआ दा

सहना॥ यारड़े दा सानूं सथरु चंगा भट्ठ खेड़्या दा रहना॥ १ ॥ ६॥

तिलंग काफी पातिसाही १०॥ केवल कालयी करतार ॥ आदि अंत अनंति मूरति गड़्हन भंजनहार ॥ १ ॥ रहाउ ॥ निन्द उसतत जउन के सम शत्त्रु मित्र न कोइ॥ कउन बाट परी तिसै

680 www.dekho-ji.com Index विषय सुची पथ सारथी रथ होइ॥ १॥ तात मात न जात जाकर पुत्र पौत्र मुकन्द ॥ कउन काज कहाहगे ते आनि देवकि नन्द ॥ २॥ देव दैत दिसा विसा जेह कीन सरब पसार ॥ कउन

२॥ देव दैत दिसा विसा जेह कीन सरब पसार ॥ कउन उपमा तौन को मुख लेत नामु मुरार ॥ ३॥ ७॥ रागु बिलावल पातिसाही १० www.dekho-ji.com Index विषय सुची सो किम मानस रूप कहाए॥ सिद्ध समाध साध कर हारे कयौ हूं न देखन पाए॥ १॥ रहाउ॥ नारद ब्यास परासर ध्रुय से ध्यावत ध्यान लगाए॥ बेद पुरान हार हठ छाड्यो तदपि ध्यान न आए॥ १॥ दानव देव पिसाच प्रेत ते नेतह नेत कहाए ॥ सूछम ते सूछम कर चीने ब्रिधन ब्रिध बताए ॥ २ ॥ भूम अकास पताल सभै सजि एक

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी

अनेक सदाए॥ सो नर काल फास ते बाचे जो हरि सरन

सिधाए॥३॥८॥

रागु देवगंधारी पातिसाही १०

इक बिन दूसर सो न चिनार ॥ भंजन गड़्ह्न समरथ सदा प्रभ जानत है करतार ॥ रहाउ ॥ कहा भइयो जो अति हित चित

कर बहु बिध सिला पुजायी ॥ प्रान थक्यो पाहन कह परसत

Index विषय सुची www.dekho-ji.com कछु कर सिद्ध न आई॥ १॥ अच्छत धूप दीप अरपत है पाहन कछू न खै है ॥ ता मै

कहा सिद्ध है रे जड़ तोह कछू बर दै है ॥ २ ॥ जौ जीय होत

तौ देत कछु तुह कर मन बच करम बिचार ॥ केवल एक सरन सुआमी बिन यौ नह कतह उधार ॥ ३ ॥ ९ ॥ रागु देवगंधारी पातिसाही १०

www.dekho-ji.com Index विषय सुची बिन हरि नाम न बाचन पै है॥ चौदह लोक जाह बसि कीने ता ते कहां पलै है ॥ १ ॥ रहाउ ॥ राम रहीम उबार न सक है जाकर नाम रटै है ॥ ब्रहमा बिसन रुद्र सूरज सिस ते बिस काल सबै है ॥ १ ॥ बेद पुरान क्रान सबै मत जाकह नेत कहै है ॥ इन्द्र फनिन्द्र मुनिन्द्र कलप बहु ध्यावत ध्यान न ऐ है ॥ २ ॥ जाकर रूप रंग नह जनियत

 www.dekho-ji.com
 685
 Index विषय स्वी

 सो किम सयाम कहै है ॥ छुटहो
 काल जाल ते तब ही ताह चरन

 काल पटै है ॥ ३ ॥ १ ॥ १० ॥ ३४

 ॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## बारह माहा तुखारी

बारह माहा तुखारी तुखारी छंत महला १ बारह माहा

क्ष सतिगुर प्रसादि॥ तू सुनि किरत करंमा पुरबि

कमायआ ॥ सिरि सिरि सुख सहंमा देह सु तू भला ॥ हरि

रचना तेरी क्या गति मेरी हरि

बिनु घड़ी न जीवा॥ प्रिय बाझु

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **687** Index विषय सुची दुहेली कोइ न बेली गुरमुखि अंमृत् पीवां ॥ रचना राचि रहे निरंकारी प्रभ मनि करम

सुकरमा ॥ नानक पंथु नेहाले सा धन तू सुनि आतम रामा ॥

बाबीहा प्र्यु बोले कोकिल बाणिया॥ सा धन सभि रस चोलै अंकि समाणिया ॥ हरि अंकि समानी जा प्रभ भानी सा सोहागनि नारे ॥ नव घर थापि Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सूची महल घरु ऊचउ निज घरि वासु मुरारे ॥ सभ तेरी तू मेरा प्रीतमु निसि बासुर रंगि रावै ॥ नानक प्रयु प्रयु चवै बबीहा कोकिल सबदि सुहावै ॥ २ ॥ तू सुनि हरि रस भिन्ने प्रीतम आपने ॥ मनि तनि रवत रवन्ने घड़ी न बीसरै ॥ क्यु घड़ी बिसारी हउ बलेहारी हउ जीवा गुन गाए ॥ ना कोयी मेरा हउ किसु केरा हरि बिनु रहनु न

www.dekho-ji.com Index विषय सुची जाए ॥ ओट गही हरि चरन निवासे भए पवित्र सरीरा ॥ नानक द्रिसटि दीरघ सुखु पावै गुर सबदी मनु धीरा ॥ ३ ॥ बरसै अंमृत धार बून्द सुहावनी ॥ साजन मिले सहजि सुभाय हरि स्यु प्रीति बनी ॥ हरि मन्दरि आवै जा प्रभ भावै धन ऊभी गुन सारी ॥ घरि घरि कंतु रवै सोहागनि हउ क्यु कंति विसारी ॥ उनवि घन छाए

www.dekho-ji.com 690 Index विषय स्ची

बरसु सुभाए मनि तनि प्रमु सुखावे ॥ नानक वरसै अंमृत बानी करि किरपा घरि आवै॥ 8 11

चेतु बसंतु भला भवर सुहावड़े ॥ बन फूले मंझ बारि मै पिरु घरि बाहुड़ै ॥ पिरु घरि नही आवै धन क्यु सुखु पावै बिरह बिरोध तनु छीजै ॥ कोकिल अम्बि सुहावी बोलै क्यु दुखु अंकि सहीजै ॥ भवरु भवंता

www.dekho-ji.com **691** Index विषय सूची फूली डाली क्यु जीवा मरु माए ॥ नानक चेति सहजि सुखु पार्वै जे हरि वरु घरि धन पाए ॥ ५ वैसाख् भला साखा वेस करे॥ धन देखै हरि दुआरि आवह दया करे ॥ घरि आउ प्यारे दुतर तारे तुधु बिनु अढु न मोलो ॥ कीमति कउन करे तुधु भावां देखि दिखावै ढोलो ॥ दूरि न जाना अंतरि माना हरि का

महलु पछाना ॥ नानक वैसाखीं प्रभु पावै सुरति सबदि मनु माना ॥ ६ ॥ माहु जेठु भला प्रीतमु क्यु बिसरै ॥ थल तापह सर भार

सा धन बिनउ करै ॥ धन बिनउ करेदी गुन सारेदी गुन सारी प्रभ भावा ॥ साचै महलि रहै बैरागी आवन देह त आवा॥ निमानी नितानी हरि बिनु क्यु पावै सुख महली ॥ नानक जेठि

आसाड़ भला सूरज् गगनि तपै ॥ धरती दूख सहै सोखै अगनि भखै॥ अगनि रसु सोखै मरीऐ धोखै भी सो किरतु न हारे ॥ रथु फिरै छायआ धन ताकै टीडु लवै मंझि बारे ॥ अवगन बाधि चली दुखु आगै सुखु तिसु साचु समाले ॥ नानक जिसनो इह

भन दिया मरन जीवन प्रभ नाले॥ ८॥ सावनि सरस मना घण वरसह रुति आए॥ मै मनि तनि सह भावै पिर परदेसि सिधाए॥

पिरु घरि नही आवै मरीऐ हावै दामनि चमिक ड्राए॥ सेज इकेली खरी दुहेली मरनु भया दुखु माए॥ हरि बिनु नीद भूख कहु कैसी कापड़ु तनि न सुखावए ॥ नानक सा सोहागनि <u>www.dekho-ji.com</u> 695 <u>Index विषय स्</u>ची

कंती पिर कै अंकि समावए॥ ९

॥ भादउ भरमि भुली भरि

जोबनि पछुतानी ॥ जल थल नीरि भरे बरस रुते रंगु मानी ॥ बरसै निसि काली क्यु सुखु बाली दादर मोर लवंते ॥ प्र्यु प्रयु चवै बबीहा बोले भुइअंगम फिरह डसंते ॥ मछर डंग सायर

भर सुभर बिनु हरि क्यु सुखु पाईऐ॥ नानक पूछि चलउ गुर अपुने जह प्रभु तह ही जाईऐ॥
१०॥
असुनि आउ पिरा सा धन झूरि

म्यी ॥ ता मिलीऐ प्रभ मेले दूजै भाय खुयी ॥ झूठि विगुती ता पिर मुती कुकह काह सि फुले ॥ आगै घाम पिछै रुति जाडा देखि चलत मनु डोले ॥ दह दिसि साख हरी हरियावल सहजि पकै सो मीठा ॥ नानक असुनि

कतिक किरत् पया जो प्रभ भायआ॥ दीपक् सहजि बलै तति जलायआ॥ दीपक रस तेलो धन पिर मेलो धन ओमाहै सरसी ॥ अवगन मारी मरै न सीझै गुनि मारी ता मरसी॥ नाम् भगति दे निज घरि बैठे अजहु तिनाड़ी आसा॥ नानक

मंघर माहु भला हरि गुन अंकि समावए ॥ गुणवंती गुन रवै मै पिरु नेहचलु भावए ॥ नेहचलु चतुरु सुजानु बिधाता चंचलु जगतु सबायआ ॥ ग्यानु ध्यानु गुन अंकि समाने प्रभ भाने ता भायआ॥ गीत नाद कवित कवे सुनि राम नामि दुखु भागै॥

भगती पिर आगै ॥ १३ ॥ पोखि तुखारु पड़ै वनु त्रिनु रसु सोखै ॥ आवत की नाही मनि तिन वसह मुखे ॥ मिन तिन रवि रहआ जगजीवनु गुर सबदी रंगु मानी ॥ अंडज जेरज सेतज उतभुज घटि घटि जोति समानी ॥ दरसनु देहु दयापति दाते गति पावउ मति देहो ॥

www.dekho-ji.com **700** Index विषय सूची नानक रंगि रवै रसि रसिया हरि स्यु प्रीति सनेहो ॥ १४ ॥ माघि पुनीत भई तीरथु अंतरि जान्या ॥ साजन सहजि मिले गुन गह अंकि समान्या ॥ प्रीतम गुन अंके सुनि प्रभ बंके तुधु भावा सरि नावा ॥ गंग जमुन तह बेनी संगम सात समुन्द समावा ॥ पुन्न दान पूजा परमेसुर जुगि जुगि एको जाता ॥ नानक माघि महा रसु हरि

१५॥ फलगुनि मनि रहसी प्रेम् सुभायआ ॥ अनदिनु रहसु भया आपु गवायआ ॥ मन मोहु चुकायआ जा तिसु भायआ करि किरपा घरि आओ ॥ बहुते वेस करी पिर बाझहु महली लहा न थायो ॥ हार डोर रस पाट पटम्बर पिरि लोड़ी सीगारी॥

www.dekho-ji.com 702 Index विषय सुची नानक मेलि लई गुरि अपनै घरि वरु पायआ नारी ॥ १६॥ बे दस माह रुती थिती वार भले ॥ घड़ी मूरत पल साचे आए सहजि मिले ॥ प्रभ मिले प्यारे कारज सारे करता सभ बिधि जानै ॥ जिनि सीगारी तिसह प्यारी मेलु भया रंगु मानै ॥ घरि सेज सुहावी जा पिरि रावी ग्रमुखि मसतिक भागो॥ नानक अहनिसि रावै प्रीतम्

 www.dekho-ji.com
 703
 Index विषय स्वी

 हरि वरु थिरु सोहागो॥ १७॥

 १॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## सलोक महला ९

彼 सतिगुर प्रसादि ॥ सलोक महला ९॥

गुन गोबिन्द गाययो नही जनमु अकारथ कीनु ॥ कहु नानक हरि भजु मना जेह बिधि जल कौ मीन्॥१॥ बिखिअन स्यु काहे रच्यो निमख न होह उदासु॥

कहु नानक भजु हरि मना परै न जम की फास ॥ २ ॥ तरनापो

www.dekho-ji.com Index विषय सूची इउ ही गइयो लीयो जरा तनु जीति ॥ कहु नानक भजु हरि मना अउध जातु है बीति ॥ ३ ॥ बिरिधे भइयो सूझै नही कालु

पहूच्यो आनि ॥ कहु नानक नर बावरे क्यु न भजै भगवानु ॥ ४ ॥ धनु दारा सम्पति सगल

जिनि अपुनी करि मानि ॥ इन मै कछु संगी नही नानक साची जानि ॥ ५ ॥ पतित उधारन भै हरन हरि अनाथ के नाथ ॥ कहु Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सूची नानक तेह जानीऐ सदा बसतु तुम साथ ॥ ६ ॥ तनु धनु जेह तोकउ दीयो तां स्यु नेहु न कीन ॥ कहु नानक नर बावरे अब क्यु डोलत दीन ॥ ७ ॥ तनु धनु सम्पे सुख दीयो अरु जेह नीके धाम ॥ कहु नानक सुनु रे मना सिमरत काह न राम ॥ ८॥ सभ सुखदाता रामु है दूसर नाहन कोइ॥ कहु नानक सुनि रे मना तेह सिमरत गति होइ॥

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची ९ ॥ जेह सिमरत गति पाईऐ तेह भजु रे तै मीत ॥ कहु नानक सुनु रे मना अउध घटत है नीत ॥ १० ॥ पांच तत को तनु रच्यो जानहु चतुर सुजान ॥ जेह ते उपज्यो नानका लीन ताह मै मानु ॥ ११ ॥ घटि घटि मै हरि जू बसै संतन कहयो पुकारि ॥ कहु नानक तेह भजु मना भउनिधि उतरह पारि॥ १२॥ सुखु दुखु जेह परसै नही लोभु Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सूची मोहु अभिमानु ॥ कहु नानक सुन रे मना सो मूरत भगवान ॥ १३॥ उसतति निन्द्या नाह जेह कंचन लोह समानि॥ कह नानक सुनि रे मना मुकति ताह तै जानि ॥ १४ ॥ हरखु सोगु जा कै नही बैरी मीत समान ॥ कहु नानक सुनि रे मना मुकति ताह तै जान ॥ १५ ॥ भै काहू कउ देत नह नह भै मानत आन ॥ कहु नानक सुनि रे मना

ग्यानी ताह बखानि ॥ १६॥ जेह बिख्या सगली तजी लीयो भेख बैराग॥ कहु नानक सुन रे मना तेह नर माथै भाग॥ १७॥ जेह मायआ ममता तजी सभ

ते भइयो उदास ॥ कहु नानक सुन रे मना तेह घटि ब्रहम निवासु ॥ १८ ॥ जेह प्रानी हउमै तजी करता राम पछान ॥ कहु नानक वहु मुकति नरु इह मन साची मान ॥ १९॥ भै

www.dekho-ji.com Index विषय सूची नासन दुरमति हरन कलि मै हरि को नाम ॥ निसदिनि जो नानक भजै सफल होह तेह काम ॥ २० ॥ जेहबा गुन गोबिन्द भजहु करन सुनहु हरि नाम ॥ कहु नानक सुनि रे मना परह न जम कै धाम ॥ २१ ॥ जो प्रानी ममता तजै लोभ मोह अहंकार ॥ कहु नानक आपन तरै अउरन लेत उधार ॥ २२ ॥

ज्यु सुपना अरु पेखना ऐसे जग

www.dekho-ji.com Index विषय सुची कउ जानि॥ इन मै कछु साचो नही नानक बिनु भगवान ॥ २३॥ निसिदिनि मायआ कारने प्रानी डोलत नीत ॥ कोटन मै नानक कोऊ नारायन जेह चीति॥ २४॥ जैसे जल ते बुदबुदा उपजै बिनसै नीत ॥ जग रचना तैसे रची कहु नानक सुन मीत ॥ २५ ॥ प्रानी कछू न चेतयी मदि मायआ कै अंध॥ कहु नानक बिनु हरि भजन

परत ताह जम फंध ॥ २६॥ जउ सुख कउ चाहै सदा सरिन राम की लेह॥ कहु नानक सुन रे मना दुरलभ मानुख देह॥

र मना दुरलभ मानुख दह ॥ २७ ॥ मायआ कारनि धावही मूरख लोग अजान ॥ कहु नानक

बिनु हरि भजिन बिरथा जनमु सिरान॥ २८॥ जो प्रानी निसिदिनि भजे रूप राम तेह जानु॥ हरिजन हरि अंतरु नही नानक साची मानु॥ २९॥ मनु www.dekho-ji.com 713 Index विषय स्ची मायआ मै फधि रहयो बिसर्यो गोबिन्द नामु ॥ कहु नानक बिनु हरि भजन जीवन कउने काम॥ ३०॥ प्रानी राम न चेतयी मद मायआ कै अंध ॥ कहु नानक हरि भजन बिनु परत ताह जम फंध ॥ ३१ ॥ सुख मै बहु संगी भए दुख मै संगि न कोइ॥ कहु नानक हरि भजु मना अंति सहायी होइ॥ ३२॥ जनम जनम भरमत फिर्यो मिट्यो न

www.dekho-ji.com 714 Index विषय सुची जम को त्रासु ॥ कहु नानक हरि भजु मना निरभै पावह बासु ॥ ३३॥ जतन बहुतु मै करि रहयो मिट्यो न मन को मानु ॥ दुरमति स्यु नानक फध्यो राखि लेहु भगवानि ॥ ३४ ॥ बाल जुआनी अरु बिरध फुनि तीनि अवसथा जानि ॥ कहु नानक हरि भजन बिनु बिरथा सभ ही मान ॥ ३५ ॥ करनो हुतो सु ना कीयो पर्यो लोभ कै फंध॥

नानक सम्यो रिम गइयो अब नयु रोवत अंध॥ ३६॥ मनु मायआ मै रिम रहयो निकसत

मायआ में रोमें रहयों निकसत नाहनि मीत ॥ नानक मूरति चित्र ज्यु छाडित नाहनि भीत ॥ ३७ ॥ नर चाहत कछु अउर

अउरै की अउरै भई ॥ चितवत रहयो ठगउर नानक फासी गलि परी ॥ ३८ ॥ जतन बहुत सुख के कीए दुख को कीयो न कोइ ॥ कहु नानक सुन रे मना हरि www.dekho-ji.com Index विषय सूची भावै सो होइ॥३९॥ जगतु भिखारी फिरतु है सभ को दाता राम ॥ कहु नानक मन सिम्रु तेह पूरन होवह काम ॥ ४० ॥ झूठे मानु कहा करै जगु सुपने ज्यु जान ॥ इन मै कछु तेरो नही नानक कहयो बखान ॥ ४१ ॥ गरबु करतु है देह को बिनसै छिन मै मीति॥ जेह प्रानी हरि जसु कहयो नानक तेह जगु जीति ॥ ४२ ॥ जेह

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची घटि सिमरनु राम को सो नरु मुकता जानु ॥ तेह नर हरि अंतरु नही नानक साची मानु॥ ४३॥ एक भगति भगवान जेह प्रानी कै नाह मन ॥ जैसे सूकर

सुआन नानक मानो ताह तन ॥ ४४ ॥ सुआमी को ग्रेह ज्यु सदा सुआन तजत नही नित ॥ नानक इह बिधि हरि भजउ इक मन हुइ इकि चित ॥ ४५ ॥ तीरथ बरत अरु दान करि मन मै धरै

www.dekho-ji.com 718 Index विषय सुची गुमानु ॥ नानक नेहफल जात तेह ज्यु कुंचर इसनानु ॥ ४६ ॥ सिरु कम्प्यो पग डगमगै नैन जोति ते हीन ॥ कहु नानक इह बिधि भई तऊ न हरि रस लीन ॥ ४७ ॥ निज करि देख्यो जगतु मै को काहू को नाह ॥ नानक थिरु हरि भगति है तेह राखो मन माह ॥ ४८ ॥ जग रचना सभ झूठ है जानि लेहु रे मीत ॥

कह नानक थिरु ना रहै ज्यु

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची बालू की भीत ॥ ४९ ॥ राम गइयो रावनु गइयो जाकउ बहु परवार ॥ कहु नानक थिरु कछु नही सुपने ज्यु संसारि ॥ ५० ॥ चिंता ता की कीजीऐ जो अनहोनी होइ॥ इह मारगु संसार को नानक थिरु नहीं कोइ॥५१॥जो उपज्यो सो

बिनसि है परो आजु के काल ॥ नानक हरि गुन गाय ले छाडि सगल जंजाल ॥ ५२ ॥ दोहरा ॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **720** Index विषय सुची बलु छुटक्यो बंधन परे कछू न होत उपाय ॥ कहु नानक अब ओट हरि गजि ज्यु होहु सहाय ॥ ५३ ॥ बलु होआ बंधन छुटे सभ किछु होत उपाय ॥ नानक सभ किछु तुमरै हाथ मै तुम ही होत सहाय॥ ५४॥ संग सखा सभ तजि गए कोऊ न निबहयो साथ ॥ कहु नानक इह बिपति मै टेक एक रघनाथ ॥ ५५ ॥ नामु रहयो साधू रहयो रहयो

www.dekho-ji.com **721** Index विषय स्ची गुर गोबिन्द ॥ कहु नानक इह जगत मै किन जप्यो गुर मंतु॥ ५६॥ राम नामु उरि मै गहयो जा कै सम नहीं कोइ॥ जेह सिमरत संकट मिटै दरसु तुहारो होइ॥५७॥१॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## बावन अखरी

彼 सतिगुर प्रसादि ॥ गउड़ी बावन अखरी महला ५

सलोकु ॥ गुरदेव माता गुरदेव पिता गुरदेव सुआमी परमेसुरा ॥ गुरदेव सखा अगिआन भंजनु गुरदेव बंधिप सहोदरा ॥ गुरदेव दाता हरि नामु उपदेसै गुरदेव

मंतु निरोधरा ॥ गुरदेव सांति

www.dekho-ji.com 723 Index विषय सूची सति बुधि मूरति गुरदेव पारस परस परा ॥ गुरदेव तीरथु अम्रित सरोवरु गुर गिआन मजनु अपर्मपरा ॥ गुरदेव करता सभि पाप हरता गुरदेव पतित पवित करा ॥ गुरदेव आदि जुगादि जुगु जुगु गुरदेव मंतु हरि जपि उधरा ॥ गुरदेव संगति प्रभ मेलि करि किरपा हम मूड़ पापी जितु लगि तरा॥ गुरदेव सतिगुरु पारब्रहमु

www.dekho-ji.com 724 Index विषय सुची परमेसरु गुरदेव नानक होरे नमसकरा ॥१॥ सलोकु॥ आपहि कीआ कराइआ आपहि करनै जोगु ॥ नानक एको रवि रहिआ दूसर होआ न होगु ॥१॥ पउड़ी ॥

ओअं साध सतिगुर नमसकारं॥ आदि मधि अंति निरंकारं ॥ आपहि सुंन आपहि सुख आसन ॥ आपहि सुनत आप ही जासन ॥ आपन आपु आपहि उपाइओ

www.dekho-ji.com 725 Index विषय सूची ॥ आपहि बाप आप ही माइओ ॥ आपहि सूखम आपहि असथूला॥ लखी न जाई नानक लीला ॥१॥ करि किरपा प्रभ दीन दइआला ॥ तेरे संतन की मनु होइ रवाला ॥ रहाउ ॥ सलोकु ॥ निरंकार आकार आपि निरगुन सरगुन एक ॥ एकहि एक बखाननो नानक एक अनेक ॥१॥ पउड़ी ॥ ओअं गुरमुखि कीओ अकारा ॥ एकहि सूर्ति

Index विषय स्ची www.dekho-ji.com परोवनहारा ॥ भिंन भिंन त्रै गुण बिसथारं ॥ निरगुन ते सरगुन द्रिसटारं ॥ सगल भाति करि करहि उपाइओ ॥ जनम मरन मन मोह बढाइओ ॥ दुहू भाति ते आपि निरारा ॥ नानक अंतु न पारावारा ॥२॥ सलोकु ॥ सेई साह भगवंत से सचु स्मपै हरि रासि ॥ नानक सचु सुचि पाईऐ तिह संतन कै पासि ॥१॥ पवड़ी ॥ ससा सति

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सति सति सोऊ॥ सति पुरख ते भिंन न कोऊ॥ सोऊ सरनि परै जिह पायं ॥ सिमरि सिमरि गुन गाइ सुनायं ॥ संसै भरमु नही कछु बिआपत ॥ प्रगट प्रतापु ताहू को जापत ॥ सो साधू इह पहुचनहारा ॥ नानक ता कै सद बलिहारा ॥३॥ सलोकु ॥ धनु धनु कहा पुकारते माइआ मोह सभ कूर॥ नाम बिहूने नानका होत जात सभु

धूर ॥१॥ पवड़ी ॥ धधा धूरि पुनीत तेरे जनूआ ॥ धनि तेऊ जिह रुच इआ मनूआ॥ धनु नही बाछहि सुरग न आछहि॥ अति प्रिअ प्रीति साध रज राचहि ॥ धंधे कहा बिआपहि ताहू॥ जो एक छाडि अन कतिह न जाहू॥ जा कै हीऐ दीओ प्रभ नाम ॥ नानक साध पूरन भगवान ॥४॥

www.dekho-ji.com 729 Index विषय सुची सलोक॥ अनिक भेख अरु ङिआन धिआन मनहठि मिलिअउ न कोइ॥ कहु नानक किरपा भई भगतु ङिआनी सोइ ॥१॥ पउड़ी ॥ ङंङा ङिआन् नही मुख बातउ॥ अनिक ज्गति सासत्र करि भातउ॥ ङिआनी सोइ जा कै द्रिड़ सोऊ ॥ कहत सुनत कछु जोगु न होऊ ॥ ङिआनी रहत आगिआ द्रिड़ जा कै॥ उसन सीत समसरि

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सभ ता कै॥ ङिआनी ततु गुरमुखि बीचारी ॥ नानक जा कउ किरपा धारी ॥५॥ सलोकु ॥ आवन आए स्निसटि महि बिन् बूझे पस् ढोर ॥ नानक गुरमुखि सो बुझै जा कै भाग मथोर ॥१॥ पउड़ी ॥ या जुग महि एकहि कउ आइआ ॥ जनमत मोहिओ मोहनी माइआ ॥ गरभ कुंट महि उरध तप करते ॥ सासि सासि सिमरत

प्रभु रहते ॥ उरिझ परे जो छोडि छडाना ॥ देवनहारु मनिह बिसराना ॥ धारहु किरपा जिसिह गुसाई ॥ इत

जिरपा जिसाह गुसाइ ॥ इत उत नानक तिसु बिसरहु नाही ॥६॥

सलोकु ॥ आवत हुकिम बिनास हुकिम आगिआ भिंन न कोइ॥ आवन जाना तिह मिटै नानक जिह मिन सोइ॥१॥ पउड़ी॥ एऊ जीअ बहुतु ग्रभ वासे॥

मोह मगन मीठ जोनि फासे॥ इनि माइआ त्रै गुण बसि कीने ॥ आपन मोह घटे घटि दीने ॥ ए साजन कछु कहहु उपाइआ॥ जा ते तरउ बिखम इह माइआ ॥ करि किरपा सतसंगि मिलाए ॥ नानक ता कै निकटि न माए 11911 सलोकु ॥ किरत कमावन सुभ असुभ कीने तिनि प्रभि आपि॥ पसु आपन हउ हउ करै नानक Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

732

Index विषय सूची

www.dekho-ji.com

करावनहारा ॥ आपहि पाप पुंन बिसथारा॥ इआ जुग जितु जितु आपहि लाइओ ॥ सो सो पाइओ ज् आपि दिवाइओ ॥ उआ का अंतु न जानै कोऊ॥ जो जो करै सोऊ फुनि होऊ॥ एकहि ते संगला बिसथारा॥ नानक आपि सवारनहारा ॥८॥

www.dekho-ji.com 734 Index विषय स्वी सलोकु ॥ राचि रहे बनिता बिनोद कुसम रंग बिख सोर ॥ नानक तिह सरनी परउ बिनसि जाइ मै मोर ॥१॥ पउड़ी ॥ रे मन बिनु हरि जह रचहु तह तह बंधन पाहि॥ जिह बिधि कतह न छूटीऐ साकत तेऊ कमाहि॥ हउ हउ करते करम रत ता को भारु अफार ॥ प्रीति नही जउ नाम सिउ तउ एऊ करम बिकार ॥ बाधे जम की जेवरी

www.dekho-ji.com 735 Index विषय सूची मीठी माइआ रंग ॥ भ्रम के मोहे नह बुझहि सो प्रभु सदहू संग॥ लेखै गणत न छूटीऐ काची भीति न सुधि ॥ जिसहि बुझाए नानका तिह गुरमुखि निरमल बुधि ॥९॥ सलोकु ॥ टूटे बंधन जासु के होआ साधू संगु॥ जो राते रंग एक कै नानक गूड़ा रंगु ॥१॥ पउड़ी ॥ रारा रंगहु इआ मनु अपना ॥ हरि हरि नामु जपहु

Index विषय सुची www.dekho-ji.com जपु रसना ॥ रे रे दरगह कहै न कोऊ॥ आउ बैठु आदरु सुभ देऊ ॥ उआ महली पावहि तू बासा॥ जनम मरन नह होइ

बिनासा ॥ मसतिक करम् लिखिओ धुरि जा कै ॥ हरि स्मपै नानक घरि ता कै ॥१०॥ सलोकु ॥ लालच झूठ बिकार मोह बिआपत मूड़े अंध ॥ लागि परे दुरगंध सिउ नानक माइआ बंध ॥१॥ पउड़ी ॥ लला लपटि

www.dekho-ji.com 737 Index विषय सुची बिखै रस राते ॥ अह्मबुधि माइआ मद माते ॥ इआ माइआ महि जनमहि मरना ॥ जिउ जिउ हुकमु तिवै तिउ करना ॥ कोऊ ऊन न कोऊ पूरा ॥ कोऊ सुघरु न कोऊ मूरा ॥ जितु जितु लावहु तितु तितु लगना ॥

॥११॥
सलोकु॥ लाल गुपाल गोबिंद
प्रभ गहिर ग्मभीर अथाह॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

नानक ठाकुर सदा अलिपना

www.dekho-ji.com **738** Index विषय सुची दूसर नाही अवर को नानक बेपरवाह ॥१॥ पउड़ी ॥ लला ता कै लवै न कोऊ॥ एकहि आपि अवर नह होऊ ॥ होवनहारु होत सद आइआ॥ उआ का अंतु न काहू पाइआ॥ कीट हसति महि पूर समाने ॥ प्रगट पुरख सभ ठाऊ जाने ॥ जा कउ दीनो हिर रसु अपना ॥ नानक गुरमुखि हरि हरि तिह जपना ॥१२॥

लाकु॥ आतम रसु जिह जानिआ हरि रंग सहजे माणु॥ नानक धनि धनि धंनि जन आए

नानक धान धान धान जन आए ते परवाणु ॥१॥ पउड़ी ॥ आइआ सफल ताहू को गनीऐ॥

जासु रसन हरि हरि जसु भनीऐ ॥ आइ बसहि साधू कै संगे ॥ अनदिनु नामु धिआवहि रंगे ॥

अनिदनु नामु धिआविह रंगे॥ आवत सो जनु नामिह राता॥ जा कउ दइआ मइआ बिधाता॥ एकिह आवन फिरि जोनि न www.dekho-ji.com **740** Index विषय सुची आइआ॥ नानक हिर कै दरिस समाइआ ॥१३॥ सलोकु ॥ यासु जपत मिन होइ

अनंदु बिनसै दूजा भाउ॥ दूख दरद त्रिसना बुझै नानक नामि

समाउ॥१॥ पउड़ी ॥ यया जारउ दुरमति दोऊ ॥ तिसहि तिआगि सुख सहजे सोऊ॥ यया जाइ परहु संत सरना ॥ जिह आसर इआ भवजलु तरना ॥ यया जनमि न आवै सोऊ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

एक नाम ले मनिह परोऊ॥
यया जनमु न हारीऐ गुर पूरे
की टेक॥ नानक तिह सुखु
पाइआ जा कै ही और एक॥१४॥
सलोकु॥ अंतरि मन तन बसि

रहे ईत ऊत के मीत ॥ गुरि पूरै उपदेसिआ नानक जपीऐ नीत ॥१॥ पउड़ी ॥ अनदिनु सिमरहु तास् कउ जो अंति सहाई होइ॥ इह बिखिआ दिन चारि छिअ छाडि चलिओ सभु कोइ॥ का

www.dekho-ji.com 742 Index विषय स्वी को मात पिता सुत धीआ ॥ ग्रिह बनिता कछु संगि न लीआ ॥ ऐसी संचि जु बिनसत नाही

॥ पति सेती अपुनै घरि जाही ॥ साधसंगि कलि कीरतनु गाइआ ॥ नानक ते ते बहुरि न आइआ ॥१५॥ सलोकु ॥ अति सुंदर कुलीन

चतुर मुखि ङिआनी धनवंत ॥ मिरतक कहीअहि नानका जिह प्रीति नही भगवंत ॥१॥ पउड़ी

॥ ङंङा खटु सासत्र होइ ङिआता ॥ पूरकु कुमभक रेचक करमाता ॥ ङिआन धिआन तीरथ इसनानी ॥ सोमपाक अपरस उदिआनी ॥ राम नाम संगि मनि नही हेता॥ जो कछ कीनो सोऊ अनेता॥ उआ ते ऊतम् गनउ चंडाला ॥ नानक जिह मनि बसहि गुपाला ॥१६॥

744 www.dekho-ji.com Index विषय सुची सलोकु ॥ कुंट चारि दह दिसि भ्रमे करम किरति की रेख ॥ सूख दूख मुकति जोनि नानक लिखिओ लेख ॥१॥ पवड़ी ॥ कका कारन करता सोऊ॥ लिखिओ लेखु न मेटत कोऊ॥ नहीं होत कछु दोऊ बारा॥ करनैहारु न भूलनहारा ॥ काहू पंथु दिखारै आपै ॥ काहू उदिआन भ्रमत पछुतापै॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

आपन खेलु आप ही कीनो ॥ जो

www.dekho-ji.com 745 Index विषय सूची जो दीनो सु नानक लीनो ॥१७॥ सलोकु ॥ खात खरचत बिलछत रहे टूटि न जाहि भंडार ॥ हरि हरि जपत अनेक जन नानक नाहि सुमार ॥१॥ पउड़ी ॥ खखा खूना कछु नही तिसु सम्रथ कै पाहि॥ जो देना सो दे

रहिओ भावै तह तह जाहि॥ खरचु खजाना नाम धनु इआ भगतन की रासि ॥ खिमा

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची 746 गरीबी अनद सहज जपत रहों है गुणतास ॥ खेलिहे बिगसिह अनद सिउ जा कउ होत क्रिपाल ॥ सदीव गनीव सुहावने राम नाम ग्रिहि माल ॥ खेदु न दूखु न डानु तिह जा कउ नदरि करी ॥ नानक जो प्रभ भाणिआ पूरी तिना परी ॥१८॥ सलोकु ॥ गनि मिनि देखहु मनै माहि सरपर चलनो लोग ॥ आस अनित गुरमुखि मिटै

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची 747 नानक नाम अरोग ॥१॥ पउड़ी ॥ गगा गोबिद गुण रवहु सासि सासि जपि नीत ॥ कहा बिसासा देह का बिलम न करिहो मीत ॥ नह बारिक नह जोबनै नह बिरधी कछु बंधु ॥ ओह बेरा नह बूझीऐ जउ आइ परै जम फंधु ॥ गिआनी धिआनी चतुर पेखि रहनु नहीं इह ठाइ॥ छाडि छाडि सगली गई मूड़ तहा लपटाहि ॥ गुर

www.dekho-ji.com 748 Index विषय सुची प्रसादि सिमरत रहै जाहू

मसतिके भाग ॥ नानक आए सफल ते जा कउ प्रिअहि सुहाग ॥१९॥

सलोकु ॥ घोखे सासत्र बेद सभ आन न कथतउ कोइ॥ आदि जुगादी हुणि होवत नानक एकै सोइ॥१॥ पउड़ी॥ घघा घालहु मनहि एह बिनु हरि दूसर नाहि ॥ नह होआ नह होवना जत कत ओही समाहि ॥ घूलहि तउ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सूची 749 मन जउ आवहि सरना ॥ नाम तत् कलि महि पुनहचरना ॥ घालि घालि अनिक पछुतावहि ॥ बिनु हरि भगति कहा थिति

पावहि ॥ घोलि महा रसु अम्रितु तिह पीआ ॥ नानक हरि गुरि जा कउ दीआ ॥२०॥ सलोकु ॥ ङणि घाले सभ दिवस सास नह बढन घटन तिलु सार ॥ जीवन लोरहि भरम मोह नानक तेऊ गवार ॥१॥ पउड़ी

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

जिह आपि दिवाए ॥ ङणती ङणी नहीं कोऊ छूटै ॥ काची गागरि सरपर फूटै ॥ सो जीवत जिह जीवत जपिआ ॥ प्रगट भए नानक नह छपिआ ॥२१॥

www.dekho-ji.com **751** Index विषय सुची सलोकु ॥ चिति चितवउ चरणारबिंद ऊध कवल बिगसांत ॥ प्रगट भए आपहि गोबिंद नानक संत मतांत ॥१॥ पउड़ी ॥ चचा चरन कमल गुर लागा॥ धनि धनि उआ दिन संजोग सभागा ॥ चारि कुंट दह दिसि भ्रमि आइओ ॥ भई क्रिपा तब दरसनु पाइओ ॥ चार बिचार बिनसिओ सभ दूआ ॥ साधसंगि मनु निरमल हुआ ॥

**752** www.dekho-ji.com Index विषय सूची चिंत बिसारी एक द्रिसटेता॥ नानक गिआन अंजन् जिह नेत्रा 117711 सलोकु ॥ छाती सीतल मनु सुखी छंत गोबिद गुन गाइ॥ ऐसी किरपा करह प्रभ नानक दास दसाइ ॥१॥ पउड़ी ॥ छछा छोहरे दास तुमारे ॥ दास दासन के पानीहारे ॥ छछा छारु होत तेरे संता ॥ अपनी क्रिपा करहु भगवंता ॥ छाडि

www.dekho-ji.com **753** Index विषय सुची सिआनप बहु चतुराई ॥ संतन की मन टेक टिकाई ॥ छारु की पुतरी परम गति पाई ॥ नानक जा कउ संत सहाई ॥२३॥ सलोकु ॥ जोर जुलम फूलिहे घनो काची देह बिकार ॥ अह्मबुधि बंधन परे नानक नाम छुटार ॥१॥ पउड़ी ॥ जजा जानै हउ कछु हूआ ॥ बाधिओ जिउ नलिनी भ्रमि सूआ ॥ जउ जानै हउ भगतु गिआनी ॥ आगै

www.dekho-ji.com **754** Index विषय सूची ठाकुरि तिलु नही मानी ॥ जउ जाने मै कथनी करता॥ बिआपारी बसुधा जिउ फिरता ॥ साधसंगि जिह हउमै मारी ॥

नानक ता कउ मिले म्रारी ॥२४॥

सलोकु ॥ झालाघे उठि नामु जपि निसि बासुर आराधि ॥ कार्हा तुझै न बिआपई नानक मिटै उपाधि ॥१॥ पउड़ी ॥ झझा झूरनु मिटै तुमारो ॥ राम

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 755 Index विषय सूची
नाम सिर करि लिख्टारो ॥

नाम सिउ करि बिउहारो ॥ झूरत झूरत साकत मूआ ॥ जा कै रिदै होत भाउ बीआ ॥ झरहि कसमल पाप तेरे मनूआ ॥ अम्रित कथा संतसंगि सुनूआ ॥ झरहि काम क्रोध द्रुसटाई ॥ नानक जा कउ क्रिपा गुसाई

॥२५॥

सलोकु॥ ञतन करहु तुम अनिक बिधि रहनु न पावहु मीत॥ जीवत रहहु हरि हरि www.dekho-ji.com **756** Index विषय स्ची भजहु नानक नाम परीति ॥१॥ पवड़ी ॥ ञंञा ञाणहु द्रिड़् सही बिनसि जात एह हेत ॥ गणती गणउ न गणि सकउ ऊठि सिधारे केत ॥ ञो पेखउ सो बिनसतउ का सिउ करीऐ संगु ॥ ञाणहु इआ बिधि सही चित झूठउ माइआ रंगु ॥ ञाणत सोई संतु सुइ भ्रम ते कीचित भिंन॥ अंध कूप ते तिह कढहु जिह होवहु सुप्रसंन ॥ ञा कै हाथि

www.dekho-ji.com *757* Index विषय स्ची समरथ ते कारन करनै जोग ॥ नानक तिह उसतति करउ ञाहू कीओ संजोग ॥२६॥ सलोकु ॥ टूटे बंधन जनम मरन साध सेव सुखु पाइ॥ नानक मनहु न बीसरै गुण निधि गोबिद राइ ॥१॥ पउड़ी ॥ टहल करहु तउ एक की जा ते ब्रिथा न कोइ॥ मनि तनि मुखि

हीऐ बसै जो चाहहु सो होइ॥ टहल महल ता कउ मिलै जा Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 758 Index विषय स्ची कउ साध क्रिपाल ॥ साधू

संगति तउ बसै जउ आपन होहि दइआल॥ टोहे टाहे बहु भवन बिनु नावै सुखु नाहि॥ टलहि जाम के दूत तिह जु साधू संगि समाहि ॥ बारि बारि जाउ संत सदके ॥ नानक पाप बिनासे कदि के ॥२७॥ सलोकु ॥ ठाक न होती तिनहु दरि जिह होवहु सुप्रसंन ॥ जो

जन प्रभि अपुने करे नानक ते

मनुआ ठाहहि नाही ॥ जो सगल तिआगि एकहि लपटाही॥ ठहिक ठहिक माइआ संगि मूए ॥ उआ कै कुसल न कतहू हूए ॥ ठांढि परी संतह संगि बसिआ॥ अम्रित नामु तहा जीअ रसिआ ॥ ठाकुर अपुने जो जनु भाइआ ॥ नानक उआ का मनु

सीतलाइआ ॥२८॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सलोकु ॥ डंडउति बंदन अनिक बार सरब कला समरथ। डोलन ते राखहु प्रभू नानक दे करि हथ ॥१॥ पउड़ी ॥ डडा डेरा इहु नहीं जह डेरा तह जानु ॥ उआ डेरा का संजमो गुर कै सबदि पछान् ॥ इआ डेरा कउ स्रम् करि घालै ॥ जा का तसू नही संगि चालै ॥ उआ डेरा की सो मिति जानै ॥ जा कउ द्रिसटि पूरन भगवानै ॥ डेरा

www.dekho-ji.com Index विषय सूची निहचलु सचु साधसंग पाइआ ॥ नानक ते जन नह डोलाइआ ॥२९॥ सलोकु ॥ ढाहन लागे धरम राइ किनहि न घालिओ बंध॥ नानक उबरे जपि हरी साधसंगि सनबंध ॥१॥ पउड़ी ॥ ढढा ढूढत कह फिरहु ढूढनु इआ मन माहि॥ संगि तुहारै प्रभु बसै बनु बनु कहा फिराहि ॥ ढेरी ढाहहु साधसंगि अह्मबुधि

www.dekho-ji.com 762 Index विषय सूची बिकराल ॥ सुखु पावहु सहज बसहु दरसनु देखि निहाल ॥ ढेरी जामै जिम मरै गरभ जोनि दुख पाइ॥ मोह मगन लपटत रहै हउ हउ आवै जाइ॥ ढहत ढहत अब ढिहि परे साध जना सरनाइ॥ दुख के फाहे काटिआ नानक लीए समाइ ॥३०॥ सलोकु ॥ जह साधू गोबिद भजनु कीरतनु नानक नीत॥ णा हउ णा तूं णह छुटहि

www.dekho-ji.com Index विषय सुची निकटि न जाईअहु दूत ॥१॥ पउड़ी ॥ णाणा रण ते सीझीऐ आतम जीतै कोइ॥ हउमै अन सिउ लरि मरै सो सोभा दू होइ ॥ मणी मिटाइ जीवत मरै गुर पूरे उपदेस ॥ मनूआ जीतै हरि मिलै तिह सूरतण वेस ॥ णा को जाणै आपणो एकहि टेक अधार ॥ रैणि दिणसु सिमरत रहै सो प्रभु पुरखु अपार ॥ रेण संगल इआ मनु करे एऊ करम कमाइ

www.dekho-ji.com 764 Index विषय सुची ॥ हुकमै बूझै सदा सुखु नानक लिखिआ पाइ ॥३१॥ सलोकु ॥ तनु मनु धनु अरपउ तिसै प्रभू मिलावै मोहि॥ नानक भ्रम भउ काटीऐ चूकै जम की जोह ॥१॥ पउड़ी ॥ तता ता सिउ प्रीति करि गुण निधि गोबिद राइ॥ फल पावहि मन बाछते तपति तुहारी जाइ ॥ त्रास मिटै जम पंथ की जासु बसै मनि नाउ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

गति पावहि मति होइ प्रगास महली पावहि ठाउ॥ ताहू संगि न धनु चलै ग्रिह जोबन नह राज॥ संतसंगि सिमरत रहहु

इहै तुहारै काज ॥ ताता कछू न होई है जउ ताप निवारै आप ॥

हाइ ह जउ ताप ानवार आप॥
प्रतिपालै नानक हमहि आपहि
माई बाप॥३२॥
सलोकु॥ थाके बहु बिधि

घालते त्रिपति न त्रिसना लाथ ॥ संचि संचि साकत मूए नानक www.dekho-ji.com Index विषय स्ची माइआ न साथ ॥१॥ पउड़ी ॥ थथा थिरु कोऊ नहीं काइ पसारहु पाव ॥ अनिक बंच बल छल करहु माइआ एक उपाव ॥ थैली संचहु स्नमु करहु थाकि परहु गावार ॥ मन कै कामि न आवई अंते अउसर बार ॥ थिति पावहु गोबिद भजहु संतह की सिख लेहु॥ प्रीति करहु सद एक सिउ इआ साचा असर्नेहु॥ कारन करन करावनो सभ

www.dekho-ji.com 767 Index विषय सूची बिधि एकै हाथ ॥ जितु जितु लावहु तितु तितु लगहि नानक जंत अनाथ ॥३३॥ सलोकु ॥ दासह एकु निहारिआ सभु कछु देवनहार ॥ सासि सासि सिमरत रहिह नानक दरस अधार ॥१॥ पउड़ी ॥ ददा

दाता एकु है सभ कउ देवनहार ॥ देंदे तोटि न आवई अगनत भरे भंडार ॥ दैनहारु सद जीवनहारा॥ मन मूरख किउ

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ताहि बिसारा ॥ दोसु नही काहू कउ मीता ॥ माइआ मोह बंधु प्रभि कीता ॥ दरद निवारहि जा के आपे ॥ नानक ते ते ग्रम्खि ध्रापे ॥३४॥ सलोकु ॥ धर जीअरे इक टेक तू लाहि बिडानी आस ॥ नानक नाम् धिआईऐ कारज् आवै रासि ॥१॥ पउड़ी ॥ धधा धावत तउ मिटै संतसंगि होइ बासु ॥ धुर ते किरपा करह

www.dekho-ji.com 769 Index विषय सुची आपि तउ होइ मनहि परगासु ॥ धनु साचा तेऊ सच साहा ॥ हरि हरि पूंजी नाम बिसाहा ॥ धीरजु जसु सोभा तिह बनिआ ॥ हरि हरि नामु स्रवन जिह सुनिआ ॥ गुरमुखि जिह घटि रहे समाई ॥ नानक तिह जन मिली वडाई ॥३५॥ सलोकु ॥ नानक नामु नामु जपु जपिआ अंतरि बाहरि रंगि॥ गुरि पूरै उपदेसिआ नरकु नाहि

770 www.dekho-ji.com Index विषय सुची साधसंगि ॥१॥ पउड़ी ॥ नंना नरिक परिह ते नाही ॥ जा कै मनि तनि नामु बसाही ॥ नामु निधानु गुरमुखि जो जपते॥ बिखु माइआ महि ना ओइ खपते ॥ नंनाकारु न होता ता कहु ॥ नामु मंत्रु गुरि दीनो जा कहु॥ निधि निधान हरि अम्रित पूरे ॥ तह बाजे नानक अनहद

तूरे ॥३६॥

www.dekho-ji.com 771 Index विषय सूची सलोकु ॥ पति राखी गुरि पारब्रहम तजि परपंच मोह बिकार॥ नानक सोऊ आराधीऐ अंतु न पारावारु ॥१॥ पउड़ी ॥ पपा परमिति पारु न पाइआ ॥ पतित पावन अगम हरि राइआ ॥ होत पुनीत

कोट अपराधू ॥ अम्रित नामु जपहि मिलि साधू॥ परपच ध्रोह मोह मिटनाई ॥ जा कउ राखहु आपि गुसाई ॥ पातिसाहु Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची छत्र सिर सोऊ॥ नानक दूसर अवरु न कोऊ ॥३७॥ सलोकु ॥ फाहे काटे मिटे गवन फतिह भई मनि जीत ॥ नानक

गुर ते थित पाई फिरन मिटे नित नीत ॥१॥ पउड़ी ॥ फफा फिरत फिरत तू आइआ ॥ द्रलभ

देह कलिजुग महि पाइआ॥ फिरि इआ अउसरु चरै न हाथा ॥ नामु जपहु तउ कटीअहि फासा ॥ फिरि फिरि आवन

www.dekho-ji.com 773 Index विषय स्ची

जानु न होई ॥ एकहि एक जपहु जपु सोई ॥ करहु क्रिपा प्रभ करनैहारे ॥ मेलि लेहु नानक

बेचारे॥३८॥

सलोकु ॥ बिनउ सुनहु तुम पारब्रहम दीन दइआल गुपाल ॥ सुख स्मपै बहु भोग रस नानक साध रवाल ॥१॥ पउड़ी ॥ बबा ब्रहमु जानत ते ब्रहमा ॥ बैसनो ते गुरमुखि सुच धरमा ॥ बीरा आपन बुरा मिटावै ॥ ताहू बुरा

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची निकटि नही आवै ॥ बाधिओ आपन हउ हउ बंधा ॥ दोस् देत आगह कउ अंधा ॥ बात चीत सभ रही सिआनप ॥ जिसहि जनावहु सो जानै नानक ॥३९॥ सलोक् ॥ भै भंजन अघ दूख नास मनहि अराधि हरे॥ संतसंग जिह रिद बसिओ नानक ते न भ्रमे ॥१॥ पउड़ी ॥ भभा भरमु मिटावहु अपना ॥ इआ संसारु सगल है सुपना॥

भरमे सुरि नर देवी देवा॥ भरमे सिध साधिक ब्रहमेवा॥

भरिम भरिम मानुख डहकाए॥ दुतर महा बिखम इह माए॥ गुरमुखि भ्रम भै मोह मिटाइआ॥ नानक तेह परम सुख पाइआ॥ ॥४०॥

सलोकु॥ माइआ डोलै बहु बिधी मनु लपटिओ तिह संग॥ मागन ते जिह तुम रखहु सु नानक नामहि रंग॥१॥ पउड़ी ॥ ममा मागनहार इआना॥ देनहार दे रहिओ सुजाना॥ जो दीनो सो एकहि बार॥ मन मूरख कह करहि पुकार॥ जउ

मूरख कह करिह पुकार ॥ जउ मागिह तउ मागिह बीआ ॥ ते कुसल न काहू थीआ ॥ मागिन माग त एकिह माग ॥ नानक जा ते परिह पराग ॥४१॥

सलोक ॥ मति पूरी परधान ते गुर पूरे मन मंत ॥ जिह

जाहू मरमु पछाना ॥ भेटत साधसंग पतीआना ॥ दुख सुख उआ कै समत बीचारा ॥ नरक सुरग रहत अउतारा ॥ ताहू संग ताहू निरलेपा ॥ पूरन घट घट पुरख बिसेखा ॥ उआ रस महि उआहू सुखु पाइआ ॥ नानक लिपत नही तिह माइआ ॥४२॥

www.dekho-ji.com 778 Index विषय स्वी सलोकु ॥ यार मीत सुनि साजनहु बिनु हरि छूटनु नाहि

साजनहु । बनु हार छूटनु नाहि ॥ नानक तिह बंधन कटे गुर की चरनी पाहि ॥१॥ पवड़ी ॥ यया

जतन करत बहु बिधीआ ॥ एक नाम बिनु कह लउ सिधीआ॥ याहू जतन करि होत छुटारा ॥ उआहू जतन साध संगारा॥ या उबरन धारै सभु कोऊ ॥ उआहि जपे बिनु उबर न होऊ ॥ याहू तरन तारन समराथा ॥ राखि

लेहु निरगुन नरनाथा॥ मन बच क्रम जिह आपि जनाई॥ नानक तिह मति प्रगटी आई ॥४३॥

सलोकु ॥ रोसु न काहू संग करहु आपन आपु बीचारि ॥ होइ निमाना जगि रहहु नानक नदरी पारि ॥१॥ पउड़ी ॥ रारा रेन होत सभ जा की ॥ तजि अभिमानु छुटै तेरी बाकी ॥ रणि दरगहि तउ सीझहि भाई

ण जाउ गुरमुखि राम नाम लिव लाई॥ रहत रहत रहि जाहि बिकारा॥ गुर पूरे कै सबदि अपारा॥ राते रंग नाम रस

बिकारा॥ गुर पूरे कै सबदि
अपारा॥ राते रंग नाम रस
माते॥ नानक हरि गुर कीनी
दाते॥४४॥
सलोकु॥ लालच झुठ बिखै

दाते ॥४४॥ सलोकु ॥ लालच झूठ बिखै बिआधि इआ देही महि बास ॥ हरि हरि अम्रितु गुरमुखि पीआ नानक सूखि निवास ॥१॥ पउड़ी ॥ लला लावउ अउखध www.dekho-ji.com Index विषय स्ची जाहू ॥ दूख दरद तिह मिटहि खिनाहू ॥ नाम अउखधु जिह रिदै हितावै ॥ ताहि रोगु सुपनै नहीं आवै ॥ हरि अउखधु सभ घट है भाई ॥ गुर पूरे बिनु बिधि न बनाई ॥ गुरि पूरै

संजमु करि दीआ ॥ नानक तउ फिरि दूख न थीआ ॥४५॥ सलोकु ॥ वासुदेव सरबत्र मै ऊन न कतहू ठाइ॥ अंतरि बाहरि संगि है नानक काइ

www.dekho-ji.com **782** Index विषय सुची दुराइ॥१॥ पउड़ी ॥ ववा वैरु न करीऐ काहू ॥ घट घट अंतरि

ब्रहम समाहू ॥ वासुदेव जल थल महि रविआ ॥ गुर प्रसादि विरलै ही गविआ ॥ वैर विरोध मिटे तिह मन ते ॥ हरि कीरतनु गुरमुखि जो सुनते ॥ वरन चिहन सगलह ते रहता॥ नानक हरि हरि गुरमुखि जो कहता ॥४६॥

सलोकु॥ हउ हउ करत बिहानीआ साकत मुगध अजान ॥ इड़िक मुए जिउ त्रिखावंत नानक किरति कमान॥१॥

पउड़ी ॥ ड़ाड़ा ड़ाड़ि मिटै संगि साधू॥ करम धरम ततु नाम अराधू ॥ रूड़ो जिह बसिओ रिद माही ॥ उआ की ड़ाड़ि मिटत बिनसाही ॥ ड़ाड़ि करत साकत गावारा ॥ जेह हीऐ अह्मबुधि बिकारा ॥ ड़ाड़ा गुरमुखि ड़ाड़ि

www.dekho-ji.com 784 Index विषय सूची

मिटाई॥ निमख माहि नानक समझाई॥४७॥

सलोकु ॥ साधू की मन ओट गहु उकति सिआनप तिआगु ॥ गुर

दीखिआ जिह मिन बसै नानक मसतिक भागु॥१॥ पउड़ी॥ ससा सरिन परे अब हारे॥ सासत्र सिम्निति बेद पूकारे॥ सोधत सोधत सोधि बीचारा॥

सावत सावत साव जापारा ॥ बिनु हरि भजन नही छुटकारा ॥ सासि सासि हम भूलनहारे ॥ लुम समरथ अगनत अपारे॥
सरनि परे की राखु दइआला॥
नानक तुमरे बाल गुपाला
॥४८॥
सलोक॥ खढी मिटी तब सख

सलोकु॥ खुदी मिटी तब सुख भए मन तन भए अरोग॥ नानक द्रिसटी आइआ उसतति करनै जोगु ॥१॥ पउड़ी ॥ खखा खरा सराहउ ताहू॥ जो खिन महि ऊर्न सुभर भराहू॥ खरा निमाना होत परानी ॥ अनदिनु 

 www.dekho-ji.com
 786
 Index विषय स्वी

 जापै प्रभ निरबानी ॥ भावै
 ॥ भावै

 खसम त उआ सुखु देता ॥

पारब्रहमु ऐसो आगनता॥ असंख खते खिन बखसनहारा॥ नानक साहिब सदा दइआरा॥ ४९॥

सलोकु ॥ सित कहउ सुनि मन मेरे सरिन परहु हिर राइ॥ उकित सिआनप सगल तिआगि नानक लए समाइ॥१॥ पउड़ी ॥ ससा सिआनप छाडु इआना॥ www.dekho-ji.com Index विषय स्वी हिकमति हुकमि न प्रभु पतीआना ॥ सहस भाति करहि चतुराई ॥ संगि तुहारै एक न जाई॥ सोऊ सोऊ जिप दिन राती ॥ रे जीअ चलै तुहारै साथी ॥ साध सेवा लावै जिह आपै॥ नानक ता कउ दूख् न बिआपै ॥५०॥ सलोकु ॥ हरि हरि मुख ते

सलोकु ॥ हिर हिर मुख ते बोलना मिन वूठै सुखु होइ ॥ नानक सभ मिह रिव रहिआ थान थनंतरि सोइ॥१॥ पउड़ी ॥ हेरउ घटि घटि सगल के पूरि रहे भगवान॥ होवत आए सद सदीव दुख भंजन गुर गिआन॥ हउ छुटकै होइ अनंद तिह हउ

सदीव दुख भंजन गुर गिआन ॥ हउ छुटकै होइ अनंदु तिह हउ नाही तह आपि ॥ हते दूख जनमह मरन संतसंग परताप ॥ हित करि नाम द्रिड़ै दइआला ॥

संतह संगि होत किरपाला ॥ ओरै कछू न किनहू कीआ ॥ www.dekho-ji.com Index विषय स्ची नानक सभु कछु प्रभ ते हूआ ા ५ શા सलोकु ॥ लेखै कतिह न छूटीऐ खिनु खिनु भूलनहार ॥

बखसनहार बखसि लै नानक पारि उतार ॥१॥ पउड़ी ॥ लूण हरामी गुनहगार बेगाना अलप मति ॥ जीउ पिंडु जिनि सुख दीए ताहि न जानत तत॥

लाहा माइआ कारने दह दिसि ढूढन जाइ ॥ देवनहार दातार

प्रभ निमख न मनहि बसाइ॥
लालच झूठ बिकार मोह इआ
स्मपै मन माहि॥ लमपट चोर
निंदक महा तिनहू संगि बिहाइ
॥ तथ भावै ता तस्वसि लैटि

स्मपै मन माहि॥ ल्मपट चोर निंदक महा तिनहू संगि बिहाइ ॥ तुधु भावै ता बखिस लैहि खोटे संगि खरे॥ नानक भावै पारब्रहम पाहन नीरि तरे ॥५२॥

सलोकु ॥ खात पीत खेलत हसत भरमे जनम अनेक ॥ भवजल ते काढहु प्रभू नानक www.dekho-ji.com Index विषय सुची तेरी टेक ॥१॥ पउड़ी ॥ खेलत खेलत आइओ अनिक जोनि दुख पाइ॥ खेद मिटे साधू मिलत सतिग्र बचन समाइ॥ खिमा गही सच् संचिओ खाइओ अम्रितु नाम ॥ खरी क्रिपा ठाकुर भई अनद सूख बिस्नाम ॥ खेप निबाही बहुतु लाभ घरि आए पतिवंत ॥ खरा दिलासा गुरि दीआ आइ मिले भगवंत ॥ आपन कीआ करहि आपि आगै

पाछै आपि ॥ नानक सोऊ
सराहीऐ जिघटि घटि रहिआ
बिआपि ॥५३॥
सलोकु॥ आए प्रभ सरनागती
किरपा निधि दइआल॥ एक

अखरु हरि मनि बसत नानक होत निहाल ॥१॥ पउड़ी ॥ अखर महि त्रिभवन प्रभि धारे ॥ अखर करि करि बेद बीचारे ॥ अखर सासत्र सिम्रिति पुराना

॥ अखर नाद कथन वख्याना ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **793** Index विषय स्ची अखर मुकति जुगति भै भरमा॥ अखर करम किरति सुच धरमा ॥ द्रिसटिमान अखर है जेता ॥ नानक पारब्रहम निरलेपा ાવજા सलोकु ॥ हथि कलम अगम मसतिक लिखावती ॥ उरिझ रहिओ सभ संगि अनूप रूपावती ॥ उसतति कहनु न जाइ मुखहु तुहारीआ ॥ मोही देखि दरसु नानक बलिहारीआ

www.dekho-ji.com **794** Index विषय सुची ॥१॥ पउड़ी ॥ हे अचुत हे पारब्रहम अबिनासी अघनास ॥ हे पूरन हे सरब मै दुख भंजन गुणतास ॥ हे संगी हे निरंकार हे निरगुण सभ टेक ॥ हे गोबिद हे गुण निधान जा कै सदा बिबेक ॥ हे अपर्मपर हरि हरे हिह भी होवनहार ॥ हे संतह कै सदा संगि निधारा आधार ॥ हे ठाकुर हउ दासरो मै निरगुन गुनु नहीं कोइ॥ नानक दीजै

www.dekho-ji.com Index विषय सुची नाम दानु राखउ हीऐ परोइ ાધધા सलोकु ॥ गुरदेव माता गुरदेव पिता गुरदेव सुआमी परमेसुरा

॥ गुरदेव सखा अगिआन भंजनु गुरदेव बंधिप सहोदरा ॥ गुरदेव दाता हरि नामु उपदेसै गुरदेव मंतु निरोधरा ॥ गुरदेव सांति सति बुधि मूरति गुरदेव पारस परस परा ॥ गुरदेव तीरथु अम्रित सरोवरु गुर गिआन

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **796** Index विषय सुची मजनु अपर्मपरा ॥ गुरदेव करता सभि पाप हरता गुरदेव पतित पवित करा ॥ गुरदेव आदि जुगादि जुगु जुगु गुरदेव मंतु हरि जपि उधरा ॥ गुरदेव संगति प्रभ मेलि करि किरपा हम मूड़ पापी जितु लगि तरा॥ गुरदेव सतिगुरु पारब्रहमु परमेसरु गुरदेव नानक हरि नमसकरा ॥१॥ एहु सलोकु आदि अंति पड़णा॥

## वाहिगुरू जी का खालसा ॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह ॥

## ओअंकार

रामकली महला १ दखणी ओअंकारु श्रु सतिगुर प्रसादि॥

ओअंकारि ब्रहमा उतपति ॥ ओअंकारु कीआ जिनि चिति ॥

ओअंकारि सैल जुग भए॥ ओअंकारि बेद निरमए॥

ओअंकारि सबदि उधरे॥

ओअंकारि गुरमुखि तरे ॥ ओनम

www.dekho-ji.com 799 Index विषय सुची अखर सुणहु बीचारु ॥ ओनम अखरु त्रिभवण सारु ॥१॥ सुणि पार्ड किआ लिखहु जंजाला ॥ लिखु राम नाम गुरमुखि गोपाला ॥१॥ रहाउ ॥ ससै सभु जगु सहजि उपाइआ तीनि भवन इक जोती ॥ गुरमुखि वसतु परापति होवै चुणि लै माणक मोती ॥ समझै सूझै पड़ि पड़ि बूझै अंति निरंतरि साचा॥ गुरमुखि देखै साचु समाले बिनु

www.dekho-ji.com Index विषय सुची साचे जगु काचा ॥२॥ धधै धरमु धरे धरमा पुरि गुणकारी मनु धीरा ॥ धधै धूलि पड़ै मुखि मसतिके कंचन भए मनूरा॥ धनु धरणीधरु आपि अजोनी तोलि बोलि सचु पूरा ॥ करते की मिति करता जाणै कै जाणै गुरु सूरा ॥३॥ ङिआनु गवाइआ दूजा भाइआ गरिब गले बिखु खाइआ॥ गुर रसु गीत बाद नहीं भावै सुणीऐ गहिर ग्मभीरु

गवाइआ॥ गुरि सचु कहिआ अम्रितु लहिआ मिन तिन साचु सुखाइआ॥ आपे गुरमुखि आपे देवै आपे अम्रितु पीआइआ॥४॥ एको एकु कहै सभु कोई हउमै

गरबु विआपै ॥ अंतरि बाहरि एकु पछाणै इउ घरु महलु सिञापै ॥ प्रभु नेड़ै हरि दूरि न जाणहु एको स्निसटि सबाई ॥ एकंकारु अवरु नही दूजा नानक एकु समाई ॥५॥ इसु करते कउ

किउ गहि राखउ अफरिओ तुलिओ न जाई॥ माइआ के देवाने प्राणी झूठि ठगउरी पाई॥ लिब लोभि मुहताजि विगूते इब तब फिरि पछुताई॥ एकु

इब तब कि कि पछुताई ॥ एकु सरेवै ता गति मिति पावै आवणु जाणु रहाई ॥६॥ एकु अचारु रंगु इकु रूपु ॥ पउण पाणी अग्रनी असरूपु ॥ एको भवर

अगनी असरूपु ॥ एको भवरु भवै तिहु लोइ ॥ एको बूझै सूझै पति होइ ॥ गिआनु धिआनु ले www.dekho-ji.com 803 Index विषय सुची समसरि रहै ॥ गुरमुखि एकु विरला को लहै ॥ जिस नो देइ किरपा ते सुखु पाए ॥ गुरू दुआरै आखि सुणाए ॥७॥ ऊरम धूरम जोति उजाला ॥ तीनि भवण महि गुर गोपाला ॥ ऊगविआ असरूपु दिखावै॥ करि किरपा अपुनै घरि आवै॥ ऊनवि बरसै नीझर धारा॥ ऊतम सबदि सवारणहारा॥ इसु एके का जाणै भेउ॥ आपे

www.dekho-ji.com Index विषय सुची करता आपे देउ ॥८॥ उगवै सूरु असुर संघारै ॥ ऊचउ देखि सबदि बीचारै॥ ऊपरि आदि अंति तिहु लोइ ॥ आपे करै कथै स्णै सोइ॥ ओह बिधाता मन्

तन् देइ॥ ओहु बिधाता मनि मुखि सोइ॥ प्रभु जगजीवन् अवरु न कोइ ॥ नानक नामि रते पति होइ॥९॥ राजन राम रवै हितकारि ॥ रण महि लूझै मनुआ मारि॥ राति दिनंति रहै रंगि राता ॥ तीनि भवन जुग चारे जाता ॥ जिनि जाता सो तिस ही जेहा ॥ अति निरमाइलु सीझिस देदा ॥ रहसी राम रिटै

सीझसि देहा ॥ रहसी रामु रिदै इक भाइ॥ अंतरि सबदु साचि लिव लाइ ॥१०॥ रोसु न कीजै अम्रितु पीजै रहणु नही संसारे ॥ राजे राइ रंक नही रहणा आइ जाइ जुग चारे ॥ रहण कहण ते रहै न कोई किसु पहि करउ

बिनंती ॥ एकु सबदु राम नाम

www.dekho-ji.com 806 Index विषय स्ची निरोधरु गुरु देवै पति मती ॥११॥ लाज मरंती मरि गई घूघटु खोलि चली ॥ सासु दिवानी बावरी सिर ते संक टली ॥ प्रेमि बुलाई रली सिउ मन महि सबदु अनंदु ॥ लालि रती लाली भई गुरमुखि भई निचिंदु ॥१२॥ लाहा नामु रतनु जपि सारु ॥ लबु लोभु बुरा अहकारु॥ लाड़ी चाड़ी

लाइतबारु ॥ मनमुखु अधा

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 807 Index विषय स्ची मगध गवारु ॥ लाहे कारणि

मुगधु गवारु ॥ लाहे कारणि आइआ जिंग ॥ होइ मजूरु गइआ ठगाइ ठिंग ॥ लाहा नामु पूंजी वेसाहु ॥ नानक सची पति

रूजा पताहु ॥ नानक सपा पात सचा पातिसाहु ॥१३॥ आइ विगूता जगु जम पंथु ॥ आई न

मेटण को समरथु॥ आथि सैल नीच घरि होइ॥ आथि देखि निवै जिसु दोइ॥ आथि होइ ता मुगधु सिआना॥ भगति बिहूना जगु बउराना॥ सभ महि वरतै www.dekho-ji.com 808 Index विषय सूची एको सोइ॥ जिस नो किरपा करे तिसु परगटु होइ ॥१४॥ जुगि जुगि थापि सदा निरवैरु ॥ जनमि मरणि नही धंधा धैरु॥ जो दीसै सो आपे आपि ॥ आपि उपाइ आपे घट थापि ॥ आपि अगोचरु धंधै लोई॥ जोग जुगति जगजीवनु सोई ॥ करि आचारु सचु सुखु होई॥ नाम विहूणा मुकति किव होई ॥१५॥ विणु नावै वेरोधु सरीर

www.dekho-ji.com Index विषय सूची ॥ किउ न मिलहि काटहि मन पीर ॥ वाट वटाऊ आवै जाइ ॥ किआ ले आइआ किआ पलै पाइ ॥ विण् नावै तोटा सभ थाइ ॥ लाहा मिलै जा देइ बुझाइ॥ वणज् वापारु वणजै वापारी॥ विणु नावै कैसी पति सारी ॥१६॥ गुण वीचारे गिआनी सोइ॥ गुण महि गिआनु परापति होइ॥ गुणदाता विरला संसारि ॥ साची करणी

www.dekho-ji.com Index विषय सुची गुर वीचारि॥ अगम अगोचरु कीमति नही पाइ॥ ता मिलीऐ जा लए मिलाइ ॥ गुणवंती गुण सारे नीत ॥ नानक गुरमति मिलीऐ मीत ॥१७॥ काम् क्रोध् काइआ कउ गालै ॥ जिउ कंचन सोहागा ढालै ॥ कसि कसवटी सहै सु ताउ ॥ नदिर सराफ वंनी सचड़ाउ॥ जगतु पसू अहं कालु कसाई ॥ करि करतै करणी करि पाई ॥ जिनि कीती

www.dekho-ji.com Index विषय सुची तिनि कीमति पाई ॥ होर किआ कहीऐ किछु कहणु न जाई ॥१८॥ खोजत खोजत अम्रितु पीआ ॥ खिमा गही मनु सतगुरि दीआ ॥ खरा खरा आखै सभु कोइ॥ खरा रतनु जुग चारे होइ॥ खात पीअंत मूए नहीं जानिआ॥ खिन महि मूए जा सबदु पछानिआ ॥ असथिरु चीतु मरनि मनु मानिआ॥ गुर किरपा ते नामु पछानिआ

www.dekho-ji.com 812 Index विषय सुची ॥१९॥ गगन ग्मभीरु गगनंतरि वासु॥ गुण गावै सुख सहजि निवासु॥ गइआ न आवै आइ न जाइ ॥ गुर परसादि रहै लिव लाइ॥ गगनु अगमु अनाथु अजोनी ॥ अस्थिर चीत् समाधि सगोनी ॥ हरि नामु चेति फिरि पवहि न जूनी ॥ गुरमति सारु होर नाम बिहूनी ॥२०॥ घर दर फिरि थाकी बहुतेरे ॥ जाति असंख अंत नही

www.dekho-ji.com 813 Index विषय सुची मेरे ॥ केते मात पिता सुत धीआ ॥ केते गुर चेले फुनि हूआ ॥ काचे गुर ते मुकति न हूआ॥ केती नारि वरु एकु समालि॥ गुरमुखि मरणु जीवणु प्रभ नालि ॥ दह दिस ढूढि घरै महि पाइआ॥ मेलु भइआ सतिगुरू मिलाइआ ॥२१॥ गुरमुखि गावै गुरमुखि बोलै॥ गुरमुखि तोलि तोलावै तोलै ॥ गुरमुखि आवै जाइ निसंगु ॥ परहरि मैलु

www.dekho-ji.com Index विषय सूची जलाइ कलंकु ॥ गुरमुखि नाद बेद बीचारु ॥ गुरमुखि मजनु चजु अचार ॥ गुरमुखि सबदु अम्रितु है सारु ॥ नानक गुरमुखि पावै पारु ॥२२॥ चंचलु चीतु न रहई ठाइ॥ चोरी मिरगु अंगूरी खाइ॥ चरन कमल उर धारे चीत ॥ चिरु जीवनु चेतनु नित नीत ॥ चिंतत ही दीसै सभु कोइ॥ चेतिहि एकु तही सुखु होइ॥

www.dekho-ji.com 815 Index विषय स्ची

चिति वसै राचै हरि नाइ॥
मुकति भइआ पति सिउ घरि
जाइ॥२३॥ छीजै देह खुलै इक

गंढि ॥ छेआ नित देखहु जगि हंढि ॥ धूप छाव जे सम करि जाणै ॥ बंधन काटि मुकति घरि

आणे॥ छाइआ छूछी जगतु भुलाना॥ लिखिआ किरतु धुरे परवाना॥ छीजै जोबनु जरूआ सिरि कालु॥ काइआ छीजै भई

सिबालु ॥२४॥ जापै आपि प्रभू

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 816 Index विषय सुची तिहु लोइ॥ जुगि जुगि दाता अवरु न कोइ॥ जिउ भावै तिउ राखिहें राखु॥ जसु जाचउ देवै पति साखु॥ जागतु जागि रहा तुधु भावा॥ जा तू मेलहि ता तुझै समावा॥ जै जै कारु जपउ जगदीस ॥ गुरमति मिलीऐ बीस इकीस ॥२५॥ झखि बोलणु किआ जग सिउ वादु॥ झूरि मरै देखै परमादु ॥ जनिम मूए नही जीवण आसा ॥ आइ

www.dekho-ji.com Index विषय सुची चले भए आस निरासा ॥ झुरि झुरि झखि माटी रलि जाइ॥ कालु न चांपै हरि गुण गाइ ॥ पाई नव निधि हरि कै नाइ॥ आपे देवै सहजि सुभाइ ॥२६॥ ञिआनो बोलै आपे बूझै॥ आपे समझै आपे सूझै ॥ गुर का कहिआ अंकि समावै ॥ निरमल सूचे साचो भावै ॥ गुरु सागरु

रतनी नहीं तोट ॥ लाल पदारथ

साचु अखोट ॥ गुरि कहिआ सा

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 818 Index विषय सूची कार कमावहु ॥ गुर की करणी काहे धावहु ॥ नानक गुरमति साचि समावहु ॥२७॥ टूटै नेहु कि बोलहि सही ॥ टूटै बाह दुहू दिस गही ॥ टूटि परीति गई बुर बोलि ॥ दुरमति परहरि छाडी ढोलि ॥ टूटै गंठि पड़ै वीचारि ॥ गुर सबदी घरि कारजु सारि ॥ लाहा साचु न आवै तोटा॥ त्रिभवण ठाकुरु प्रीतमु मोटा ॥२८॥ ठाकहु मनूआ राखहु

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ठाइ ॥ ठहकि मुई अवगुणि पछुताइ॥ ठाकुरु एकु सबाई नारि ॥ बहुते वेस करे कूड़िआरि ॥ पर घरि जाती ठाकि रहाई ॥ महलि बुलाई ठाक न पाई॥ सबदि सवारी साचि पिआरी॥ साई सोहागणि ठाकुरि धारी ॥२९॥ डोलत डोलत हे सखी फाटे चीर सीगार ॥ डाहपणि तिन सुखु नही बिनु डर बिणठी डार ॥ डरपि मुई घरि आपणै

www.dekho-ji.com **820** Index विषय सुची डीठी केति सुजाणि ॥ डरु राखिआ गुरि आपणै निरभउ नामु वखाणि ॥ डूगरि वासु तिखा घणी जब देखा नही दूरि ॥ तिखा निवारी सबदु मंनि अम्रितु पीआ भरपूरि ॥ देहि देहि आखै सभु कोई जै भावै तै देइ ॥ गुरू दुआरै देवसी तिखा निवारै सोइ ॥३०॥ ढंढोलत ढूढत हउ फिरी ढिह ढिह पविने करारि ॥ भारे ढहते ढिहे पए

हउले निकसे पारि॥ अमर अजाची हरि मिले तिन कै हउ बलि जाउ॥ तिन की धूड़ि अघुलीऐ संगति मेलि मिलाउ॥ मनु दीआ गुरि आपणै पाइआ

निरमल नाउ॥ जिनि नामु दीआ तिसु सेवसा तिसु बलिहारै जाउ॥ जो उसारे सो ढाहसी तिसु बिनु अवरु न कोइ ॥ गुर परसादी तिसु सम्हला ता तिन दूखु न होइ॥३१॥ णा को www.dekho-ji.com Index विषय सुची मेरा किसु गही णा को होआ न होगु ॥ आवणि जाणि विगुचीऐ दुबिधा विआपै रोगु ॥ णाम विहूणे आदमी कलर कंध गिरंति ॥ विणु नावै किउ छूटीऐ जाइ रसातलि अंति ॥ गणत गणावै अखरी अगणतु साचा सोइ॥ अगिआनी मतिहीणु है गुर बिनु गिआनु न होई ॥ तूटी तंतु रबाब की वाजै नही विजोगि ॥ विछुड़िआ मेलै प्रभू

www.dekho-ji.com Index विषय सुची नानक करि संजोग ॥३२॥ तरवरु काइआ पंखि मनु तरवरि पंखी पंच ॥ ततु चुगहि मिलि एकसे तिन कउ फास न रंच ॥ उडिह त बेगुल बेगुले ताकहि चोग घणी ॥ पंख तुटे फाही पड़ी अवगुणि भीड़ बणी ॥ बिनु साचे किउ छूटीऐ हरि गुण करमि मणी ॥ आपि छडाए छूटीऐ वडा आपि धणी ॥ गुर परसादी छूटीऐ किरपा आपि

www.dekho-ji.com 824 Index विषय सूची करेइ ॥ अपणै हाथि वडाईआ जै भावै तै देइ ॥३३॥ थर थर क्मपै जीअड़ा थान विहूणा होइ ॥ थानि मानि सचु एकु है काजु न फीटै कोइ ॥ थिरु नाराइणु थिरु गुरू थिरु साचा बीचारु ॥ सुरि नर नाथह नाथु तू निधारा आधारु ॥ सरबे थान थनंतरी तू दाता दातारु ॥ जह देखा तह एकु तू अंतु न पारावारु ॥ थान थनंतरि रवि रहिआ गुर सबदी

www.dekho-ji.com 825 Index विषय सुची वीचारि॥ अणमंगिआ दानु देवसी वडा अगम अपारु ॥३४॥ दइआ दानु दइआलु तू करि करि देखणहारु ॥ दइआ करहि प्रभ मेलि लैहि खिन महि ढाहि उसारि ॥ दाना तू बीना तुही

दाना कै सिरि दानु ॥ दालद भंजन दुख दलण गुरमुखि गिआनु धिआनु ॥३५॥ धनि गइऐ बहि झूरीऐ धन महि चीतु गवार ॥ धनु विरली सचु www.dekho-ji.com Index विषय सुची संचिआ निरमलु नामु पिआरि ॥ धनु गइआ ता जाण देहि जे राचहि रंगि एक ॥ मनु दीजै सिरु सउपीऐ भी करते की टेक ॥ धंधा धावत रहि गए मन महि सबदु अनंदु ॥ दुरजन ते साजन भए भेटे गुर गोविंद ॥ बनु बनु फिरती ढूढती बसतु रही घरि बारि ॥ सतिगुरि मेली मिलि रही जनम मरण दुखु निवारि ॥३६॥ नाना करत न

www.dekho-ji.com Index विषय सूची छूटीऐ विणु गुण जम पुरि जाहि ॥ ना तिसु एहु न ओहु है अवगुणि फिरि पछुताहि ॥ ना तिसु गिआनु न धिआनु है ना तिसु धरमु धिआनु ॥ विणु नावै निरभउ कहा किआ जाणा अभिमानु ॥ थाकि रही किव अपड़ा हाथ नहीं ना पारु ॥ ना साजन से रंगुले किसु पहि करी पुकार ॥ नानक प्रिउ प्रिउ जे करी मेले मेलणहारु ॥ जिनि

www.dekho-ji.com Index विषय सुची विछोड़ी सो मेलसी गुर कै हेति अपारि ॥३७॥ पापु बुरा पापी कउ पिआरा ॥ पापि लर्द पापे पासारा ॥ परहरि पापु पछाणै आपु॥ ना तिसु सोगु विजोगु संतापु ॥ नरिक पड़ंतउ किउ रहै किउ बंचै जमकालु॥ किउ आवण जाणा वीसरै झूठु बुरा खै कालु॥ मनु जंजाली वेड़िआ भी जंजाला माहि॥ विणु नावै किउ छूटीऐ पापे पचहि पचाहि Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ॥३८॥ फिरि फिरि फाही फासै कऊआ॥ फिरि पछुताना अब किआ हुआ ॥ फाथा चोग चुगै नही बूझै॥ सतगुरु मिलै त आखी सूझै ॥ जिउ मछुली फाथी जम जालि ॥ विण् ग्र दाते मुकति न भालि ॥ फिरि फिरि आवै फिरि फिरि जाइ ॥ इक रंगि रचै रहै लिव लाइ॥ इव छूटै फिरि फास न पाइ ॥३९॥ बीरा बीरा करि रही

www.dekho-ji.com Index विषय सुची बीर भए बैराइ ॥ बीर चले घरि आपणै बहिण बिरहि जलि जाइ ॥ बाबुल कै घरि बेटड़ी बाली बालै नेहि॥ जे लोड़हि वरु कामणी सतिगुरु सेवहि तेहि॥ बिरलो गिआनी बूझणउ सतिगुरु साचि मिलेइ ॥ ठाकुर हाथि वडाईआ जै भावै तै देइ॥ बाणी बिरलं बीचारसी जे को गुरमुखि होइ॥ इह बाणी महा पुरख की निज घरि वासा होइ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सूची ॥४०॥ भनि भनि घड़ीऐ घड़ि घड़ि भजै ढाहि उसारै उसरे ढाहै॥ सर भरि सोखै भी भरि पोखै समरथ वेपरवाहै ॥ भरमि भुलाने भए दिवाने विण् भागा किआ पाईऐ॥ गुरमुखि गिआनु डोरी प्रभि पकड़ी जिन खिंचै तिन जाईऐ॥ हरि गुण गाइ सदा रंगि राते बहुड़ि न पछोताईऐ॥ भभै भालहि गुरमुखि बूझहि ता निज घरि

www.dekho-ji.com Index विषय सुची वासा पाईऐ॥ भभै भउजलु मारगु विखड़ा आस निरासा तरीऐ ॥ गुर परसादी आपो चीन्है जीवतिआ इव मरीऐ ॥४१॥ माइआ माइआ करि मुए माइआ किसै न साथि ॥ हंसु चलै उठि डुमणो माइआ भूली आथि॥ मनु झूठा जिमे जोहिआ अवगुण चलहि नालि॥ मन महि मनु उलटो मरै जे गुण होवहि नालि ॥ मेरी मेरी करि

www.dekho-ji.com Index विषय सुची मुए विणु नावै दुखु भालि॥ गड़ मंदर महला कहा जिउ बाजी दीबाणु ॥ नानक सचे नाम विणु झूठा आवण जाणु ॥ आपे चतुरु सरूपु है आपे जाणु सुजाणु ॥४२॥ जो आवहि से जाहि फुनि आइ गए पछुताहि ॥ लख चउरासीह मेदनी घटैं न वधै उताहि॥ से जन उबरे जिन हरि भाइआ ॥ धंधा मुआ विगूती माइआ ॥ जो दीसै सो

www.dekho-ji.com 834 Index विषय सुची चालसी किस कउ मीतु करेउ॥ जीउ समपउ आपणा तनु मनु आगै देउ ॥ असथिरु करता तू धणी तिस ही की मै ओट ॥ गुण की मारी हउ मुई सबदि रती मिन चोट ॥४३॥ राणा राउ न को रहै रंगु न तुंगु फकीरु॥ वारी आपो आपणी कोइ न बंधै धीर ॥ राहु बुरा भीहावला सर डूगर असगाह ॥ मै तनि अवगण झुरि मुई विणु गुण

| Mark Red | Mark Red

रहां जपि जपि रिदै मुरारि ॥

अवगुणी भरपूर है गुण भी वसहि नालि ॥ विणु सतगुर गुण न जापनी जिचरु सबदि न करे बीचार ॥४४॥ लसकरीआ घर समले आए वजहु लिखाइ॥ कार कमावहि सिरि धणी लाहा पलै पाइ॥ लबु लोभु

www.dekho-ji.com Index विषय सूची बुरिआईआ छोडे मनहु विसारि ॥ गड़ि दोही पातिसाह की कदे न आवै हारि ॥ चाकरु कहीऐ खसम का सउहे उतर देइ ॥ वजहु गवाए आपणा तखति न बैसहि सेइ॥ प्रीतम हथि वडिआईआ जै भावै तै देइ॥ आपि करे किसु आखीऐ अवरु न कोइ करेइ ॥४५॥ बीजउ सूझै को नही बहै दुलीचा पाइ॥ नरक निवारणु नरह नरु साचउ

www.dekho-ji.com 837 Index विषय सूची साचै नाइ॥ वणु त्रिणु ढूढत फिरि रही मन महि करउ बीचारु ॥ लाल रतन बहु माणकी सतिगुर हाथि भंडारु ॥

ऊतमु होवा प्रभु मिलै इक मनि एकै भाइ॥ नानक प्रीतम रसि मिले लाहा लै परथाइ ॥ रचना राचि जिनि रची जिनि सिरिआ आकारु ॥ गुरमुखि बेअंतु धिआईऐ अंतु न पारावार ॥४६॥ ड़ाड़ै रूड़ा हरि जीउ

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सोई ॥ तिसु बिनु राजा अवरु न कोई ॥ ड़ाड़ै गारुड़ तुम सुणहु हरि वसै मन माहि ॥ गुर परसादी हरि पाईऐ मतु को भरमि भुलाहि ॥ सो साहु साचा जिसु हरि धनु रासि ॥ गुरमुखि पूरा तिसु साबासि ॥ रूड़ी बाणी हरि पाइआ गुर सबदी बीचारि॥ आपु गइआ दुखु कटिआ हरि वरु पाइआ नारि ॥४७॥ सुइना रुपा संचीऐ धनु

www.dekho-ji.com Index विषय सुची काचा बिखु छारु ॥ साहु सदाए संचि धनु दुबिधा होइ खुआरु॥ सचिआरी सचु संचिआ साचउ नामु अमोलु ॥ हरि निरमाइलु ऊजलो पति साची सचु बोलु॥ साजनु मीतु सुजाणु तू तू सरवरु तू हसु॥ साचउ ठाकुरु मनि वसै हउ बलिहारी तिसु॥ माइआ ममता मोहणी जिनि कीती सो जाणु ॥ बिखिआ अम्रितु एकु है बूझै पुरखु सुजाणु

www.dekho-ji.com 840 Index विषय सूची ॥४८॥ खिमा विहूणे खपि गए खूहणि लख असंख ॥ गणत न आवै किउ गणी खपि खपि मुए बिसंख ॥ खसमु पछाणै आपणा खूलै बंधु न पाइ॥ सबदि महली खरा तू खिमा सचु सुख भाइ ॥ खरचु खरा धनु धिआनु तू आपे वसहि सरीरि ॥ मनि तिन मुखि जापै सदा गुण अंतरि मनि धीर ॥ हउमै खपै खपाइसी बीजउ वथु विकारु॥

www.dekho-ji.com Index विषय स्वी जंत उपाइ विचि पाइअनु करता अलगु अपारु ॥४९॥ स्रिसटे भेउ न जाणै कोइ ॥ स्रिसटा करै सु निहचउ होइ॥ स्मपै कउ ईसरु धिआईऐ॥ स्मपै पुरबि लिखे की पाईऐ॥ स्मपै कारणि चाकर चोर ॥ स्मपै साथि न चालै होर ॥ बिनु साचे नही दरगह मानु ॥ हरि रसु पीवै छुटै निदानि ॥५०॥ हेरत हेरत हे सखी होइ रही

www.dekho-ji.com 842 Index विषय सूची हेरानु ॥ हउ हउ करती मै मुई सबदि रवै मनि गिआनु ॥ हार डोर कंकन घणे करि थाकी सीगारु ॥ मिलि प्रीतम सुखु पाइआ सगल गुणा गलि हारु॥ नानक गुरमुखि पाईऐ हरि सिउ प्रीति पिआरु ॥ हरि बिनु किनि सुखु पाइआ देखहु मनि बीचारि ॥ हरि पड़णा हरि बुझणा हरि सिउ रखहु पिआरु ॥ हरि जपीऐ हरि धिआईऐ हरि का

843 www.dekho-ji.com Index विषय सुची नामु अधारु ॥५१॥ लेख् न मिटई हे सखी जो लिखिआ करतारि ॥ आपे कारणु जिनि कीआ करि किरपा पगु धारि॥ करते हथि वडिआईआ बूझह गुर बीचारि॥ लिखिआ फेरिन सकीऐ जिउ भावी तिउ सारि॥ नदरि तेरी सुखु पाइआ नानक सबदु वीचारि ॥ मनमुख भूले पचि मुए उबरे गुर बीचारि ॥ जि पुरखु नदरि न आवई तिस

www.dekho-ji.com 844 Index विषय स्ची का किआ करि कहिआ जाइ॥ बलिहारी गुर आपणे जिनि हिरदै दिता दिखाइ ॥५२॥ पाधा पड़िआ आखीऐ बिदिआ बिचरै सहजि सुभाइ ॥ बिदिआ सोधै ततु लहै राम नाम लिव लाइ॥ मनमुखु बिदिआ बिक्रदा बिखु खटे बिखु खाइ॥ मूरखु सबदु न चीनई सूझ बूझ नह काइ ॥५३॥ पाधा गुरमुखि आखीऐ चाटड़िआ मिते देइ॥

नामु समालहु नामु संगरहु लाहा जग महि लेइ॥ सची पटी सचु मनि पड़ीऐ सबदु सु सारु॥ नानक सो पड़िआ सो पंडितु बीना जिसु राम नामु गलि हारु॥५४॥१॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## सिध गोसटि

रामकली महला १ सिध गोसटि

सतिगुर प्रसादि ॥

सिध सभा करि आसणि बैठे संत सभा जैकारो ॥ तिसु आगै

रहरासि हमारी साचा अपर

अपारो ॥ मसतकु काटि धरी तिसु आगै तनु मनु आगै देउ॥

नानक संतु मिलै सच् पाईऐ

www.dekho-ji.com Index विषय सुची सहज भाइ जसु लेउ॥१॥ किआ भवीऐ सचि सूचा होइ॥ साच सबद बिनु मुकति न कोइ ॥ १ ॥ रहाउ ॥ कवन तुमे किआ नाउ तुमारा कउनु मारगु कउनु सुआओ ॥ साचु कहउ अरदासि हमारी हउ संत जना बलि जाओ ॥ कह बैसहु कह रहीऐ बाले कह आवहु कह जाहो ॥ नानकु बोलै सुणि बैरागी किआ तुमारा राहो ॥ २ ॥ घटि घटि

www.dekho-ji.com 848 Index विषय सुची बैसि निरंतरि रहीऐ चालहि सतिगुर भाए ॥ सहजे आए हुकमि सिधाए नानक सदा रजाए॥ आसणि बैसणि थिरु नाराइणु ऐसी गुरमति पाए ॥ गुरमुखि बूझै आपु पछाणै सचे सचि समाए॥ ३॥ दुनीआ सागरु दुतरु कहीऐ किउ करि पाईऐ पारो ॥ चरपटु बोलै अउधू नानक देहु सचा बीचारो ॥ आपे आखै आपे समझै तिसु

www.dekho-ji.com 849 Index विषय सुची किआ उतरु दीजै ॥ साचु कहहु तुम पारगरामी तुझु किआ बैसण् दीजै ॥ ४ ॥ जैसे जल महि कमलु निरालमु मुरगाई नै साणे ॥ सुरति सबदि भव सागरु तरीऐ नानक नामु वखाणे ॥ रहिहे इकांति एको मनि वसिआ आसा माहि निरासो ॥ अगमु अगोचरु देखि दिखाए नानकु ता का दासो ॥ ५ ॥ सुणि सुआमी अरदासि

www.dekho-ji.com **850** Index विषय सुची हमारी पूछउ साचु बीचारो॥ रोसु न कीजै उतरु दीजै किउ पाईऐ गुर दुआरो ॥ इहु मनु चलतउ सच घरि बैसै नानक नामु अधारो ॥ आपे मेलि मिलाए करता लागै साचि पिआरो ॥ ६ ॥ हाटी बाटी रहिह निराले रूखि बिरिख उदिआने ॥ कंद मूलु अहारो खाईऐ अउधू बोलै गिआने॥ तीरथि नाईऐ सुखु फलु पाईऐ

www.dekho-ji.com Index विषय सुची मैलु न लागै काई ॥ गोरख पूतु लोहारीपा बोलै जोग जुगति बिधि साई॥ ७॥ हाटी बाटी नीद न आवै पर घरि चितु न डोलाई ॥ बिनु नावै मनु टेक न टिकई नानक भूख न जाई॥ हाटु पटणु घर गुरू दिखाइआ सहजे सचु वापारो ॥ खंडित निद्रा अलप अहारं नानक ततु बीचारो॥८॥ दरसनु भेख करहु जोगिंद्रा मुंद्रा झोली

www.dekho-ji.com Index विषय सची खिंथा॥ बारह अंतरि एकु सरेवहु खटु दरसन इक पंथा ॥ इन बिधि मनु समझाईऐ पुरखा बाहुड़ि चोट न खाईऐ॥ नानकु बोलै गुरमुखि बूझै जोग जुगति इव पाईऐ॥ ९॥ अंतरि सबदु निरंतरि मुद्रा हउमै ममता दूरि करी ॥ कामु क्रोधु अहंकारु निवारै गुर कै सबदि सु समझ परी ॥ खिंथा झोली भरिपुरि रहिआ नानक तारै एकु हरी ॥

www.dekho-ji.com 853 Index विषय सूची साचा साहिबु साची नाई परखै गुर की बात खरी ॥ १० ॥ ऊधउ खपरु पंच भू टोपी॥ काइआ कड़ासणु मनु जागोटी॥ सतु संतोखु संजमु है नालि॥ नानक गुरमुखि नामु समालि॥ ११॥ कवनु सु गुपता कवनु सु मुकता ॥ कवनु सु अंतरि बाहरि जुगता ॥ कवनु सु आवै कवनु सु जाइ॥ कवनु सु त्रिभवणि रहिआ समाइ ॥ १२ ॥ घटि

www.dekho-ji.com Index विषय सूची घटि गुपता गुरमुखि मुकता ॥ अंतरि बाहरि सबदि सु जुगता ॥ मनमुखि बिनसै आवै जाइ ॥ नानक गुरमुखि साचि समाइ॥ १३॥ किउ करि बाधा सरपनि खाधा ॥ किउ करि खोइआ किउ करि लाधा ॥ किउ करि निरमलु किउ करि अंधिआरा ॥ इहु ततु बीचारै सु गुरू हमारा ॥ १४ ॥ दुरमति बाधा सरपनि खाधा॥ मनमुखि खोइआ

www.dekho-ji.com Index विषय सूची गुरमुखि लाधा ॥ सतिगुरु मिलै अंधेरा जाइ ॥ नानक हउमै मेटि समाइ॥ १५॥ सुन निरंतरि दीजै बंधु ॥ उडै न हंसा पड़ै न कंधु॥ सहज गुफा घर जाणै साचा॥ नानक साचे भावै साचा ॥ १६ ॥ किसु कारणि ग्रिहु तजिओ उदासी ॥ किसु कारणि इहु भेखु निवासी ॥ किसु वखर के तुम वणजारे ॥ किउ करि साथु लंघावहु पारे ॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 856 Index विषय सुची १७॥ गुरमुखि खोजत भए

उदासी ॥ दरसन कै ताई भेख निवासी ॥ साच वखर के हम वणजारे ॥ नानक गुरमुखि उतरिसे पारे ॥ १८ ॥ किंतु बिधि पुरखा जनमु वटाइआ ॥

काहे कउ तुझु इहु मनु लाइआ ॥ कितु बिधि आसा मनसा खाई ॥ कितु बिधि जोति निरंतरि पाई ॥ बिनु दंता किउ खाईऐ सारु ॥ नानक साचा करह बीचारु॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची १९ ॥ सतिगुर कै जनमे गवनु मिटाइआ ॥ अनहति राते इहु मनु लाइआ ॥ मनसा आसा सबदि जलाई॥ गुरमुखि जोति निरंतरि पाई ॥ त्रै गुण मेटे खाईऐ सारु ॥ नानक तारे तारणहारु ॥ २० ॥ आदि कउ कवनु बीचारु कथीअले सुंन कहा घर वासो ॥ गिआन की मुद्रा कवन कथीअले घटि घटि कवन निवासो ॥ काल का ठीगा

www.dekho-ji.com Index विषय सूची किउ जलाईअले किउ निरभउ घरि जाईऐ॥ सहज संतोख का आसण् जाणै किउ छेदे बैराईऐ ॥ गुर कै सबदि हउमै बिख् मारै ता निज घरि होवै वासो॥ जिनि रचि रचिआ तिस् सबदि पछाणै नानकु ता का दासो॥ २१ ॥ कहा ते आवै कहा इह जावै कहा इहु रहै समाई ॥ एस् सबद कउ जो अरथावै तिसु गुर तिलु न तमाई ॥ किउ ततै

859 www.dekho-ji.com Index विषय स्ची अविगतै पावै गुरमुखि लगै पिआरो ॥ आपे सुरता आपे करता कहु नानक बीचारो ॥ हुकमे आवै हुकमे जावै हुकमे रहै समाई ॥ पूरे गुर ते साचु कमावै गति मिति सबदे पाई॥ २२॥ आदि कउ बिसमादु बीचार कथीअले सुंन निरंतरि वासु लीआ॥ अकलपत मुद्रा गुर गिआनु बीचारीअले घटि घटि साचा सरब जीआ ॥ गुर

www.dekho-ji.com 860 Index विषय स्ची बचनी अविगति समाईऐ ततु निरंजनु सहजि लहै ॥ नानक दूजी कार न करणी सेवै सिखु सु खोजि लहै॥ हुकमु बिसमादु हुकमि पछाणै जीअ जुगति सचु जाणै सोई॥ आपु मेटि निरालमु होवै अंतरि साचु जोगी कहीऐ सोई॥ २३॥ अविगतो निरमाइलु उपजे निरगुण ते सरगुणु थीआ ॥ सतिगुर परचै परम पदु पाईऐ

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची साचै सबदि समाइ लीआ ॥ एके कउ सचु एका जाणै हउमै दूजा दूरि कीआ ॥ सो जोगी गुर सबदु पछाणै अंतरि कमलु प्रगासु थीआ ॥ जीवतु मरै ता सभु किछु सूझै अंतरि जाणै सरब दइआ॥ नानक ता कउ मिलै वडाई आपु पछाणै सरब जीआ॥ २४॥ साचौ उपजै साचि समावै साचे सूचे एक मइआ ॥ झूठे आवहि ठवर न

www.dekho-ji.com Index विषय सुची पावहि दूजै आवा गउणु भइआ ॥ आवा गउणु मिटै गुर सबदी आपे परखै बखसि लइआ॥ एका बेदन दूजै बिआपी नामु रसाइणु वीसरिआ ॥ सो बूझै जिसु आपि बुझाए गुर कै सबदि सु मुकतु भइआ ॥ नानक तारे तारणहारा हउमै दूजा परहरिआ ॥ २५ ॥ मनमुखि भूलै जम की काणि ॥ पर घरु जोहै हाणे हाणि॥ मनमुखि

www.dekho-ji.com 863 Index विषय सुची भरमि भवै बेबाणि ॥ वेमारगि मूसै मंत्रि मसाणि ॥ सबदु न चीनै लवै कुबाणि ॥ नानक साचि रते सुखु जाणि ॥ २६ ॥ गुरमुखि साचे का भउ पावै ॥ गुरमुखि बाणी अघडु घड़ावै॥ गुरमुखि निरमल हरि गुण गावै ॥ गुरमुखि पवित्रु परम पदु पावै ॥ गुरमुखि रोमि रोमि हरि धिआवै॥ नानक गुरमुखि साचि समावै॥ २७॥ गुरमुखि परचै Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 864 Index विषय स्ची बेद बीचारी ॥ गुरमुखि परचै तरीऐ तारी ॥ गुरमुखि परचै सु सबदि गिआनी ॥ गुरमुखि परचै अंतर बिधि जानी ॥ गुरमुखि पाईऐ अलख अपारु ॥ नानक गुरमुखि मुकति दुआरु ॥ २८ ॥ गुरमुखि अकथु कथै बीचारि॥ गुरमुखि निबहै सपरवारि ॥ गुरमुखि जपीऐ अंतरि पिआरि ॥ गुरमुखि पाईऐ सबदि अचारि ॥ सबदि भेदि जाणै जाणाई ॥

खपति सु बाजी ॥ गुर कै सबदि रपै रंगु लाइ ॥ साचि रतउ पति सिउ घरि जाइ ॥ साच सबद

बिनु पति नहीं पावै ॥ नानक बिनु नावै किउ साचि समावै ॥ ३०॥ गुरमुखि असट सिधी सभि बुधी॥ गुरमुखि भवजलु तरीऐ सच सुधी॥ गुरमुखि सर www.dekho-ji.com Index विषय स्वी अपसर बिधि जाणै ॥ गुरमुखि परविरति नरविरति पछाणै ॥ गुरमुखि तारे पारि उतारे॥ नानक गुरमुखि सबदि निसतारे ॥ ३१ ॥ नामे राते हउमै जाइ ॥ नामि रते सचि रहे समाइ॥ नामि रते जोग ज्गति बीचारु ॥ नामि रते पावहि मोख दुआरु ॥ नामि रते त्रिभवण सोझी होइ॥ नानक नामि रते सदा सुखु होइ॥ ३२॥ नामि रते

Index विषय स्ची www.dekho-ji.com सिध गोसटि होइ॥ नामि रते सदा तपु होइ॥ नामि रते सचु करणी सारु ॥ नामि रते गुण गिआन बीचारु ॥ बिन् नावै बोलै सभु वेकारु ॥ नानक नामि रते तिन कउ जैकारु ॥ ३३॥ पूरे गुर ते नामु पाइआ जाइ॥ जोग जुगति सचि रहै समाइ॥ बारह महि जोगी भरमाए संनिआसी छिअ चारि ॥ गुर कै सबदि जो मरि जीवै सो पाए

www.dekho-ji.com Index विषय स्ची मोख दुआरु ॥ बिनु सबदै सभि दूजै लागे देखहु रिदै बीचारि ॥ नानक वर्ड से वडभागी जिनी सचु रिखेआ उर धारि ॥ ३४ ॥ गुरमुखि रतनु लहै लिव लाइ ॥ गुरमुखि परखै रतनु सुभाइ॥ गुरमुखि साची कार कमाइ॥ गुरमुखि साचे मनु पतीआइ॥ गुरमुखि अलखु लखाए तिसु भावै ॥ नानक गुरमुखि चोट न खावै॥ ३५॥ गुरमुखि नामु

www.dekho-ji.com 869 Index विषय सूची दानु इसनानु ॥ गुरमुखि लागै सहजि धिआनु ॥ गुरमुखि पावै दरगह मानु ॥ गुरमुखि भउ भजनु परधानु ॥ गुरमुखि करणी कार कराए ॥ नानक गुरमुखि मेलि मिलाए॥ ३६॥ गुरमुर्खि सासत्र सिम्निति बेद ॥ गुरमुखि पावै घटि घटि भेद ॥ गुरमुखि वैर विरोध गवावै ॥ गुरमुखि सगली गणत मिटावै ॥ गुरमुखि राम नाम रंगि राता॥

www.dekho-ji.com 870 Index विषय सुची नानक गुरमुखि खसमु पछाता ॥ ३७ ॥ बिनु गुर भरमै आवै जाइ ॥ बिनु गुर घाल न पवई थाइ॥ बिनु गुर मनूआ अति डोलाइ ॥ बिनु गुर त्रिपति नही बिखु खाइ ॥ बिनु गुर बिसीअरु डसै मरि वाट ॥ नानक गुर बिनु घाटे घाट ॥ ३८ ॥ जिसु गुरु मिलै तिसु पारि उतारै॥ अवगण मेटै गुणि निसतारै ॥ मुकति महा सुख गुर सबदु

www.dekho-ji.com **871** Index विषय स्ची बीचारि॥ गुरमुखि कदे न आवै हारि ॥ तनु हटड़ी इहु मनु वणजारा॥ नानक सहजे सचु वापारा॥ ३९॥ गुरमुखि बांधिओ सेतु बिधातै ॥ लंका लूटी दैत संतापै ॥ रामचंदि मारिओ अहि रावणु ॥ भेदु बभीखण गुरमुखि परचाइणु ॥ गुरमुखि साइरि पाहण तारे ॥ गुरमुखि कोटि तेतीस उधारे ॥ ४०॥ गुरमुखि चूकै आवण

 www.dekho-ji.com
 872
 Index किय सूची

 जाणु॥ गुरमुखि दरगह पावै
 माणु॥ गुरमुखि खोटे खरे

 पछाणु॥ गुरमुखि लागै सहजि

धिआनु ॥ गुरमुखि दरगह सिफति समाइ॥ नानक गुरमुखि बंधु न पाइ ॥ ४१ ॥ गुरमुखि नामु निरंजन पाए॥ गुरमुखि हउमै सबदि जलाए॥ गुरमुखि साचे के गुण गाए॥ गुरमुखि साचै रहै समाए॥

गुरमुखि साचि नामि पति

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 873 Index विषय सुची ऊतम होइ ॥ नानक गुरमुखि संगल भवण की सोझी होइ॥ ४२ ॥ कवण मूलु कवण मति वेला ॥ तेरा कवणु गुरू जिस का तू चेला ॥ कवण कथा ले रहहु निराले ॥ बोलै नानकु सुणहु तुम बाले ॥ एसु कथा का देइ बीचारु॥ भवजलु सबदि लघावणहारु ॥ ४३ ॥ पवन अर्मभु सतिगुर मति वेला ॥ सबदु गुरू सुरति धुनि चेला ॥

www.dekho-ji.com 874 Index विषय सुची अकथ कथा ले रहउ निराला ॥ नानक जुगि जुगि गुर गोपाला ॥ एकु सबदु जितु कथा वीचारी ॥ गुरमुखि हउमै अगनि निवारी ॥ ४४ ॥ मैण के दंत किउ खाईऐ सारु॥ जितु गरबु जाइ सु कवणु आहार ॥ हिवै का घर मंदरु अगनि पिराहनु ॥ कवन गुफा जितु रहै अवाहनु ॥ इत उत किस कउ जाणि समावै॥ कवन धिआनु मनु मनिहे समावै

www.dekho-ji.com 875 Index विषय सूची ॥ ४५ ॥ हउ हउ मै मै विचहु खोवै ॥ दूजा मेटै एको होवै ॥ जगु करड़ा मनमुखु गावारु ॥ सबदु कमाईऐ खाईऐ सारु॥ अंतरि बाहरि एको जाणै ॥ नानक अगनि मरै सतिगुर कै भाणै॥ ४६॥ सच भै राता गरबु निवारै ॥ एको जाता सबदु वीचारै ॥ सबदु वसै सचु अंतरि हीआ ॥ तनु मनु सीतलु रंगि रंगीआ॥ कामु क्रोधु बिखु

www.dekho-ji.com 876 Index विषय सूची अगनि निवारे ॥ नानक नदरी नदरि पिआरे ॥ ४७ ॥ कवन मुखि चंदु हिवै घरु छाइआ॥ कवन मुखि सूरजु तपै तपाइआ ॥ कवन मुखि कालु जोहत नित रहै ॥ कवन बुधि गुरमुखि पति रहै ॥ कवनु जोधु जो कालु संघारै ॥ बोलै बाणी नानकु

बीचारै॥ ४८॥ सबदु भाखत ससि जोति अपारा ॥ ससि घरि सूरु वसै मिटै अंधिआरा ॥ सुखु Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

 www.dekho-ji.com
 877
 Index विषय स्वी

 दुखु सम करि नामु अधारा॥

 आपे पारि उतारणहारा॥ गुर

परचै मनु साचि समाइ॥ प्रणवति नानकु कालु न खाइ॥ ४९॥ नाम ततु सभ ही सिरि जापै ॥ बिनु नावै दुखु कालु संतापै ॥ ततो ततु मिलै मनु मानै ॥ दूजा जाइ इकतु घरि आनै ॥ बोलै पवना गगनु गरजै

॥ नानक निहचलु मिलणु सहजै॥ ५०॥ अंतरि सुंनं बाहरि सुंनं

www.dekho-ji.com 878 Index विषय स्ची त्रिभवण सुंन मसुंनं ॥ चउथे

ात्रमयण सुन मसुन ॥ यउथ सुंनै जो नरु जाणै ता कउ पापु न पंनं ॥ घटि घटि संन का जाणै

न पुंनं ॥ घटि घटि सुंन का जाणै भेउ ॥ आदि पुरखु निरंजन देउ ॥ जो जनु नाम निरंजन राता ॥ नानक सोई पुरखु बिधाता ॥

पानक ताइ पुरखु बिवाता ॥ ५१ ॥ सुंनो सुंनु कहै सभु कोई ॥ अनहत सुंनु कहा ते होई ॥ अनहत सुंनि रते से कैसे ॥ जिस ते उपजे तिस ही जैसे ॥ ओइ जनिम न मरिह न आविह जाहि www.dekho-ji.com 879 Index विषय स्ची ॥ नानक गुरमुखि मनु समझाहि ॥ ५२ ॥ नउ सर सुभर दसवै पूरे ॥ तह अनहत सुन वजावहि तूरे ॥ साचै राचे देखि हजूरे ॥ घटि घटि साचु रहिआ भरपूरे ॥ गुपती बाणी परगटु होइ॥ नानक परिखंलए सचु सोइ॥ ५३॥ सहज भाइ मिलीऐ सुखु होवै ॥ गुरमुखि जागै नीद न सोवै ॥ सुंन सबदु अपर्मपरि धारै॥ कहते मुकतु सबोद

www.dekho-ji.com 880 Index विषय स्ची निसतारै ॥ गुर की दीखिआ से सचि राते ॥ नानक आपु गवाइ मिलण नही भ्राते ॥ ५४ ॥ कुबुधि चवावै सो कितु ठाइ॥ किउ ततु न बूझै चोटा खाइ॥ जम दरि बाधे कोइ न राखै॥ बिन् सबदै नाही पति साखै॥ किउ करि बूझै पावै पारु ॥ नानक मनमुखि न बुझै गवारु ॥ ५५ ॥ कुबुधि मिटै गुर सबदु बीचारि ॥ सतिगुरु भेटै मोख

www.dekho-ji.com 881 Index विषय सुची दुआर ॥ ततु न चीनै मनमुखु जलि जाइ॥ दुरमति विछुड़ि चोटा खाइ॥ मानै हुकमु सभे गुण गिआन ॥ नानक दरगह पावै मानु ॥ ५६ ॥ साचु वखरु धनु पलै होइ॥ आपि तरै तारे भी सोइ॥ सहजि रता बूझै पति होइ॥ ता की कीमति करै न कोइ॥ जह देखा तह रहिआ समाइ॥ नानक पारि परै सच भाइ॥ ५७॥ सु सबद का कहा

www.dekho-ji.com Index विषय सुची वासु कथीअले जितु तरीऐ भवजलु संसारो ॥ त्रै सत अंगुल वाई कहीऐ तिसु कहु कवनु अधारो॥ बोलै खेलै असथिरु होवै किउ करि अलखु लखाए ॥ सुणि सुआमी सचु नानकु प्रणवै अपणे मन समझाए ॥ गुरमुखि सबदे सचि लिव लागै करि नदरी मेलि मिलाए॥ आपे दाना आपे बीना पूरै भागि समाए॥ ५८॥ सु सबद कउ

www.dekho-ji.com Index विषय सुची निरंतरि वासु अलखं जह देखा तह सोई ॥ पवन का वासा सुन निवासा अकल कला धर सोई ॥ नदरि करे सबदु घट महि वसै विचहु भरमु गवाए ॥ तनु मनु निरमलु निरमल बाणी नामो मंनि वसाए॥ सबदि गुरू भवसागरु तरीऐ इत उत एको जाणै ॥ चिहनु वरनु नहीं छाइआ माइआ नानक सबदु पछाणै ॥ ५९ ॥ त्रै सत अंगुल

884 www.dekho-ji.com Index विषय सुची वाई अउधू सुन सचु आहारो॥ गुरमुखि बोलै ततु बिरोलै चीनै अलख अपारो ॥ त्रै गुण मेटै सबदु वसाए ता मनि चूकै अहंकारो ॥ अंतरि बाहरि एको जाणै ता हरि नामि लगै पिआरो ॥ सुखमना इड़ा पिंगुला बूझै जा आपे अलखु लखाए ॥ नानक तिहु ते ऊपरि साचा सतिगुर सबदि समाए॥ ६० ॥ मन का जीउ पवनु

www.dekho-ji.com Index विषय सूची कथीअले पवनु कहा रसु खाई॥ गिआन की मुद्रा कवन अउधू सिध की कवन कमाई ॥ बिनु सबदै रसु न आवै अउधू हउमै पिआस न जाई॥ सबदि रते अम्रित रसु पाइआ साचे रहे अघाई॥ कवन बुधि जितु असथिरु रहीऐ कितु भोजनि त्रिपतासै ॥ नानक दुखु सुखु सम करि जापै सतिगुर ते कालु न ग्रासै ॥ ६१ ॥ रंगि न राता रसि

886 www.dekho-ji.com Index विषय सुची नही माता ॥ बिनु गुर सबदै जलि बलि ताता ॥ बिंदु न राखिआ सबदु न भाखिआ॥ पवनु न साधिआ सचु न अराधिआ॥ अकथ कथा ले सम करि रहै ॥ तउ नानक आतम राम कउ लहै ॥ ६२ ॥ गुर परसादी रंगे राता ॥ अम्रित् पीआ साचे माता ॥ गुर वीचारी अगनि निवारी ॥ अपिउ पीओ आतम सुखु धारी ॥ सच् Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com Index विषय सुची अराधिआ गुरमुखि तरु तारी॥ नानक बूझै को वीचारी ॥ ६३ ॥ इहु मनु मैगलु कहा बसीअले कहा बसै इहु पवना ॥ कहा बसै सु सबदु अउधू ता कउ चूकै मन का भवना ॥ नदरि करे ता सतिगुरु मेले ता निज घरि वासा इहु मनु पाए ॥ आपै आपु खाइ ता निरमलु होवै धावतु वरजि रहाए॥ किउ मूलु पछाणै आतमु जाणै किउ ससि

www.dekho-ji.com Index विषय सुची घरि सूरु समावै ॥ गुरमुखि हउमै विचहु खोवै तउ नानक सहजि समावै ॥ ६४ ॥ इहु मनु निहचलु हिरदै वसीअले गुरमुखि मूलु पछाणि रहै।। नाभि पवनु घरि आसणि बैसै गुरमुखि खोजत ततु लहै ॥ सु सबदु निरंतरि निज घरि आछै त्रिभवण जोति सु सबदि लहै॥ खावै दूख भूख साचे की साचे ही त्रिपतासि रहै ॥ अनहद

www.dekho-ji.com 889 Index विषय स्ची बाणी गुरमुखि जाणी बिरलो को अरथावै॥ नानकु आखै सचु सुभाखै सचि रपै रंगु कबहू न जावै ॥ ६५ ॥ जा इह हिरदा देह न होती तउ मनु कैठै रहता ॥ नाभि कमल असथ्मभु न होतो ता पवनु कवन घरि सहता॥ रूपु न होतो रेख न काई ता सबदि कहा लिव लाई ॥ रकतु बिंदु की मड़ी न होती मिति कीमति नही पाई ॥ वरनु

www.dekho-ji.com **890** Index विषय स्ची भखु असरूपु न जापी किउ करि जापसि साचा ॥ नानक नामि रते बैरागी इब तब साचो साचा ॥ ६६ ॥ हिरदा देह न होती अउधू तउ मनु सुंनि रहै बैरागी ॥ नाभि कमलु असथ्मभु न होतो ता निज घरि बसतउ पवनु अनरागी ॥ रूपु न रेखिआ जाति न होती तउ अकुलीणि रहतउ सबदु सु सारु ॥ गउनु गगनु जब तबहि न होतउ

www.dekho-ji.com 891 Index विषय सुची त्रिभवण जोति आपे निरंकारु ॥ वरनु भेखु असरूपु सु एको एको सबदु विडाणी ॥ साच बिना सूचा को नाही नानक अकथ कहाणी ॥ ६७ ॥ किंतु किंतु बिधि जगु उपजै पुरखा कितु कितु दुखि बिनसि जाई ॥ हउमै विचि जगु उपजै पुरखा नामि विसरिऐ दुखु पाई ॥ गुरमुखि होवै सु गिआनु ततु बीचारै हउमै सबदि जलाए ॥ तनु मनु

निरमलु निरमल बाणी साचै रहै समाए॥ नामे नामि रहै बैरागी साचु रखिआ उरि धारे ॥ नानक बिनु नावै जोगु कदे न होवै देखहु रिदै बीचारे॥ ६८॥

होवै देखहु रिदै बीचारे ॥ ६८ ॥ गुरमुखि साचु सबदु बीचारै

कोइ॥ गुरमुखि सचु बाणी परगटु होइ॥ गुरमुखि मनु भीजै विरला बूझै कोइ॥

गुरमुखि निज घरि वासा होइ॥ गुरमुखि जोगी जुगति पछाणै॥ www.dekho-ji.com 893 Index विषय सुची गुरमुखि नानक एको जाणै ॥ ६९॥ बिनु सतिगुर सेवे जोगु न होई ॥ बिनु सतिगुर भेटे मुकति न कोई॥ बिनु सतिगुर भेटे नामु पाइआ न जाइ॥ बिनु सतिगुर भेटे महा दुखु पाइ॥ बिनु सतिगुर भेटे महा गरिबे गुबारि ॥ नानक बिनु गुर मुआ जनमु हारि ॥ ७० ॥ गुरमुखि मनु जीता हउमै मारि॥ गुरमुखि साचु रखिआ उर धारि

www.dekho-ji.com 894 Index विषय स्ची ॥ गुरमुखि जगु जीता जमकालु मारि बिदारि॥ गुरमुखि दरगह न आवै हारि ॥ गुरमुखि मेलि मिलाए सो जाणै॥ नानक गुरमुखि सबदि पछाणै ॥ ७१ ॥ सबदै का निबेड़ा सुणि तू अउधू बिनु नावै जोगु न होई॥ नामे राते अनदिनु माते नामै ते सुखु होई ॥ नामै ही ते सभु परगटु होवै नामे सोझी पाई ॥ बिनु नावै भेख करहि बहुतेरे सचै

www.dekho-ji.com 895 Index विषय सुची आपि खुआई ॥ सतिगुर ते नामु पाईऐ अउधू जोग जुगति ता होई ॥ करि बीचारु मनि देखहु नानक बिनु नावै मुकति न होई ॥ ७२ ॥ तेरी गति मिति तूहै जाणहि किआ को आखि वखाणै ॥ तू आपे गुपता आपे परगद् आपे सभि रंग माणै ॥ साधिक सिध गुरू बहु चेले खोजत फिरहि फुरमाणै ॥ मागहि नाम् पाइ इह भिखिआ तेरे दरसन

कउ कुरबाणै ॥ अबिनासी प्रिभ खेलु रचाइआ गुरमुखि सोझी होई ॥ नानक सिभ जुग आपे वरतै दूजा अवरु न कोई ॥ ७३ ॥ १ ॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## अकाल उसतत चउपयी

श्रु सतिगुर प्रसादि ॥
अकाल उसतत ॥

स्री भगउती जी सहाय ॥ उतार खासे दसखत का ॥ पातिसाही १०॥

अकाल पुरख की रछा हमनै॥ सरब लोह दी रछ्या हमनै॥ सरब काल जी दी रछ्या हमनै

॥ सरब लोह जी दी सदा रछ्या

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

हमनै ॥ आगै लिखारी के दसतखत ॥ त्व प्रसादि चउपयी ॥

प्रणवो आदि एकंकारा ॥ जल थल महियल कीयो पसारा॥ आदि पुरख अबिगत अबिनासी ॥ लोक चत्तुर दस जोति प्रकासी 11 8 11 हसत कीट के बीच समाना॥ राव रंक जेह इक सर जाना ॥ अद्वै अलख पुरख अबिगामी॥

 www.dekho-ji.com
 899
 Index विषय स्वी

 सभ घट घट के अंतरजामी॥ २

 ॥

अलख रूप अछै अनभेखा॥ राग रंग जेह रूप न रेखा॥ बरन चेहन सभहं ते न्यारा॥

आद पुरख अद्वै अबिकारा ॥ ३ ॥ बरन चेहन जेह जात न पाता ॥

सत्त्र मित्त्र जेह तात न माता॥ सभ ते दूरि सभन ते नेरा॥ जल थल महियल जाह बसेरा॥ ४॥ www.dekho-ji.com 900 Index विषय स्ची अनहद रूप अनाहद बानी ॥ चरन सरन जेह बसत भवानी ॥ ब्रहमा बिसन अंतु नहीं पाययो ॥ नेत नेत मुखचार बताययो ॥ कोटि इन्द्र उपइन्द्र बनाए॥ ब्रहमा रुद्र उपाय खपाए॥ लोक चत्त्र दस खेल रचाययो ॥ बहुर आप ही बीच मिलाययो॥ ६॥ दानव देव फनिन्द अपारा॥ गंध्रब जच्छ रचै सुभ चारा॥ Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com **901** Index विषय सुची भूत भविक्ख भवान कहानी॥ घट घट के पट पट की जानी॥ तात मात जेह जात न पाता॥ एक रंग काहू नही राता ॥ सरब जोत के बीच समाना ॥ सभहूं सरब ठौर पहचाना ॥ ८॥ काल रहत अन काल सरूपा॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

अलख पुरख अबगत अवधूता ॥

जात पात जेह चेहन न बरना॥

www.dekho-ji.com 902 Index विषय सूची

अबगत देव अछै अन भरमा॥ ९॥

सभ को काल सभन को करता
॥ रोग सोग दोखन को हरता॥
एक चित्त जेह इक छिन
ध्याइयो॥ काल फास के बीच
न आइयो॥ १०॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## बावन अखरी कबीर जी

रागु गउड़ी पूरबी बावन अखरी कबीर जीउ की श्र सतिनामु करता पुरखु

गुरप्रसादि॥

बावन अछर लोक त्रै सभु कछु इन ही माह॥ ए अखर खिरि

जाहगे ओइ अखर इन मह नाह ॥ १॥ जहा बोल तह अछर

आवा ॥ जह अबोल तह मनु न

www.dekho-ji.com 904 Index विषय सुची रहावा॥ बोल अबोल मधि है सोयी॥ जस ओहु है तस लखै न कोयी ॥ २ ॥ अलह लहउ तउ क्या कहउ कहउ त को उपकार ॥ बटक बीज मह रवि रहयो जा को तीनि लोक बिसथार ॥ ३॥ अलह लहंता भेद छै कछू कछु पाययो भेद ॥ उलटि भेद मन् बेध्यो पाययो अभंग अछेद ॥ ४ ॥ तुरक तरीकति जानीऐ हिन्दू बेद पुरान ॥ मन

905 www.dekho-ji.com Index विषय सुची समझावन कारने कछूअक पड़ीऐ ग्यान ॥ ५ ॥ ओअंकार आदि मै जाना ॥ लिखि अरु मेटै ताह न माना ॥ ओअंकार लखै जउ कोयी॥ सोयी लखि मेटना न होयी ॥ ६ ॥ कका किरनि कमल मह पावा ॥ ससि बिगास सम्पट नही आवा ॥ अरु जे तहा कुसम रसु पावा ॥ अकह कहा कह का समझावा॥ ७॥ खखा इहै खोड़ि मन आवा॥ खोड़े

www.dekho-ji.com 906 Index विषय सुची छाडि न दह दिस धावा ॥ खसमह जानि खिमा करि रहै ॥ तउ होइ निखिअउ अखै पदु लहै ॥ ८ ॥ गगा गुर के बचन पछाना ॥ दूजी बात न धरयी काना ॥ रहै बेहंगम कतह न जायी ॥ अगह गहै गह गगन रहायी ॥ ९ ॥ घघा घटि घटि निमसै सोयी ॥ घट फूटे घटि कबह न होयी ॥ ता घट माह घाट जउ पावा ॥ सो घटु छाडि

www.dekho-ji.com 907 Index विषय सुची अवघट कत धावा ॥ १० ॥ ङंङा निग्रह सनेहु करि निरवारो सन्देह ॥ नाही देखि न भाजीऐ परम स्यानप एह ॥ ११॥ चचा रचित चित्र है भारी ॥ तजि चित्रै चेतह चितकारी॥ चित्र बचित्र इहै अवझेरा॥ तजि चित्रै चित् राखि चितेरा॥ १२॥ छछा इहै छत्रपति पासा ॥ छकि कि न रहहु छाडि कि न आसा॥ रे

www.dekho-ji.com Index विषय सुची मन मै तउ छिन छिन समझावा ॥ ताह छाडि कत आपु बधावा ॥ १३ ॥ जजा जउ तन जीवत जरावै ॥ जोबन जारि जुगति सो पावै ॥ यस जरि पर जरि जरि जब रहै ॥ तब जाय जोति उजारउ लहै ॥ १४ ॥ झझा

उरझि सुरझि नही जाना॥ रहयो झझकि नाही परवाना ॥ कत झिख झिख अउरन समझावा ॥ झगरु कीए झगरउ

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 909 Index विषय सुची ही पावा ॥ १५ ॥ ञंञा निकटि जु घट रहयो दूरि कहा तजि जाय॥ जा कारनि जगु ढूढिअउ नेरउ पायअउ ताह ॥ १६॥ टटा बिकट घाट घट माही॥ खोलि कपाट महलि कि न जाही ॥ देखि अटल टलि कतह न जावा ॥ रहै लपटि घट परचउ पावा ॥ १७ ॥ ठठा इहै दूरि ठग नीरा ॥ नीठि नीठि मन् किया धीरा ॥ जिनि ठगि

www.dekho-ji.com 910 Index विषय सूची ठग्या संगल जगु खावा ॥ सो ठगु ठग्या ठउर मनु आवा ॥ १८ ॥ डडा डर उपजे ड्रु जायी ॥ ता डर मह डू रहआ समायी ॥ जउ डर ड्रै त फिरि ड्रु लागै ॥ निडर हूआ ड्रु उर होइ भागै ॥ १९ ॥ ढढा ढिंग ढूढह कत आना॥ ढूढत ही ढह गए पराना ॥ चड़ि सुमेरि ढूढि जब आवा ॥ जेह गड़ु गड़्यो सु गड़ मह पावा ॥ २०॥ णाना रनि रूतउ नर

नेही करै॥ ना निवै ना फुनि संचरै॥ धन्नि जनमु ताही को गनै॥ मारै एकह तजि जाय घनै॥ २१॥ तता अतर तयों नह जायी॥ तन त्रिभवन मह रहयो

समायी ॥ जउ त्रिभवन तन माह समावा ॥ तउ ततह तत मिल्या सचु पावा ॥ २२ ॥ थथा अथाह थाह नही पावा ॥ ओहु अथाह इहु थिरु न रहावा ॥

थोड़ै थलि थानक आरंभै ॥ बिन्

ही थाभह मन्दिरु थंभै॥ २३॥ ददा देखि जु बिनसनहारा॥ जस अदेखि तस राखि बिचारा॥ दसवै दुआरि कुंची जब दीजै॥ तउ दयाल को दरसन् कीजै॥

२४॥ धधा अरधह उरध निबेरा॥ अरधह उरधह मंझि बसेरा॥ अरधह छाडि उरध जउ आवा॥ तउ अरधह उरध मिल्या सुख पावा॥ २५॥ नन्ना

निसि दिन् निरखत जायी॥

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 913 Index विषय स्वी निरखत नैन रहे रतवायी॥ निरखत निरखत जब जाय पावा ॥ तब ले निरखह निरख मिलावा॥ २६॥ पपा अपर पारु नही पावा ॥ परम जोति स्य परचउ लावा ॥ पांचउ इन्द्री निग्रह करयी ॥ पापु पुन्नु दोऊ निरवरयी ॥ २७ ॥ फफा बिनु फूलह फलु होयी ॥ ता फल फंक लखै जउ कोयी ॥ दूनि न परयी फंक बिचारै॥ ता फल फंक सभै

www.dekho-ji.com 914 Index विषय सुची तन फारै॥ २८॥ बबा बिन्दह बिन्द मिलावा ॥ बिन्दह बिन्दि न बिछुरन पावा ॥ बन्दउ होइ बन्दगी गहै॥ बन्दक होइ बंध सुधि लहै ॥ २९ ॥ भभा भेदह भेद मिलावा ॥ अब भउ भानि भरोसउ आवा ॥ जो बाहरि सो भीतरि जान्या॥ भया भेद भूपति पहचान्या ॥ ३० ॥ ममा मूल गहआ मनु मानै ॥ मरमी होइ सु मन कउ जानै ॥ मत

915 www.dekho-ji.com Index विषय सुची कोयी मन मिलता बिलमावै॥ मगन भया ते सो सचु पावै॥ ३१॥ ममा मन स्यु काजु है मन साधे सिधि होइ॥ मन ही मन स्यु कहै कबीरा मन सा मिल्या न कोइ ॥ ३२ ॥ इहु मनु सकती इहु मनु सीउ॥ इहु मनु पंच तत को जीउ॥ इहु मनु ले जउ उनमनि रहै ॥ तउ तीनि लोक की बातै कहै ॥ ३३ ॥ यया जउ जानह तउ दुरमति हनि करि

www.dekho-ji.com 916 Index विषय स्वी बसि कायआ गाउ॥ रनि रूतउ भाजै नहीं सूरउ थारउ नाउ॥ ३४॥ रारा रसु निरस करि जान्या॥ होइ निरस सु रसु पहचान्या॥ इह रस छाडे उह रसु आवा ॥ उह रसु पिया इह रसु नही भावा ॥ ३५ ॥ लला ऐसे लिव मनु लावै ॥ अनत न जाय परम सचु पावै ॥ अरु जउ तहा प्रेम लिव लावै ॥ तउ अलह लहै लह चरन समावै॥

www.dekho-ji.com Index विषय सुची ३६॥ ववा बार बार बिसन सम्हारि ॥ बिसन संम्हारि न आवै हारि॥ बलि बलि जे बिसनतना जसु गावै ॥ विसन मिले सभ ही सचु पावै ॥ ३७ ॥ वावा वाही जानीऐ वा जाने इह होइ॥ इहु अरु ओहु जब

मिलै तब मिलत न जानै कोइ॥ ३८॥ ससा सो नीका करि सोधहु ॥ घट परचा की बात निरोधहु ॥ घट परचै जउ उपजै www.dekho-ji.com Index विषय सूची भाउ ॥ पूरि रहआ तह त्रिभवन राउ॥ ३९॥ खखा खोजि परै जउ कोयी॥ जो खोजै सो बहुरि न होयी॥ खोज बूझि जउ करै बीचारा ॥ तउ भवजल तरत न लावै बारा॥ ४०॥ संसा सो सह सेज सवारै ॥ सोयी सही सन्देह निवारै ॥ अलप सुख छाडि परम सुख पावा ॥ तब इह त्रिय ओुहु केंतु कहावा ॥ ४१ ॥ हाहा होत होइ नही

www.dekho-ji.com 919 Index विषय सूची जाना॥ जब ही होइ तबह मनु माना ॥ है तउ सही लखै जउ कोयी ॥ तब ओही उहु एहु न होयी ॥ ४२ ॥ लिंउ लिंउ करत फिरै सभु लोगु ॥ ता कारनि ब्यापै बहु सोगु ॥ लिखमी बर स्यु जउ ल्यु लावै ॥ सोगु मिटै सभ ही सुख पावै ॥ ४३ ॥ खखा खिरत खपत गए केते॥ खिरत खपत अजहूं नह चेते॥ अब जगु जानि जउ मना रहै ॥

920 www.dekho-ji.com Index विषय सुची जह का बिछुरा तह थिरु लहै ॥ ४४ ॥ बावन अखर जोरे आनि ॥ सक्या न अखरु एकु पछानि ॥ सत का सबदु कबीरा कहै ॥ पंडित होइ सु अनभै रहै॥ पंडित लोगह कउ ब्युहार ॥ ग्यानवंत कउ तत् बीचार ॥ जा

कै जिय जैसी बुधि होयी ॥ कह

कबीर जानैगा सोयी ॥ ४५ ॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## रामकली की वार

रामकली की वार राय बलवंडि तथा सतै डूमि आखी **१** सतिगुर प्रसादि ॥ नाउ करता कादरु करे क्यु बोलु होवै जोखीवदै ॥ दे गुना सति भैन भराव है पारंगति दानु पड़ीवदै ॥ नानकि राजु चलायआ सच् कोट् सतानी नीव दै॥ लहने धर्योन् छत्

www.dekho-ji.com 923 Index विषय सुची सिरि करि सिफती अंमृतु पीवदै ॥ मति गुर आतमदेव दी खड़गि जोरि पराकुइ जिय दै ॥ गुरि चेले रहरासि कीयी नानकि सलामति थीवदै ॥ सह टिका दितोसु जीवदै ॥ १ ॥ लहने दी फेराईऐ नानका दोही खटीऐ॥ जोति ओहा जुगति साय सह कायआ फेरि पलटीऐ ॥ झुलै सु छतु निरंजनी मलि तखतु बैठा गुर हटीऐ ॥ करह

www.dekho-ji.com 924 Index विषय सची जि गुर फुरमायआ सिल जोगु अलूनी चटीऐ ॥ लंगरु चलै गुर सबदि हरि तोटि न आवी खटीऐ॥ खरचे दिति खसंम दी आप खहदी खैरि दबटीऐ॥ होवै सिफति खसंम दी नूरु अरसहु कुरसहु झटीऐ ॥ तुधु डिठे सचे पातिसाह मलु जनम जनम दी कटीऐ ॥ सचु जि गुरि फुरमायआ क्यु एदू बालहु हटीऐ ॥ पुत्री कउलु न पाल्यो

925 www.dekho-ji.com Index विषय सुची करि पीरह कन्न मुरटीऐ ॥ दिलि खोटै आकी फिरनि बन्नि भारु

उचायनि छटीऐ॥ जिनि आखी सोयी करे जिनि कीती तिनै थटीऐ ॥ कउनु हारे किनि उवटीऐ ॥ २ ॥ जिनि कीती सो मन्नना कोसालु

जिवाहे साली ॥ धरमराय है देवता लै गला करे दलाली॥ सतिगुरु आखै सचा करे सा बात होवै दरहाली ॥ गुर अंगद दी Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 926 Index विषय स्वी दोही फिरी सचु करतै बंधि बहाली ॥ नानकु कायआ पलटु करि मलि तखतु बैठा सै डाली ॥ दरु सेवे उमति खड़ी मसकलै होइ जंगाली ॥ दरि दरवेसु खसंम दै नाय सचै बानी लाली ॥ बलवंड खीवी नेक जन जिसु बहुती छाउ पत्राली ॥ लंगरि दउलति वंडीऐ रसु अंमृतु खीरि घ्याली ॥ गुरसिखा के मुख उजले मनमुख थीए पराली ॥

www.dekho-ji.com 927 Index विषय सूची पए कबूलु खसम नालि जां घाल मरदी घाली॥ माता खीवी सह सोइ जिनि गोइ उठाली ॥ ३ ॥ होरिंयो गंग वहाईऐ दुन्यायी आखै कि क्योनु ॥ नानक ईसरि जगनाथि उच हदी वैनु विरिक्योनु ॥ माधाना परबतु करि नेत्रि बासकु सबदि रिड़क्योनु ॥ चउदह रतन निकालिअनु करि आवा गउनु

www.dekho-ji.com 928 Index विषय सुची चिलक्योनु ॥ कुदरति अह वेखालियनु जिनि ऐवड पिड ठिणक्योनु ॥ लहने धयोनु छत्र सिरि असमानि क्याड़ा छिक्योनु ॥ जोति समानी जोति माह आपु आपै सेती मिक्योनु॥ सिखां पुत्रां घोखि कै सभ उमति

वेखहु जि क्योनु ॥ जां सुधोसु तां लहना टिक्योनु ॥ ४ ॥ फेरि वसायआ फेरुआनि सतिगुरि खाडूरु ॥ जपु तपु

www.dekho-ji.com 929 Index विषय सुची संजमु नालि तुधु होरु मुचु गरूरु ॥ लबु विणाहे माणसा ज्यु पानी बूरु ॥ वर्हऐ दरगह गुरू की कुदरती नूरु ॥ जितु सु हाथ न लभयी तूं ओहु ठरूरु ॥ नउ निधि नामु निधानु है तुधु विचि भरपूरु ॥ निन्दा तेरी जो करे सो वंञै चूरु ॥ नेड़ै दिसै मात लोक तुधु सुझै दूरु ॥ फेरि वसायआ फेरुआनि सतिगुरि खाडूरु ॥ ५ ॥

www.dekho-ji.com 930 Index विषय सुची सो टिका सो बैहना सोयी दीबानु ॥ पियू दादे जेवेहा पोता परवानु ॥ जिनि बासकु नेत्रै घत्या करि नेही तानु ॥ जिनि समुन्दु विरोल्या करि मेरु मधानु ॥ चउदह रतन निकालिअनु कीतोनु चानानु ॥ घोड़ा कीतो सहज दा जतु कीयो पलानु ॥ धणखु चड़ाययो सत दा जस हन्दा बानु ॥ कलि विचि धू अंधारु सा चड़्या रै

www.dekho-ji.com 931 Index विषय स्ची भानु ॥ सतहु खेतु जमाययो सतहु छावानु ॥ नित रसोयी तेरीऐ घ्यु मैदा खानु ॥ चारे कुंडां सुझीओसु मन मह सबदु परवानु ॥ आवा गउनु निवायो करि नदरि नीसानु ॥ अउतर्या अउतारु लै सो पुरखु सुजानु॥ झखड़ि वाउ न डोलयी परबतु मेरानु ॥ जानै बिरथा जिय की जानी हू जानु ॥ क्या सालाही सचे पातिसाह जां तू सुघड़

www.dekho-ji.com 932 Index विषय सुची सुजानु ॥ दानु जि सतिगुर भावसी सो सते दानु ॥ नानक हन्दा छत्रु सिरि उमति हैरानु ॥ सो टिका सो बैहना सोयी दीबानु ॥ पियू दादे जेवेहा पोत्रा परवान् ॥ ६ ॥ धन्नु धन्नु रामदास गुरु जिनि सिर्या तिनै सवार्या ॥ पूरी होयी करामाति आपि सिरजणहारै धार्या ॥ सिखी अतै संगती पारब्रहमु करि नमसकार्या ॥

www.dekho-ji.com 933 Index विषय सूची अटलु अथाहु अतोलु तू तेरा अंतु न पारावार्या ॥ जिनी तूं सेव्या भाउ करि से तुधु पारि उतार्या ॥ लबु लोभु कामु क्रोधु मोहु मारि कढे तुधु सपरवार्या ॥ धन्नु सु तेरा थानु है सचु तेरा पैसकार्या॥ नानकु तू लहना तूहै गुरु अमरु तू वीचार्या गुरु डिठा तां मनु साधार्या॥ ७॥ चारे जागे चहु जुगी पंचायनु आपे होआ॥ आपीनै आपु

934 www.dekho-ji.com Index विषय सुची साज्योनु आपे ही थंमि खलोआ ॥ आपे पटी कलम आपि आपि लिखणहारा होआ॥ सभ उमति आवन जावनी आपे ही नवा निरोआ॥ तखति बैठा अरजन गुरू सतिगुर का खिवै चन्दोआ ॥ उगवणहु तै आथवणहु चहु चकी कियनु लोआ ॥ जिनी गुरू न सेव्यो मनमुखा पया मोआ॥ दूनी चउनी करामाति सचे का सचा ढोआ॥ चारे जागे चहु

www.dekho-ji.com 935 Index विषय स्वी जुगी पंचायनु आपे होआ॥८॥ १॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## बसंत की वार

बसंत की वार महलु ५ % सतिगुर प्रसादि॥

हिर का नामु ध्याइ कै होहु हर्या भायी ॥ करिम लिखंतै पाईऐ इह रुति सुहायी ॥ वनु त्रिनु त्रिभवनु मउल्या अंमृत फलु

पायी ॥ मिलि साधू सुखु ऊपजै लथी सभ छायी ॥ नानकु सिमरै एकु नामु फिरि बहुड़ि न

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 937 Index विषय सुची धायी ॥ १ ॥ पंजे बधे महाबली करि सचा ढोआ ॥ आपने चरन जपायअन् विचि दय् खड़ोआ॥ रोग सोग सभि मिटि गए नित नवा निरोआ ॥ दिन् रैनि नाम् ध्याइदा फिरि पाय न मोआ॥ जिस ते उपज्या नानका सोयी फिरि होआ ॥ २ ॥ किथहु उपजै कह रहै कह माह समावै ॥ जिय जंत सभि खसम के कउन् कीमति पावै ॥ कहनि ध्याइनि

भूष्णिन नित से भगत सुहावै ॥ अगमु अगोचरु साहबो दूसरु लवे न लावै ॥ सचु पूरै गुरि उपदेस्या नानकु सुणावै ॥ ३ ॥ १ ॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## जैतसरी की वार

जैतसरी महला ५ वार सलोका नालि

श्रु सतिगुर प्रसादि॥
सलोक॥ आदि पूरन मधि पूरन

अति पूरन परमेसुरह ॥ <u>सिमरंति संत सरबत्र</u> रमनं

नानक अघनासन जगदीसुरह ॥

१॥ पेखन सुनन सुनावनो मन मह द्रिड़ीऐ साचु॥ पूरि रहयो www.dekho-ji.com 940 Index विषय सूची सरबत्र मै नानक हरि रंगि राचु ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ हरि एकु निरंजनु गाईऐ सभ अंतरि सोयी ॥ करन कारन समरथ प्रभु जो करे सु होयी ॥ खिन मह थापि उथापदा तिसु बिनु नही कोयी ॥ खंड ब्रहमंड पाताल दीप रव्या सभ लोयी॥ जिसु आपि बुझाए सो बुझसी निरमल जनु सोयी ॥ १ ॥ सलोक ॥ रचंति जिय रचना

www.dekho-ji.com 941 Index विषय स्ची मात गरभ असथापनं ॥ सासि सासि सिमरंति नानक महा अगनि न बिनासनं ॥ १ ॥ मुखु तलै पैर उपरे वसन्दो क्हथड़ै थाय ॥ नानक सो धनी क्यु विसार्यो उधरह जिस दै नाय ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ रकतु बिन्दु करि निंम्या अगनि उदर मझारि॥ उरध मुखु कुचील बिकलु नरिक

घोरि गुबारि ॥ हरि सिमरत तू

ना जलह मनि तनि उर धारि॥

www.dekho-ji.com 942 Index विषय स्ची बिखम थानहु जिनि रख्या तिसु तिलु न विसारि ॥ प्रभ बिसरत सुखु कदे नाह जासह जनमु हारि॥२॥ सलोक ॥ मन इछा दान करनं सरबत्र आसा पूरनह ॥ खंडन कलि कलेसह प्रभ सिमरि नानक नह दूरनह ॥ १ ॥ हिभे रंग मानह जिसु संगि तै स्यु लाईऐ नेहु॥ सो सहु बिन्द न विसरउ नानक जिनि सुन्दरु

www.dekho-ji.com 943 Index विषय स्वी रच्या देहु॥ २॥ पउड़ी॥ जीउ प्रान तनु धनु दिया दीने रस भोग ॥ ग्रेह मन्दर रथ असु दीए रचि भले संजोग ॥ सुत बनिता साजन सेवक दीए प्रभ देवन जोग ॥ हरि सिमरत तनु मनु हर्या लह जाह विजोग ॥ साधसंगि हरि गुन रमहु बिनसे सभि रोग॥३॥ सलोक ॥ कुटम्ब जतन करने

मायआ अनेक उदमह ॥ हरि

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 944 Index विषय सुची भगति भाव हीनं नानक प्रभ बिसरत ते प्रेततह ॥ १ ॥ तुटड़िया सा प्रीति जो लायी बिअन्न स्यु ॥ नानक सची रीति सांयी सेती रत्या॥ २॥ पउड़ी ॥ जिसु बिसरत तनु भसम होइ कहते सभि प्रेतु ॥ खिनु ग्रेह मह बसन न देवही जिन स्यु सोयी हेत् ॥ करि अनरथ दरबु संच्या सो कारजि केतु ॥ जैसा बीजै सो लुनै करम इह खेतु॥

www.dekho-ji.com 945 Index विषय सुची अकिरतघना हरि विसर्या जोनी भरमेतु ॥ ४ ॥ सलोक ॥ कोटि दान इसनान अनिक सोधन पवित्रतह ॥ उचरंति नानक हरि हरि रसना सरब पाप बिमुचते ॥ १ ॥ ईधनु कीतोमू घना भोरी दितीमु भाह ॥ मनि वसन्दड़ो सचु सहु नानक हभे ड्खड़े उलाह ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ कोटि अघा सभि नास होह सिमरत

www.dekho-ji.com 946 Index विषय सुची हरि नाउ॥ मन चिन्दे फल पाईअह हरि के गुन गाउ॥ जनम मरन भै कटियह नेहचल सचु थाउ ॥ पूरिब होवै लिख्या हरि चरन समाउ ॥ करि किरपा प्रभ राखि लेहु नानक बलि जाउ॥५॥

जाउ॥५॥ सलोक॥ ग्रेह रचना अपारं मनि बिलास सुआदं रसह॥ कदांच नह सिमरंति नानक ते जंत बिसटा क्रिमह॥१॥ मुचु

947 www.dekho-ji.com Index विषय सुची अडम्बरु हभु केहु मंझि मुहबति नेह ॥ सो सांयी जैं विसरै नानक सो तनु खेह ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ सुन्दर सेज अनेक सुख रस भोगन पूरे ॥ ग्रेह सोइन चन्दन सुगंध लाय मोती हीरे॥ मन इछे सुख माणदा किछु नाह विसूरे ॥ सो प्रभु चिति न आवयी विसटा के कीरे ॥ बिन् हरि नाम न सांति होइ कितु बिधि मन् धीरे ॥ ६ ॥

सलोक ॥ चरन कमल बिरहं खोजंत बैरागी दह दिसह ॥ त्यागंत कपट रूप मायआ नानक आनन्द रूप साध संगमह

॥ १ ॥ मनि सांयी मुखि उचरा वता हभे लोय ॥ नानक हिभ अडम्बर कूड़्या सुनि जीवा सची सोइ॥२॥पउड़ी॥ बसता तूटी झुम्पड़ी चीर सभि छिन्ना ॥ जाति न पति न आदरो उद्यान भ्रमिन्ना ॥ मित्र न इठ

www.dekho-ji.com 949 Index विषय सूची धन रूपहीन किछु साकु न सिन्ना ॥ राजा सगली स्निसटि का हरि नामि मनु भिन्ना ॥ तिस की धूड़ि मनु उधरै प्रभु होइ सुप्रसन्ना ॥ ७ ॥ सलोक ॥ अनिक लीला राज रस रूपं छत्र चमर तखत आसनं ॥ रचंति मूड़ अग्यान अधह नानक सुपन मनोरथ मायआ॥ १॥ सुपनै हिभे रंग माण्या मिठा लगड़ा मोहु ॥ नानक

ण्ण प्रतिस्वास्य प्रमाण प्राप्त प्राप्त प्रमाण प्य

भखलायआ॥ आरजा गई वेहाय धंधै धायआ ॥ पूरन भए न काम मोहआ मायआ॥ क्या वेचारा जंतु जा आपि भुलायआ | C |

सलोक ॥ बसंति स्वरग लोकह जितते प्रिथवी नव खंडनह ॥

www.dekho-ji.com 951 Index विषय स्ची बिसरंत हरि गोपालह नानक ते प्रानी उद्यान भरमनह ॥ १ ॥ कउतक कोड तमास्या चिति न आवसु नाउ ॥ नानक कोड़ी नरक बराबरे उजड़ सोयी थाउ ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ महा भयान उद्यान नगर करि मान्या ॥ झूठ समग्री पेखि सचु करि जान्या ॥ काम क्रोधि अहंकारि फिरह देवान्या॥ सिरि लगा जम डंडु ता पछुतान्या ॥ बिनु पूरे गुरदेव www.dekho-ji.com Index विषय स्वी फिरै सैतान्या ॥ ९ ॥ सलोक ॥ राज कपटं रूप कपटं धन कपटं कुल गरबतह ॥ संचंति बिख्या छलं छिद्रं नानक बिनु हरि संगि न चालते ॥ १ ॥ पेखन्दड़ो की भुलु तुंमा दिसमु सोहना ॥ अदु न लहन्दड़ी मुलु नानक साथि न जुलयी मायआ ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ चलद्या नालि न चलै सो क्यु संजीऐ॥ तिस का कहु क्या जतनु जिस ते

www.dekho-ji.com 953 Index विषय स्वी वंजीऐ॥ हरि बिसरिऐ क्यु त्रिपतावै ना मनु रंजीऐ॥ प्रभू

छोडि अन लागै नरिक समंजीऐ ॥ होहु क्रिपाल दयाल नानक

भउ भंजीऐ॥ १०॥ सलोक॥ नच राज सुख मिसटं

नच भोग रस मिसटं नच मिसटं सुख मायआ ॥ मिसटं साधसंगि हरि नानक दास मिसटं प्रभ दरसनं ॥ १ ॥ लगड़ा सो नेहु

मन्न मझाहू रत्या ॥ विधड़ो सच

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 954 Index विषय सुची थोकि नानक मिठड़ा सो धनी ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ हरि बिनु कछू न लागयी भगतन कंउ मीठा॥ आन सुआद सभि फीक्या करि निरनउ डीठा ॥ अग्यानु भरमु दुखु कट्या गुर भए बसीठा ॥ चरन कमल मनु बेध्या ज्यु रंगु मजीठा ॥ जीउ प्रान तनु मनु प्रभू बिनसे सभि झूठा ॥ ११ ॥ सलोक ॥ तिअकत जलं नह जीव मीनं नह त्यागि चात्रिक

955 www.dekho-ji.com Index विषय सुची मेघ मंडलह ॥ बान बेधंच कुरंक नादं अलि बंधन कुसम बासनह ॥ चरन कमल रचंति संतह नानक आन न रुचते ॥ १ ॥ मुखु डेखाऊ पलक छडि आन न डेऊ चितु ॥ जीवन संगमु तिसु धनी हरि नानक संतां मितु ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ ज्यु मछुली बिनु पाणीऐ क्यु जीवनु पावै ॥ बून्द वेहूना चात्रिको क्यु करि त्रिपतावै ॥ नाद कुरंकह बेध्या

www.dekho-ji.com 956 Index विषय सुची सनमुख उठि धावै ॥ भवरु लोभी कुसम बासु का मिलि आपु बंधावै ॥ त्यु संत जना हरि प्रीति है देखि दरसु अघावै ॥ १२॥ सलोक ॥ चितवंति चरन कमलं सासि सासि अराधनह ॥ नह

बिसरंति नाम अचुत नानक आस पूरन परमेसुरह ॥ १ ॥ सीतड़ा मन्न मंझाह पलक न थीवै बाहरा ॥ नानक आसड़ी

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

www.dekho-ji.com 957 Index विषय सूची निबाह सदा पेखन्दो सचु धनी ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ आसावंती आस गुसायी पूरीऐ॥ मिलि गोपाल गोबिन्द न कबहू झूरीऐ ॥ देहु दरसु मनि चाउ लह जाह विसूरीऐ ॥ होइ पवित्र सरीरु चरना धूरीऐ॥ पारब्रहम गुरदेव सदा हजूरीऐ॥ १३॥ सलोक ॥ रसना उचरंति नामं स्रवनं सुनंति सबद अंमृतह ॥ नानक तिन सद बलेहारं जिना

www.dekho-ji.com 958 Index विषय सुची ध्यानु पारब्रहमनह ॥ १ ॥ हिभि कूड़ावें कम इकसु सायी बाहरे॥ नानक सेयी धन्नु जिना पिरहड़ी सच स्यु॥ २॥ पउड़ी॥ सद बलेहारी तिना जि सुनते हरि कथा ॥ पूरे ते परधान निवावह प्रभ मथा॥ हरि जसु लिखह बेअंत सोहह से हथा॥ चरन पुनीत पवित्र चालह प्रभ पथा ॥ संतां संगि उधारु सगला दुखु लथा॥ १४॥

www.dekho-ji.com 959 Index विषय स्ची सलोकु ॥ भावी उदोत करने हरि रमनं संजोग पूरनह ॥ गोपाल दरस भेटं सफल नानक सो महूरतह ॥ १ ॥ कीम न सका पाय सुख मिती हू बाहरे॥ नानक सा वेलड़ी परवानु जितु मिलन्दड़ो मा पिरी ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ सा वेला कहु कउनु है जितु प्रभ कउ पायी ॥ सो मूरतु भला संजोगु है जितु मिलै गुसायी ॥ आठ पहर हरि ध्याइ

www.dekho-ji.com 960 Index विषय सूची कै मन इछ पुजायी ॥ वडै भागि सतसंगु होइ निवि लागा पायी ॥ मनि दरसन की प्यास है नानक बलि जायी ॥ १५ ॥ सलोक ॥ पतित पुनीत गोबिन्दह सरब दोख निवारनह ॥ सरनि सूर भगवानह जपंति नानक हरि हरि हरे ॥ १ ॥ छड्यो हभु आपु लगड़ो चरना पासि ॥ नठड़ो दुख तापु नानक प्रभु पेखन्द्या ॥ २ ॥ पउड़ी ॥

www.dekho-ji.com Index विषय सूची मेलि लैहु दयाल ढह पए दुआयो ॥ रखि लेवहु दीन दयाल भ्रमत बहु हार्या ॥ भगति वछलु तेरा बिरदु हरि पतित उधार्या ॥ तुझ बिनु नाही कोइ बिनउ मोह सार्या ॥ करु गह लेहु दयाल सागर संसार्या ॥ १६॥ सलोक ॥ संत उधरन दयाल आसरं गोपाल कीरतनह ॥ निरमलं संत संगेन ओट नानक परमेसुरह ॥ १ ॥ चन्दन चन्दु न www.dekho-ji.com 962 Index विषय स्ची सरद रुति मूलि न मिटयी घांम ॥ सीतलु थीवै नानका जपन्दड़ो हरि नामु ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ चरन कमल की ओट उधरे सगल जन ॥ सुनि परतापु गोविन्द निरभउ भए मन॥ तोटि न आवै मूलि संच्या नामु धन ॥ संत जना स्यु संगु पाईऐ वडैं पुन ॥ आठ पहर हरि ध्याइ हरि जसु नित सुन ॥ १७॥ सलोक ॥ दया करनं दुख हरनं

ज्यरनं नाम कीरतनह ॥ दयाल पुरख भगवानह नानक लिपत नायआ॥ १॥ भाह बलन्दड़ी बुझि गई रखन्दड़ो प्रभु आपि॥ जिनि उपायी मेदनी नानक सो

प्रभु जापि ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ जा

प्रभ भए दयाल न ब्यापै मायआ

॥ कोटि अघा गए नास हरि इकु

www.dekho-ji.com 964 Index विषय सुची कुटम्ब संगि लोग कुल सबायआ ॥ १८॥ सलोक ॥ गुर गोबिन्द गोपाल गुर गुर पूरन नारायनह ॥ गुर दयाल समरथ गुर गुर नानक पतित उधारनह ॥ १ ॥ भउजलु बिखमु असगाहु गुरि बोहथै तारिअमु॥ नानक पूर करम सतिगुर चरनी लग्या ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ धन्नु धन्नु गुरदेव जिसु संगि हरि जपे॥ गुर क्रिपाल

www.dekho-ji.com 965 Index विषय सुची जब भए त अवगुन सभि छपे॥ पारब्रहम गुरदेव नीचहु उच थपे॥ काटि सिलक दुख मायआ करि लीने अप दसे ॥ गुन गाए बेअंत रसना हरि जसे ॥ १९ ॥ सलोक ॥ द्रिसटंत एको सुनियंत एको वरतंत एको नरहरह ॥ नाम दानु जाचंति नानक दयाल पुरख क्रिपा करह ॥ १ ॥ हकु सेवी हिंकु संमला हरि इकसु पह अरदासि ॥ नाम वखरु धनु

www.dekho-ji.com 966 Index विषय सुची संच्या नानक सची रासि ॥ २ ॥ पउड़ी ॥ प्रभ दयाल बेअंत पूरन इकु एहु॥ सभु किछु आपे आपि दूजा कहा केहु ॥ आपि करहु प्रभ दानु आपे आपि लेहु॥ आवन जाना हुकमु सभु नेहचलु तुधु थेहु॥ नानकु मंगै दानु करि किरपा नामु देहु ॥ २० ॥ १ ॥

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥

## राग माला

क्ष सतिगुर प्रसादि ॥
राग माला ॥

राग एक संगि पंच बरंगन॥ संगि अलापह आठउ नन्दन॥ प्रथम राग भैरउ वै करही ॥ पंच रागनी संगि उचरही ॥ प्रथम भैरवी बिलावली ॥ पुत्र्याकी गावह बंगली ॥ पुनि असलेखी

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

की भई बारी ए भैरउ की

www.dekho-ji.com 968 Index विषय सुची पाचउ नारी ॥ पंचम हरख दिसाख सुनावह ॥ बंगालम मधु माधव गावह ॥ १ ॥ ललत बिलावल गावही अपुनी अपुनी भांति ॥ असट पुत्र भैरव के गावह गायन पात्र ॥ १ ॥ दुतिया मालकउसक आलापह ॥ संगि रागनी पाचउ थापह ॥ गोंडकरी अरु देवगंधारी ॥ गंधारी सीहुती उचारी ॥ धनासरी ए पाचउ गायी ॥

www.dekho-ji.com 969 Index विषय सुची माल राग कउसक संगि लायी ॥ मारू मसतअंग मेवारा॥ प्रबलचंड कउसक उभारा॥ खउखट अउ भउरानद गाए॥ असट मालकउसक संगि लाए॥ १ ॥ पुनि आइअउ हिंडोलु पंच नारि संगि असट सुत ॥ उठह तान कलोल गायन तार मिलावही ॥ १ ॥ तेलंगी देवकरी आई ॥ बसंती सन्दूर सुहायी ॥ सरस अहीरी लै

www.dekho-ji.com 970 Index विषय स्ची भारजा ॥ संगि लायी पांचउ आरजा ॥ सुरमानन्द भासकर आए॥ चन्द्रबिम्ब मंगलन सुहाए॥ सरसबान अउ आह बिनोदा ॥ गावह सरस बसंत कमोदा॥ असट पुत्र मै कहे सवारी ॥ पुनि आई दीपक की बारी ॥ १ ॥ कछेली पटमंजरी टोडी कही अलापि ॥ कामोदी अउ गूजरी संगि दीपक के थापि ॥ १ ॥ कालंका कुंतल अउ रामा www.dekho-ji.com 971 Index किय स्ची
॥ कमलकुसम चम्पक के नामा
॥ गउरा अउ कानरा कलुाना
॥ असट पुत्र दीपक के जाना ॥
१ ॥ सभ मिलि सिरीराग वै
गावह ॥ पांचउ संगि बरंगन

लावह ॥ बैरारी करनाटी धरी ॥ गवरी गावह आसावरी ॥ तेह पाछै सिंधवी अलापी ॥ सिरीराग स्यु पांचउ थापी ॥ १

॥ सालू सारग सागरा अउर

गोंड गंभीर ॥ असट पुत्र स्रीराग

Feedback & Contact Me - www.dekho-ji.com

के गुंड कुंभ हमीर ॥ १ ॥ खसटम मेघ राग वै गावह ॥ पांचउ संगि बरंगन लावह ॥ सोरि गोंड मलारी धुनी ॥ पुनि गावह आसा गुन गुनी ॥

उन सुरि सूहउ पुनि कीनी॥
मेघ राग स्यु पांचउ चीनी॥ १
॥ बैराधर गजधर केदारा॥
जबलीधर नट अउ जलधारा॥
पुनि गावह संकर अउ स्यामा॥
मेघ राग पुत्रन के नामा॥ १॥

खसट राग उनि गाए संगि रागनी तीस ॥ सभै पुत्र रागन्न के अठारह दस बीस ॥ १ ॥ १ ॥

Index विषय सुची

www.dekho-ji.com 973

वाहिगुरू जी का खालसा॥ वाहिगुरू जी की फ़तिह॥